हिन्दी माध्यम

SSC General Studies

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

Chapterwise & Topicwise SOLVED PAPERS

SSC 2024

सामान्य अध्ययन

26080+ TCS PYQ

TCS Pattern Questions asked in all SSC Exams till Date

चैप्टर वाइज एवं टॉपिक वाइज

प्रमाणित स्त्रोतों सहित प्रश्नों का सर्वश्रेष्ठ हल

TREND ANALYSIS CHART सहित

957 PAPERS

सॉल्व्ड पेपर्स

Useful for ■ CGL Tier-I&II ■ CHSL (10+2) Tier I&II ■ CPO-SI ■ ■ Stenographer JE ■ MTS ■ Selection Post ■ GD ■ Delhi Police ■ Other SSC Exams

विस्तृत व्याख्या सहित हल एवं आयोग की संशोधित ANSWER-KEY द्वारा प्रमाणित

SSC
General Studies
सामान्य अध्ययन

(Based on TCS PYQ)
चैप्टर एवं टॉपिक वाइज
सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

लेखन एवं संकलन
आनन्द सोनी, रास बिहारी कुशवाहा, तोषी पाण्डेय, अंकित उपाध्याय

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण त्रिपाठी एवं आशीष गिरि

सम्पादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com
© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम साईं ऑफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए सम्पादक एवं प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य :1595/-

विषय-सूची

इतिहास (History)

■ **प्राचीन इतिहास (Ancient History) 13-64**

- पाषाण काल (Stone Age) 21
- सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilisation) 23
- वैदिक सभ्यता (Vedic Culture) 26
- महाजनपदों का उदय (Emergence of Mahajanapadas) 28
- मगध का उत्कर्ष (Emergence of Magadh) 29
- जैन धर्म/बौद्ध धर्म/भागवत/शैव धर्म (Jainism/Buddhism/ Bhagvatism/Shaivism) 30
  - जैन धर्म (Jainism) 30
  - बौद्ध धर्म (Buddhism) 32
  - शैव/वैष्णव धर्म (Shaivism/Vaishnavism) 34
- मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire) 34
- मौर्योत्तर साम्राज्य (Post- Mauryan Empire) 38
- विदेशी आक्रमण (Foreign Invasions) 39
- गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire) 40
- गुप्तोत्तर साम्राज्य (Post- Gupta Empire) 42
- दक्षिण भारतीय राजवंश (South Indian Dynasties) 43
- सीमावर्ती राजवंश (पाल/सेन/कश्मीर/कामरूप)/Borderline Dynasties (Pala/Sena/Kashmisr/Kamroop) 45
- राजपूत काल (Rajput Period) 46
- अरबों का आक्रमण (Arab's Invasions) 48
- प्राचीन भारतीय कला एवं साहित्य (Ancient Indian Art and Literature) 50
  - स्थापत्य कला (Architecture) 50
  - प्राचीनकालीन साहित्य (Ancient Period Literature) 57
  - चित्रकला (Painting) 61
- विविध (Miscellaneous) 61

■ **मध्यकालीन इतिहास (Medieval History) 65-104**

- दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate) 65
  - गुलाम वंश (Slave Dynasty) 65
  - खिलजी वंश (Khilji Dynasty) 67
  - तुगलक वंश (Tughlaq Dynasty) 69
  - सैय्यद वंश (Sayyid Dynasty) 71
  - लोदी वंश (Lodi Dynasty) 71
  - सल्तनत कालीन प्रशासन (Administration of Sultanate Period) 71
  - सल्तनत कालीन स्थापत्य (Architecture of Sultanate Period) 72
  - सल्तनत कालीन साहित्य (Literature of Sultanate Period) 74
- सूफी एवं भक्ति आंदोलन (Sufism and Bhakti Movement) 74
  - सूफी आंदोलन (Sufism Movement) 74
  - भक्ति आंदोलन (Bhakti Movement) 75
- विजयनगर साम्राज्य (Vijayanagar Empire) 77
- बहमनी राज्य (Bahmani Kingdom) 79
- मुगल साम्राज्य (Mughal Empire) 80
  - बाबर (Babur) 80
  - हुमायूँ (Humayun) 82
  - शेरशाह सूरी (Shershah Suri) 83
  - अकबर (Akbar) 83
  - जहाँगीर (Jahangir) 87
  - शाहजहाँ (Shah Jahan) 88
  - औरंगजेब (Aurangzeb) 89
  - मुगलकालीन प्रशासन (Mughal Administration) 90
  - मध्यकालीन स्थापत्य (Medieval Architecture) 92
  - मुगलकालीन चित्रकला (Mughal Painting) 97
  - मुगलकालीन संगीत (Music during Mughal Period) 98
  - मुगल कालीन साहित्य (Literature during Mughal Period) 98
- उत्तरकालीन मुगल शासक (Rulers of Later Mughal Period) 100
- सिक्ख धर्म (Sikhism) 101
- विविध (Miscellaneous) 103

■ **आधुनिक इतिहास (Modern History)..... 105-186**
- भारत में यूरोपियों का आगमन (Arrival of the Europeans in India)..... 115
  - पुर्तगाली (Portuguese)..... 115
  - डच (Dutch)..... 116
  - अंग्रेज (English)..... 116
  - फ्रांसीसी (French)..... 118
- मराठा साम्राज्य (Maratha Empire)..... 118
- स्वतंत्र राज्य (Independent Kingdoms)..... 120
  - मैसूर (Mysore)..... 120
  - बंगाल (Bengal)..... 122
  - पंजाब (Punjab)..... 124
- औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था (Colonial Economy)..... 124
- आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास (Development of Education in Modern India)..... 127
- भारत में समाचार पत्रों का विकास (Development of News Papers in India)..... 128
- 1857 का विद्रोह (Revolt of 1857)..... 129
- किसान/मजदूर/जनजाति आंदोलन (Peasants/Labour/Tribal Movements)..... 131
- सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन (Social and Religious Reform Movement)..... 133
  - ब्रह्म समाज (Brahmo Samaj)..... 133
  - आर्य समाज (Arya Samaj)..... 134
  - राम कृष्ण मिशन (Ram Krishna Mission)..... 135
  - थियोसोफिकल सोसायटी (Theosophical Society)..... 135
  - मुस्लिम सुधार आंदोलन (Muslim Reform Movements)..... 136
  - अन्य सामाजिक आंदोलन (Other Social Movements)..... 136
- सामाजिक सुधार के लिए लाए गये अधिनियम (Acts Brought for Social Reforms)..... 139
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress)..... 139
- बंगाल विभाजन/स्वदेशी आंदोलन (Partition of Bengal/Swadeshi Movement)..... 143
- मुस्लिम लीग (Muslim League)..... 143
- दिल्ली दरबार (Delhi Darbar)..... 144
- रॉलेट एक्ट (Rowlatt Act)..... 145
- विदेशों में क्रांतिकारी आंदोलन (Revolutionary Movement in Foreign)..... 145
- जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड (Jallianwala Bagh Massacre)..... 146
- क्रांतिकारी आंदोलन (Revolutionary Movement)..... 147
- महात्मा गाँधी एवं राष्ट्रीय आंदोलन (Mahatma Gandhi and National Movements)..... 150
- अहमदाबाद मिल आंदोलन (Ahmedabad Mill Movement)..... 150
- खिलाफत आंदोलन (Khilafat Movement)..... 153
- असहयोग आंदोलन (Non Co-operation Movement)..... 153
- स्वराज पार्टी (Swaraj Party)..... 154
- साइमन कमीशन (Simon Commission)..... 154
- नमक सत्याग्रह (Salt Satyagrah)..... 155
- गोलमेज सम्मेलन/गाँधी इरविन समझौता/पूना पैक्ट (Round Table Conference/Gandhi Irvin Pact/Poona Pact)..... 156
- क्रिप्स मिशन (Cripps Mission)..... 157
- भारत छोड़ो आन्दोलन (Quit India Movement)..... 158
- आजाद हिन्द फौज/सुभाष चन्द्र बोस (Azad Hind Fauj/Subhash Chandra Bose)..... 159
- कैबिनेट मिशन (Cabinet Mission)..... 159
- एटली घोषणा (Attlee Declaration)..... 160
- माउण्टबेटन योजना (Mountbatten Plan)..... 160
- गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय (Governor/Governor- General/Viceroy)..... 160
- नेताओं के उपनाम और उनके कथन (Nicknames of Leaders and his Statements)..... 167
- पुस्तकें/पत्र–पत्रिकाएं (Books/Papers-Magazines)..... 170
- ब्रिटिश कालीन स्थापत्य (Architecture of British Period)..... 173
- विविध (Miscellaneous)..... 175

■ **विश्व का इतिहास (World History)..... 187-191**

■ **भारतीय राजव्यवस्था (Indian Polity)..... 192-294**
- संवैधानिक विकास (Constitutional Development)..... 200
- संविधान सभा (Constituent Assembly)..... 201
- संविधान के स्रोत (Sources of Constitution)..... 205
- संविधान के भाग एवं अनुसूचियां (Parts and Schedules of the Constitution)..... 207
- संविधान के प्रमुख अनुच्छेद (Major Article of the Constitution)..... 211

- प्रस्तावना (Preamble) 216
- नागरिकता (Citizenship) 217
- मौलिक अधिकार (Fundamental Rights) 218
- मौलिक कर्त्तव्य (Fundamental Duties) 227
- राज्य के नीति निर्देशक तत्व (Directive Principles of State Policy) 229
- राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति (President/ Vice-President) 233
- प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद (Prime Minister and Council of Ministers) 241
- राज्यसभा (Rajya Sabha) 242
- लोकसभा (Lok Sabha) 244
- संसद विविध (Parliament Miscellaneous) 248
- राज्यपाल (Governor) 250
- विधान परिषद (Legislative Council) 252
- विधान सभा (Legislative Assembly) 254
- न्यायपालिका (Judiciary) 255
- संघ एवं राज्य क्षेत्र (Union and its Territory) 260
- पंचायती राज व्यवस्था (Panchayati Raj System) 262
- निर्वाचन (Election) 264
- आयोग/समिति (Commission/Committee) 267
- आपातकाल एवं राष्ट्रपति शासन (Emergency and President's Rule) 272
- संविधान संशोधन (Constitutional Amendment) 273
- महान्यायवादी/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (Attorney General / Comptroller and Auditor General) 279
- राजनीतिक दल (Political Party) 280
- भारत के राष्ट्रीय प्रतीक (National Symbol of India) 281
- शासकीय भाषा (Official Language) 282
- विविध (Miscellaneous) 283

भूगोल (Geography)

विश्व का भूगोल (World Geography) 295-367

- ब्रह्माण्ड (Universe) 303
- सौरमण्डल (Solar System) 305
  - सूर्य (Sun) 306
  - बुध (Mercury) 307
  - शुक्र (Venus) 308
  - पृथ्वी (Earth) 308
  - मंगल (Mars) 311
  - बृहस्पति (Jupiter) 311
  - शनि (Saturn) 313
  - अरुण, वरुण एवं यम (Uranus, Neptune and Pluto) 314
  - चन्द्रमा (Moon) 315
  - क्षुद्रग्रह (Asteroids) 316
  - धूमकेतु (Comets) 316
- पृथ्वी (Earth) 316
  - पृथ्वी की उत्पत्ति व भूगर्भिक (Orgin and Geological History of Earth) 316
  - अक्षांश (Latitude) 320
  - देशांतर (Longitude) 321
  - विषुव एवं भूमध्य रेखा (Equinox and Equator) 321
  - कर्क एवं मकर रेखा (Tropic of Cancer and Capricorn) 322
  - दिन-रात (Day-Night) 323
  - ज्वार-भाटा (Tide-Ebb) 324
- चट्टान (Rock) 325
- भूकम्प (Earthquake) 327
- ज्वालामुखी (Volcano) 329
- भू-आकृतियाँ (Landforms) 330
- पर्वत/पठार/घास के मैदान (Mountain/Plateau/Grassland) 333
- वायुमण्डल (Atmosphere) 334
- वायुदाब एवं पवनें (Atmospheric Pressure/Winds) 337
- चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात (Cyclone & Anticyclone) 339
- आर्द्रता/वर्षा (Humidity/Rainfall) 341

- जलवायु (Climate) ... 342
- शुष्क प्रदेश एवं मरूस्थल (Dry Region and Desert) ... 344
- वन (Forest) ... 344
- महासागर (Ocean) ... 346
- महासागरीय धाराएँ (Ocean Currents) ... 350
- प्रवाल भित्ति (Coral Reef) ... 351
- महाद्वीप/द्वीप (Continent/Island) ... 351
- विश्व के प्रमुख देश/राजधानियाँ/मुद्राएँ (Major Country/Capitals/Currencies of the World) ... 352
- देशों के उपनाम (Nickname of Countries) ... 355
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा (International Border line) ... 356
- विश्व की नदियाँ/नदियों के किनारे स्थित महत्वपूर्ण नगर (World's Rivers/ Important Cities Situated on the Bank of Rivers) ... 356
- कृषि एवं पशुपालन (Agriculture and Animal Husbandry) ... 359
- खनिज एवं उद्योग (Minerals and Industries) ... 359
- परिवहन (Transport) ... 361
- मानचित्र रेखाएँ (Map Lines) ... 362
- जलडमरूमध्य (Straits) ... 363
- ऊर्जा संसाधन (Energy Resources) ... 364
- विविध (Miscellaneous) ... 365

■ भारत का भूगोल (Geography of India) ... 368-470

- भारत की भौगोलिक स्थिति (Geographical location of India) ... 374
  - भारत की स्थिति एवं क्षेत्रफल (Location and Area of India) ... 374
  - भारत के सीमावर्ती देश (Neighbouring Countries of India) ... 376
- भारत का प्राकृतिक विभाजन (Physical Division of India) ... 378
  - पर्वत (Mountain) ... 378
  - चोटी (Peak) ... 383
  - पठार (Plateau) ... 386
  - घाटी (Valley) ... 387
  - दर्रा (Pass) ... 388
  - भारत की तटरेखा (Coastline of India) ... 391
- भारत के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश (State and Union Territories of India) ... 392
- झील (Lakes) ... 395
- जलप्रपात (Waterfalls) ... 399
- द्वीप (Island) ... 401
- भारत का अपवाह तन्त्र (India's Drainage System) ... 402
  - सिंधु नदी तंत्र (Indus River System) ... 402
  - गंगा नदी तंत्र (Ganges River System) ... 404
  - ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र (Brahmaputra River System) ... 407
  - प्रायद्वीपीय भारत की नदियाँ (Rivers of Peninsular India) ... 409
  - अन्य प्रमुख नदियाँ (Other Major Rivers) ... 416
  - नदियों के किनारे स्थित शहर (Cities Situated on Banks of River) ... 419
- भारत में नदी घाटी परियोजनाएँ (River Valley Projects in India) ... 420
- भारत की जलवायु (Climate of India) ... 425
- भारत की मिट्टियाँ (Soils of India) ... 427
- भारत की वन/वनस्पतियाँ (Forest/Vegetations of India) ... 433
- भारतीय कृषि/पशुपालन (Indian Agriculture/Animal Husbandry) ... 437
  - फसलें (Crops) ... 439
  - सिंचाई (Irrigation) ... 445
  - पशुपालन (Animal Husbandry) ... 446
- भारत में खनिज संसाधन/उद्योग (Mineral Resources/Industry in India) ... 447
  - खनिज संसाधन (Mineral Resources) ... 447
  - उद्योग (Industry) ... 450
- भारत की जनजातियाँ (Tribes of India) ... 454
- भारत में परिवहन (Transport in India) ... 454
  - स्थल परिवहन (Land Transport) ... 454
  - जल परिवहन (Water Transport) ... 458
  - वायु परिवहन (Air Transport) ... 461
- परमाणु एवं विद्युत ऊर्जा (Atomic & Electric Energy) ... 462
- प्रमुख अनुसंधान केन्द्र (Major Research Centre) ... 463
- भाषा (Language) ... 464
- पर्यटन स्थल (Tourist Spot) ... 464
- विविध (Miscellaneous) ... 466

अर्थव्यवस्था (Economy)

■ **अर्थव्यवस्था (Economy) 471-581**

- अर्थशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत (Major Principles of Economics) 476
- राष्ट्रीय आय एवं मापन (National Income and Measurement) 780
- गरीबी एवं बेरोजगारी (Poverty and Unemployment) 787
- माँग एवं माँग की लोच (Demand and Elasticity of Demand) 490
- आर्थिक विकास एवं आर्थिक क्षेत्रक (Economic Development and Economic Sector) 498
- करारोपण (Taxation) 500
- मुद्रा एवं बैंकिंग (Currency and Banking) 505
- मुद्रास्फीति (Inflation) 525
- बीमा तथा पूँजी बाजार (Policy and Capital Market) 527
- फर्म एवं बाजार (Ferm and Market) 530
- भुगतान–संतुलन (Balance of Payments) 537
- भारत में नियोजन एवं योजनाएँ (Planning in India and Scheme) 539
- जनसंख्या एवं नगरीकरण (Population and Urbanization) 555
- रिपोर्ट एवं सूचकांक (Report and Index) 566
- लोक वित्त (Public Finance) 568
- विविध (Miscellaneous) 574

सामान्य विज्ञान (General Science)

■ **भौतिक विज्ञान (Physics) 582-667**

- मात्रक/मापन/मापक यंत्र (Unit/ Measurement/Measuring Instrument) 587
  - मात्रक (Unit) 587
  - मापन (Measurement) 593
  - मापक यंत्र (Measuring Instrument) 593
  - भौतिक राशियाँ (Physical Quantities) 598
- यांत्रिकी (Mechanics) 599
  - कार्य (Work) 599
  - शक्ति (Power) 599
  - ऊर्जा (Energy) 600
  - द्रव्यमान (Mass) 601
  - न्यूटन के गति के नियम (Newton's Law of Motion) 601
  - बल (Force) 603
  - रैखिक संवेग/आवेग (Linear Momentum/Impulse) 604
  - दूरी और विस्थापन (Distance and Displacement) 605
  - चाल/वेग (Speed/Velocity) 605
  - प्रक्षेप्य गति (Projectile Motion) 605
  - त्वरण (Acceleration) 607
  - रेखीय गति के समीकरण (Equation of Linear Motion) 607
  - घर्षण (Friction) 608
  - सरल आवर्त गति/घूर्णन गति (Simple Harmonic Motion/ Rotational Motion) 608
- गुरुत्वाकर्षण (Gravitation) 610
  - न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण नियम (Newton's Gravitational Law) 610
  - गुरुत्व और गुरुत्व के अधीन गति (Gravity and motion under gravity) 611
  - उपग्रहों की गति/पलायन वेग (Satellite Motion /Escape Velocity) 613
- पदार्थ के गुण (Properties of Matter) 613
  - प्रत्यास्थता (Elasticity) 613
  - पृष्ठ तनाव/केशिकत्व/श्यानता (Surface Tension/Capillarity/Viscosity) 614
  - द्रवों का प्रवाह (Flow of Liquids) 615
  - उत्प्लावकता और आर्किमिडीज का सिद्धान्त (Buoyancy and Archimedes' Principle) 615
  - दाब (Pressure) 616
  - घनत्व (Density) 616
  - अणुगति सिद्धांत (Kinetic Theory) 617
- ऊष्मा (Heat) 617
  - ताप तथा ताप-मापन (Temperature & Measurement of Temperature) 617
  - ऊष्मीय ऊर्जा/ऊष्मा चालन/विकिरण (Thermal Energy/Thermal Conduction/Radiation) 619
  - ऊष्मीय प्रसार (Thermal Expansion) 619
  - संवहन (Convection) 619
  - सुचालक/कुचालक/ऊष्मारोधी (Conductor/Non-conductor/Insulator) 620
  - ऊष्मागतिकी (Thermodynamics) 620
- तरंग (Wave) 621
- ध्वनि (Sound) 624

- ध्वनि तरंगों की प्रकृति (Nature of Sound Waves) 624
- ध्वनि तरंगों की आवृत्ति परिसर (Frequency Range of Sound Waves) 625
- ध्वनि की चाल (Speed of Sound) 625
- ध्वनि के अभिलक्षण (Characteristics of Sound) 626
- प्रतिध्वनि (Echo) 626

◘ प्रकाश (Light) 626
- प्रकाश की प्रकृति (Nature of Light) 626
- प्रकाश का प्रकीर्णन (Scattering of Light) 627
- प्रकाश का परावर्तन (Reflection of Light) 628
- प्रकाश का अपवर्तन (Refraction of Light) 631
- प्रकाश का पूर्ण आन्तरिक परावर्तन (Total Internal Reflection of Light) 632
- लेंस (उत्तल/अवतल) [Lens (Convex/Concave)] 632
- मानव नेत्र (Human Eye) 634
- प्रकाशिक यंत्र (Optical Instruments) 635
- प्रकाश का वर्णविक्षेपण/इन्द्रधनुष (Dispersion of Light/Rainbow) 635

◘ विद्युत (Electricity) 636
- विद्युत आवेश (Electric Charge) 636
- कूलॉम का नियम (Coulomb's Law) 637
- विद्युत परिपथ (Electric Circuit) 637
- विद्युत धारा (Electric Current) 638
- विद्युत चालकता/ओम का नियम (Electric Conductivity/ Ohm's Law) 639
- प्रतिरोध (Resistance) 641
- विद्युत शक्ति/ऊर्जा (Electric Power/Energy) 642
- विद्युत यंत्र (Electric Instruments) 643
- ट्रांसफॉर्मर (Transformer) 644
- विद्युत बल्ब (Electric Bulb) 644
- विद्युत सेल (Electric Cell) 644

◘ चुम्बकत्व (Magnetism) 645

◘ इलेक्ट्रॉनिक्स (Electronics) 649

◘ आधुनिक भौतिकी (Modern Physics) 650

◘ नाभिकीय भौतिकी (Nuclear Physics) 651

◘ आविष्कार (Invention) 652

◘ विविध (Miscellaneous) 660

■ **रसायन विज्ञान (Chemistry) 668-737**

◘ रसायन विज्ञान : एक परिचय (Chemistry : An Introduction) 674
- पदार्थों का वर्गीकरण (Classification of Matters) 674
- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन (Physical and Chemical Changes) 674
- डाल्टन का परमाणु सिद्धान्त (Dalton's Atomic Theory) 674
- अणु/परमाणु भार (Molecule/Atomic Weight) 675
- मोल संकल्पना/एवोगैड्रो संख्या (Mole Concept/Avogadro Number) 676
- धातु, अधातु और उपधातु (Metal, Non-metal & Metalloids) 676
- मिश्रण एवं मिश्रण को अलग करने की प्रमुख विधियाँ (Mixture and Methods of Separating the Mixture) 677
- पदार्थ का अवस्था परिवर्तन (Change in State of Matter) 678
- विलयन (Solution) 679

◘ परमाणु संरचना (Atomic Structure) 679
- परमाणु और उसके मूल घटक (Atom and their fundamental components) 679
- क्वांटम संख्या (Quantum Numbers) 681
- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास (Electronic Configuration) 681

◘ परमाणु नाभिक (Atomic Nucleus) 681
- परमाणु क्रमांक एवं द्रव्यमान संख्या (Atomic Number and Mass Number) 681
- समस्थानिक (Isotopes) 682
- समभारिक (Isobars) 683

◘ गैसीय नियम (Gaseous Law) 683

◘ रेडियोएक्टिवता एवं नाभिकीय ऊर्जा (Radioactivity and Nuclear energy) 685

◘ संयोजकता/रासायनिक बंधन (Valency/Chemical Bonding) 685

◘ ऑक्सीकरण और अपचयन (Oxidation and Reduction) 686

◘ वैद्युत अपघटन/वैद्युत रासायनिक श्रेणी (Electrolysis & Electro/Chemical Series) 687

◘ अम्ल, क्षार एवं लवण (Acid, Base and Salt) 688
- अम्ल (Acid) 688
- क्षार (Base) 690
- लवण (Salt) 690
- pH मान (pH Value) 691

- तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण (Periodic Classification of Elements) 692
- तत्वों के आवर्ती गुण (Periodic Properties of Elements) 699
- अधातुएँ एवं अधात्विक यौगिक/अनुप्रयोग (Non-metals & Non-metallic Compounds/Applications) 700
  - हाइड्रोजन (Hydrogen) 700
  - ऑक्सीजन (Oxygen) 701
  - नाइट्रोजन (Nitrogen) 701
  - फास्फोरस (Phosphorous) 702
  - हैलोजन (Halogen) 702
  - निष्क्रिय गैसें (Inert Gases) 703
  - सल्फर (Sulphur) 704
  - कार्बन (Carbon) 704
- धातुएं/धात्विक यौगिक एवं उनके अनुप्रयोग (Metals/Metallic Compound and their Applications) 705
  - सोडियम (Sodium) 705
  - कैल्शियम (Calcium) 707
  - एल्युमीनियम (Aluminium) 708
  - सिल्वर (Silver) 708
  - सोना (Gold) 709
  - पोटैशियम (Potassium) 709
  - मैग्नीशियम (Magnesium) 709
  - पारा (Mercury) 709
  - कॉपर/जिंक/टिन (Copper/ Zinc/Tin) 710
  - अन्य धातुएँ (Other Metals) 710
- ईंधन (Fuel) 711
- मिश्रधातु (Alloy) 713
- अयस्क एवं धातुकर्म (Ores and Metallurgy) 714
- बहुलक (Polymers) 717
- साबुन/डिटर्जेन्ट (Soap/ Detergents) 718
- काँच/सीमेंट (Glass/Cement) 718
- कार्बनिक रसायन (Organic Chemistry) 719
  - कार्बनिक यौगिकों का नामकरण (Nomenclature of Organic Compounds) 719
  - हाइड्रोकार्बन (Hydrocarbons) 721
  - एल्कोहॉल (Alcohol) 722
  - कार्बनिक अम्ल (Carbonic Acid) 722
  - फार्मेल्डिहाइड/एस्टर/एसीटोन (Formaldehyde/Esters/Acetone) 725
  - अन्य कार्बनिक यौगिक (Other Carbonic Compound) 725
- रासायनिक अभिक्रियाएँ (Chemical Reactions) 728
- उर्वरक (Fertilizer) 730
- उत्प्रेरक (Catalyst) 730
- विविध (Miscellaneous) 730

■ जीव विज्ञान (Biology) 738-864

- जीव विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (Major Branches of Biology) 744
- कोशिका (सिद्धान्त/संरचना/कार्य) [Cell (Theories/Structures/Functions)] 746
  - जन्तु कोशिका (Animal Cell) 746
  - पादप कोशिका (Plant Cell) 753
- ऊतक (Tissues) 753
  - जन्तु ऊतक (Animal Tissue) 755
  - पादप ऊतक (Plant Tissue) 756
- जैव अणु (लिपिड/प्रोटीन/न्यूक्लिक अम्ल) [Biomolecule (Lipids/ Proteins / Nucleic Acids)] 758
  - न्यूक्लिक अम्ल (आर.एन.ए./डी.एन.ए.) [Nucleic Acids (R.N.A./D.N.A.)] 758
  - प्रोटीन/वसा (Protein/Fat) 759
  - एंजाइम (Enzyme) 760
  - कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate) 761
- गुणसूत्र (Chromosome) 762
- आनुवांशिकी (Genetics) 764
- जैव विकास (Organic-Evolution) 765
- वर्गिकी (Taxonomy) 767
  - वर्गीकरण समूहों की पदानुक्रमित संरचना (The Hierarchy of Classification Groups) 767
  - व्हिटेकर की पंच जगत प्राणली (मोनेरा/ प्रोटिस्टा/फंजाई/प्लांटी/एनीमीलिया) [Whittaker's Five Kingdom Classification (Monera/ Protista/Fungi/Plantae/ Animalia)] 767
  - द्विनाम पद्धति (Binomial Nomenclature) 769

- जन्तु जगत (Animal Kingdom) ... 770
  - पोरीफेरा (Porifera) ... 770
  - सीलेन्ट्रेटा (Coelenterata) ... 770
  - प्लैटीहेल्मिंथीज (Platyhelminthes) ... 771
  - एनीलिडा (Annelida) ... 772
  - आर्थोपोडा (Arthropoda) ... 772
  - मोलस्का (Mollusca) ... 774
  - एकाइनोडर्मेटा (Echinodermata) ... 775
  - कार्डेटा (Chordata) ... 776
- मानव शरीर (Human Body) ... 780
  - पाचन तंत्र (Digestive System) ... 780
  - रुधिर परिसंचरण तंत्र (Blood Circulatory System) ... 784
  - श्वसन तंत्र (Respiratory System) ... 788
  - उत्सर्जन तंत्र (Excretory System) ... 790
  - तंत्रिका तंत्र (Nervous System) ... 792
  - कंकाल तंत्र (Skeleton System) ... 796
  - अन्तःस्रावी तंत्र (Endocrine System) ... 798
  - प्रजनन तंत्र (Reproductive System) ... 801
- विटामिन एवं पोषण (Vitamin and Nutrition) ... 802
- मानव रोग, लक्षण एवं उपचार (Human Disease, Symptoms and Treatments) ... 811
  - रोग एवं लक्षण (Disease and Symptom) ... 811
  - उपचार (Treatments) ... 828
- पादप जगत (Plant Kingdom) ... 832
  - कवक (Fungi) ... 832
  - शैवाल (Algae) ... 833
  - ब्रायोफाइटा (Bryophyta) ... 836
  - टेरिडोफाइटा (Pteridophyta) ... 837
  - अनावृतबीजी (Gymnosperm) ... 838
  - आवृतबीजी (Angiosperm) ... 839
- पादप आकारिकी (Plant Morphology) ... 842
  - जड़ (Root) ... 842
  - तना (Stem) ... 842
  - पत्ती (Leaves) ... 843
  - पुष्प/फल (Flower/Fruit) ... 844
- पादप कार्यिकी (Plant Physiology) ... 845
  - वाष्पोत्सर्जन (Transpiration) ... 845
  - प्रकाश संश्लेषण (Photosynthesis) ... 846
  - पौधों में श्वसन (Respiration in Plants) ... 848
  - पौधों में परिवहन (Transport in Plants) ... 848
  - पादप हॉर्मोन्स (Plant Hormones) ... 849
  - पादप गतियां (Plant Movements) ... 849
  - पोषक तत्व (Nutrients) ... 849
  - पादप रोग (Plant Disease) ... 850
  - पौधों में अनुकूलन (Adaptation in Plant) ... 851
- पौधों में जनन (Reproduction in Plants) ... 853
- आर्थिक महत्व के जीव एवं वनस्पतियाँ (Economic Importance Flora and Fauna) ... 855
- आनुवांशिकी इंजीनियरिंग एवं बॉयोटेक्नोलॉजी (Genetic Engineering and Biotechnology) ... 856
- प्रमुख जैव वैज्ञानिक/आविष्कार (Major Biologist/Inventions) ... 857
- विविध (Miscellaneous) ... 859

■ कम्प्यूटर (Computer) ... 865-908

- कम्प्यूटर : एक परिचय (Computer : An Introduction) ... 869
- कम्प्यूटर का विकास (Development of Computer) ... 870
- इनपुट तथा आउटपुट (Input and Output) ... 873
- मेमोरी (Memory) ... 876
- डिजाइन टूल्स एवं प्रोग्रामिंग भाषाएँ (Design Tools and Programming Languages) ... 878
- डेटा प्रतिनिधित्व एवं संख्या प्रणाली (Data Representation and Number System) ... 882
- सॉफ्टवेयर (Software) ... 884
- डेटा संचार (Data Communication) ... 889
- इंटरनेट (Internet) ... 894
- माइक्रोसॉफ्ट विन्डोज (Microsoft Windows) ... 899
- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office) ... 901

- शब्द संक्षेप (Abbreviation) 904
- विविध (Miscellaneous) 907

■ **पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण (Ecology and Environment) 909-959**

- पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) 912
- पर्यावरण संरक्षण (Environmental Protection) 919
- जैव-विविधता (Biodiversity) 923
- वन एवं वन्य जीव संरक्षण एवं प्रबन्धन (Forest and Wildlife Conservation and Management) 927
- प्रदूषण (Pollution) 941
- भू-ऊष्मन एवं जलवायु परिवर्तन (Global Warming and Climate Change) 948
- ओजोन परत (Ozone Layer) 950
- विविध (Miscellaneous) 954

■ **परम्परागत सामान्य ज्ञान (Traditional General knowledge) 960-1120**

- कला एवं संस्कृति (Art and Culture) 964
  - त्यौहार/उत्सव (Festival) 964
  - नृत्य (Dance) 981
  - संगीत (Music) 1010
  - चित्रकला (Painting) 1025
  - भारतीय परिधान (Indian Dresses) 1027
  - मार्शल आर्ट/युद्ध कला (Martial Art/Warfare's) 1028
- पुस्तकें/लेखक (Books/Authors) 1030
  - राष्ट्रीय पुस्तकें (National Books) 1030
  - अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें (International Books) 1041
- दिन/दिवस (Day/Divas) 1043
- पुरस्कार (Award) 1048
  - नोबेल पुरस्कार (Nobel Prize) 1048
  - भारत रत्न (Bharat Ratna) 1050
  - पुलित्जर पुरस्कार (Pulitzer Prize) 1051
  - जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार (Jawahar Lal Nehru Award) 1051
  - ज्ञानपीठ पुरस्कार (Jananpith Award) 1051
  - ऑस्कर पुरस्कार (Oscar Award) 1052
  - दादा साहेब फॉल्के पुरस्कार (Dada Saheb Phalke Award) 1053
  - पद्म विभूषण पुरस्कार (Padma Vibhushan Award) 1053
  - वीरता पुरस्कार (Bravery Award) 1056
  - भटनागर पुरस्कार (Bhatnagar Award) 1056
  - रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (Ramon Magsaysay Award) 1056
  - संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (Sangeet Natak Akademi Award) 1057
  - अन्य प्रमुख पुरस्कार (Other Major Award) 1058
- अन्तर्राष्ट्रीय संगठन/बैंक (International Organization/Bank) 1064
- अंतरिक्ष कार्यक्रम (Space programme) 1068
- भारत का प्रतिरक्षा तंत्र (Defence System of India) 1071
- खेल (Sports) 1072
  - ओलम्पिक (Olympic) 1072
  - राष्ट्रमण्डल (Commonwealth) 1075
  - एशियाई खेल (Asian Games) 1075
  - कबड्डी (Kabaddi) 1076
  - हॉकी (Hockey) 1077
  - क्रिकेट (Cricket) 1079
  - फुटबॉल (Football) 1084
  - बैडमिण्टन (Badminton) 1087
  - गोल्फ (Golf) 1088
  - शतरंज (Chess) 1088
  - वालीबॉल (Volleyball) 1089
  - टेनिस (Tennis) 1089
  - मुक्केबाजी (Boxing) 1091
  - अन्य प्रमुख खेल (Other Major Sport) 1091
- प्रमुख संस्थान/मुख्यालय (Major Institutions/ Headquarters) 1096
- प्रमुख स्थल (Major Site) 1100
- प्रमुख व्यक्तित्व (Major Personalities) 1102
- विश्व/भारत में प्रथम (First in World/India) 1105
- विविध (Miscellaneous) 1107

SSC की विभिन्न विगत परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण-चार्ट

क्र.स.	परीक्षा	परीक्षा वर्ष	कुल प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन के कुल प्रश्न
1.	SSC CGL (Tier-II) (October)	2023	1	1 × 45 = 45
2.	SSC CGL (Tier-I)	2023	39	39×25 = 975
3.	SSC CGL (Tier-II) (March)	2023	4	4 × 45 = 180
4.	SSC CHSL (Tier-I) (March)	2023	36	36 × 25 = 900
5.	SSC CHSL (Tier-II)	2023	1	1 × 35 = 35
6.	SSC CHSL (Tier-I) (August)	2023	40	40 × 25 = 1000
7.	SSC MTS (September)	2023	27	27 × 25 = 675
8.	SSC MTS	2023	57	57 × 25 = 1425
9.	SSC Selection Post Phase-XI (Graduate Level)	2023	12	12 × 25 = 300
10.	SSC GD (Constable)	2023	76	76 × 20 = 1520
11.	SSC JE	2023	9	9 × 50 = 450
12.	SSC CGL (Tier-I)	2022	40	40 × 25 = 1000
13.	SSC CPO (Tier-I)	2022	9	9 × 50 = 450
14.	SSC CGL (Tier-II)	2022	3	3 × 100 = 300
15.	SSC CGL (Tier-I)	2022	21	21 × 25 = 525
16.	SSC CHSL	2022	42	42 × 25 = 1050
17.	SSC MTS	2022	48	48 × 25 = 1200
18.	SSC CGL	2021	21	21 × 25 = 525
19.	SSC CHSL	2021	36	36 × 25 = 900
20.	SSC MTS	2021	42	42 × 25 = 1050
21.	SSC Steno.	2021	6	6 × 50 = 300
22.	SSC JE	2021	6	6 × 50 = 300
23.	SSC CGL	2020	18	18 × 25 = 450
24.	SSC CPO-SI	2020	6	6 × 50 = 300
25.	SSC CHSL	2020	36	36 × 25 = 900
26.	SSC CGL	2019	22	22 × 25 = 550
27.	SSC CPO SI	2019	8	8 × 50 = 400
28.	SSC CHSL	2019	25	25 × 25 = 625
29.	SSC GD	2019	40	40 × 25 = 1000
30.	SSC JE	2019	8	8 × 50 = 400
31.	SSC MTS	2019	39	39 × 25 = 975
32.	SSC JE	2018	12	12 × 50 = 600
33.	SSC CHSL	2018	76	76 × 25 = 1900
34.	SSC CGL	2017	44	44 × 25 = 1100
35.	SSC JE	2017	8	8 × 50 = 400
36.	SSC CPO SI	2017	16	16 × 50 = 800
37.	SSC MTS	2017	17	17 × 25 = 425
	Total		**951**	**25,930**

नोट- ● इस पुस्तक में कर्मचारी चयन आयोग (SSC) द्वारा आयोजित की गयी 20 ऑनलाइन परीक्षाओं के कुल **951** प्रश्न-पत्रों को सम्मिलित किया गया है।

● इस पुस्तक में सामान्य अध्ययन से संबंधित कुल **25,930** प्रश्नों में से दोहराव वाले प्रश्नों को हटाकर इतिहास के 1311, भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान के 914, भूगोल के 1474, अर्थव्यवस्था के 831, सामान्य विज्ञान के 2346, कम्प्यूटर के 352, पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरण के 416 एवं परम्परागत सामान्य ज्ञान के 1116 प्रश्नों का व्याख्या सहित अध्यायवार संकलन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें से दोहराव वाले प्रश्नों को हटाकर संबंधित परीक्षा का नाम व परीक्षा तिथि मूल प्रश्न के साथ जोड़ दिया गया है, जिससे परीक्षार्थी प्रश्न की महत्ता का सही आकलन कर सके।

Trend Analysis of Previous Year SSC General Studies Papers Through Pie Chart and Bar Graph

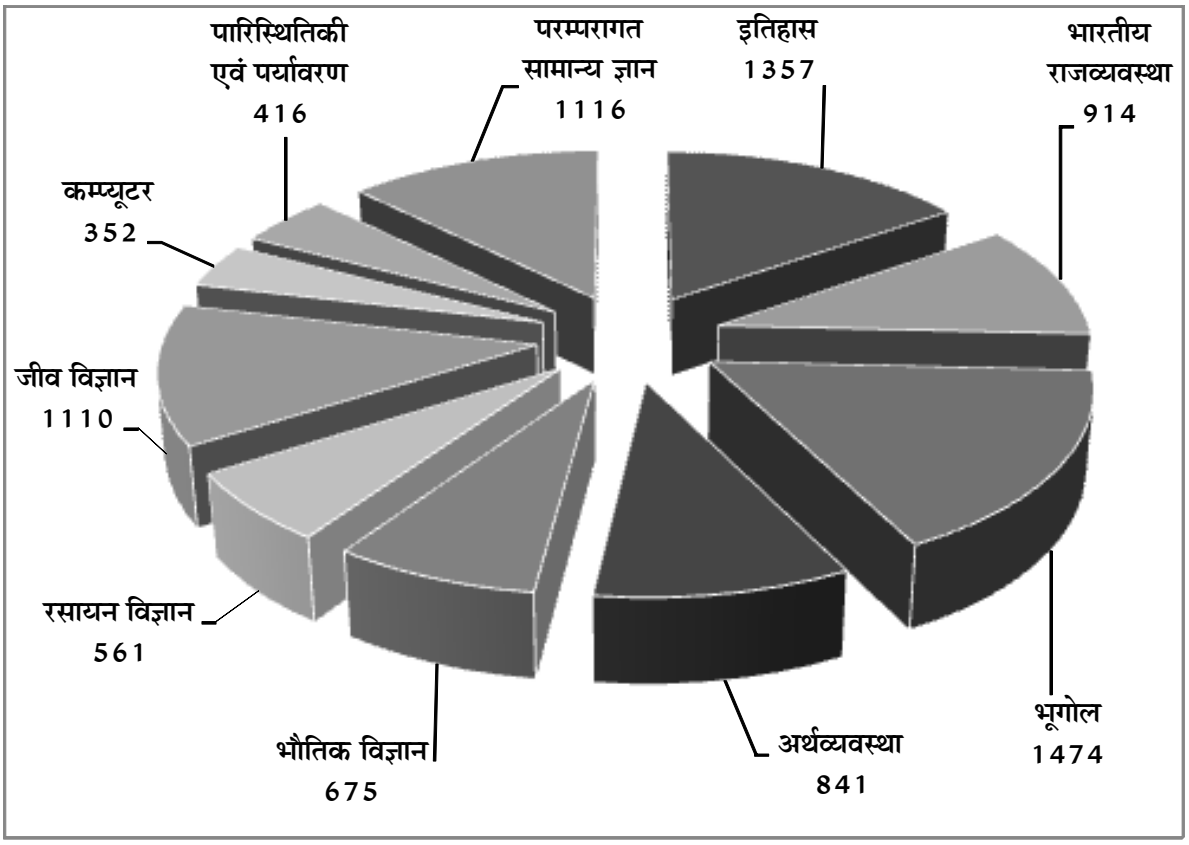

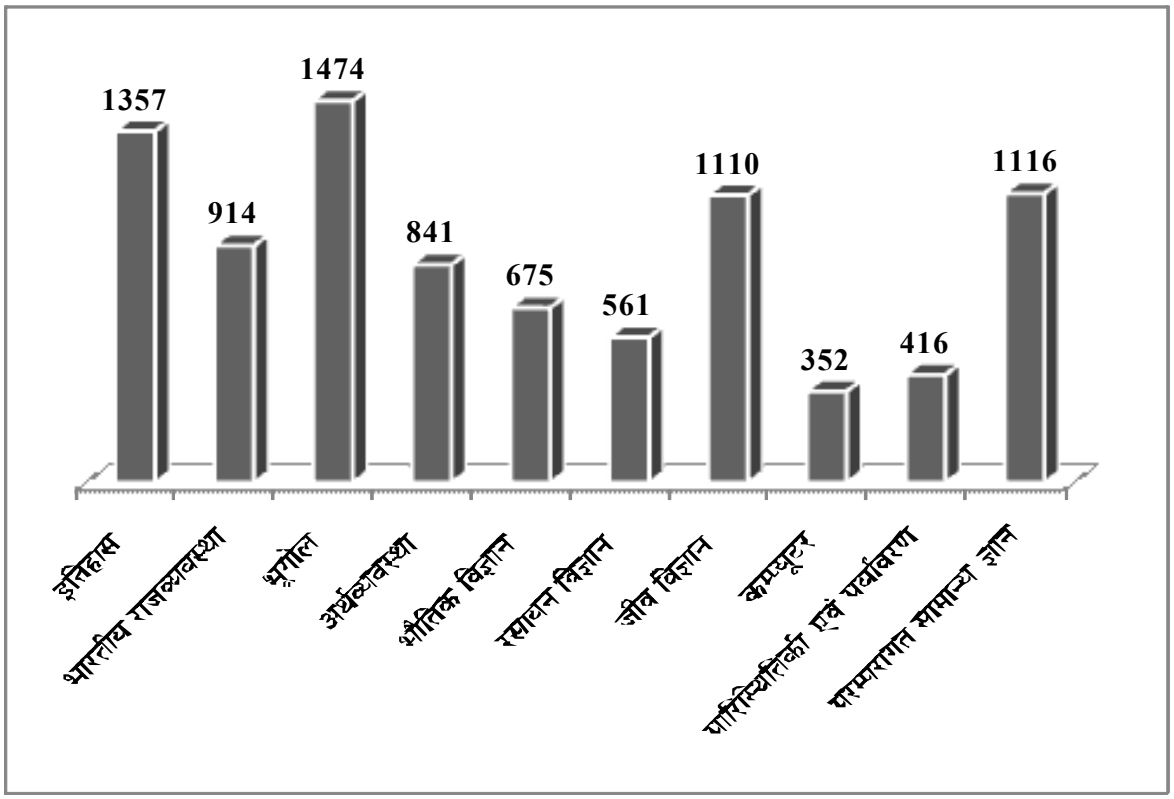

भाग–1

इतिहास (History)

A. प्राचीन इतिहास (Ancient History)

TCS पैटर्न पर आधारित (Based On TCS Pattern)			
Chapterwise	**Exam**	**Question No.**	**Years**
1 पाषाण काल (Stone Age)	CGL (Tier-1)	4	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	3	
	CHSL (Tier-1)	4	
	CHSL (Tier-2)	3	
	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	1	
	SSC GD	2	
	SSC CPO SI	2	
	SSC JE	3	
2 सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilisation)	CGL (Tier-1)	3	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	2	
	CHSL (Tier-1)	4	
	CHSL (Tier-2)	1	
	Selection Post XI	1	
	SSC MTS	2	
	SSC GD	1	
	SSC CPO SI	2	
	SSC JE	2	
3 वैदिक सभ्यता (Vedic Culture)	CGL (Tier-1)	6	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	4	
	CHSL (Tier-1)	4	
	CHSL (Tier-2)	3	
	Selection Post XI	4	
	SSC MTS	1	
	SSC GD	1	
	SSC CPO SI	2	
	SSC JE	1	

4 महाजनपदों का उदय (Emergence of Mahajanapadas)	CGL (Tier-1)	5	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	3	
	CHSL (Tier-1)	4	
	CHSL (Tier-2)	2	
	Selection Post XI	1	
	SSC MTS	6	
	SSC GD	4	
	SSC CPO SI	3	
	SSC JE	2	
5 मगध का उत्कर्ष (Emergence of Magadh)	CGL (Tier-1)	3	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	1	
	CHSL (Tier-1)	2	
	CHSL (Tier-2)	3	
	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	1	
	SSC GD	1	
	SSC CPO SI	2	
	SSC JE	1	
6 जैन धर्म/बौद्ध धर्म/भागवत/शैव धर्म (Jainism/Buddhism/ Bhagvatism/Shaivism)	CGL (Tier-1)	19	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	15	
	CHSL (Tier-1)	6	
	CHSL (Tier-2)	5	
	Selection Post XI	3	
	SSC MTS	4	
	SSC GD	3	
	SSC CPO SI	2	
	SSC JE	3	
7 मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire)	CGL (Tier-1)	3	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	4	
	CHSL (Tier-1)	3	
	CHSL (Tier-2)	2	
	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	3	
	SSC CPO SI	4	
	SSC JE	1	
8 मौर्योत्तर साम्राज्य (Post- Mauryan Empire)	CGL (Tier-1)	2	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	2	
	CHSL (Tier-1)	3	

	CHSL (Tier-2)	2	
	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	–	
	SSC CPO SI	1	
	SSC JE	–	
9	CGL (Tier-1)	2	
	CGL (Tier-2)	1	
	CHSL (Tier-1)	6	
	CHSL (Tier-2)	2	(2017–2023)
विदेशी आक्रमण (Foreign Invasions)	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	2	
	SSC GD	–	
	SSC CPO SI	2	
	SSC JE	–	
10	CGL (Tier-1)	3	
	CGL (Tier-2)	5	
	CHSL (Tier-1)	3	(2017–2023)
	CHSL (Tier-2)	1	
गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)	Selection Post XI	1	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	3	
	SSC CPO SI	4	
	SSC JE	0	
11	CGL (Tier-1)	1	
	CGL (Tier-2)	2	
	CHSL (Tier-1)	4	
	CHSL (Tier-2)	1	(2017–2023)
गुप्तोत्तर साम्राज्य (Post- Gupta Empire)	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	2	
	SSC CPO SI	–	
	SSC JE	–	
12	CGL (Tier-1)	3	
	CGL (Tier-2)	2	
	CHSL (Tier-1)	2	(2017–2023)
सीमावर्ती राजवंश (पाल/सेन/कश्मीर/कामरूप)/Borderline Dynasties (Pala/Sena/Kashmisr/Kamroop)	CHSL (Tier-2)	1	
	Selection Post XI	1	
	SSC MTS	2	

	SSC GD	1	
	SSC CPO SI	2	
	SSC JE	1	
13 राजपूत काल (Rajput Period)	CGL (Tier-1)	2	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	–	
	CHSL (Tier-1)	2	
	CHSL (Tier-2)	1	
	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	1	
	SSC CPO SI	–	
	SSC JE	–	
14 अरबों का आक्रमण (Arab's Invasions)	CGL (Tier-1)	2	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	2	
	CHSL (Tier-1)	1	
	CHSL (Tier-2)	2	
	Selection Post XI	–	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	1	
	SSC CPO SI	–	
	SSC JE	–	
15 प्राचीन भारतीय कला एवं साहित्य (Ancient Indian Art and Literature)	CGL (Tier-1)	18	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	16	
	CHSL (Tier-1)	6	
	CHSL (Tier-2)	12	
	Selection Post XI	3	
	SSC MTS	4	
	SSC GD	5	
	SSC CPO SI	4	
	SSC JE	1	
16 विविध (Miscellaneous)	CGL (Tier-1)	7	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	6	
	CHSL (Tier-1)	8	
	CHSL (Tier-2)	3	
	Selection Post XI	1	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	–	
	SSC CPO SI	–	
	SSC JE	1	

Trend Analysis of Questions topicwise from CGL (Pre & Mains) CHSL (Pre & Mains) Selection Post XI, SSC MTS, SSC GD, SSC JE & Other Exams (2017-2023)

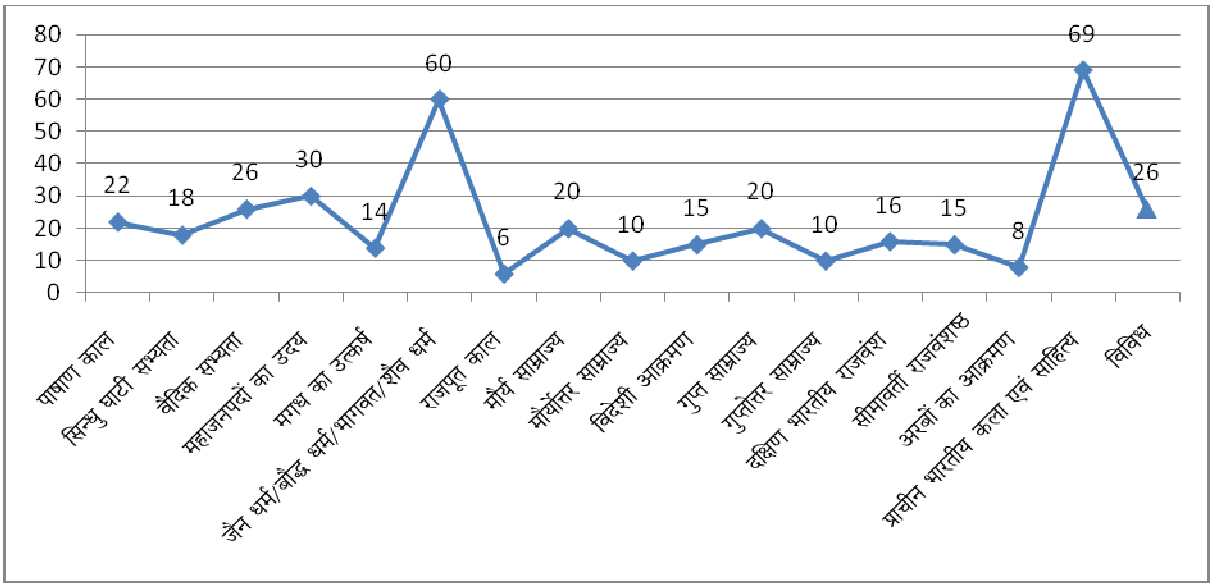

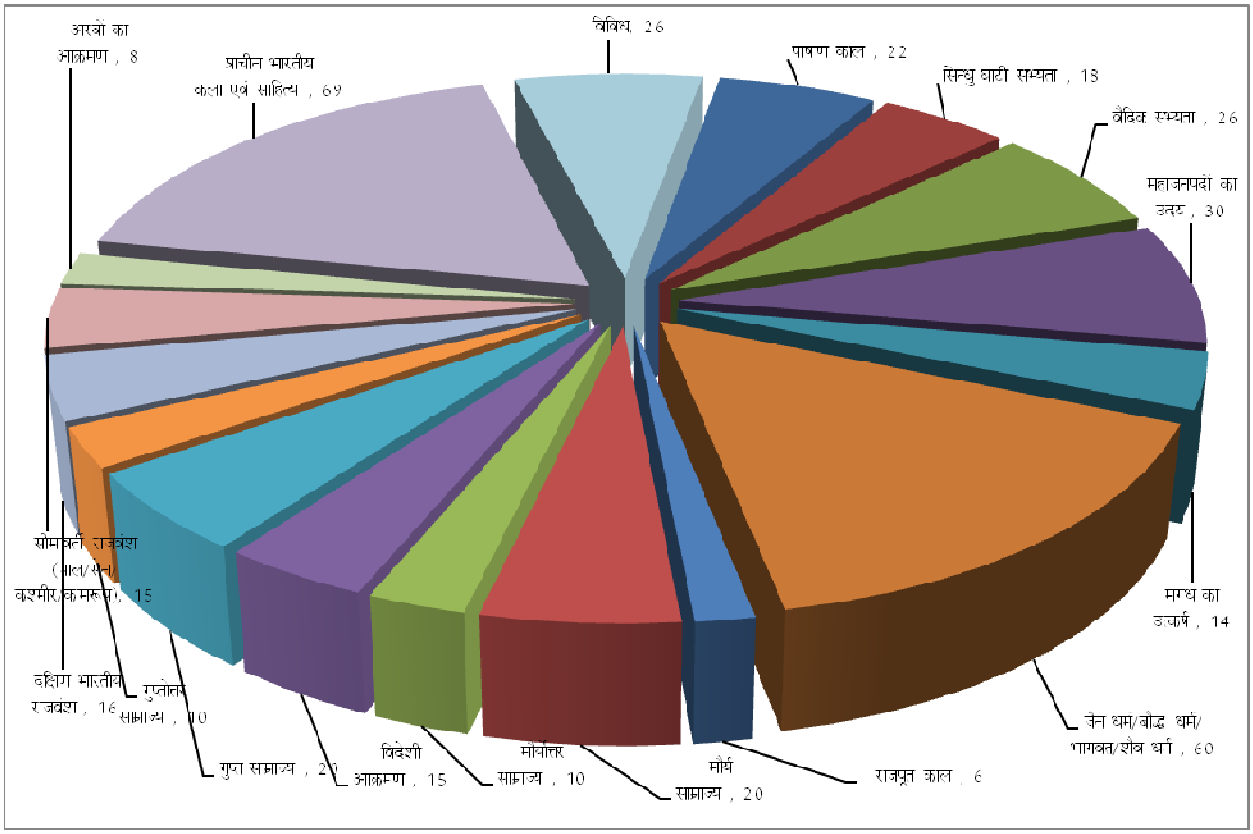

B. मध्यकालीन इतिहास (Medieval History)

TCS पैटर्न पर आधारित (Based On TCS Pattern)			
Chapterwise	**Exam**	**Question No.**	**Years**
1 दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate)	**CGL (Tier-1)**	**21**	**(2017–2023)**
	CGL (Tier-2)	**16**	
	CHSL (Tier-1)	**8**	
	CHSL (Tier-2)	**5**	
	Selection Post XI	**2**	
	SSC MTS	**3**	
	SSC GD	**3**	
	SSC CPO SI	**4**	
	SSC JE	**3**	
2 सूफी एवं भक्ति आंदोलन (Sufism and Bhakti Movement)	**CGL (Tier-1)**	**6**	**(2017–2023)**
	CGL (Tier-2)	**2**	
	CHSL (Tier-1)	**5**	
	CHSL (Tier-2)	**6**	
	Selection Post XI	**5**	
	SSC MTS	**10**	
	SSC GD	**2**	
	SSC CPO SI	**–**	
	SSC JE	**4**	
3 विजयनगर साम्राज्य (Vijayanagar Empire)	**CGL (Tier-1)**	**4**	**(2017–2023)**
	CGL (Tier-2)	**2**	
	CHSL (Tier-1)	**5**	
	CHSL (Tier-2)	**3**	
	Selection Post XI	**4**	
	SSC MTS	**6**	
	SSC GD	**6**	
	SSC CPO SI	**4**	
	SSC JE	**4**	
4 बहमनी राज्य (Bahmani Kingdom)	**CGL (Tier-1)**	**2**	**(2017–2023)**
	CGL (Tier-2)	**1**	
	CHSL (Tier-1)	**3**	
	CHSL (Tier-2)	**2**	
	Selection Post XI	**5**	
	SSC MTS	**6**	

	SSC GD	5	
	SSC CPO SI	6	
	SSC JE	4	
5 मुगल साम्राज्य (Mughal Empire)	CGL (Tier-1)	18	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	23	
	CHSL (Tier-1)	16	
	CHSL (Tier-2)	15	
	Selection Post XI	5	
	SSC MTS	4	
	SSC GD	3	
	SSC CPO SI	1	
	SSC JE	3	
6 उत्तरकालीन मुगल शासक (Rulers of Later Mughal Period)	CGL (Tier-1)	3	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	5	
	CHSL (Tier-1)	7	
	CHSL (Tier-2)	4	
	Selection Post XI	1	
	SSC MTS	–	
	SSC GD	2	
	SSC CPO SI	1	
	SSC JE	2	
7 सिक्ख धर्म (Sikhism)	CGL (Tier-1)	1	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	3	
	CHSL (Tier-1)	2	
	CHSL (Tier-2)	1	
	Selection Post XI	3	
	SSC MTS	2	
	SSC GD	4	
	SSC CPO SI	1	
	SSC JE	3	
8 विविध (Miscellaneous)	CGL (Tier-1)	8	(2017–2023)
	CGL (Tier-2)	3	
	CHSL (Tier-1)	7	
	CHSL (Tier-2)	2	
	Selection Post XI	2	
	SSC MTS	3	
	SSC GD	–	
	SSC CPO SI	–	
	SSC JE	2	

Trend Analysis of Questions topicwise from CGL (Pre & Mains) CHSL (Pre & Mains) Selection Post XI, SSC MTS, SSC GD, SSC JE & Other Exams (2016-2023)

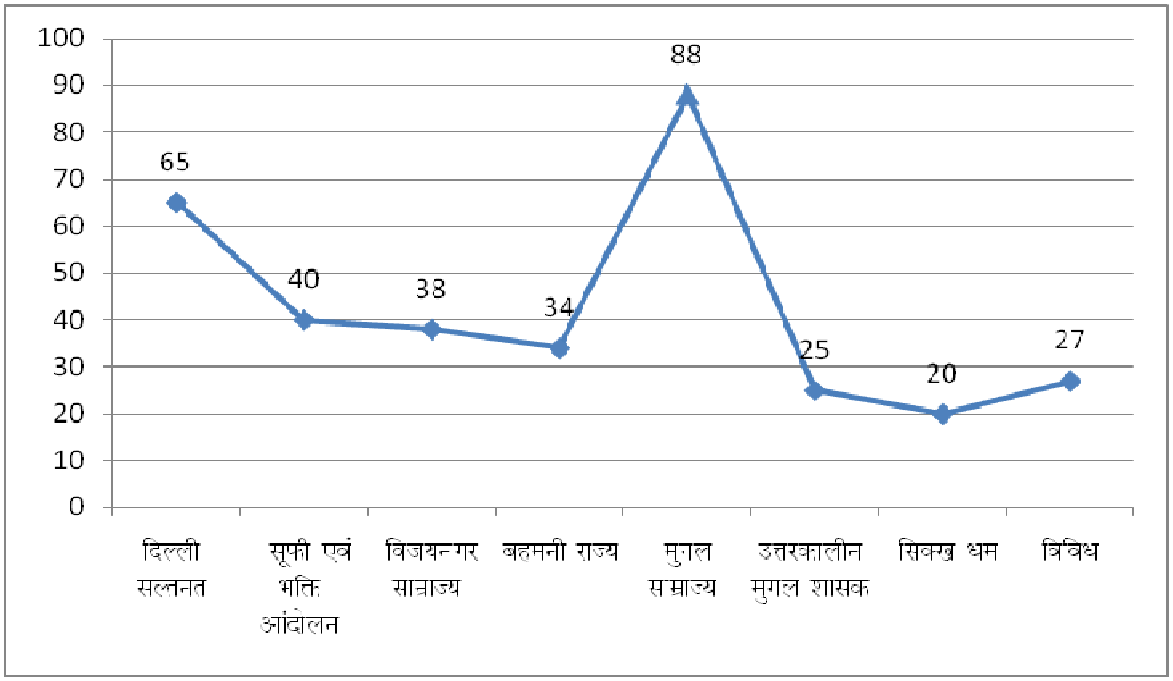

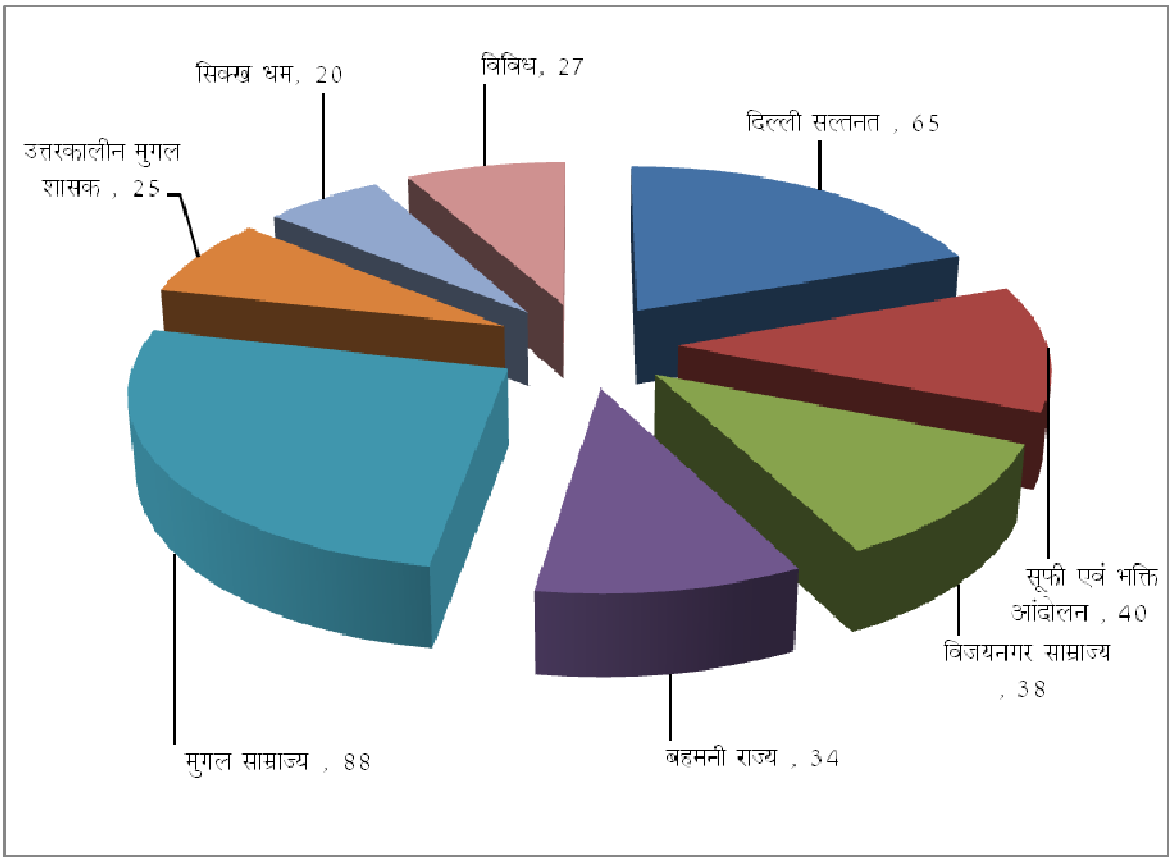

भाग–1

इतिहास (History)

A. प्राचीन इतिहास (Ancient History)

1. पाषाण काल (Stone Age)

1. भीमबेटका, पुरापाषाण काल का एक प्रसिद्ध स्थल, भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) बिहार (b) उत्तर प्रदेश
(c) राजस्थान (d) मध्य प्रदेश

SSC CGL (Tier-II) – 02/03/2023

Ans. (d) : भीमबेटका पुरापाषाण काल का एक प्रसिद्ध स्थल है जो भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में स्थित है। यहाँ के चित्र भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन के प्राचीनतम चिह्न है। इसकी खोज 1957-58 में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी। इसे वर्ष 2003 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

2. प्राचीन भारतीय इतिहास के किस काल में मिट्टी के बर्तनों का पता लगाया गया था?

(a) नवपाषाण (b) ताम्रपाषाण
(c) पुरापाषाण (d) मध्यपाषाण

SSC JE Electrical 09/10/2023 (Shift-III)
SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-IV)

Ans. (a) : प्राचीन भारतीय इतिहास के नवपाषाण काल में मिट्टी के बर्तनों का पता लगाया गया था। मिट्टी के बर्तनों का सबसे पहला प्रमाण मेहरगढ़ के नवपाषाण स्थल से मिला है, जो अब पाकिस्तान में स्थित है।

3. निम्न में से कौन-सा पूर्व-ऐतिहासिक स्थल, मिट्टी की सतहों पर खुर के निशान (hoof-marks) के रूप में मवेशियों के पालन का पुरातात्विक प्रमाण प्रदान करता है?

(a) मेहरगढ़ (b) कोल्डिहवा
(c) महगड़ा (d) गुफ्कराल

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (c) : महगड़ा नवपाषाण काल का पुरास्थल है, जो उत्तर प्रदेश इलाहाबाद जिले की मेजा तहसील के पहाड़ी क्षेत्र में बेलन नदी घाटी के तट पर स्थित है। इसकी खोज सन् 1975-76ई. में हुई। यहाँ से पशुबाड़ा का साक्ष्य मिला है। इसके अतिरिक्त गोलाकार झोपड़ियों के प्रमाण चावल मवेशियों के खुर के निशान और बकरी, भेड़, घोड़े, हिरण, जंगली सूअर की हड्डियों के रूप में मवेशी पालने के प्रमाण मिट्टी की सतह पर पाये गये।

4. प्रारम्भिक मनुष्यों द्वारा उपयोग किये जाने वाले माइक्रोलिथ्स_____थे।

(a) सिक्के (b) पत्थर के औजार
(c) कपड़े की (d) मिट्टी के पात्र

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : माइक्रोलिथ्स पत्थर के औजार (Stone tools) होते है, इनका सम्बन्ध मध्य पाषाण काल से है तथा इन औजारों को निर्माण सामान्य रूप से समान्तर फलकों वाले छोटे ब्लेडों पर क्वार्टजाइट, चर्ट, जैस्पर, अगेट जैसे सिलिका पत्थरों से होता था। जिनकी लम्बाई 1 से 5 इंच तक होती है। ये उपकरण वास्तव में छोटे. तथा नुकीले होते है और विभिन्न प्रकार की आकृतियों जैसे अर्धचन्द्र, समलम्ब तथा त्रिभुज आदि में पाये गये है।
नोटः- भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के तट पर स्थित 'बागौर' भारत का सबसे बड़ा मध्यपाषाणिक स्थल है। इसी काल से शवों को दफनाने की प्रथा की शुरुआत मानी जाती है।

5. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में पुरातात्विक महत्व का एक पुरापाषाण स्थल है।

(a) चिरांद (b) बुर्जहोम
(c) हुनासागी (d) मेहरगढ़

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : हुनासागी कर्नाटक राज्य में स्थित एक प्रारम्भिक पुरापाषाण स्थल है। हुनासांगी के पुरापाषाण उपकरण चूना पत्थर, बलुआ पत्थर, क्वार्टजाइट, डोलोराइट, चर्ट जैसे विविध प्रकार के पत्थरों से बने हैं।
• बुर्जहोम (जम्मू-कश्मीर) तथा मेहरगढ़ (बलूचिस्तान, पाकिस्तान) चिरांद (सारण, बिहार) नव पाषाण कालीन ज्ञात स्थल है।

6. सेल्ट एक (celt) नवपाषाणकालीन _____है।

(a) एक घर (b) एक उपकरण
(c) एक मकबरा (d) एक कलश

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : सेल्ट एक (celt) नवपाषाणकालीन उपकरण है। पुरापाषाण काल के विपरीत इस अवधि में लोगों ने पॉलिश किए गए पत्थर के औजारों और कुल्हाड़ियों का उपयोग करना शुरू किया, जिन्हें सेल्ट कहा जाता था।

7. प्रागैतिहासिक काल के पहले युग को क्या कहा जाता है?

(a) नवपाषाण युग (b) धातु युग
(c) ताम्र पाषाण युग (d) पुरापाषाण काल

SSC GD 01/03/2019 (Shift-II)

Ans. (d): पुरापाषाण काल प्रागैतिहासिक युग का वह समय है जब मानव ने पत्थर के औजार बनाना सबसे पहले आरम्भ किया। यह काल 25 लाख साल पूर्व से लेकर 3000 साल पूर्व तक माना जाता है। इस दौरान मानव इतिहास का 99% विकास हुआ। इस काल के बाद मध्य पाषाण युग का प्रारम्भ हुआ जब मानव ने पशुपालन शुरू किया था। भारत में पुरापाषाण काल के अवशेष तमिलनाडु के पल्लवरम्, बदमदुरै, अतिरमपक्क्म, मध्य प्रदेश के भीमबेटका और छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के सिंहावल में भी मिलते है। इस काल को जलवायु परिवर्तन तथा उस समय के पत्थर के हथियारों और औजारों के प्रकारों के आधार पर निम्न तीन भागों में विभाजित किया गया है।

1. निम्न पुरापाषाण काल, 2. मध्य पुरापाषाण काल
3. उच्च पुरापाषण काल

8. निम्नलिखित में से किस पुरातात्विक स्थल पर गर्त-आवासों के प्रमाण हैं?

(a) पलवोय (b) राणा घुंडई
(c) मेहरगढ़ (d) बुर्ज़होम

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-I)
SSC CHSL (Tier-I) –09/07/2019 (Shift-III)

Ans : (d) बुर्जहोम नवपाषाण युगीन पुरातात्विक महत्व वाला जम्मू-कश्मीर राज्य का प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है।

- यहाँ पर कई प्राचीन भूमिगत गर्त-आवास पाए गए हैं।
- बुर्जहोम में मालिक के मर जाने पर उसके शव को पालतू कुत्ते के साथ ही दफनाया जाता था।

9. मेहरगढ़, नवपाषाण काल की बस्ती, पाकिस्तान के ..... प्रांत में स्थित है।

(a) खैबर पख्तूनख्वा (b) सिंध
(c) पंजाब (d) बलूचिस्तान

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)

Ans. : (d) मेहरगढ़ पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण एक स्थान है। जहाँ नवपाषाण युग के बहुत से अवशेष मिले है। यह स्थान वर्तमान में बलूचिस्तान (पाकिस्तान) में बोलन नदी के किनारे स्थित है। यहाँ प्राचीनतम कृषि एवं पशुपालन से संबंधित साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

10. पुरातात्विक स्थल इनामगाँव कहाँ स्थित है?

(a) कर्नाटक (b) उत्तर प्रदेश
(c) गुजरात (d) महाराष्ट्र

SSC MTS 09/08/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : पुरातात्विक स्थल इनामगाँव भारत के महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। यह भीमा नदी की सहायक नदी घोड़ के तट पर स्थित है। यह ताम्र पाषाणिक संस्कृति से जुड़ा स्थल है। इनामगांव के लोगों का मुख्य पेशा कृषि था। जानवरों को दूध और मांस के लिए पाला जाता है।

11. पुरातत्व स्थल कोल्डिहवा कहाँ स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) बिहार
(c) उत्तर प्रदेश (d) मध्य प्रदेश

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : नव पाषाण काल में सर्वप्रथम खाद्यानों की व्यवस्थित कृषि प्रारम्भ हुई थी तथा मनुष्यों ने जौ, गेहूँ की वन्य किस्मों को इस समय मे उपजाया था। भारतीय उपमहाद्वीप में कोल्डिहवा तथा मेहरगढ़ दो नव पाषाण कालीन बस्तिया थी जहाँ से चावल और गेहूँ के स्पष्ट प्रमाण मिले थे। कोल्डिहवा भारत के उत्तर प्रदेश में एक पुरातात्विक स्थल है। उ. प्र. इलाहाबाद (प्रयागराज) में स्थित कोल्डिहवा एक मात्र ऐसा नवपाषाणिक पुरास्थल है जहाँ से 6000 ई. पू. में धान की खेती किये जाने का प्रमाण मिला है। नवीनतम् खोज के नगर जिले के लहुरादेव (8000 B.C.) से प्राप्त हुआ है।

12. निम्नलिखित में से किस प्रागैतिहासिक भारतीय स्थल पर 'होमो इरेक्टस' मानव की खोपड़ी पाई गई थी?

(a) हथनोरा (b) पटने
(c) पचमढ़ी (d) संगनकल्लू

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)

Ans: (a) प्रागैतिहासिक काल मानव सभ्यता के विकास का इतिहास है। जो पुरातात्विक साक्ष्यों पर आधारित है। हथनोरा मध्य प्रदेश में नर्मदा घाटी में एक गाँव है। इस भारतीय स्थल पर 'होमो इरेक्टस' मानव की खोपड़ी पाई गई थी। नर्मदा घाटी के जीवाश्मों में हाथी, घोड़े, दरियाई घोड़ा, जंगली भैसों के जीवाश्म के साथ होशंगाबाद जिले के हथनोरा में 5 दिसम्बर, 1982 को 70 हजार वर्ष पुराने मानव के कपाल अवशेष डॉ. अरुण सोनकिया ने प्राप्त किया था।

13. निम्नलिखित में से किस स्थान पर पुरातत्वविदों को पाँच जंगली कुत्तों और बारहसिंगों के सींग के अवशेष प्राप्त हुए हैं?

(a) कुपगल (b) बुर्ज़होम
(c) गुफ्कराल (d) उतनुर

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)

Ans: (b) बुर्जहोम, जम्मू कश्मीर का पुरातात्विक महत्व का प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है। बुर्जहोम में नवपाषाण युग की सभ्यता का पता लगा है, बुर्जहोम में जंगली कुत्तों और बारहसिंगो के सींग के अवशेष प्राप्त हुए है।

14. 'जोर्वे कल्चर' एक चालकोलिथिक पुरातात्विक स्थल था, जो वर्तमान समय में निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य में स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) असम
(c) गुजरात (d) बिहार

SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : जोर्वे संस्कृति ताम्रपाषाण कालीन संस्कृति है। एम. एन. देश पाण्डे ने इस संस्कृति की खोज की थी। 'जोर्वे' महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में गोदावरी नदी की सहायक नदी 'प्रवरा' के तट पर स्थित एक गाँव एवं पुरातात्विक स्थल है जहाँ पर जोर्वे संस्कृति के अवशेष प्राप्त हुए हैं। जोर्वे संस्कृति प्रमुख रुप से पश्चिमी महाराष्ट्र में विकसित हुई। जोर्वे संस्कृति के प्रमुख स्थल हैं- चन्दोली, सोनगाँव, इमामगाँव, जोर्वे, नासिक तथा दायमाबाद आदि। जोर्वे संस्कृति का समय काल 1400 ई.पू. से 700 ई.पू. तक माना जाता है।

15. जम्मू-कश्मीर में पुरातात्विक महत्व का स्थल निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) मस्की (b) बुर्जहोम
(c) ब्रह्मगिरि (d) वाटकल

SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : पुरातात्विक स्थल बुर्जहोम जम्मू-कश्मीर में स्थित था, सन् 1935 में डी. टेरा तथा पीटरसन द्वारा इस स्थल की खोज की गई। यहाँ से गर्तावास एवं एक कब्र से मालिक के साथ पालतू कुत्ते दफनाए जाने का साक्ष्य मिला है, इसके अतिरिक्त छिद्र युक्त सूर्य, हड्डी का तीराग्र छिद्र युक्त हार्वेस्टर, गेहूँ व जौ। विभिन्न प्रकार के मृदभाण्ड पत्थर हड्डी के औजार मिले हैं।

2. सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilisation)

16. सिंधु घाटी सभ्यता के निम्नलिखित में से किस शहर में एक बन्दरगाह पाया गया है?

(a) चन्हूदड़ो (b) धोलावीरा
(c) लोथल (d) कालीबंगा

SSC CHSL (Tier-1) – 21/03/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : लोथल सिंधु घाटी सभ्यता का महत्वपूर्ण बंदरगाह स्थल था। यह गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। यहाँ से वृत्ताकार तथा चौकोर अग्नि वेदिका, चावल के दाने आदि प्राप्त हुए हैं। सिंधु घाटी सभ्यता का प्रमुख बंदरगाह- लोथल, रंगपुर, सुरकोटदा और प्रभासपाटन जो पश्चिमी एशिया से व्यापार का प्रमुख स्थल था। चन्हूदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत मोहनजोदड़ो से 130 किमी. दक्षिण में स्थित है। धौलावीरा गुजरात में कच्छ जिले और कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित है।

17. 1948 में, अर्नेस्ट मैके ने उल्लेख किया कि हड़प्पा शहर, लोथल में, जल निकासी व्यवस्था के लिए नालियों को _____ ईंटों से बनाया गया था।

(a) पकी (b) मिट्टी की
(c) लाल (d) बलुआ पत्थर की

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-IV)

Ans : (a) सन् 1948 ई. में अर्नेस्ट मैके ने उल्लेख किया कि हड़प्पा शहर, लोथल में, जल निकासी व्यवस्था के लिए नालियों को पकी ईटों से बनाया गया था। नक्काशीदार ईटों के प्रयोग का साक्ष्य कालीबंगा से प्राप्त हुआ है।

18. सिंधु घाटी सभ्यता के निम्नलिखित में से किस स्थल में 'द ग्रेट बाथ' (विशाल स्नानागार) पाया गया था?

(a) मोहनजोदड़ो (b) लोथल
(c) धौलावीरा (d) कालीबंगा

SSC MTS/Havaldar– 06/07/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : मोहनजोदड़ो, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'मृतको का टीला' सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। इसकी खोज वर्ष 1922 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के राखल दास बनर्जी ने की थी। यह स्थल ईंट से बने फुटपाथ, विकसित जल आपूर्ति, जल निकासी, शौचालयों, विशाल अन्नागार और स्नानागार एवं स्मारक भवनों के साथ परस्पर समकोण पर काटती हुई सड़कों तथा विस्तृत नगर नियोजन प्रणाली के लिए प्रसिद्ध हैं।

19. हड़प्पा सभ्यता का निम्नलिखित में से कौन सा स्थल अफगानिस्तान में स्थित है?

(a) शोर्तुघई (b) बालाकोट
(c) नागेश्वर (d) कालीबंगन

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : हड़प्पा सभ्यता का पुरास्थल शोर्तुघई और मुंडीगाक दोनों ही अफगानिस्तान में स्थित है। शोर्तुघई उत्तरी अफगानिस्तान में कोकचा और ऑक्सस नदी के संगम क्षेत्र में स्थित है।

20. मोहनजोदड़ों में मिले 'महास्नानागार' को ——— की परत चढ़ाकर जलरोधी बनाया गया था।

(a) बिटुमेन (b) अस्फाल्ट
(c) प्राकृतिक चारकोल (d) मधुमोम

SSC GD 02/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c): मोहनजोदड़ों वर्तमान पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में आता है। मोहनजोदड़ों से प्राप्त स्थापत्य कला का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण दुर्ग में अवस्थित वृहद स्नानागार है। उत्तर से दक्षिण की ओर इसकी लम्बाई 11.89 मीटर तथा पूर्व से पश्चिम की ओर इसकी चौडाई 7 मीटर है। इसकी गहराई 2.44 मीटर है। नीचे तक पहुँचने के लिए इसमें पकी हुई पतली ईंटो से निर्मित सीढ़ियाँ बनाई गई हैं। इसमें जल भरने तथा निकालने के लिए नालियों की व्यवस्था थी। इसको प्राकृतिक चारकोल की परत चढ़ाकर जलरोधी बनाया गया था।

21. लगभग 2500 साल पहले सिंधु नदी को ईरानियों द्वारा ———कहा जाता था।

(a) वितस्ता (b) करनाली
(c) विपासा (d) हिन्दोस

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : सिंधु नदी तिब्बत के मानसरोवर झील के निकट चेम युन्ग डुंग ग्लेशियर से निकलकर भारत में केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के दो जिलों लेह एवं कारगिल में प्रवेश करती है। झेलम, चिनाब, रावी, व्यास तथा सतलुज इसकी पांच महत्वपूर्ण सहायक नदियां है। प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में यह नदी 'सिन्धु' नाम से वर्णित है तथा लगभग 2500 वर्ष पहले ईरान के लोग इसे हेंदु (Hendu), यूनानी ग्रीक के लोग इंडोस तथा रोमन लोग इंडस (Indus) कहते थे।

22. दैमाबाद नामक प्रागैतिहासिक स्थल निम्न में से किस राज्य में स्थित है?

(a) उत्तर प्रदेश (b) महाराष्ट्र
(c) मध्य प्रदेश (d) गुजरात

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-I

Ans. (b) : दैमाबाद नामक प्रागैतिहासिक स्थल महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। यह स्थल गोदावरी की सहायक नदी 'प्रवरा नदी के बाएँ तट पर स्थित है। इस स्थल की खोज बी.पी. बोपर्दिकर द्वारा की गयी थी।

23. हड़प्पा सभ्यता के निम्नलिखित स्थलों में से कौन सा स्थल पाकिस्तान में स्थित नहीं है?

(a) कोट दीजी (b) चन्हूदड़ो
(c) शोरतुगई (d) बालाकोट

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : हड़प्पा सभ्यता लगभग 2350 ईस्वी पूर्व दक्षिण एशिया के पश्चिमी भाग में फैली हुई थी, जो कि वर्तमान में पाकिस्तान तथा पश्चिमी भारत के नाम से जाना जाता है। भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा किये गये सिंधु घाटी के उत्खनन से प्राप्त अवशेषों से हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो जैसे दो प्राचीन नगरों की खोज हुई। ध्यातव्य है कि कोटदीजी, बालाकोट, चन्हूदड़ो, नामक हड़प्पा स्थल पाकिस्तान में स्थित है जबकि शोरतुगई (शोर्तुघई) अफगानिस्तान में स्थित है।

24. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर हड़प्पा सभ्यता से संबंधित है?

(a) कोशल (b) लुम्बिनी
(c) धौलावीरा (d) हम्पी

SSC MTS 20/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : धौलावीरा, हड़प्पा सभ्यता से संबंधित स्थल है। इसकी खोज वर्ष 1968 में पुरातत्वविद् जगपति जोशी द्वारा की गई थी। यह स्थल तीन भागों में विभक्त होने के साथ अपने उन्नत जल प्रबंधन के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में यूनेस्कों ने गुजरात के धौलावीरा शहर को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया है।

25. हड़प्पा सभ्यता के लोगों को वर्तमान राजस्थान वाले क्षेत्र से कौन सी धातु मिली थी?

(a) लोहा (b) एल्यूमीनियम
(c) तांबा (d) कैल्शियम

SSC MTS 27/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : राजस्थान की अरावली की पहाड़ियों में बसा खेतड़ी हजारों साल से तांबा उत्खनन का केन्द्र रहा है। सिंधु घाटी सभ्यता (2350 ईसा पूर्व) में जब ताम्र पाषाण युग की शुरुआत हुई तब भी यहां से तांबा प्राप्त होता था। सिंधु घाटी सभ्यता के लोग कांसे, तांबे, चांदी और सोने से परिचित थे लेकिन लोहे के बारे में नहीं जानते थे।

26. हड़प्पा सभ्यता में खुदाई से टेराकोटा हल मॉडल (terracotta models of the plough) कहाँ मिले थे?

(a) बनवाली (b) कश्मीर
(c) अमृणाल (d) लोथल

SSC CHSL 09/08/2021 (Shift-II)
SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : बनावली हड़प्पा स्थल से टेराकोटा का हल प्राप्त हुआ था। यह हरियाणा के हिसार जिले में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। जो रंगोई नदी के तट पर स्थित था। इसका उत्खनन वर्ष 1973-74 में आर. एस. विष्ट द्वारा करवाया गया था।

27. निम्नलिखित में से किसने 1990 में धौलावीरा में खुदाई शुरु की थी?

(a) आर. एस. विष्ट (b) एम. एस. वत्स
(c) आर. डी. बनर्जी. (d) एस. आर. राव

SSC CHSL 12/08/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : धौलावीरा शहर गुजरात राज्य के कच्छ के रण में एक पुरातात्विक स्थल है। हड़प्पा संस्कृति के इस नगर की खोज पुरातत्वविद् जगपति जोशी ने सर्वप्रथम वर्ष 1967-68 में की और 1990-91 के दौरान आर. एस. बिष्ट के द्वारा इसका उत्खनन कराया गया।

28. धौलावीरा और लोथल की प्राचीन हड़प्पा बस्तियाँ वर्तमान भारतीय राज्य _____ में स्थित है।

(a) गुजरात (b) राजस्थान
(c) मध्य प्रदेश (d) हरियाणा

SSC GD 03/12/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : धौलावीरा गुजरात के कच्छ के रण में स्थित है जिसकी खोज वर्ष 1968 में जगपत जोशी ने की। जबकि लोथल जो एक बंदरगाह स्थल था जो गुजरात मे खम्भात की खाड़ी के निकट भोगवा नदी के किनारे स्थित है तथा इसकी खोज रंगनाथ राव ने वर्ष 1951 में की थी।

29. हड़प्पा स्थल पर ..... में हलरेखाओं (Furrow) के निशान खोजे गए थे।

(a) कालीबंगा (b) बनवाली
(c) लोथल (d) धोलावीरा

SSC GD 22/11/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : हड़प्पा स्थल कालीबंगा से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं। कालीबंगन राजस्थान में घघ्घर नदी के तट पर स्थित है। इस स्थल की खोल बी0बी0 लाल एवं बी0के0 थापर ने की थी। कालीबंगा एकमात्र हड़प्पाकालीन स्थल था, जिसका निचला शहर भी रक्षा प्राचीर दीवारों से घिरा हुआ था। कालीबंगा से अग्नि पूजा की प्रथा के भी प्रमाण मिले हैं।

30. निम्नलिखित में से कौन सी मेसोपोटामियन भाषा नहीं थी?

(a) एमोराइट (b) एलामाइट
(c) सुमेरियन (d) अकाडियन

SSC GD 17/11/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : मेसोपोटामिया सभ्यता का विकास दजला एवं फरात नदियों के किनारे, वर्तमान इराक और कुवैत के क्षेत्र में हुआ था। मेसोपोटामिया विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता वाला स्थान है, इसे कांस्ययुगीन सभ्यता का उद्गम स्थल माना जाता है। यहाँ सुमेर, अक्काद, बेबीलोन तथा असीरिया के साम्राज्य अलग-अलग समय में स्थापित हुए थे। एमोराइट, एलामाइट और अकाडियन मेसोपोटामियन भाषा थी। यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था।

31. हड़प्पाकालीन स्थल रंगपुर भारत के किस वर्तमान राज्य में स्थित है?

(a) राजस्थान (b) गुजरात
(c) हिमाचल प्रदेश (d) हरियाणा

SSC GD 10/12/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : रंगपुर गुजरात राज्य में भादर नदी के समीप स्थित है। इस स्थल की खुदाई वर्ष 1953-54 में ए. रंगनाथ राव द्वारा की गई थी। यहाँ पर पूर्व हड़प्पा कालीन संस्कृति के अवशेष मिले है। रंगपुर से कच्ची ईंटों के दुर्ग, नालियाँ, मृदभाण्ड, बाट, पत्थर के फलक आदि महत्वपूर्ण है। यहाँ धान की भूसी के ढेर मिले है।

32. सिंधु घाटी सभ्यता के घरों में कमरे आम तौर पर एक_____ के आस-पास बने होते थे।

(a) कुएँ (b) अंगीठी
(c) आंगन (d) पानी की टंकी

SSC GD 08/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) सिंधु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है, क्योकि इसके प्रथम अवशेष हड़प्पा नामक स्थल से प्राप्त हुये थे तथा इसके आरम्भिक स्थलों में से अधिकांश सिंधु नदी के किनारे अवस्थित थे। यह भारतीय उपमहाद्वीप में 'प्रथम नगरीय क्रान्ति की अवस्था' को दर्शाती है। सिन्धु घाटी सभ्यता के घर आमतौर पर एक या दो मंजिले होते थे। घर के आंगन के चारों ओर कमरे बनाये जाते थे। अधिकांश घरों में एक अलग स्नानघर होता था, और कुछ घरों में कुएँ भी होते थे।

33. निम्नलिखित में से किस स्थान पर हड़प्पा संस्कृति की अग्नि वेदियाँ पाई गई थीं ?

(a) पदरी (b) लोथल
(c) भगतराव (d) मांडा

SSC GD 14/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : हड़प्पा कालीन स्थल लोथल, कालीबंगा से अग्निवेदिकाएँ प्राप्त हुई है। इन अग्नि वेदिकाओं का प्रयोग सम्भवतः यज्ञ - वेदिकाओं के रूप में होता होगा। लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के तट पर स्थित है। यहाँ से गोदीवाड़ा के साक्ष्य मिले है। लोथल को 'लघु हड़प्पा' या लघु मोहनजोदड़ो भी कहा जाता है। लोथल की खोज एस.आर.राव द्वारा 1954 ई. में की गयी थी।

34. अनेक विद्वान ऐसा मानते हैं कि टिगरिस-यूफ्रेट्स घाटी के मेसोपोटामियाई लोग, सिंधु घाटी सभ्यता को _____ कहते थे।

(a) मगन (b) मेलुहा
(c) सुमेरियन (d) बेबीलोन

SSC GD 10/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b): मेसोपोटामिया सभ्यता का विकास टिगरिस-यूफ्रेटस (दजला-फरात) नदियों के किनारे वर्तमान इराक और कुवैत के क्षेत्र में हुआ। सिंधु सभ्यता भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में विकसित हुई। मेसोपोटामिया सभ्यता के लोग सिंधु सभ्यता को 'मेलुहा' कहकर पुकारते थे।

35. हड़प्पा सभ्यता के अन्य शहरों के विपरीत, धोलावीरा शहर को — भागों में विभाजित किया गया था, प्रत्येक भाग विशाल पत्थर की दीवारों से घिरा हुआ था।

(a) पाँच (b) दो
(c) तीन (d) चार

SSC GD 01/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : धौलावीरा शहर हड़प्पा सभ्यता के अन्य शहरों के विपरीत एक मात्र ऐसा स्थल था जहाँ शहर को तीन भागों दुर्ग, मध्यम नगर तथा निचले नगर में विभाजित किया गया था तथा प्रत्येक भाग विशाल पत्थर की दीवारों से घिरा था। हाल ही में यूनेस्को ने गुजरात के धौलावीरा शहर को भारत के 40 वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया है। यह प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाली सिन्धु घाटी सभ्यता का पहला स्थल है।

36. निम्नलिखित में से कौन सा हड़प्पा स्थल हरियाणा में है?

(a) राखीगढ़ी (b) कालीबंगा
(c) लोथल (d) धोलावीरा

SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : हरियाणा के जीन्द जिले में प्राचीन सरस्वती के तट पर स्थित राखीगढ़ी की खोज 1969 ई. में सूरजभान ने की थी। यह हड़प्पा सभ्यता का सबसे विशाल नगर है। इस स्थल से मनकों को चिकना करने का घर्षण पत्थर, हाथी दाँत, बारहसिंहा के सींग मनका बनाने की कार्यशाला आदि प्राप्त हुए हैं।

37. हड़प्पा सभ्यता की प्रसिद्ध 'नृत्य करती हुई लड़की' (dancing-girl) _____की सामग्री का उपयोग करके बनाई गई थीं

(a) पत्थर (b) सोना
(c) टेराकोटा (d) काँसा

SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-I)

Ans. (d) : हड़प्पा सभ्यता की प्रसिद्ध नृत्य करती हुई लड़की काँसे की सामग्री का उपयोग करके बनाई गई है। इस लड़की का दाहिना हाथ उसके कुल्हे पर जबकी बायां हाथ लटकते हुए दर्शाया गया है। इसके हाथ में सम्भवतः हड्डी से बनी चूड़ियाँ है। मूर्ति बनाने के लिए मधुद्दिष्ट विधि का प्रयोग किया गया है।

38. सिंधु सभ्यता का पुरातात्विक स्थल दैमाबाद किस नदी के तट पर स्थित है?

(a) कृष्णा (b) नर्मदा
(c) बनास (d) प्रवरा

SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-II)

Ans. (d) : सिंधु सभ्यता का पुरातात्विक स्थल दैमाबाद गोदावरी नदी की सहायक प्रवरा नदी के तट पर स्थित है, जो भारत के महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में है। यह स्थान बी.पी. बोपर्दिकर द्वारा खोजा गया था। यह सिन्धु सभ्यता का सबसे दक्षिणतम स्थल है।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पा स्थल भारत में स्थित है ?

(a) शोरतुग़ई (b) गंवेरीवाला
(c) दैमाबाद (d) मोहन जोदड़ो

SSC JE Mechanical – 23/03/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. निम्नलिखित में से सिंधु घाटी सभ्यता का कौन-सा स्थल, सिंधु नदी के तट पर स्थित नहीं है?

(a) कोट-डिजी (b) मोहनजोदड़ो
(c) रोपड़ (d) चनहुदड़ों

SSC CHSL 20/10/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : रोपड़, आधुनिक रुपनगर, सिंधु घाटी सभ्यता का ऐतिहासिक स्थल है जो पंजाब में सतलज नदी के किनारे स्थित है। यहां से मिट्टी के बर्तन, ताँबे की अंगुठियाँ कांस्य सेल्टूस, टेराकोटा केक, मानव के साथ कुत्तो को दफनाया जाना तथा तांबे की कुल्हाड़ी प्रमुख साक्ष्य प्राप्त हुए है। शेष सभी विकल्प में सिंधु नदी के तट पर स्थित हैं।

41. निम्न में से कौन-सा राजस्थान राज्य में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा स्थल है?

(a) नागेश्वर (b) चान्हूदड़ो
(c) मांडा (d) कालीबंगा

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : कालीबंगा राजस्थान में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा स्थल है। यह हनुमानगढ़ जिले में सरस्वती (घग्घर) नदी के तट पर 4500 वर्ष पहले बसा हुआ था। कालीबंगा में जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं जो संसार से प्राचीनतम है। दीवारें ईंटो से बनती थी और इन्हें मिट्टी के गारे से जोड़ा जाता था। कालीबंगा से भूकम्प आने के प्राचीनतम् प्रमाण मिले है।

42. निम्नलिखित में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से जुताई वाले क्षेत्र के साक्ष्य मिले हैं?

(a) मोहनजोदड़ों
(b) चन्हुदड़ों
(c) कालीबंगा
(d) हड़प्पा

SSC CHSL (Tier-I) –10/07/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. सिंधु के पूर्व के क्षेत्र को संदर्भित करने के लिए छठीं-पाँचवीं शताब्दी बीसीई (BCE) में किस पुराने फारसी शब्द का उपयोग किया जाता था?

(a) तियान्झु (b) आर्यावर्त
(c) हिन्दू (d) होडु

SSC JE Mechanical – 22/03/2021 (Shift-II)

Ans : (c) सिन्धु के पूर्व के क्षेत्र अर्थात भारतीय उपमहाद्वीप में रहने वाले लोगों को संदर्भित करने के लिए 6वीं – 5वीं शताब्दी बीसीई में पुराने फारसी शब्द 'हिन्दू' का उपयोग किया जाता था। सर्वप्रथम ईरानियों ने सिन्धु नदी के पूर्व में रहने वालों को 'हिन्दू' नाम दिया।

3. वैदिक सभ्यता (Vedic Culture)

44. भरत जन के नाम पर इंडिया का नाम 'भारत' रखा गया। निम्नलिखित में से किस वेद में इस जन का सर्वप्रथम उल्लेख मिलता है?

(a) यजुर्वेद (b) ऋग्वेद
(c) अथर्ववेद (d) सामवेद

SSC CGL (Tier-II) – 07/03/2023
SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : ऋग्वेद में सर्वप्रथम 'भरत जन' का उल्लेख मिलता है, जिसके नाम पर इंडिया का नाम 'भारत' रखा गया। ऋग्वेद प्राचीनतम वेद माना जाता है। इसमें कुल 10 मंडल तथा 1028 सूक्त है। इस वेद को पढ़ने वाले ऋषि को 'होतृ' कहते है। ऋग्वेद का पहला एवं 10 वाँ मंडल सबसे अंत में जोड़ा गया।

45. लौह-युग को यह नाम इसलिए दिया गया है, क्योंकि इस समय के दौरान मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्वी यूरोप में औजारों और हथियारों में मुख्य रूप से ..... की जगह लोहे का इस्तेमाल होने लगा था।

(a) पीतल (b) पत्थर
(c) लकड़ी (d) काँसा

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : लौह-युग को यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि इस समय के दौरान मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्वी यूरोप में औजारों और हथियारों में मुख्य रूप से काँसा की जगह लोहे का इस्तेमाल होने लगा था।

46. निम्नलिखित में से किस वेद में दशराज्ञ युद्ध (दस राजाओं के युद्ध) का उल्लेख है?

(a) अथर्ववेद (b) सामवेद
(c) ऋग्वेद (d) यजुर्वेद

SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (c) : दसराज्ञ युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) का वर्णन ऋग्वेद में 7वें मंडल में है। यह परुषणी नदी के तट पर लड़ा गया। इसमें भरत जन के राजा सुदास ने दश राजाओं के संघ को हराया।

47. चार वेदों में से किसमें बुरी आत्माओं और बीमारियों से बचने के लिए जादू मंत्र और तंत्र-मंत्र का संग्रह है?

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद
(c) अथर्ववेद (d) साम वेद

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c): चार वेदों में से अथर्ववेद में बुरी आत्माओं और बीमारियों से बचने के लिए जादू मंत्र और तंत्र-मंत्र का संग्रह है। अथर्वा ऋषि द्वारा रचित इस वेद में कुल 731 मंत्र तथा लगभग 6000 पद्य हैं।

48. आर्यों की मुख्य (प्रमुख) सामाजिक इकाई ____ थी।

(a) परिषद (b) गण
(c) राजन (d) जन

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : आर्यों की मुख्य (प्रमुख) सामाजिक इकाई 'जन' थी। आर्यों की प्रशासनिक इकाई पाँच भागों (आरोही क्रम) में बटी थी- कुल, ग्राम, विश्, जन, राष्ट्र। ग्राम का मुखिया ग्रमिणी, विश् का प्रधान विशपति एवं जन के शासक राजन कहलाते थे।

49. उत्तर वैदिक काल में निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ण मुख्य रूप से खेती, पशुपालन और व्यापार जैसे काम करता था?

(a) क्षत्रिय (b) वैश्य
(c) ब्राह्मण (d) शूद्र

SSC CGL (Tier-1) – 25/07/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : उत्तर वैदिक काल में वैश्य वर्ण मुख्य रूप से खेती, पशुपालन और व्यापार जैसे काम करता था। ब्राह्मण, क्षत्रिय तथा वैश्य की सेवा करना शूद्र का काम था। इस काल में वर्ण व्यवस्था जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगी थी।

50. निम्नलिखित में से किस नदी का प्राचीन नाम विपाशा (Vipasha) है।

(a) व्यास (b) चिनाब
(c) सतलुज (d) रावि

SSC MTS– 08/05/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : व्यास नदी का प्राचीन नाम विपाशा है। यह कुल्लू में व्यास कुंड से निकलती है। व्यास कुंड पीरपंजाल पर्वत श्रृंखला में स्थित रोहतांग दर्रे में है। यह नदी कुल्लू, मंडी, हमीरपुर और कांगड़ा में बहती है। कुछ नदियों के प्राचीन नाम निम्न हैं-

नदियाँ	प्राचीन नाम
चिनाब	अस्किनी
सतलज	शतुद्रि
रावी	परूष्णी
झेलम	वितस्ता
गंडक	सदानीरा
गोमती	गोमल

51. वैदिक आर्य सप्त-सिंधु नामक क्षेत्र में रहते थे, जिसका अर्थ सात नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र है। सात नदियों में से एक झेलम नदी है। इसका प्राचीन नाम क्या था?

(a) परूष्णि (b) विपाश
(c) अस्किनी (d) वितस्ता

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. निम्न में से किस नदी का उल्लेख वैदिक साहित्य में 'वितस्ता' के रूप में किया गया है?

(a) व्यास (b) रावी
(c) चिनाब (d) झेलम

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-I

Ans. (d) : झेलम नदी का उल्लेख वैदिक साहित्य में 'वितस्ता' के रूप में किया गया है। इसका उद्गम स्थल शेषनाग झील है, जो जम्मू और कश्मीर में स्थित है।

53. निम्नलिखित में से कौन सा वेद संगीत से संबंधित है?

(a) सामवेद (b) ऋग्वेद
(c) यजुर्वेद (d) अथर्ववेद

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : सामवेद से तात्पर्य है कि वह ग्रन्थ जिसके मन्त्र गाये जा सकते है और जो संगीतमयी हो। "साम" शब्द का अर्थ है 'गान'। सामवेद में संकलित मंत्रो को देवताओं की स्तुति के समय गाया जाता था।

सामवेद में कुल 1549 ऋचायें है। जिनमें से 75 के अतिरिक्त शेष ऋग्वेद से ली गई है। इन ऋचाओं का गान सोमयज्ञ के समय उदगाता करते थे। 'सामवेद' की तीन महत्वपूर्ण शाखाएँ हैं– कौमुथ, जैमिनीय या तलवाकर एवम् राणायनीय।

54. निम्नलिखित में से कौन सा वेद सबसे पुराना है?

(a) यजुर्वेद (b) ऋग्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद

SSC MTS 18/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b): भारत के प्राचीनतम् धर्म ग्रंथ वेद की संख्या चार- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद है। जिसमें से ऋग्वेद सबसे पुराना वेद है। ऋग्वेद को ऋषियों-मुनियों के द्वारा मौखिक रूप में वर्णित ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संकलन के रूप में जाना जाता है। इसमें 10 मंडल, 1028 सूक्त एवं 10462 ऋचाऐं है।

- यजुर्वेद को मंत्रों तथा बलि विधि के लिए जाना जाता है।
- सामवेद को भारतीय संगीत का जनक कहा जाता है।
- अथर्ववेद में आयुर्वेद और चिकित्सा पद्धति का वर्णन है।

55. 'पुरुष सूक्त' किस वेद का एक मंत्र संग्रह (सूक्त) है?

(a) यजुर्वेद (b) ऋग्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद

SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : पुरुष सूक्त ऋग्वेद संहिता के दसवें मण्डल का एक प्रमुख सूक्त है, जिसमें एक विराट पुरुष की चर्चा हुई है और उसके अंगो का वर्णन हुआ है। इसको वैदिक ईश्वर का स्वरूप मानते हैं।

56. वैदिक कालीन 'चतुराश्रम' व्यवस्था के अनुसार, पारिवारिक अवधि के लिए निम्न में से किस पद का प्रावधान किया गया है?

(a) संन्यास (b) ब्रह्मचर्य
(c) वानप्रस्थ (d) गृहस्थ

SSC GD 29/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : वैदिक कालीन चतुराश्रम व्यवस्था के अनुसार मानव जीवन को चार आश्रमों में बाँटा गया है। ये चार है - ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं संन्यास। छान्दोग्य उपनिषद में तीन आश्रमों का उल्लेख है परन्तु जबालोपनिषद में चारों आश्रमों का उल्लेख मिलता है।

गृहस्थ आश्रम - इस समय मनुष्य को अपने सामाजिक और पारिवारिक जीवन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह चरण 25 वर्ष से शुरू होता है और 50 वर्ष तक रहता है। गृहस्थ व्यक्ति के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है, जहाँ मनुष्य को अपने पारिवारिक और सामाजिक कर्तव्यों दोनों को सन्तुलित करना होता है।

57. वेद ऋषि कपिल का संबंध भारतीय दर्शन के _____ संप्रदाय से था।

(a) न्याय (b) वैशेषिक
(c) सांख्य (d) मीमांसा

SSC GD 09/12/2021 (Shift-II)
SSC CHSL (Tier-I) –11/07/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : भारत में पहली शताब्दी से पूर्व 6 प्रमुख आस्तिक एवं 3 प्रमुख नास्तिक दार्शनिक मतों का प्रतिपादन हो चुका था। आस्तिक मत को षडदर्शन सिद्धांत कहते है जिसमें सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदांत शामिल है।

सांख्य दर्शन के प्रर्वतक कपिल मुनि थे। इस दर्शन को भारत का प्राचीनतम दर्शन माना जाता है। इस दर्शन में प्रकृति को प्रथम तत्व माना गया है।

दर्शन	-	प्रर्वतक
योग	-	महर्षि पतंजलि
न्याय	-	महर्षि गौतम
वैशेषिक	-	महर्षि कणाद
मीमांसा	-	आचार्य जैमिनी
वेदांत	-	महर्षि बादरायण

58. ऋग्वेद, कितनी पुस्तकों (मंडलों) में विभाजित है?

(a) 5 (b) 10
(c) 16 (d) 13

SSC GD 13/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b): ऋग्वेद- यह प्राचीनतम वैदिक ग्रंथ है, इसकी रचना सप्त सैंधव प्रदेश में हुई थी। इसमें 10 मण्डल, 1028 श्लोक और लगभग 10462 मंत्र है। 10वें मण्डल में पुरुषसूक्त का उल्लेख है, जिसमें चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) का उल्लेख है।

59. निम्नलिखित मे से कौन सा उपवेद ऋग्वेद से संबंधित है?

(a) शिल्पवेद (b) गंधर्ववेद
(c) आयुर्वेद (d) धनुर्वेद

SSC GD 07/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c): उपवेद वेदों से सम्बन्धित माने जाते हैं ये चार हैं।
– आयुर्वेद, गन्धर्व वेद, धनुर्वेद और शिल्पवेद। आयुर्वेद ऋग्वेद का उपवेद है इसमें चिकित्सा सम्बन्धी ज्ञान का वर्णन है।

60. ऋग्वेद में ऋषि विश्वमित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये कौन सी नदियाँ हैं?

(a) रावी और चिनाब (b) अलकनंदा और भागीरथी
(c) व्यास और सतलुज (d) गंगा और यमुना

SSC CGL (Tier-I) 13/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : ऋग्वेद में ऋषि विश्वमित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये नदियाँ व्यास और सतलुज हैं।

61. अथर्ववेद _____खण्डों का संग्रह है।

(a) 5 (b) 10
(c) 15 (d) 20

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : अथर्ववेद 20 खण्डों का संग्रह है। 731 सूक्त व लगभग 6000 ऋचाएँ हैं। चाँदी का उल्लेख सर्वप्रथम इसी में मिलता है।

62. निम्नलिखित में से किस नदी को वैदिक काल में पुरुषनी के नाम से जाना जाता था?

(a) चिनाब (b) सतलज
(c) व्यास (d) रावी

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)

Ans. (d) : रावी नदी को वैदिक काल (ऋग्वैदिक काल) में परुष्णी के नाम से जाना जाता था। दसराज्ञ युद्ध का उल्लेख ऋग्वेद के 7 वें मंडल में है, यह युद्ध परुष्णी नदी के तट पर सुदास एवं दस जनों के बीच लड़ा गया, जिसमें सुदास विजयी हुआ। रावी नदी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में रोहतांग दर्रे से निकलकर हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर तथा पंजाब होते हुए पाकिस्तान में चली जाती है।
अस्किनी को चिनाब, शतुद्रि को सतलज तथा विपाशा को व्यास के आधुनिक नाम से जाना जाता है।

63. रावी नदी का ऋग्वैदिक नाम क्या है?

(a) वितस्ता (b) अस्किनी
(c) शुतुद्री (d) परूष्णी

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-III)

Ans. (d) : उपर्युक्त की व्याख्या देखें।

64. निम्नलिखित में से कौन साथ विद्वान आर्यो के 'तिब्बत होम थ्योरी' से संबंधित है?

(a) मैक डोनेल (b) मैक्स मूलर
(c) दयानन्द सरस्वती (d) बाल गंगाधर तिलक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)

Ans. (c) : आर्यो के उद्गम स्थान के बारे में कई विचार प्रचलित है–
दयानन्द सरस्वती–आर्यो का उद्गम स्थान तिब्बत था।
मैक्स मूलर–आर्यो का उद्गम स्थान मध्य एशिया था।
गाइल्स और मैकडॉनेल–आर्यो का उद्गम स्थान दक्षिण-पूर्वी यूरोप है।
बाल गंगाधर तिलक–आर्यो का उद्गम स्थान उत्तरी-ध्रुव है।

65. कुल कितने वेदांग हैं?

(a) दो (b) छह
(c) पांच (d) दस

SSC CHSL 21/10/2020 (Shift-II)
SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : वेदों को भली-भाँति समझने के लिए 6 वेदांगों की रचना हुई-

1. शिक्षा	–	स्वर शास्त्र (Phonology) (नॉक)
2. ज्योतिष	–	ज्योतिष शास्त्र (Astrology)(आँख)
3. कल्प	–	अनुष्ठान शास्त्र (Ritual)(हाथ)
4. व्याकरण	–	व्याकरण शास्त्र (Grammar)(मुख)
5. निरूक्त	–	शब्द की उत्पत्ति का अध्ययन (Study of history of word) (कान)
6. छंद	–	कविता के छंद (Poetic meters)(पैर)

66. वेदांगों के संदर्भ में, निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'अनुष्ठान' को दर्शाता है?

(a) छंद (b) कल्प
(c) व्याकरण (d) शिक्षा

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-I)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. एक समय पर, वैदिक सभ्यता में राजा को 'गोपति' कहते थे जिसका अर्थ था-

(a) बह्माण्ड का स्वामी (b) प्रजा का स्वामी
(c) भूमि का स्वामी (d) मवेशियों का स्वामी

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : वैदिक युग में राजा को गोपति (गायों का स्वामी) कहा गया। वैदिक काल में गायों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। ऋग्वेद में गायों को अघन्या (मारना वर्जित) कहा गया है। गायों को पूज्य एवं पवित्र माना गया तथा धनी व्यक्ति को गोमत कहा गया है।

68. भारत में वैदिक सभ्यता ——— नदी के किनारे विकसित हुई थी।

(a) तापी (b) गोदावरी
(c) नर्मदा (d) सरस्वती

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d): भारत में वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के किनारे विकसित हुई थी। ऋग्वेद में सरस्वती नदी को नदियों की अग्रवती, नदियों की माता, वाणी, प्रार्थना एवं कविता की देवी, बुद्धि को तीव्र करने वाली और संगीत की प्रेरणादायी कहा गया है। सरस्वती नदी ऋग्वेद की सबसे पवित्र नदी मानी जाती थी। इसे नदीतमा (नदियों की माता) कहा गया है। सरस्वती नदी अब राजस्थान के रेगिस्तान में विलीन हो गई है।

4. महाजनपदों का उदय (Emergence of Mahajanapadas)

69. मगध महाजनपद ..... नदियों से घिरा हुआ था।

(a) गंगा और घाघरा (b) गंगा और झेलम
(c) गंगा और यमुना (d) गंगा और सोन

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : मगध चारों ओर से गंगा और सोन नदियों से घिरा हुआ था। ये नदियाँ जल यातायात, जल आपूर्ति तथा सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण थीं। मगध आधुनिक बिहार के पटना और गया जिलों के भूभाग पर अवस्थित था। इसकी प्राचीन राजधानी गिरिव्रज थी, बाद में राजगृह व पाटलिपुत्र बनी।

70. वज्जी महाजनपद की राजधानी _____ थी।

(a) चंपा (b) वैशाली
(c) कोशल (d) पाटिलपुत्र

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (b) : वज्जी महाजनपद की राजधानी वैशाली थी-

महाजनपद	-	राजधानी
अंग	-	चंपा
मगध	-	राजगृह, पाटलिपुत्र
वत्स	-	कौशाम्बी
कोसल	-	श्रावस्ती (सहेत-महेत)
मल्ल	-	कुशीनारा/पावा
अश्मक	-	पोतन
कम्बोज	-	हाटक

71. राजगृह किस महाजनपद की प्रथम राजधानी थी?

(a) अवंती (b) कोसल
(c) कुरु (d) मगध

SSC MTS– 11/05/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : राजगृह मगध महाजनपद की प्रथम राजधानी थी। यह बिहार में नालंदा जिले में स्थित एक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का स्थल है। पौराणिक साहित्य के अनुसार यह ब्रह्मा की पवित्र यज्ञभूमि, संस्कृति और वैभव का केन्द्र तथा जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ स्वामी के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान एवं 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की साधनाभूमि भी यहीं है।

72. निम्न में से कौन-सा प्राचीन भारत का पहला साम्राज्य है, जिसमें युद्ध के लिए बड़े पैमाने पर हाथियों का उपयोग किया जाता था?

(a) शुंग (b) चोल
(c) मगध (d) कुषाण

SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-II)

Ans. (c): मौर्य शासन के उत्थान के पहले की दो सदियों में मगध साम्राज्य के विकास का दौर समकालीन ईरानी साम्राज्य के दौर के समान रहा है। मगध में बिंबिसार, अजातशत्रु और महापदमनंद जैसे महात्वाकांक्षी शासकों ने लगातार इसके विस्तार से इसे मजबूत किया। मगध के निकट लोहे भंडारों की उपस्थिति के कारण मगध की भौगोलिक स्थित लौह युग में उपयुक्त थी। साक्ष्य यह साबित करते हैं कि वैदिक काल के बाद मगध भारत का पहला साम्राज्य है, जिसमें युद्ध के लिए बड़े पैमाने पर हाथियों का उपयोग किया जाता था।

73. भगवान गौतम बुद्ध के जीवन काल के दौरान सातवीं और छठीं शताब्दी ईसा पूर्व में कितनी महान शक्तियाँ (महाजनपद) अस्तित्व में थीं?

(a) 11 (b) 13
(c) 17 (d) 16

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)
SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-I)

Ans : (d) गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक ग्राम पर हुआ था। गौतम बुद्ध के जीवनकाल के दौरान छठीं एवं सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में भारत में 16 महान शक्तियाँ (महाजनपद) अस्तित्व में थे जो निम्नवत् हैं-

महाजनपद		राजधानी
1. वत्स	→	कौशाम्बी
2. काशी	→	वाराणसी
3. अंग	→	चम्पा
4. मगध	→	गिरिव्रज (राजगृह)
5. वज्जि	→	वैशाली/मिथिला/ विदेह
6. कोशल	→	श्रावस्ती
7. अवन्ति	→	उज्जैन/महिष्मती
8. मल्ल	→	कुशावती/कुशीनारा
9. पांचाल	→	अहिच्छत्र/कांपिल्य
10. चेदि	→	शक्तिमती/सूक्तिवती
11. कुरू	→	इंद्रप्रस्थ
12. मत्स्य	→	विराटनगर
13. गान्धार	→	तक्षशिला
14. अश्मक	→	पोटन/पोटली (द. भारत में)
15. शूरसेन	→	मथुरा
16. कम्बोज	→	हाटक/राजपुर

74. निम्नलिखित में से कौन-सा राजशाही राज्यों में एक नहीं हैं जो कि सातवीं और छठी सदी के शुरू में ईसा पूर्व भारत में मौजूद है?

(a) मगध (b) वैशाली
(c) अवंती (d) कोशल

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)

Ans: (b) महाजनपद काल में वज्जि (वैशाली) व मल्ल (कुशावती) संघ थे ऐसे राज्यों का शासन राजा द्वारा न होकर गण/संघ द्वारा होता था, जबकि महाजनपद राजाओं द्वारा शासित होते थे परन्तु कुछ में अलग प्रकार की शासन व्यवस्था थी।

75. कौन सा बौद्ध ग्रंथ 16 महाजनपदों का उल्लेख करता है?

(a) दीघ निकाय (b) सुत्त पिटक
(c) अंगुत्तर निकाय (d) विनय पिटक

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-II)

Ans: (c) बौद्ध ग्रन्थ अगुंत्तर निकाय तथा जैन ग्रन्थ भगवतीसूत्र में 16 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है। जबकि सुत्त पिटक में बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाएं (जातक कथाएं) वर्णित है तथा बौद्ध धर्म के उपदेश संगृहीत है। विनयपिटक में भिक्षु और भिक्षुणियों के संघ एवं दैनिक जीवन सम्बन्धी आचार-विचार, नियम संगृहीत है। अभिधम्म पिटक में बौद्ध दार्शनिक सिद्धान्तों का वर्णन है। यह प्रश्नोत्तर के रूप में है।

76. प्राचीन चंपा शहर को ___महाजनपद की राजधानी माना जाता है।

(a) काशी (b) मत्स्य
(c) अंग (d) वज्जि

SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : प्राचीन चंपा शहर को अंग महाजनपद की राजधानी माना जाता है।

5. मगध का उत्कर्ष (Emergence of Magadh)

77. मौर्य वंश ने निम्न में से किस राजवंश के बाद मगध पर शासन किया था?

(a) नंद राजवंश (b) शुंग राजवंश
(c) गुप्त राजवंश (d) कुषाण राजवंश

SSC GD 09/12/2021 (Shift-I)

Ans. (a) नन्दवंश का अन्तिम शासक घनानन्द था यह सिकन्दर का समकालीन था। चाणक्य की मदद से चन्द्रगुप्त मौर्य ने इसे युद्ध में पराजित किया और मगध पर एक नये राजवंश मौर्य वंश (322 ई.पू.-184 ई. पू.) की स्थापना की। चन्द्रगुप्त मौर्य मगध की राजगद्दी पर 322 ई. पूर्व में बैठा। चन्द्रगुप्त मौर्य ने 305 ई. पूर्व में सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया था। चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था।

हर्यक वंश	-	544 ई. पू. – 412 ई. पू.
शिशुनाग वंश	-	412 ई. पूर्व – 344 ई. पू.
नन्द वंश	-	344 ई. पू. – 324 ई. पू.
मौर्यवंश	-	322 ई. पू. – 184 ई. पू.

78. बिंबिसार किस वंश के राजा थे?

(a) हर्यंक (b) मौर्य
(c) शुंग (d) नन्द

(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) बिम्बिसार (544 ईसा पूर्व – 492 ईसा पूर्व) ने मगध में हर्यंक वंश की स्थापना की। उसने अंग राज्य को जीतकर अपने साम्राज्य का विस्तार किया यही विस्तार 'आगे चलकर' मौर्य साम्राज्य के विस्तार का भी आधार बना। पुराणों के अनुसार बिंबिसार को 'श्रेणिक' कहा गया है। बिंबिसार ने मगध के यश और सम्मान को वैवाहिक संधियों और विजयों के माध्यम से काफी बढ़ाया। उसकी एक रानी कोशल के राजा प्रसेनजित की बहन थी।

मौर्य राजवंश–मौर्य राजवंश (322–184 ईसा पूर्व) प्राचीन भारत का एक शक्तिशाली एवं महान राजवंश था इसने 137 वर्ष तक भारत में राज्य किया। इसकी स्थापना का श्रेय चन्द्रगुप्त मौर्य और उसके मंत्री कौटिल्य को जाता है।

शुंग वंश–शुंग वंश प्राचीन भारत का एक शासकीय वंश था जिसने मौर्य वंश के बाद शासन किया। इसका शासन उत्तर भारत में 184 ई.पू. से 75 ई. पू. तक यानि 109 वर्षों तक रहा।

नंद वंश–प्राचीन भारत का एक राजवंश था जिसने पाँचवीं–चौथी शताब्दी ईसा पूर्व उत्तरी भारत के विशाल भाग पर शासन किया।

79. प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक की नियुक्ति किसके दरबार में की गई थी?

(a) कृष्णदेव राय (b) बिम्बिसार
(c) अशोक (d) समुद्रगुप्त

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : हर्यक वंश का संस्थापक बिम्बिसार मगध की राजगद्दी पर 544 ई.पू. (बौद्ध ग्रंथों के अनुसार) में बैठा था। प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक मगध के सम्राट बिम्बिसार के राजवैद्य थे। महात्मा बुद्ध की सेवा में बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य 'जीवक' को भेजा था। इसके अतिरिक्त जब अवन्ति प्रदेश के राजा प्रद्योत पाण्डु रोग से ग्रसित थे तब भी बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य जीवक को उनकी सेवा के लिए भेजा था। जीवक 7 वर्ष तक तक्षशिला में चिकित्सा शास्त्र का अध्ययन किया था। जीवक राजगृह की गणिका सालवती का पुत्र था लोक लाज के कारण उसकी माँ उसे राजगृह की गलियों में फेंक दिया था। जीवक को बिम्बिसार के पुत्र अभय ने शिक्षण हेतु तक्षशिक्षा भेजा वह बालरोग तथा शल्य चिकित्सा का विशेषज्ञ था। उसकी फीस 16000 कर्षापण थी। ऐसा माना जाता है कि बिम्बिसार का पुत्र अभय वैशाली की गणिका आम्रपाली का पुत्र था।

80. हर्यंक वंश से मगध के पहले शासक ——— थे।

(a) बिम्बिसार (b) अशोक
(c) प्रसेनजित (d) अजातशत्रु

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : हर्यंक वंश का संस्थापक बिम्बिसार मगध की गद्दी पर 544 ई. पू. में बैठा था। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था। बिम्बिसार ने गिरिव्रज (राजगृह) का निर्माण कर उसे अपनी राजधानी बनाया तथा इसने मगध पर 52 वर्षों तक शासन किया था। बिम्बिसार की हत्या उसके ही पुत्र अजातशत्रु ने कर दी तथा 492 ई. पू. में मगध की गद्दी पर बैठा।

81. निम्नलिखित में से कौन नंद वंश का अंतिम शासक था?

(a) घनानंद (b) पांडुका
(c) गोविषाणक (d) कैवर्त

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : नंद वंश का संस्थापक महापद्मनंद था। पुराणों में महापद्मनंद को सर्वक्षत्रांतक (क्षत्रियों का नाश करने वाला) तथा भार्गव (परशुराम का अवतार) कहा गया है उसने 'एकराट' और 'एकच्छत्र' की उपाधि धारण की। महापद्मनंद के आठ पुत्रों में घनानंद नंद वंश का अंतिम शासक था। इसी के समय सिकन्दर (325 ई.पू.) ने पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था। ग्रीक लेखकों ने घनानंद को 'अग्रमीज' कहा है। 322 ई.पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से घनानंद की हत्या कर मौर्यवंश के शासन की नीव डाली।

82. हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु किस का पुत्र था?

(a) अनिरुद्ध (b) उदयिन
(c) बिंबिसार (d) नागा-दसक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु, बिम्बिसार का पुत्र था। अजातशत्रु 492 ई. पू. में अपने पिता बिम्बिसार की हत्या करके गद्दी पर बैठा। अजातशत्रु का उपनाम कुणिक था तथा प्रारम्भ में वह जैन धर्म का अनुयायी था परन्तु बाद में इसने बौद्ध धर्म अपना लिया। इसने राजगृह में स्तूपों का निर्माण करवाया और 483 ई. पू. राजगृह की सप्तपर्णी गुफा में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया।

83. राजा अजातशत्रु _____वंश के शासक थे।

(a) मौर्य (b) शिशुनाग
(c) हर्यक (d) नंद

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में, मगध की राजधानी को —— स्थानांतरित कर दिया गया था।

(a) मथुरा (b) पाटलिपुत्र
(c) वाराणसी (d) पानीपत

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : बिहार की राजधानी पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र है। सम्राट अजातशत्रु के उत्तराधिकारी उदयिन ने अपनी राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया और बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य ने यहाँ साम्राज्य स्थापित कर अपनी राजधानी बनाई। जिससे पाटलिपुत्र सत्ता का केन्द्र बन गया। फाहियान ने अपने यात्रा वृतान्त मे उसका जीवन्त वर्णन किया और मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र नगर का प्रथम लिखित विवरण दिया।

6. जैन धर्म/बौद्ध धर्म/भागवत/शैव धर्म (Jainism/Buddhism/ Bhagvatism/Shaivism)

(i) जैन धर्म (Jainism)

85. जैनों के अंतिम तीर्थंकर कौन थे?

(a) चंद्रप्रभू (b) ऋषभनाथ
(c) वर्धमान महावीर (d) पद्मप्रभ

SSC MTS– 16/05/2023 (Shift-II)
SSC JE Electrical 09/10/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : जैनों के 24वें और अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी (540-527 ईसा पूर्व) थे। महावीर ने 30 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग दिया तथा 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद जृम्भिक ग्राम के नजदीक ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे उन्हें 'कैवल्य' (ज्ञान) की प्राप्ति हुई।

• पार्श्वनाथ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे।

86. भगवान महावीर को मोक्ष निम्न में से किस स्थान पर प्राप्त हुआ था?

(a) सोनागिरि (b) पावापुरी
(c) श्रवणबेलगोला (d) माउंट आबू

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी थे। इनका जन्म 540/599 ई.पू. वैशाली के कुण्डग्राम में हुआ था, जिसे आधुनिक बसाढ़ कहते है। बारह वर्ष की कठिन तपस्या के बाद महावीर को अंग देश के जृम्भिक ग्राम के निकट ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे ज्ञान (कैवल्य) प्राप्त हुआ। ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी ने अपना पहला उपदेश राजगृह में बितूलाचल पहाड़ी पर बराकर नदी के तट पर दिया।

महावीर की मृत्यु (मोक्ष की प्राप्ति) राजगृह के निकट पावापुरी में 72वर्ष की अवस्था में हुई।

87. ___ ज्ञातृक (या झात्रिक) {Jantrika (or Jhatrika} क्षत्रिय वंश के प्रमुख के पुत्र थे ।

(a) गौतम बुद्ध (b) ऋषभनाथ
(c) पार्श्वनाथ (d) वर्धमान महावीर

SSC GD 16/11/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : वर्धमान महावीर जैन धर्म के 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर थे। महावीर का जन्म 540/599 ई.पू. में वैशाली के कुण्डग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम सिद्धार्थ था, जो कि वज्जि महाजनपद के अंतर्गत आने वाले ज्ञातृक गण (Jnatrika) के मुखिया थे। उनकी माता का नाम त्रिशला था, जो कि वैशाली के लिच्छवि नरेश चेटक की बहन थी।

88. किस भारतीय धर्म में 24 तीर्थंकर हुए थे?

(a) जैन (b) बौद्ध
(c) हिन्दू (d) सिक्ख

(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 10 am)

Ans : (a) जैन धर्म में कुल 24 तीर्थङ्कर या **वीतराग** हुए। तीर्थङ्कर उसे कहते हैं जो मानव को संसार रूपी सागर से पार उतारे। पूज्य होने के कारण तीर्थङ्करों को अर्हत भी कहा जाता है। एक से 22 तक तीर्थङ्करों की ऐतिहासिकता संदिग्ध है 23वें तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ तथा 24 वें तीर्थङ्कर महावीर स्वामी ऐतिहासिक पुरुष माने जाते है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थङ्कर ऋषभदेव/आदिदेव/केशरियानाथ का जन्म अयोध्या में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय परिवार में हुआ था। वहीं 23वें तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ काशी के राजा अश्वसेन के पुत्र थे। 24वें तीर्थङ्कर महावीर स्वामी का जन्म वज्जि गणराज्य के ज्ञातृक क्षत्रियों के संघ के प्रधान सिद्धार्थ के यहाँ वैशाली (कुण्डग्राम) में हुआ था।

89. निम्नलिखित में से कौन सा धार्मिक समुदाय व्यावहारिक जीवन में दस सार्वभौमिक गुणों का पालन करके आत्मशुद्धि और उत्थान के लिए प्रतिवर्ष 'पर्युषण पर्व' मनाता है?

(a) पारसी समुदाय (b) हिंदू समुदाय
(c) सिख समुदाय (d) जैन समुदाय

SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)

Ans : (d) 'पर्युषण पर्व' जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा मनाया जाता है। इस पर्व का मुख्य आधार जीवन के नैतिक मूल्यों को धारण करना, सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलना है। इस समुदाय के लोग क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, तप, त्याग, आकिचन्य और ब्रह्मचर्य गुणों का पालन करते है।

90. भगवान महावीर का जन्म वर्तमान समय के किस राज्य में हुआ?

(a) पंजाब (b) गुजरात
(c) महाराष्ट्र (d) बिहार

SSC JE Electrical 10.12.2020 (Shift-II)

Ans (d) : जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म वैशाली के निकट कुण्डग्राम (बिहार) के ज्ञातृक कुल के प्रधान सिद्धार्थ के यहां 540/599 ईसा पूर्व में हुआ था। इनकी माता का नाम त्रिशला तथा पत्नी का नाम यशोदा था। 30 वर्ष की अवस्था में गृहत्याग के बाद 12 वर्ष की कठोर तपस्या के बाद महावीर को जृम्भिकग्राम के समीप ऋजुपालिका नदी के किनारे एक साल के वृक्ष के नीचे 'कैवल्य' (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त हुआ इनकी मृत्यु पावापुरी में 468/527 ई.पू. में हुई। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे।

91. जैन धर्म के पहले तीर्थंकर कौन थे?

(a) महावीर स्वामी (b) अजितनाथ
(c) ऋषभदेव (d) पार्श्वनाथ

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-II)

Ans. (c) : जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए हैं। तीर्थंकर जैन धर्म में उसके संस्थापक एवं जितेन्द्रिय तथा ज्ञान प्राप्त महात्माओं की उपाधि थी। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव एवं चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी थे। जैन महात्माओं को निर्ग्रन्थ (बन्धनरहित) तथा जैन संस्थापकों को तीर्थंकर कहा गया। तीर्थंकर दो शब्दों 'तीर्थ' और 'कर' से मिलकर बना है। तीर्थ का अर्थ उन विविध नियमों से है जो मनुष्य को इस भवसागर से पार उतार दे। ऋग्वेद में ऋषभदेव और अरिष्टनेमि का उल्लेख मिलता है।

92. संथारा.....समुदाय का एक धार्मिक संस्कार है।

(a) सिक्ख धर्म (b) ज्यू धर्म
(c) जैन (d) बौद्ध धर्म

(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 1.15 pm)

Ans : (c) संथारा या अन्वर्थकी या निष्प्रतिकारमरण्वैकुण्ठ सल्लेखना, जैन समुदाय का एक धार्मिक संस्कार है। जैन धर्म में इसका अर्थ उपवास द्वारा प्राण त्याग करना है। संथारा श्वेताम्बरों में प्रचलित है जबकि दिगम्बर इस परम्परा को सल्लेखना कहते है। चन्द्रगुप्त मौर्य, राष्ट्रकूट नरेश इन्द्र चतुर्थ तथा विद्वान हेमचन्द्र ने अपने जीवन के अन्तिम समय में इसी पद्वति के द्वारा मृत्यु का वरण किया था।

93. प्रथम और चौथे जैन तीर्थंकर के जन्म स्थान के रूप में मान्यता प्राप्त पवित्र शहर का नाम बताइये ———

(a) वाराणसी (b) द्वारका
(c) अयोध्या (d) गया

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव और चतुर्थ तीर्थंकर अभिनंदनाथ का जन्म स्थान अयोध्या (उत्तर प्रदेश) था। विदित है कि जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए तथा 24 वें एवं अन्तिम तीर्थंकर महावीर स्वामी थे।

94. जैन दर्शन शास्त्र के अनुसार, 'जिन' शब्द का अर्थ —— होता है।

(a) ईश्वर (b) विजेता
(c) बंधनों से मुक्ति (d) योग्य

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : जैन दर्शन के अनुसार 'जिन' शब्द का अर्थ विजेता होता है।

95. महावीर के शिक्षाए, जो कि लगभग 1500 वर्ष पूर्व लिखी गई थी, वर्तमान में कहाँ उपस्थित हैं?

(a) मुम्बई, महाराष्ट्र
(b) भोपाल, मध्य प्रदेश
(c) वल्लभी, गुजरात
(d) कोलकाता, पश्चिम बंगाल

SSC MTS 7-10-2017 (Shift-I)

Ans. (c) : महावीर जैन धर्म के चौबीसवे तीर्थकर है। महावीर का जन्म करीब ढाई हजार साल पहले वैशाली राज्य के कुण्डलपुर ग्राम में हुआ था। महावीर की शिक्षाएं, आज भी बल्लभी गुजरात में उपस्थित है जो लगभग 1500 वर्ष पूर्व लिखी गई थी।

ii. बौद्ध धर्म (Buddhism)

96. ___बौद्ध धर्म में भिक्षुणी बनने वाली प्रथम महिला थीं।

(a) महाप्रजापति गौतमी (b) सुजाता
(c) संघमित्रा (d) धाम्मानंद भिक्षुणी

SSC CGL (Tier-1)– 18/07/2023 (Shift-III)
SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : महात्मा बुद्ध की मौसी (पालनकर्ता) महाप्रजापति गौतमी पहली महिला थी, जिन्हें प्रिय शिष्य आनन्द के कहने पर भिक्षुणी के रूप में चुना गया था।

97. निम्नलिखित में से कौन सा बौद्ध स्थल आंध्र प्रदेश के वेंगी क्षेत्र में स्थित नहीं है?

(a) जगय्यापेट्टा (b) चौखंडी
(c) अमरावती (d) नागार्जुनकोंडा

SSC JE CIVIL 09/10/2023 (Shift-III)

Ans. (b) : आंध्र प्रदेश के वेंगी क्षेत्रों में अनेक स्तूप स्थल हैं। जैसे– जगय्यपेट, अमरावती, भट्टी प्रोलुरो, नागार्जुनकोंड, गोली आदि।

- अमरावती दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में बौद्ध अध्ययन का केन्द्र था, जो आंध्र प्रदेश में स्थित है।
- जग्गय्यपेटा या जगय्यापेटा आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में अवस्थित है, यहाँ पर 200 ईसापूर्व काल के बौद्ध स्तूप मिले हैं।
- चौखंडी स्तूप सारनाथ, वाराणसी (उ.प्र.) में स्थित है, ऐसा माना जाता है यहीं पर बुद्ध पहली बार अपने पाँच शिष्यों से मिले थे।

98. बौद्ध काल का सबसे पुराना स्तूप कौन-सा है?

(a) धमेक स्तूप (b) महाबोधि स्तूप
(c) सांची स्तूप (d) केसरिया स्तूप

SSC MTS/Havaldar–04/09/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : बौद्ध काल का सबसे पुराना स्तूप साँची स्तूप है। यह मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के पश्चिम में एक ऊँचे पठारी क्षेत्र में स्थित है। इसे सन् 1989 ई. में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

99. बुद्ध ने..... में एक पीपल के पेड़ के नीचे कई दिनों तक तपस्या की, जहाँ उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था।

(a) सारनाथ (b) बोध गया
(c) कुशीनगर (d) उज्जैन

SSC CHSL (Tier-1) – 17/03/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : बुद्ध ने 'बोध गया' में पीपल के पेड़ के नीचे कई वर्षों तक तपस्या की, जहाँ उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व, लुंबिनी (नेपाल) में हुआ था तथा महापरिनिर्वाण 483 ईसा पूर्व (80 वर्ष की आयु) में कुशीनगर, (देवरिया) में हुआ।

100. ''संघ'' में रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं के लिए बनाए गए नियम _____ नामक ग्रंथ में मिलते हैं।

(a) सुत्तपिटक (b) अभिधम्मपिटक
(c) मिलिंदपन्ह (d) विनयपिटक

SSC MTS– 12/05/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : ''संघ'' में रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं के लिए बनाए गए नियम विनयपिटक नामक ग्रंथ में मिलते हैं। विनयपिटक का शाब्दिक अर्थ ''अनुशासन की टोकरी'' है। बुद्ध की शिक्षाओं को सुत्तपिटक में तथा दर्शन से जुड़े विषय अभिधम्मपिटक के अंतर्गत सम्मिलित किये गये हैं।

101. कहा जाता है कि प्रथम बौद्ध परिषद को द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया था।

(a) पोरस (b) अशोक
(c) अजातशत्रु (d) चंद्रगुप्त मौर्य

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : बौद्ध सभायें–

सभा	समय	स्थान	अध्यक्ष	शासनकाल
प्रथम बौद्ध संगीति	483 ई.पू.	राजगृह	महाकश्यप	अजातशत्रु
द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ई.पू.	वैशाली	सर्वकामी	कालाशोक
तृतीय बौद्ध संगीति	251 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अशोक
चतुर्थ बौद्ध संगीति	ई. की प्रथम शताब्दी	कुण्डलवन	वसुमित्र/ अश्वघोष	कनिष्क

102. अपने महापरिनिर्वाण से पहले बुद्ध ने अंतिम उपदेश कहाँ दिया था?

(a) वैशाली (b) लुंबिनी
(c) कुशीनगर (d) सारनाथ

SSC GD 03/12/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : महापरिनिर्वाण से पहले बुद्ध ने अन्तिम उपदेश वैशाली में दिया था। कुशीनगर में रामाभर स्तूप का निर्माण बुद्ध की राख के एक हिस्से के साथ किया गया था; जहाँ उनका दाह संस्कार हुआ था।

103. गौतम बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद किस बौद्ध परिषद को आयोजित किया गया था?

(a) चौथी (b) तीसरी
(c) दूसरी (d) पहली

(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 4.15 pm)

Ans : (d) महात्मा बुद्ध के परिनिर्वाण के अल्प समय के पश्चात् ही उनके उपदेशों को संग्रहीत करने, उनका पाठन करने आदि के उद्देश्य से संगीति (सम्मेलन) की प्रथा चल पड़ी। इन्हें धम्म संगीति कहा जाता है। संगीति का अर्थ है साथ-साथ गाना।

प्रथम बौद्ध संगीति–समय–483 ई. पू., स्थान–राजगृह, अध्यक्ष–महाकस्सप, शासनकाल–अजातशत्रु। दो पिट्टकों सुत्त एवं विनय का संकलन हुआ।

द्वितीय बौद्ध संगीति–समय–383 ई.पू., स्थान–वैशाली, अध्यक्ष–सर्वकामी, शासनकाल–कालाशोक। बौद्ध धर्म, स्थाविर एवं महासंघिक में विभक्त हो गया। (मानसिक विभाजन)

तृतीय बौद्ध संगीति–समय–251 ई.पू., स्थान–पाटलिपुत्र, अध्यक्ष–मोग्गलिपुत्ततिस्स, शासनकाल–अशोक। अभिधम्मपिटक का संकलन

चतुर्थ बौद्ध संगीति– समय - प्रथम शताब्दी, ई.पू., स्थान–कुण्डलवन, अध्यक्ष वसुमित्र/अश्वघोष, शासनकाल–कनिष्क बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान में विभक्त हो गया।

104. तीसरी बौद्ध संगीति किस शहर में आयोजित की गयी थी?

(a) तक्षशिला में (b) रंगून में
(c) पाटलिपुत्र में (d) श्रावस्ती में

SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. बौद्ध धर्म के अधिकांश ग्रंथ किस भाषा में लिखे गए थे?

(a) संस्कृत (b) मागधी
(c) प्राकृत (d) पालि

SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-I)
SSC MTS 22/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : पालि साहित्य में मुख्यतः बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान बुद्ध के उपदेशों का संग्रह है। बौद्ध धर्म के अधिकांश ग्रंथ पालि भाषा में लिखे गए थे। बौद्ध धर्म का मूल आधार चार आर्य सत्य है जो इस प्रकार है– दुःख, दुःख समुदाय, दुःख निरोध तथा दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा। भगवान बुद्ध के अनुसार आष्टांगिक मार्ग ही दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा है। अष्टांगिक मार्ग के अनुशीलन से व्यक्ति निर्वाण की ओर अग्रसर होता है।

106. बौद्ध धर्म महायान और हीनयान में किस शासक के शासनकाल के दौरान विभाजित हुआ था?

(a) कनिष्क (b) चंद्रगुप्त द्वितीय
(c) अशोक (d) इनमें से कोई नहीं

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : कुषाण वंश के शासक कनिष्क के शासनकाल के दौरान चतुर्थ बौद्ध संगीत का आयोजन कश्मीर के कुण्डलवन में हुआ। इसके अध्यक्ष वसुमित्र एवं उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इसी संगीति में बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायो हीनयान एवं महायान में विभाजित हुआ। ध्यातव्य है कि जिन अनुयायियों ने बिना किसी परिवर्तन के बुद्ध के मूल उपदेशों को स्वीकार किया वे हीनयानी कहलाये, ये लोग रूढ़िवादी व निम्नमार्गी थे एवं बुद्ध को महापुरुष मानते थे और भगवान के रूप में उनकी पूजा नही करते थे। बौद्ध धर्म के कठोर तथा परपंरागत नियमों मे परिवर्तन करने वाले महायानी कहलाये।

107. 'स्तूप शब्द गौतम बुद्ध के जीवन की निम्नलिखित किस घटना से संबंधित है?

(a) मृत्यु (b) प्रथम उपदेश
(c) जन्म (d) गृह-त्याग

SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : बुद्ध की मृत्यु के बाद उनके शरीर (अस्थिअवशेष) को आठ भागों में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक भाग पर स्तूप बनवाये गये। अतःस्तूप इनकी मृत्यु से संबंधित है। ध्यातव्य है कि 483 ई. पू. में 80 वर्ष की अवस्था में कुशीनगर में बुद्ध की मृत्यु हो गयी। इस घटना को बौद्ध ग्रन्थों में 'महापरिनिर्वाण' की संज्ञा दी गयी। जबकि 29 वर्ष की अवस्था में जब इन्होंने गृह त्याग किया तो इसे 'महाभिनिष्क्रमण' कहा गया है।

108. 'त्रिपिटक' धर्म ग्रन्थ का संबंध किस धर्म से है?

(a) हिन्दू (b) जैन
(c) पारसी (d) बौद्ध

SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am
SSC MTS 13/08/2019 (Shift-I)

Ans : (d) तीन भागों में विभाजित त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्तपिटक, अभिधम्मपिटक) बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है। त्रिपिटक में महात्मा बुद्ध के बुद्धत्व (ज्ञान) प्राप्त करने से लेकर महापरिनिर्वाण तक दिये हुए प्रवचनों का संकलन किया गया है। सुत्तपिटक में बुद्ध के उपदेश तथा विचार मिलते हैं, विनयपिटक में बौद्ध संघ के नियम एवं विधान है तथा अभिधम्मपिटक में बौद्ध दर्शन की जानकारी मिलती है। यह पालि भाषा में लिखा गया है जबकि हिन्दुओं का प्रमुख ग्रन्थ-गीता, जैनों का आगम तथा पारसियों का जिन्द अवेस्ता है।

109. गौतम बुद्ध के उपदेश मुख्य रूप से कहाँ पाए जाते हैं ?

(a) अभिधम्म पिटक (b) सुत्त पिटक
(c) विनय पिटका (d) तीसराना

SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

110. कनिष्क के शासनकाल के दौरान, निम्नलिखित में से किस स्थान को चौथे बौद्ध परिषद् के स्थल के लिए चुना गया था?

(a) तक्षशिला (b) वैशाली
(c) पाटलिपुत्र (d) कश्मीर

SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-I)

Ans. (d) : चतुर्थ बौद्ध परिषद् का आयोजन कुषाण सम्राट कनिष्क के शासनकाल में हुई। यह संगीति कश्मीर के कुण्डलवन में आयोजित की गई थी इस संगीति के अध्यक्ष वसुमित्र एवं उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इस संगीति में बौद्ध धर्म दो शाखाओं हीनयान और महायान में विभाजित हो गया। इस सभा में महासंघिकों का बोलबाला था तथा इसी संगीति में विभाषाशास्त्र नामक एक अन्य ग्रंथ की रचना हुई। इसी समय में बौद्धों ने संस्कृत के रूप में भाषा को अपना लिया।

111. भारत के किस बौद्ध स्थल पर गौतम बुद्ध ने सबसे पहले धर्म का प्रचार किया था?

(a) बोध गया (b) बराबर गुफाएँ
(c) कुशीनगर (d) सारनाथ

SSC MTS/Havaldar– 05/07/2022 (Shift-I)

Ans.(d): गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व शाक्य गणराज्य के लुम्बिनी में हुआ था। 35 वर्ष की आयु में बोधगया, बिहार में ज्ञान की प्राप्ति होने के पश्चात सर्वप्रथम उपदेश वाराणसी के निकट सारनाथ में दिया, जिसे धर्मचक्रप्रवर्तन कहा जाता है। इनकी मृत्यु मल्ल गणराज्य के कुशीनगर में 483 ईसा पूर्व में हुई।

112. पश्चिमी हिमालय में बौद्ध शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र की गोम्पा (Kye Gompa)..... राज्य/संघ राज्यक्षेत्र में स्थित है।

(a) उत्तराखंड (b) हिमाचल प्रदेश
(c) पंजाब (d) जम्मू और कश्मीर

SSC CHSL (Tier-1) – 09/03/2023 (Shift-IV)

Ans. (b) : पश्चिमी हिमालय में बौद्ध शिक्षा का सबसे बड़ा केन्द्र की गोम्पा (key Gompa) हिमाचल प्रदेश में स्थित है।
गोम्पा (Gompa) का अर्थ है बौद्ध धर्म का मठ/मंदिर। की गोम्पा हिमाचल प्रदेश की लाहौल स्पीति जिले में स्थित एक बौद्ध मठ है। इसकी स्थापना 11वीं शताब्दी में हुयी थी। यह मठ हिमाचल प्रदेश का सबसे पुराना मठ है।

iii. शैव/वैष्णव धर्म (Shaivism/Vaishnavism)

113. .....एक ब्रह्मांडीय नर्तक के रूप में हिन्दू भगवान शिव का चित्रण है, जो तांडवम नामक अपने दिव्य नृत्य का प्रदर्शन करते हैं।

(a) मुरुगन (b) नटराज
(c) विष्णु (d) वेंकटेश्वर

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)

Ans : (b) नटराज शिव जी का एक अन्य नाम है। नटराज शिव का स्वरूप न सिर्फ उनके सम्पूर्ण काल एवं स्थान को दर्शाता है, अपितु यह बिना किसी संशय स्थापित करता है कि ब्रह्माण्ड में स्थित सारा जीवन, उनकी गति कम्पन्न तथा ब्रह्माण्ड से परे शून्य की निःशब्दता सभी कुछ एक शिव में निहित है। नटराज दो शब्दों के समावेश से बना है। नट (अर्थात् कला) और राज। इस स्वरूप में शिव कलाओं के आधार हैं। शिव का तांडव नृत्य प्रसिद्ध है।

114. त्रिमूर्तियों में सृष्टिकर्ता देवता होने के बाद भी आजकल किस देवता की पूजा बहुत कम की जाती है?

(a) सूर्य (b) ब्रह्मा
(c) चंद्र (d) वायु

(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)

Ans : (b) त्रिमूर्ति के अंतर्गत गुप्तकाल में ब्रह्मा, विष्णु, और महेश (शिव) की पूजा आरंभ हुई। धार्मिक समन्वय की यह उदार भावना गुप्तकाल की विशेषता थी। गुप्त सम्राट वैष्णव धर्म के अनुयायी थे किन्तु उनकी धार्मिक सहिष्णुता की भावना से शैव धर्म एवं ब्रह्मा की पूजा में भी समान प्रगति हुई। वर्तमान समय में विष्णु एवं शिव की पूजा समाज में विशेष रूप से प्रचलित है परन्तु ब्रह्मा जी की पूजा उपेक्षित है। ब्रह्मा जी का मंदिर राजस्थान के पुष्कर में स्थित है।

115. प्रारंभिक भक्ति आन्दोलनों में से एक नयनारों के नेतृत्व में हुआ जो ____ के भक्त थे।

(a) शिव (b) विष्णु
(c) सूर्य (d) ब्रह्मा

(SSC J.E. 02.03.17, 2:45 pm)

Ans : (a) प्रारम्भिक भक्ति आन्दोलन में से एक नायनारों के नेतृत्व में किया गया आन्दोलन शैव धर्म से सम्बन्धित था। नयनार सन्तों की संख्या 63 बतायी गयी है। जिनमें अप्पार, तिरुज्ञान, सम्बन्दर सुन्दरमूर्ति, मणिक्कवाचगर आदि के नाम उल्लेखनीय है। इनमें अप्पार जिसका दूसरा नाम तिरुनाबुक्करशु भी मिलता है पल्लव नरेश महेन्द्रवर्मन प्रथम का समकालीन था। पल्लव राजाओं का शासनकाल नयनारों (शैव) तथा आलवरों (वैष्णव) के भक्ति-आन्दोलन के लिए विशेष रूप में उल्लेखनीय है।

116. पशुपति सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन थे?

(a) लकुलीश (b) बसव
(c) अभिनव (d) मत्स्येंद्रनाथ

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)

Ans. (a) : लकुलीश पशुपति सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे। इन्हें शिव का 28वाँ अवतार माना जाता है, इस सम्पद्राय के अनुयायी लकुड़ धारण करते हैं।

7. मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire)

117. निम्नलिखित में से कौन चंद्रगुप्त मौर्य की मृत्यु के बाद मौर्य साम्राज्य के सिंहासन पर बैठा?

(a) अशोक (b) बिन्दुसार
(c) दशरथ (d) चंद्रगुप्त - द्वितीय

SSC MTS– 19/05/2023 (Shift-III)

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु के बाद उसका पुत्र बिन्दुसार 297-273 ईसा पूर्व में मगध के सिंहासन पर बैठा। बिन्दुसार का उपनाम अमित्रघात (शत्रुओं का भक्षक) था।

118. अंतिम मौर्य सम्राट की हत्या के लिए कौन जिम्मेदार था?

(a) सिमुक (b) पुष्यमित्र शुंग
(c) वासुदेव कण्व (d) कनिष्क

SSC JE CIVIL 09/10/2023 (Shift-I)

Ans. (b) :
- अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ था। पुष्यमित्र शुंग द्वारा इसकी हत्या कर दी गई।
- पुष्यमित्र शुंग, बृहद्रथ का मुख्य सेनापति था।
- पुष्यमित्र शुंग ने शुंग राजवंश की स्थापना की थी।
- इसने अशोक के कई स्तूपों और शिलालेखों को नष्ट कर दिया था।
- मौर्य वंश की स्थापना 322 ईसा पुर्व में चंद्रगुप्त मौर्य ने की थी।

119. मौर्य सेना के प्रशासनिक कार्यों की ज़िम्मेदारी कितने सदस्यों को सौंपी गई थी?

(a) 20 (b) 25
(c) 30 (d) 35

SSC JE CIVIL 10/10/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : मौर्य प्रशासन एक विशाल सेना के रख-रखाव के लिए जाना जाता था। रोमन लेखक प्लिनी ने उल्लेख किया है कि चंद्रगुप्त मौर्य के पास 9,000 हाथा 30 हजार घुड़सवार और 6 लाख पैदल सेना थी। मेगस्थनीज के अनुसार, मौर्य सेना के प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी 30 सदस्यों को सौंपी गई थी जो सशस्त्र बल के प्रशासन के लिए जिम्मेदार था।

120. भारतीय समाज को सात वर्गों में किसने वर्गीकृत किया?

(a) मेगस्थनीज (b) अरियन
(c) स्ट्रैबो (d) प्लिनी

SSC JE CIVIL 11/10/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में भारतीय समाज को 7 श्रेणियों में विभाजित किया था। जो इस प्रकार है– प्रथम-दार्शनिक, दूसरा-कृषक, तीसरा-पशुपालक, चौथा-कारीगर, पाँचवा-योद्धा, छठवां-निरीक्षक, सातवां-सभासद। मेगस्थनीज ने बताया कि भारतीय समाज के समाजिक व्यवस्था में दास प्रथा नहीं पाया जाता था।

121. अशोक के अभिलेखों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा मगध साम्राज्य में एक प्रांतीय केन्द्र नहीं था?

(a) तोसली (b) उज्जयिनी
(c) इंद्रप्रस्थ (d) तक्षशिला

SSC MTS– 02/05/2023 (Shift-I)

Ans. (c): अशोक के अभिलेखों के अनुसार- इंद्रप्रस्थ मगध साम्राज्य का प्रांतीय केंद्र नहीं था।

• अशोक मौर्य वंश का राजा था, इसने 14 शिलालेखों का निर्माण करवाया जिसमें राज्य के प्रशासन की नीतियों को बताया।

122. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रंथ मौर्य सामाज्य के काल के प्रशासनिक और सैन्य संगठन का सूक्ष्म विवरण देता है?

(a) शूल्व सूत्र (b) बृहत् संहिता
(c) अर्थशास्त्र (d) नितिसार

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : कौटिल्य का अर्थशास्त्र मौर्य साम्राज्य के काल के प्रशासनिक और सैन्य संगठन का सूक्ष्म विवरण देता है। कौटिल्य ने राज्य के सप्तांग सिद्धांत के सात अंग निर्दिष्ट किये- राजा, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, सेना तथा मित्र।

123. कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत में ''अमात्य'' निम्नलिखित में से किसे दर्शाता है?

(a) क्षेत्र (b) मित्र
(c) मंत्री और अधिकारी (d) किला

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत में 'अमात्य' से तात्पर्य मंत्री और अधिकारी से था। यह राज्य का दूसरा महत्वपूर्ण अंग था जिसके बिना राजा द्वारा शासन संचालन कठिन ही नहीं, असंभव था। अमात्यों की संख्या राजा की इच्छा पर निर्भर थी।

124. निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक ने कलिंग पर विजय प्राप्त की थी?

(a) बृहद्रथ (b) बिन्दुसार
(c) चन्द्रगुप्त मौर्य (d) अशोक

SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : मौर्य शासक अशोक ने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष (261 ई.पू.) में अशोक ने कलिंग पर विजय प्राप्त की थी। कलिंग युद्ध तथा उसके परिणामों के विषय में अशोक के तेरहवें शिलालेख से विस्तृत सूचना प्राप्त होती है। विजयोपरान्त कलिंग में दो अधीनस्थ प्रशासनिक केन्द्र स्थापित किये गये-

1. उत्तरी केन्द्र (राजधानी तोसलि)
2. दक्षिण केन्द्र (राजधानी जौगढ़)

125. सम्राट अशोक ने अपने राज्यभिषेक के कितने वर्ष बाद कलिंग पर विजय प्राप्त की?

(a) 8 वर्ष (b) 11 वर्ष
(c) 5 वर्ष (d) 15 वर्ष

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

126. निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक ने कलिंग की लड़ाई के बाद युद्ध करना छोड़ दिया था?

(a) अशोक (b) माहिंदा
(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) बिन्दुसार

SSC CGL (Tier-1) – 18/07/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

127. मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने निम्नलिखित में से किसे पराजित किया था?

(a) कैसेंडर (b) सेल्यूकस निकेटर
(c) एंटीगोन्स (d) टॉलेमी

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने 305 ईसा पूर्व में सिकन्दर के सेनापति सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया था। हार के बाद निकेटर ने अपनी पुत्री कोर्नेलिया की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ कर दी तथा हेरात एवं मकरान प्रान्त चन्द्रगुप्त को दिए।

* मेगस्थनीज सेल्यूकान निकेटर का राजदूत था, जो चन्द्रगुप्त के दरबार में रहता था। इसकी पुस्तक इंडिका है।

128. किस योद्धा ने 322 ईसा पूर्व में कौटिल्य की सहायता से अंतिम नंद शासक घनानंद को पराजित किया था?

(a) कालाशोक (b) अशोक
(c) अकबर (d) चंद्रगुप्त मौर्य

SSC MTS/Havaldar– 07/07/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : चंद्रगुप्त मौर्य ने मौर्य वंश की नींव रखी। चंद्रगुप्त मौर्य ने 322-321 ई. पूर्व अपने गुरु चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से जाना जाता था, की सहायता से मगध साम्राज्य पर अपना अधिपत्य स्थापित किया। जहां नंदवंश के राजा घनानंद (नंदराज) का शासन था। इसके साथ ही मगध में नंदवंश का पतन हुआ और विशाल मौर्य साम्राज्य का उदय हुआ, जो कि 323 ईसा पूर्व से 184 ईसा पूर्व तक रहा। इसने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र को बनाया जिसे वर्तमान में पटना (बिहार) के नाम से जाना जाता है।

129. नीचे दिये गये कथनों में से कौन-सा सही है?

I. अशोक के अधिकांश शिलालेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गये थे।

II. चाणक्य के कई विचार अर्थशास्त्र नामक पुस्तक में लिखे गये थे।

(a) न तो I और न ही II (b) केवल II
(c) केवल I (d) I और II दोनों

SSC MTS/Havaldar– 08/07/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : अशोक के शिलालेख कई लिपि में मिलते हैं जैसे– ब्राह्मी, खरोष्ठी, अरमाइक आदि जिसमें सर्वाधिक ब्राह्मी लिपि में है। ब्राह्मी लिपि बायें से दायें लिखी जाती थी। 'अर्थशास्त्र' चाणक्य के द्वारा लिखी गयी है। इसमें मौर्यकालीन राजव्यवस्था के सम्बन्ध में उल्लेख किया गया है।

130. समाहर्ता नामक अधिकारी का क्या कार्य था?

(a) राज्य के खजाने को आरक्षित करना
(b) सुरक्षा आश्वासन
(c) पत्र-व्यवहार करना
(d) कर निर्धारण

SSC CGL (Tier-1)– 17/07/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : मौर्य काल में राजस्व विभाग का सर्वोच्च अधिकारी समाहर्ता होता था जिसका प्रमुख कार्य कर निर्धारण करना था। इसके अधीन शुल्काध्यक्ष, सुत्राध्यक्ष, मुद्राध्यक्ष आदि अनेक कर्मचारी कार्य करते थे। कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अध्ययन से मौर्य साम्राज्य के केन्द्रीय संगठन के सम्बन्ध में जानकारी मिलती है। इस काल में शासन के विविध विभाग 'तीर्थ' कहलाते थे जिनकी संख्या 18 थी।

131. मौर्य साम्राज्य का संस्थापक निम्न में से कौन था?

(a) बृहद्रथ मौर्य (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) अशोक (d) बिन्दुसार

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-II

Ans. (b) : चंद्रगुप्त मौर्य ने 322 ई. पू. में मौर्यवंश की नींव रखी और विशाल मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। चन्द्रगुप्त का साम्राज्य उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में कर्नाटक तक तथा पूर्व में बंगाल से लेकर उत्तर-पश्चिम मे फारस (वर्तमान ईरान) तक फैला हुआ था। चंद्रगुप्त के शासन में चाणक्य को प्रधानमंत्री का पद प्राप्त था। चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' नामक ग्रंथ की रचना की थी, जिसमें प्रशासनिक नियमों का उल्लेख किया गया है।

132. निम्नलिखित में से किसने 1837 में पहली बार ब्राह्मी लिपि को समझा था?

(a) दयाराम साहनी (b) अलेक्जेंडर कनिंघम
(c) जॉन मार्शल (d) जेम्स प्रिंसेप

SSC MTS 26/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : ब्राह्मी लिपी एक प्रचीन लिपी है जिससे कई एशियाई लिपियों का विकास हुआ है। प्राचीन लिपी के उत्कृष्ट उदाहरण सम्राट अशोक (असोक) द्वारा ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में बनवायें गये शिलालेखो के रूप में अनेक स्थानों पर मिलते है।

* अशोक प्रथम शासक थे, जिसने अभिलेखों के माध्यम से प्रजा को सम्बोधित किया।
* सर्वप्रथम 1837ई. में 'जेम्स प्रिंसेप' ने अशोक के अभिलेखों को 'ब्राह्मी' लिपि में पढ़ने में सफलता प्राप्त की थी। अशोक की पहचान 'प्रियदर्शी' के रूप में हुई।

133. निम्नलिखित में से कौन सी लिपि, सभी आधुनिक भारतीय लिपियों की जननी मानी जाती है?

(a) हड़प्पा (b) ब्राह्मी
(c) देवनागरी (d) बंगाली-असमिया

SSC MTS 07/10/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : ब्राह्मी लिपि को भारत की अधिकांश लिपियों की जननी माना जाता है। इसका सर्वप्रथम प्रयोग सम्राट अशोक के लेखों में हुआ। 5 वीं सदी ई. पूर्व से 350 ईसा पूर्व तक इसका एक रूप तथा इसकी दो धारा-उत्तरी व दक्षिणी मिलती है।

- उत्तरी धारा में गुप्त लिपि, कुटिल लिपि, शारदा और देवनागरी लिपि है।
- दक्षिणी धारा में तेलुगु, कन्नड़, तमिल, कलिंग, आदि लिपियां हैं।

134. मौर्य राजवंश का अंतिम शासक कौन था?

(a) देववर्मन (b) शतधनवन
(c) बृहद्रथ (d) सम्प्रति

SSC MTS 08/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : मौर्यवंश का अंतिम शासक बृहद्रथ (184 ई.पू.) था। वह एक अयोग्य शासक था। उसने राजकाज एवं सैनिक मामलों में कोई दिलचस्पी नहीं लिया, वरन अपना सारा समय वह भोग-विलास में व्यतीत करता था। इसका लाभ उठाकर बृहद्रथ के सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने उसकी हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की।

135. निम्न के बाद सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया था।

(a) कलिंग के युद्ध (b) बक्सर के युद्ध
(c) हल्दीघाटी के युद्ध (d) तराइन के युद्ध

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-III)

Ans.(a): सम्राट अशोक (273-236 ईसा पूर्व) मौर्य वंश का तीसरा शासक था। कलिंग की विजय (261 ई. पू.) के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया। अशोक धम्म की नीति में विश्वास रखता था। उसकी लुम्बिनी की यात्रा और लुम्बिनी को कर से छूट देने का वर्णन रुम्मिनदेई स्तम्भ शिलालेख में किया गया है।

136. निम्नलिखित में से कौन सा शासक मौर्य राजवंश से संबंधित नहीं था?

(a) अशोक (b) चन्द्रगुप्त
(c) बिन्दुसार (d) बिंबिसार

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d): बिंबिसार मौर्य राजवंश से सम्बन्धित नहीं था। मगध साम्राज्य समय के साथ तीन राजवंशों के शासन को समाहित करता है। (1) हर्यक वंश (2) शिशुनाग वंश (3) नन्द वंश, इसमें पहला और महत्वपूर्ण राजवंश हर्यक वंश था जिसकी स्थापना बिम्बिसार ने की। बौद्ध इतिहास के अनुसार बिंबिसार ने 52 वर्षों तक शासन किया। बाकी सभी शासक मौर्य राजवंश से सम्बन्धित हैं।

137. राजा अशोक की उस पुत्री का नाम क्या था जिसे उसने एक बौद्ध मिशनरी के कर्तव्यों को निभाने की जिम्मेदारी दी थी?

(a) पद्मावती (b) चारुमती
(c) संघमित्रा (d) असंघमित्रा

SSC MTS 22/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c): संघमित्रा राजा अशोक की पुत्री थी जिसे एक बौद्ध मिशनरी के कर्तव्यों को पूरा करने के लिय नियुक्त किया गया था। अशोक ने अपने पुत्र महेन्द्र के साथ संघमित्रा को श्रीलंका (सिंहल द्वीप तथा ताम्रपर्णी के नाम से भी ज्ञात) में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिये भेजा था।

138. निम्नलिखित में से किस राजा ने प्राचीन भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी?

(a) अशोक (b) चंद्रगुप्त
(c) बिन्दुसार (d) दशरथ

SSC CHSL 19/04/2021 (Shift-III)

Ans. (b): चन्द्रगुप्त मौर्य ने मौर्यवंश की नींव रखी। चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से मगध साम्राज्य पर अपना आधिपत्य किया, इससे पूर्व नंदवंश के राजा धनानंद का शासन था। नंदवंश के पतन के बाद विशाल मौर्य साम्राज्य का उद्भव हुआ जो 322 ई0 पू0 से 184 ई0 पू0 तक रहा। इसने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र को बनाया जिसे वर्तमान में पटना (बिहार) के नाम से जाना जाता है।

139. निम्न में से किस शासक ने अपनी प्रजा और अधिकारियों के लिए पत्थर की सतहों पर अपने संदेश उत्कीर्णित किए थे?

(a) अशोक (b) चंद्रगुप्त प्रथम
(c) बिन्दुसार (d) चंद्रगुप्त मौर्य

SSC CHSL 19/04/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : अशोक ने अपनी प्रजा और अधिकारियों के लिए पत्थर की सतहों पर अपने संदेश उत्कीर्ण करवाये। अशोक के लगभग 40 अभिलेख प्राप्त हुए हैं। ये ब्राह्मी, खरोष्ठी आरमेइक एंव ग्रीक लिपियों में लिखे गये है।

140. अंतिम मौर्य सम्राट की हत्या निम्न में से किसके द्वारा की गई थी?

(a) विष्णुवर्धन (b) कुलशेखर वर्मन
(c) पुष्यमित्र शुंग (d) महेन्द्रवर्मन

SSC GD 14/12/2021 (Shift-I)

Ans. (c): मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 184 ईसा पूर्व में कर दी और मगध साम्राज्य पर शुंग वंश की नीवं रखी। शुंगवंश के अंतिम शासक देवभूति की हत्या वासुदेव ने 75 ईसा पूर्व में कर दी तथा मगध साम्राज्य पर कण्व वंश की स्थापना की। मौर्य साम्राज्य का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था।

141. सम्राट अशोक के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) अशोक का संबंध मौर्य वंश से था
(b) अशोक विश्व के इतिहास में एकमात्र ऐसे राजा है, जिन्होंने युद्ध जीतने के बाद विजय का त्याग कर दिया था
(c) अशोक ने जिस साम्राज्य पर शासन किया उसकी स्थापना उसके दादा ने की थी
(d) चाणक्य नामक एक बुद्धिमान व्यक्ति (जिसे कौटिल्य भी कहा जाता है) ने अशोक का विरोध किया था

SSC GD 24/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : घनानंद को पराजित करने के लिए चाणक्य ने चन्द्रगुप्त मौर्य से सहायता प्राप्त की थी। इसके पश्चात चाणक्य (विष्णुगुप्त / कौटिल्य) चन्द्रगप्त मौर्य का प्रधानमंत्री बना। चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र नामक पुस्तक की रचना की, जिसका संबंध 'राजनीति' से है। चाणक्य चन्द्रगुप्त मौर्य का समकालीन था, न कि अशोक का समकालीन। अशोक का संबंध मौर्य वंश से है। चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिन्दुसार हुआ था बिन्दुसार का उत्तराधिकारी अशोक हुआ। अशोक ने 261 ई. पू. में कलिंग विजय के पश्चात युद्ध का त्याग कर दिया था।

142. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प मौर्य साम्राज्य के शासकों के सही कालानुक्रमिक क्रम को दर्शाता है?

(a) बिंदुसार - चंद्रगुप्त - अशोक - बृहद्रथ
(b) चंद्रगुप्त - बिंदुसार - अशोक - बृहद्रथ
(c) बृहद्रथ - चंद्रगुप्त - बिंदुसार - अशोक
(d) अशोक - बृहद्रथ - चंद्रगुप्त - बिंदुसार

SSC GD 16/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : मौर्य राजंवश (322 – 184 ईसा पूर्व) प्राचीन भारत का एक शक्तिशाली राजवंश था। मौर्य राजंवश ने 138 वर्ष भारत में शासन किया। इसकी स्थापना का श्रेय चन्द्रगुप्त मौर्य और उसके मंत्री चाणक्य (कौटिल्य) को दिया जाता है। सम्राट अशोक के कारण ही मौर्य साम्राज्य सबसे महान एवं शक्तिशाली बनकर विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ।

मौर्य राजवंश के शासकों की सूची-

→ चन्द्रगुप्त मौर्य - 322 - 298 ईसा पूर्व
→ बिन्दुसार मौर्य - 298 - 273 ईसा पूर्व
→ अशोक महान - 273 - 236 ईसा पूर्व
→ बृहद्रथ मौर्य - 187 - 184 ईसा पूर्व

143. अशोक के कंधार अभिलेखों की खोज किस वर्ष में की गई थी ?

(a) 1956 (b) 1960
(c) 1958 (d) 1954

SSC GD 06/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : कंधार का द्विभाषी शिलालेख, सम्राट अशोक द्वारा 260 ईसापूर्व में शिला पर दो भाषाओं (ग्रीक तथा आरमाइक) में उत्कीर्ण कराया गया प्रसिद्ध शिलालेख है। यह अशोक द्वारा निर्मित पहला शिलालेख है जो उसके शासन के 10 वें वर्ष में उत्कीर्ण कराया था। इसकी खोज सन 1958 में हुई थी।

144. भारत के प्राचीन इतिहास के संदर्भ में, अशोक स्तंभ का संबंध निम्नलिखित में से किस स्थान से है?

(a) चत्रु (b) खजुराहो
(c) मांडू (d) सांची

SSC GD 24/11/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : भारत के प्राचीन इतिहास के सन्दर्भ में, अशोक स्तंभ सांची (मध्यप्रदेश) में स्थित है।

145. चन्द्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की सहायता से मगध में _____के साम्राज्य को उखाड़ फेंका और 322 ईसा पूर्व में गौरवशाली मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

(a) नंदों (b) मल्लों
(c) कुरु (d) पांचालों

SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की सहायता से मगध में नंदों के साम्राज्य को उखाड़ फेंका और 322 ईसा पूर्व में गौरवशाली मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

146. सेल्यूसिड-मौर्य युद्ध में, सेल्यूकस ने निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक के विरुद्ध युद्ध लड़ा था?

(a) अशोक (b) सम्प्रति
(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) दशरथ

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : सेल्यूसिड-मौर्य युद्ध में, सेल्यूकस ने चंद्रगुप्त मौर्य शासक के विरुद्ध युद्ध लड़ा था।

147. गुजरात मे ——— झील वस्तुतः एक कृत्रिम जलाशय है जो मौर्यो के शासन के दौरान बनायी गयी थी।

(a) पुष्कर (b) लोनार
(c) लोकटक (d) सुदर्शन

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : सुदर्शन झील गुजरात के गिरिनार क्षेत्र में स्थित है। इस झील का निर्माण मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के आदेश से उसके गिरिनार में नियुक्त राज्यपाल 'पुष्यगुप्त वैश्य' ने करवाया था। सम्राट अशोक के महामात्य 'तुषास्प' ने इस झील का पुनर्निर्माण करवाकर उसे मजबूती प्रदान की थी। बाद के समय में स्कन्दगुप्त ने बड़ी उदारता के साथ धन खर्च किया और इस झील पर एक बाँध का निर्माण करवाया। जूनागढ़ शिलालेख से शक शासक रूद्रदामन द्वारा सुदर्शन झील पुनर्निर्माण का उल्लेख मिलता है।

148. अशोक को आरंभिक भारत का सर्वप्रसिद्ध शासक माना जा सकता है, जिन्होंने ____ वर्तमान के तटीय उड़ीसा पर विजय प्राप्त की थी।

(a) पाटलिपुत्र (b) प्रयाग
(c) तक्षशिला (d) कलिंग

(SSC J.E. 02.03.17, 2:45 pm)

Ans: (d) शासक बनने के बाद सम्राट अशोक ने एकमात्र युद्ध कलिंग के साथ आखिरी युद्ध लड़ा। कलिंग वर्तमान में महानदी एवं गोदावरी के पूर्वी तट पर स्थित है जिसका अधिकतम क्षेत्र ओडिशा के अन्तर्गत आता है। रोमिला थापर का कहना है कि अशोक की नजर कलिंग के समृद्ध व्यापार पर थी। इस युद्ध का उल्लेख 13वें शिलालेख में किया गया है। कलिंग युद्ध अशोक के राज्याभिषेक के 8 वर्ष बाद 261 ई.पू. में हुआ। इस युद्ध में भीषण रक्तपात एवं हृदयविदारक दृश्य देखकर अशोक ने अपनी विजय नीति बदली। अशोक विजय घोष के स्थान पर धम्म विजय एवं धम्म घोष की नीति अपनाई। इस युद्ध का वर्णन अशोक के तेरहवें शिलालेख में मिलता है।

149. निम्नलिखित में से किसे 'देवानाम प्रिय' के नाम से जाना जाता है?

(a) अशोक (b) अमोघवर्ष
(c) कनिष्क (d) खारवेल

SSC CHSL (Tier-I) –11/07/2019 (Shift-II)

Ans. (a): अशोक प्राचीन भारत में मौर्य राजवंश का तीसरा राजा था। अशोक को 'देवानाम प्रिय' एवं 'प्रियदर्शी' आदि नामों से भी जाना जाता है। उसके समय मौर्य साम्राज्य उत्तर में हिन्दुकुश की श्रेणियों से लेकर दक्षिण में गोदावरी नदी के दक्षिण तथा मैसूर (कर्नाटक) तक तथा पूर्व में बंगाल से पश्चिम में अफगानिस्तान तक पहुँच गया था। मास्की एवं गुर्जरा अभिलेखों में 'अशोक' का नाम अशोक ही मिलता है जबकि पुराणों में अशोक को 'अशोकवर्धन' कहा गया है।

8. मौर्योत्तर साम्राज्य (Post-Mauryan Empire)

150. पुष्यमित्र, जो कि अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ का सेनापति था, ने राजा की हत्या कर दी और एक नए राजवंश की स्थापना की। निम्नलिखित में से उसका वंश कौन-सा था?

(a) शुंग (b) सातवाहन
(c) कण्व (d) चेदि

SSC CGL (Tier-II) – 06/03/2023
SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-I)

Ans.(a): पुष्यमित्र शुंग अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ का सेनापति था। इसने बृहद्रथ को मारकर शुंग वंश की नींव डाली। इसने दो अश्वमेध यज्ञ किए, जिनकी जानकारी अयोध्या अभिलेख से प्राप्त होती है।

151. कौन-सा कुषाण शासक इतिहास में बौद्ध धर्म के महान संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध है जिन्होंने चतुर्थ बौद्ध संगीति का भी आयोजन किया था?

(a) वासुदेव प्रथम (b) हुविष्का
(c) विमा कॅडफिसेस (d) कनिष्क

SSC CGL (Tier-1) – 25/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d):

बौद्ध संगीति	स्थान	शासनकाल	अध्यक्ष
प्रथम (483 ई.पू.)	राजगृह	अजातशत्रु (हर्यक वंश)	महाकस्सप
द्वितीय (383 ई.पू.)	वैशाली	कालाशोक (शिशुनाग वंश)	सर्वकामी (साबकमीर)
तृतीय (251 ई.पू.)	पाटलिपुत्र	अशोक (मौर्य वंश)	मोग्गलिपुत्त तिस्य
चतुर्थ	कश्मीर (कुण्डलवन)	कनिष्क (कुषाण वंश)	वसुमित्र एवं अश्वघोष (उपाध्यक्ष)

152. निंगथौजा राजवंश द्वारा भारत के किस राज्य पर शासन किया गया था?

(a) मणिपुर (b) हरियाणा
(c) गुजरात (d) असम

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : निंगथौजा वंश के द्वारा 'मणिपुर' पर शासन किया गया है। यह मणिपुर के पूववर्ती राज्य के सबसे लम्बे समय तक शासन करने वाले राजवंशों में से एक था। इसकी स्थापना 33 ई.पू. राजा नोंगडा लरेन पखंगाबा ने की थी।

153. शुंग वंश का संस्थापक कौन था?

(a) पुष्यमित्र (b) जयद्रथ
(c) कुणाल (d) बृहद्रथ

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : शुंग वंश का संस्थापक पुष्यमित्र शुंग था। पुष्यमित्र शुंग मौर्यो का सेनापति था। उसने मौर्य के अन्तिम शासक बृहद्रथ की हत्या करके शुंग वंश की स्थापना की। पुष्यमित्र शुंग द्वारा सत्ता प्राप्ति की तिथि 184 ई.पू. मानी जाती है। पुराणों के अनुसार उसका शासनकाल 36 वर्ष का था अर्थात् उसने 148 ई.पू. तक शासन किया। पुष्यमित्र शुंग उज्जैन का एक ब्राह्मण था इसके पुरोहित एवं प्रधानमंत्री महर्षि पतंजलि थे जिन्होंने दो बार अश्वमेघ यज्ञ का आयोजन करवाया था। इण्डो यूनानी शासक मिनांडर को इसने पराजित किया था और भरहुत स्तूप का निर्माण भी करवाया था।
पुष्यमित्र शुंग के उत्तराधिकारी– अग्निमित्र → वसुज्येष्ठ →वसुमित्र → भद्रक → भागवत → देवभूति
देवभूति अंतिम शासक था इसकी हत्या वासुदेव ने 75 ईसा पूर्व में करके कण्व वंश की स्थापना की थी।

154. किस राजा ने ओड़िशा में उदयगिरि की पहाड़ियों में हाथीगुंफा (हाथी गुफ़ा) शिलालेख का उत्कीर्णन करवाया था?

(a) गालवेय ने (b) खारवेल ने
(c) शोभनाराजा ने (d) वादुका ने

SSC CPO-SI – 09/12/2019 (Shift-II)

Ans: (b) कलिंग राजा खारवेल ने ओड़िशा में उदयगिरि की पहाड़ियों में हाथी गुम्फा (हाथी गुफा) शिलालेख का उत्कीर्णन करवाया था।
इसी अभिलेख से सर्वप्रथम 'भारत वर्ष' का जिक्र मिलता है।

प्रमुख अभिलेख	शासक
जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख	रूद्रदामन
प्रयाग स्तम्भ अभिलेख	समुद्रगुप्त
ग्वालियर अभिलेख	प्रतिहार नरेश राजा भोज

155. निम्नलिखित में से कौन कुषाण वंश का शासक नहीं था?

(a) वासुदेव (b) वसिश्क
(c) नहपान (d) हुविष्क

SSC CHSL 12/04/2021 (Shift-II)

Ans. (c) वासुदेव प्रथम, कनिष्क द्वितीय, वशिष्क, कनिष्क तृतीय, वासुदेव प्रथम तथा हुविष्क आदि कुषाण वंश के शासक थे जबकि नहपान पश्चिमी क्षत्रपों का एक महत्वपूर्ण शासक था, जो उत्तर-पश्चिमी भारत में इंडो-सीथियन के वंशज थे। उन्होंने पहली या दूसरी शताब्दी के दौरान शासन किया। अतः नहपान कुषाण वंश का शासक नहीं था।

156. विक्रम संवत् कब आरंभ हुआ था?

(a) ई.पू. 57 में (b) ई.पू. 55 में
(c) ई.पू. 50 में (d) ई.पू. 47 में

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-I)

Ans : (a) मालवा के शासक विक्रमादित्य ने शकों को पराजित करने के उपलक्ष्य में 57 ई. पू. में विक्रम संवत का प्रचलन किया, विक्रम संवत को कृत संवत और मालवा संवत कहा जाता है।
शक संवत 78 ई. में कुषाण शासक कनिष्क द्वारा प्रारम्भ किया गया था, जबकि 319 ई. में गुप्त शासक चन्द्रगुप्त प्रथम द्वारा गुप्त संवत का प्रारम्भ किया गया था।

157. निम्नलिखित शासकों में से किसके लिए 'एका ब्राह्मण' प्रयुक्त हुआ है?

(a) खारवेल (b) सुशर्मन
(c) पुष्यमित्र सुंग (d) गौतमीपुत्र शातकर्णी

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-I)

Ans. (d) : गौतमी पुत्र शातकर्णी आन्ध्र सातवाहन वंश का 23वां एवं सबसे महान शासक था। इसके समय में इनकी माता बलश्री का नासिक अभिलेख प्राप्त हुआ जिसमें इसे एक मात्र ब्राह्मण या 'एका ब्राह्मण' कहा गया है। इसने 'वेणकटक स्वामी' की उपाधि धारण की तथा वेणकटक नामक नगर की स्थापना की। ध्यातव्य है कि आन्ध्र सातवाहन वंश की स्थापना 'सिमुक' ने की थी। गौतमीपुत्र शातकर्णी शक महाक्षत्रप नहपान का समकालीन था। इसने समीपवर्ती प्रदेशों से शक शासन का अन्त किया था। नासिक जिले के 'जोगलथम्बी' नामक गाँव से सन् 1906 ई0 में 13,250 सिक्कों का एक ढेर प्राप्त हुआ था। ये सब सिक्के एक शक क्षत्रप नहपान के हैं। इनमें से लगभग दो तिहाई सिक्कों पर गौतमीपुत्र का नाम भी अंकित है जिससे यह सूचित होता है कि गौतमीपुत्र सातकर्णी ने नहपान को परास्त कर उसके सिक्कों पर अपनी छाप लगवाई थी। अवन्ति, अश्मक, सौराष्ट्र आदि जिन अनेक प्रदेशों को सातकर्णी ने अपने अधीन किया था, वे पहले छहरात कुल के शक क्षत्रप नहपान के अधीन थे।

158. निम्न में से किस राज्य में गोट्टीप्रोलू नामक पुरातात्विक स्थल स्थित है, जो एक प्राचीन काल के समुद्री व्यापार केंद्र का प्रमाण प्रदान करता है?

(a) आंध्र प्रदेश (b) केरल
(c) तमिलनाडु (d) ओडिशा

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I

Ans. (a) : आंध्र प्रदेश राज्य में गोट्टीप्रोलू नामक पुरातात्विक स्थल है, जो एक प्राचीन काल में समुद्री व्यापार केन्द्र का प्रभाव प्रदान करता है। यह तिरुपति और नेल्लोर से लगभग 80 किमी. की दूरी पर स्वर्णमुखी नदी के एक वितरिका के दाहिने किनारे पर स्थित है।

9. विदेशी आक्रमण (Foreign Invasions)

159. किस विदेशी आक्रमणकारी ने अपने प्रदेश चंद्रगुप्त मौर्य को सौंप दिए थे?

(a) मेनान्डर (b) गोंडोफर्नीज
(c) सेल्यूकस निकेटर (d) डेमोस्थनीज

SSC MTS– 18/05/2023 (Shift-I)
(SSC JE Electrical 10/10/2023 (Shift-II)

Ans.(c): सिकंदर का सेनापति सेल्यूकस बेबीलोन का राजा बना एवं बैक्ट्रिया पर विजय प्राप्त की। भारत पर विजय की लालसा से वह भारत की ओर बढ़ा और चन्द्रगुप्त मौर्य से युद्ध किया जिसमें उसकी पराजय हुई। 303 ई. पू. में संधि हुई जिसकी शर्ते निम्न थी।
• सेल्युकस ने अपनी पुत्री कार्नेलिया का विवाह चंद्रगुप्त मौर्य से किया।
• चंद्रगुप्त मौर्य को 4 प्रांत (काबुल, कन्धार, हेरात एवं मकरान) दहेज के रूप में प्रदान किया।
• चंद्रगुप्त ने सेल्युकस को 500 हाथी प्रदान किया।

160. निम्नलिखित में से कौन (130-150 ई.) भारत में एक शक शासक था?

(a) पांडुका (b) बिन्दुसार
(c) रूद्रदामन (d) चाश्ताना

SSC MTS – 15/05/2023 (Shift-I)

Ans. (c): भारत में शकों का सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा रूद्रदामन प्रथम (130-150 ई.) हुआ जिसके राज्याधिकार में सिंध, कोंकण, नर्मदा घाटी, मालवां और गुजरात का एक बड़ा भाग था। इसने गिरनार पर्वत पर सुदर्शन झील की मरम्मत करायी। उसने ही सबसे पहले विशुद्ध संस्कृत भाषा में लम्बा अभिलेख (जूनागढ़ अभिलेख) जारी किया।

161. सिंकदर ने हाइडेस्पीज के युद्ध में.....को हराया था?

(a) पोरस (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) हेराकल्स (d) युडेमस

(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 10 am)

Ans : (a) हाइडेस्पीज की लड़ाई सिकंदर और राजा पोरस के बीच 326 ई.पू. झेलम नदी के तट पर लड़ी गयी थी। लड़ाई के परिणामस्वरूप ग्रीक जीत गए और मेसोडोनियन साम्राज्य भारत के दरवाजे तक पहुँचा। पोरस की हार का कारण उसकी सेना की हाथी बने।

162. प्रथम हूण आक्रमण कब हुआ था?

(a) 358 ई. (b) 458 ई.
(c) 558 ई. (d) 658 ई.

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) हूण मध्य एशिया की एक खानाबदोश जाति थी। यह जाति अपने समय में सबसे बर्बर जातियों में गिनी जाती थी। हूणों ने 458 ई. में भारत पर स्कन्दगुप्त के समय पहला आक्रमण किया था। इसका उल्लेख भीतरी स्तम्भ लेख में मिलता है। इस आक्रमण का नेतृत्व खुशनवाज ने किया था। गुप्त काल में हूणों ने पंजाब तथा मालवा पर अधिकार कर लिया था। मथुरा से हूणों के सिक्के भी प्राप्त हुए हैं।

163. ..... ने राजा हान–हो–ती से युद्ध किया था, जो चीन के हान राजवंश के राजा थे और द्वितीय प्रयास में उसे हराया था।

(a) कनिष्क (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) बिंदुसार (d) अशोक

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-II)

Ans. (a): कनिष्क ने हान राजवंश के राजा हान-हो-ती के साथ युद्ध किया था तथा अपने साम्राज्य का विस्तार मध्य एशिया (उज्बेकिस्तान, तजाकिस्तान, चीन का सिक्यांग एवं कांसू प्रान्त अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान) और समस्त उत्तर भारत तक किया था। कनिष्क के समय में कश्मीर के कुण्डलवन में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ तथा इसी बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म हीनयान और महायान में विभाजित हो गया।

ध्यातव्य है कि कनिष्क के समय में दो नवीन कला शैलियों का जन्म हुआ जिसे गान्धार एवं मथुरा कला शैली कहा जाता है। गान्धार कला शैली का केन्द्र बिन्दु गांधार था इसलिए इसका नाम गांधार कला शैली पड़ा। इसे इण्डोग्रीक शैली या ग्रीक बुद्धिष्ट शैली भी कहा जाता है। मथुरा कला शैली का जन्म कनिष्क के समय मथुरा में हुआ। इस शैली में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग होता है। बुद्ध की प्रथम मूर्ति इसी कला शैली में निर्मित हुई।

10. गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)

164. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना_____ द्वारा 5वीं शताब्दी में की गई थी।

(a) कुमारगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) चंद्रगुप्त द्वितीय (d) स्कंदगुप्त

SSC GD – 06/02/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : प्राचीन भारत में गुप्त शासक 'कुमार गुप्त' ने 450-470 ई. पू. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। प्राचीन भारत में यह शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था जहां हिन्दू व बौद्ध अनुयायी शिक्षा ग्रहण करते थे। यह यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल में भी शामिल है।

165. गुप्त साम्राज्य के प्रसिद्ध स्त्रोत प्रयाग प्रशस्ति को _____ ___के रूप में भी जाना जाता है।

(a) लखनऊ स्तंभ शिलालेख
(b) इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख
(c) अहमदाबाद स्तंभ शिलालेख
(d) बिठुर स्तंभ शिलालेख

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-IV)
SSC GD 06/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b): इलाहाबाद प्रशस्ति इसे 'प्रयाग प्रशस्ति' के नाम से भी जाना जाता है। समुद्रगुप्त का एक स्तंभ है जो इलाहाबाद में है तथा यह संस्कृत में लिखा गया है। इसकी रचना हरिषेण ने की थी। गुप्तकाल के राजनीतिक इतिहास के बारे में जानने के लिए यह महत्वपूर्ण अभिलेख स्त्रोतों में से एक है।

166. गुप्तकाल को प्रारंभ करने का श्रेय किसे दिया जाता है?

(a) समुद्रगुप्त (b) चन्द्रगुप्त I
(c) चन्द्रगुप्त II (d) कुमारगुप्त

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-II)
SSC Stenographer – 15/11/2021 : Shift-I

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त प्रथम (319-350 ई.) गुप्तवंश का प्रथम महान शासक था। वह गुप्त साम्राज्य का प्रथम स्वतंत्र शासक था, जिसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की। उसने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह कर अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया। इस विवाह की स्मृति में चन्द्रगुप्त कुमारदेवी प्रकार के सोने के सिक्के चलायें, जिन पर एक ओर चन्द्रगुप्त तथा कुमारदेवी का चित्र तथा दूसरी ओर दुर्गा का चित्र अंकित था।

- चन्द्रगुप्त प्रथम ने 319-20 ई. में गुप्त संवत् की स्थापना की थी।

167. वाकाटक वंश का सीधा संबंध किस गुप्त सम्राट से था?

(a) चंद्रगुप्त II (b) समुद्रगुप्त
(c) श्रीगुप्त (d) चंद्रगुप्त I

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (a): वाकाटक वंश की स्थापना 255 ई0 में विन्ध्य शक्ति ने की थी। इस वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक राजा प्रवरसेन प्रथम था। अपने शासनकाल में उसने सम्राट की उपाधि धारण की तथा चार अश्वमेध यज्ञों का आयोजन किया। ध्यातव्य है कि वाकाटक राजा रुद्रसेन द्वितीय का विवाह गुप्त वंश के शासक समुद्रगुप्त की पौत्री तथा चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्त से हुआ था।

168. वाकाटक साम्राज्य की महारानी, प्रभावती गुप्त, कुबेरनागा और _____ की बेटी थी।

(a) कुमार गुप्त (b) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(c) स्कन्दगुप्त (d) चन्द्रगुप्त

SSC CHSL 13/04/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : वाकाटक वंश की स्थापना 255 ई0 में विन्ध्य शक्ति ने की थी। इस वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक राजा प्रवरसेन प्रथम था। अपने शासनकाल में उसने सम्राट की उपाधि धारण की तथा चार अश्वमेध यज्ञों का आयोजन किया। ध्यातव्य है कि वाकाटक राजा रुद्रसेन द्वितीय का विवाह गुप्त वंश के शासक समुद्रगुप्त की पौत्री तथा चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्त से हुआ था।

169. ___प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था।

(a) अहिच्छत्र (b) चंपा
(c) ताम्रलिप्त (d) श्रावस्ती

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : ताम्रलिप्त प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में स्थित तामलुक नामक स्थान ही प्राचीन समय में ताम्रलिप्त के नाम से प्रसिद्ध था। गुप्तकाल में जावा, सुमात्रा आदि दक्षिणी पूर्वी देशों तथा सिंहल के लिए व्यापारिक जहाज यहाँ से आते जाते थे। यहाँ एक प्रसिद्ध शिक्षा केन्द्र था। फाह्यिान, हुएनसांग, इत्सिंग आदि ने यहाँ रहकर अध्ययन किया था।

170. गुप्त शासकों के अधीन प्रशासन के संदर्भ में 'भुक्ति' शब्द का अर्थ था।

(a) एक जासूस (b) एक प्रांत
(c) एक गांव (d) मृत्यु दण्ड

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (b) : गुप्तकाल में प्रशासनिक व्यवस्था के अन्तर्गत साम्राज्यों का विभाजन 'भुक्तियों' में हुआ था, जिसे प्रांत (Province) कहा जाता था। भुक्ति में उपरिक या उपरिक महाराज नामक अधिकारी की नियुक्ति की जाती थी तथा भुक्तियों (प्रान्तो) का विभाजन अनेक जिलों में किया गया था, जिन्हें विषय कहा जाता था। विषय के सर्वोच्च अधिकारी को विषयपति या कुमारामात्य कहा जाता था तथा इसके कार्यालय को अविठान कहा जाता था। विषयपति को सलाह एवं सहायता देने के लिए एक परिषद भी होती थी। जिसके प्रमुख को 'नगरपति' कहा जाता था। ज्ञातव्य है कि गुप्तकाल में सीमान्त प्रदेशों के प्रशासक को 'गोप्ता' कहा जाता था। इस प्रकार से उल्लेखनीय है कि गुप्त काल में विकेन्द्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था का समायोजन किया गया था।

171. गुप्त प्रशासन के संदर्भ में, 'विथि शब्द _____को संदर्भित करता है।

(a) राजा का निजी रक्षक (b) प्रशासनिक इकाई
(c) गजवाहक इकाई (d) सैनिक

SSC MTS 05/10/2021 (Shift-III)

Ans. (b): गुप्त, कुषाणों के सामंत थे जो मौर्यों के बाद उत्तर भारत के सबसे बड़े साम्राज्य के रूप में उभरे। गुप्तकालीन प्रशासनिक पद्धति विकेन्द्रीकरण की व्यवस्था पर आधारित थी। गुप्त प्रशासन के संदर्भ में 'विथि' शब्द का अर्थ प्रशासनिक इकाई है। गुप्त साम्राज्य में, राजा को उसके प्रशासन में एक समुदाय और समूह द्वारा निर्देशित किया जाता था जिसमें एक मुख्यमंत्री और एक सेनापति शामिल होते थे।

172. निम्नलिखित में से किस गुप्त शासक ने लिच्छवी वंश की लड़की से विवाह किया था?

(a) समुद्रगुप्त (b) श्री गुप्त
(c) चंद्रगुप्त-I (d) रामगुप्त

SSC MTS 08/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : चन्द्रगुप्त प्रथम (319-350 ई0) भारतीय इतिहास के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजाओं में से एक था, जिसे गुप्त वंश का प्रथम वास्तविक संस्थापक माना जाता है। वह गुप्त शासक घटोत्कच का पुत्र था, जिसने एक गुप्त संवत 319 ई. चलाया। उसने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की और लिच्छिवी राज्य की राजकुमारी 'कुमार देवी' के साथ विवाह कर लिच्छिवियों की सहायता से शक्ति बढ़ाई।

173. 319 ई. से 550 ई. के बीच किस राजवंश ने भारत पर शासन किया था?

(a) मौर्य राजवंश (b) होयसल राजवंश
(c) मगध राजवंश (d) गुप्त राजवंश

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : शुंग वंश के पतन के बाद सनातन संस्कृति की एकता को फिर से एकजुट करने का श्रेय गुप्त वंश के राजाओं को जाता है। गुप्त वंश की वास्तविक स्थापना 319 ई. के लगभग चंद्रगुप्त प्रथम ने की थी और 550 ई. तक यह वंश शासन करता रहा। पुराणों के अनुसार गुप्तों का उदय प्रयाग और साकेत के बीच संभवत: कौशाम्बी में हुआ था।

174. निम्नलिखित में से कौन चंद्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी था?

(a) समुद्रगुप्त (b) विक्रमादित्य
(c) चंद्रगुप्त द्वितीय (d) घटोत्कच

SSC GD 18/11/2021 (Shift-II)

Ans. (a): चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त था। समुद्रगुप्त गुप्त वंश के चौथे राजा थे एवं उनके साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी। समुद्रगुप्त एक कुशल योद्धा था। इतिहासकार विसेंट स्मिथ ने उसे भारत का नेपोलियन कहा।

175. गुप्त राजवंश का वह पहला शासक निम्नलिखित में से कौन था जिसने महाराज - अधिराज की पदवी धारण की थी?

(a) चंद्रगुप्त (b) रामगुप्त
(c) कुमारगुप्त (d) स्कन्दगुप्त

SSC GD 29/11/2021 (Shift-II)
SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : गुप्त वंश का पहला शासक जिसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की वह चन्द्रगुप्त प्रथम था। वह गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक था। वह प्रथम गुप्त शासक था जिसने स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन कराया इसके पृष्ठ भाग पर दुर्गा की आकृति उत्कीर्ण है। उसने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया था। राजा रानी प्रकार, विवाह प्रकार तथा लिच्छवी प्रकार के स्वर्ण सिक्के जारी किए थे।

176. गुप्त शासकों ने ——— नाम का जुर्माना लगाया था, जो हल रखने वाले प्रत्येक कृषक द्वारा भुगतान किया जाने वाला एक हल-कर था।

(a) कर (b) हलिवकर
(c) हिरण्य (d) शुल्क

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : गुप्त शासकों ने हलिवकर या हलदण्ड नाम का जुर्माना लगाया था, जो हल रखने वाले प्रत्येक कृषक द्वारा भुगतान किया जाने वाला एक हल कर था। आर्थिक उपयोगिता के आधार पर गुप्त काल में निम्न प्रकार की भूमि थी-

1. क्षेत्र–कृषि करने योग्य भूमि
2. वास्तु–वास करने योग्य भूमि
3. सारा–पशुओं के चारा योग्य भूमि
4. खिल–ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी।
5. अप्रहत–ऐसी भूमि जो जंगली होती थी।

177. चीनी यात्री 'शुंग युन' भारत कब आया था?

(a) 510 ई. (b) 518 ई.
(c) 525 ई. (d) 528 ई.

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : चीनी यात्री शुंग-युन 518 ई. में भारत आया और उसने अपने तीन वर्षों की यात्रा में बौद्ध ग्रन्थों की प्रतियाँ प्राप्त की। ध्यातव्य है कि फाह्यान, ह्वेनसांग तथा इत्सिंग भी चीनी यात्री थे जिन्होंने भारत की यात्रा की। फाह्यान, चन्द्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' (375-415 ई.) के दरबार में आया। ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में (629 ई. के लगभग) भारत आया था। भारत आने वाले चीनी यात्री–

(क) फाह्यान – भारत में आने वाला यह प्रथम चीनी यात्री था, जो चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के समय भारत की यात्रा की। इसने 15 वर्षों तक बौद्ध ग्रन्थों का अध्ययन किया।

(ख) शुंग युन – यह 518 ईस्वी में भारत आया। इसने बंगाल व बिहार की तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक व धार्मिक स्थितियों का वर्णन किया।

(ग) इत्सिंग – यह 671–693 ईस्वी तक भारत में रहा। यह चीनी बौद्ध यात्री था जो नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहा तथा त्रिपिटकों की 400 प्रतियाँ अपने साथ ले गया।

(घ) माल्वेन लिन – 7वीं शताब्दी में भारत आया। इसने हर्षवर्धन की पूर्वी भारत आक्रमण अभियान का वर्णन किया है।

(ङ) चाउ-जू-कुआं - यह 1125–1254 ईस्वी तक भारत में रहा। इसने अपनी रचना में चू–फान–ची में 13वीं शताब्दी के चीनी–अरबी व्यापार पर प्रकाश डाला है।

178. छठीं शताब्दी के शुरूआत में भारत की यात्रा पर आने वाले चीनी तीर्थयात्री ..... थे।

(a) ह्वेनसांग (b) फाहियान
(c) शुंग युन (d) इत्सिंग

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-II)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. गुप्तोत्तर साम्राज्य (Post-Gupta Empire)

179. निम्नलिखित में से किस विदेशी यात्री के अनुसार, ध्रुवसेन द्वितीय, प्रयाग (इलाहाबाद) में हर्ष की सभा में शामिल हुए थे ?

(a) मार्को पोलो (b) फाह्यान
(c) ह्वेनसांग (d) इत्सिंग

Ans. (c) : ह्वेनसांग एक चीनी यात्री था, जो 628 ई. में भारत आया। इसके अनुसार ध्रुवसेन द्वितीय प्रयाग के हर्ष की सभा में शामिल हुए थे।

180. निम्नलिखित में से कौन-सा चीनी तीर्थयात्री ह्वेनसांग के लगभग 50 वर्ष बाद भारत आया था?

(a) त्सांग हाय (b) लाओ त्सू
(c) फाहियान (d) आई-किंग

SSC GD – 08/02/2023 (Shift-IV)

Ans. (*) : चीनी यात्रियों का भारत में आने का क्रम–
फाहियान (5वीं सदी) – चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय
ह्वेनसांग (7वीं सदी) – हर्षवर्धन के काल में
इत्सिंग (7वीं सदी के अंत) – नालंदा का भ्रमण किया
अतः कोई भी विकल्प सही उत्तर नहीं प्रस्तुत कर रहा।

181. हर्षवर्धन के शासनकाल में किस चीनी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

(a) इत्सिंग (b) इब्नबतूता
(c) फ़ाहियान (d) ह्वेनसांग

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d) : ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत (629-645 ई.) आया था। वह भारत में 16 वर्षों तक रहा तथा बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण किया। ह्वेनसांग का भ्रमण वृतान्त सि-यू-की नाम से प्रसिद्ध है। चीन से आने वाले अन्य प्रमुख यात्री फाहियान, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के समय में, शुंगयुन व इत्सिंग सातवीं शताब्दी में भारत आये थे।

182. निम्नलिखित में से किस शासक के शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आया था?

(a) हर्षवर्धन (b) समुद्रगुप्त
(c) अशोक (d) चंद्रगुप्त II

SSC CGL (Tier-1) – 17/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे ।

183. भारतीय सम्राट हर्ष की जीवनी, 'हर्षचरित' (हर्ष के कार्य), _____ ने लिखी थी।

(a) बाणभट्ट (b) स्वामी शिवानंद
(c) वाल्मीकि (d) रबीन्द्रनाथ टैगौर

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : हर्षवर्धन (606 ई- 647 ई.)- हर्षवर्धन पुष्पभूति वंश का सर्वाधिक प्रतापी राजा था। उन्होंने अपने दरबार में कादम्बरी और हर्षचरित (हर्ष के कार्य) के रयियता बाणभट्ट, सूर्यशतक के रचयिता मयूर तथा चीनी विद्वान ह्वेनसांग (सी-यू-की का रचयिता) को आश्रय प्रदान किया था।

184. राजा शशांक, जिनके विरुद्ध हर्षवर्धन ने युद्ध की घोषणा की थी, ...साम्राज्य के शासक थे।

(a) कान्यकुब्ज (b) जूनागढ़
(c) मगध (d) गौड़

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : शंशाक, बंगाल का हिन्दू राजा था जिसने सातवीं शताब्दी के अन्तिम चरण में बंगाल पर शासन किया तथा गौड़ राजवंश की स्थापना की। मालवा के राजा देवगुप्त से दुरभिसन्धि करके हर्षवर्धन की बहन राज्यश्री के पति कन्नौज के मौखरी राजा गृहवर्मन को मार डाला जिसकी खबर सुनकर हर्षवर्धन ने शशांक से युद्ध की घोषणा कर दी थी।

185. बाणभट्ट ने राजा _____ की जीवनी लिखी।

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) हर्षवर्धन
(c) समुद्रगुप्त (d) अशोक

SSC GD 23/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : बाणभट्ट सम्राट हर्ष वर्धन के दरबारी कवि थे। हर्षचरित एवं कादम्बरी इनके द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तके हैं। हर्षचरित में इन्होंने हर्षवर्द्धन के जीवन चरित्र का वर्णन किया है, जबकि कादम्बरी एक प्रसिद्ध उपन्यास है। हर्षचरित ऐतिहासिक विषय पर गद्य-काव्य लिखने का प्रथम सफल प्रयास था। यह भारत में उपलब्ध प्राचीनतम जीवनचरित है।

186. हर्षचरित कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, जो उनके दरबारी कवि ——— द्वारा संस्कृत में रचित है।

(a) कंबन (b) जिनसेन
(c) बाणभट्ट (d) दंडी

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : 'हर्षचरित' कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, जो उनके दरबारी कवि बाणभट्ट द्वारा संस्कृत में रचित है। उनका दूसरा ग्रंथ कादम्बरी है, जिसे दुनिया का पहला उपन्यास माना जाता है। कादम्बरी पूर्ण होने से पहले ही बाणभट्ट की मृत्यु हो गई तथा इस उपन्यास को बाद में उनके पुत्र भूषणभट्ट ने पूरा किया।

187. उस चीनी तीर्थयात्री का नाम बताईये जो बौद्ध ग्रंथों की तलाश में भारत आया था ?

(a) फा–हिएन (b) हवैन त्सांग
(c) फा–त्सिंग (d) वांग–दायुआन

(SSC J.E. 04.03.17, 10:00 am)

Ans : (b) सम्राट हर्ष के शासन काल में चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आया था। वह लगभग 629 ई. से लेकर 645 ई. तक भारत रहा। वह नालन्दा के बौद्ध विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए और भारत से बौद्ध ग्रंथ बटोर कर ले जाने के लिए भारत आया था। ह्वेनसांग के अनुसार बौद्ध धर्म के लोग 18 सम्प्रदायों में बंटे हुए थे। उसके अनुसार नालन्दा विश्वविद्यालय का भरण पोषण 100 गाँवों के राजस्व से होता था।

188. चालुक्य शासक पुलकेशिन की हर्षवर्धन पर विजय का वर्ष ..... था।

(a) 612 ईस्वी (b) 618 ईस्वी
(c) 622 ईस्वी (d) 634 ईस्वी

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b): एहोल अभिलेख से पता चलता है कि चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय का हर्षवर्धन से नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ जिसमें हर्षवर्धन पराजित हुआ। सैकड़ों राजाओं को जीतने के बाद इसने 'परमेश्वर' की उपाधि धारण की थी। ध्यातव्य है कि एहोल अभिलेख एक प्रशस्ति के रूप में है तथा इसकी भाषा संस्कृत है, लिपि दक्षिणी ब्राह्मी हैं। इसकी रचना रविकीर्ति ने की थी। ध्यातव्य है कि बादामी/वातापी के चालुक्य वंश का संस्थापक पुलकेशिन प्रथम था।

189. राजा हर्षवर्धन ने अपने भाई—— की मृत्यु के बाद थानेश्वर और कन्नौज के सिंहासन पर प्रभुत्व स्थापित किया।

(a) सूर्यवर्धन (b) राज्यवर्धन
(c) चंद्रवर्धन (d) इंद्रवर्धन

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : हर्षवर्धन के पिता प्रभाकरवर्धन की मृत्यु (605 ई.) के बाद हर्षवर्धन का बड़ा भाई राज्यवर्धन राजा हुआ, परन्तु मालवा नरेश देवगुप्त और गौंड नरेश शशांक की दुरभिसंधि के कारण वह मारा गया। हर्षवर्धन 606 ई. में गद्दी पर बैठा और अपनी बहन राज्यश्री का विंध्याटवी से उद्धार किया तथा थानेश्वर का अपने राज्य में विलय किया, देवगुप्त से मालवा छीन लिया और शशांक को गौंड भगा दिया। हर्ष को 'साहित्यकार सम्राट' कहा जाता है क्योंकि उसने तीन नाटक प्रियदर्शिका, रत्नावली तथा नागानन्द की रचना की।

190. किसके शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेन सांग भारत आये थे?

(a) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (b) समुद्रगुप्त
(c) चन्द्रगुप्त प्रथम (d) हर्षवर्धन

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans : (d) ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत (629-645 ई.) आया था। वह भारत में 16 वर्षों तक रहा तथा बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण किया। ह्वेनसांग का भ्रमण वृतान्त सि-यू-की नाम से प्रसिद्ध है। चीन से आने वाले अन्य प्रमुख यात्री फाहियान, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के समय में, शुंगयुन व इत्सिंग सातवीं शताब्दी में भारत आये थे।

12. दक्षिण भारतीय राजवंश (South Indian Dynasty)

191. प्रारंभ में निम्नलिखित में से कौन कर्नाटक के चालुक्यों के अधीनस्थ थे?

(a) सातवाहन (b) राष्ट्रकूट
(c) पाल (d) प्रतिहार

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-III)

Ans. (b) : प्रारम्भ में राष्ट्रकूट कर्नाटक के चालुक्यो के अधीनस्थ (सामंत) थे। राष्ट्रकूट साम्राज्य का संस्थापक दन्तिदुर्ग था जिसने आठवीं शताब्दी के मध्य (752 ई.) चालुक्य शासक कीर्तिवर्मन को हराकर स्वतंत्र राज्य की स्थापना की तथा अपनी राजधानी मान्यखेत बनाई।

192. निम्नलिखित में से कौन दक्षिण भारत के पांड्य वंश का प्रसिद्ध शासक था?

(a) करिकाल (b) अशोक
(c) नेदुंज चेलियन द्वितीय (d) निजाम शाह

SSC MTS– 18/05/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : नेंदुज चेलियन द्वितीय दक्षिण भारत के पांड्य वंश का प्रसिद्ध शासक था। इसे 'पसुम्पन पांडियन' के नाम से भी जाना जाता है। इसने पांड्य साम्राज्य का लगभग पश्चिमी तट तक विस्तार किया, जिससे उसे 'विदंबलम्बा नित्रा पांडियन' की उपाधि मिली।

193. चोल राजा राजराज प्रथम (Rajaraja I) किस वर्ष गद्दी पर बैठे थे?

(a) 988 ई.पू. (b) 985 ई.पू.
(c) 983 ई.पू. (d) 980 ई.पू.

SSC JE CIVIL 10/10/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : चोल राजा राजराज प्रथम (985-1014 ई.)- परान्तक द्वितीय का पुत्र एवं उत्तराधिकारी अरिमोलिवर्मन अथवा राजराज प्रथम सिंहासन पर बैठा। उसने अपने पितामह परान्तक प्रथम की लौह व रक्त की नीति का पालन करते हुये राजराज की उपाधि धारण की। तमिलनाडु के तंजौर जिले में स्थित बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण कराया। विश्व में यह अपनी तरह का पहला और एकमात्र मंदिर है जो कि ग्रेनाइट का बना हुआ है। इस मंदिर को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।

194. आठवीं शताब्दी के मध्य में, एक राष्ट्रकूट प्रमुख, दन्तिदुर्ग ने अपने चालुक्य अधिपति का तख्ता पलट करके एक अनुष्ठान करवाया जिसे शाब्दिक रूप से _____ कहा जाता था।

(a) प्रार्थना सभा (b) घुड़सवारी
(c) सहायक गठबंधन (d) हिरण्य गर्भ

SSC MTS– 16/05/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : आठवीं शताब्दी के मध्य में एक राष्ट्रकूट प्रमुख, दन्तिदुर्ग ने अपने चालुक्य अधिपति का तख्ता पलट करके एक अनुष्ठान करवाया जिसे शाब्दिक रूप से 'हिरण्य गर्भ' कहा जाता है। हिरण्य गर्भ का शाब्दिक अर्थ 'स्वर्ण गर्भ' है। जब यह अनुष्ठान ब्राह्मणों की मदद से किया जाता था, तो यह माना जाता था कि जो राजा जन्म से क्षत्रिय न होते हुए भी पुनः क्षत्रियत्व प्राप्त कर लेगा।

195. चोल प्रशासन में, _____गांवों में सदन होती थी जो मुख्य रूप से ब्राम्हणों द्वारा बसाई गई थी।

(a) नागराम (b) सभा
(c) उर (d) खिल्य

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : चोल अभिलेखों में मोटे तौर पर तीन प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख प्राप्त होता है, वे हैं- उर, सभा या महासभा और नगरम। सभा या महासभा गाँवों के वरिष्ठ ब्राह्मण जिन्हें अग्रहार कहा जाता था, की सभा थी अर्थात् यह मूल रूप से ब्राह्मण बस्तियों की संस्था थी।

196. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर पांड्य राजाओं की राजधानी है?

(a) मदुरै (b) पलामेदु
(c) कल्लुपट्टी (d) कारियापट्टी

SSC GD – 13/02/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : पांड्य राजाओं की राजधानी 'मदुरै' थी। पांड्य वंश दक्षिण भारत में एक प्राचीन तमिल सम्राज्य था। इसका उल्लेख अष्टाध्यायी ग्रंथ से मिलता है। नेडियान इस वंश का प्रथम राजा था।

197. सभा और उर, दो प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख निम्नलिखित में से किस राजवंश में है?

(a) चालुक्य (b) राष्ट्रकुट
(c) चोल (d) गुर्जर-प्रतिहार

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : सभा और उर, दो प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख चोल राजवंश में है। उल्लेखनीय है कि स्थानीय स्वशासन चोल प्रशासन की मुख्य विशेषता थी। उर सर्वसाधारण लोगों की समिति थी, जिसका कार्य होता था सार्वजनिक कल्याण के लिए तालाबों और बगीचों के निर्माण हेतु गाँव की भूमि का अधिग्रहण करना। यह सभा वरियम नाम की समितियों के द्वारा अपने कार्य को संचालित करती थी।

198. ऐहोल .....की राजधानी थी।

(a) चोलों (b) पल्लवों
(c) चालुक्यों (d) पांड्यों

SSC MTS/Havaldar– 05/07/2022 (Shift-I)

Ans. (c): चालुक्य वंश 6वीं शताब्दी से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण व मध्य भारत में शासन किया। इन्होंने अपनी प्रारम्भिक राजधानी एहोल (कर्नाटक) को बनाया गया। बाद में पुलकेशिन प्रथम ने राजधानी बादामी को बनाया था।

199. रविकीर्ति किस चालुक्य शासक के दरबारी कवि थे?

(a) भीम द्वितीय (b) कीर्तिवर्मन द्वितीय
(c) पुलकेशिन द्वितीय (d) विक्रमादित्य द्वितीय

SSC MTS/Havaldar– 08/07/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : पुलकेशिन- II (610ई.-642ई.)– बादामी के चालुक्य वंश का चौथा व सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। उसने 'सत्याश्रय पृथ्वीवल्लभ महाराज' की उपाधि धारण की थी। पुलकेशिन द्वितीय के बारे में जानकारी उसके 'ऐहोल प्रशस्ति' अभिलेख से मिलती है। जिसमें उसके दरबारी कवि रविकीर्ति द्वारा रचित उसकी प्रशस्ति वर्णित है।

200. निम्नलिखित में से किस वंश के शासक ने चीन के साथ अपने व्यापार को मुक्त करने के लिए मलाया पर आक्रमण किया?

(a) पल्लव (b) राष्ट्रकुट
(c) चालुक्य (d) चोल

SSC CHSL (Tier-1) – 07/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : चोलवंश के शासक राजेन्द्र प्रथम (1015-1044ई.) की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विजय श्री विजय साम्राज्य, जो मलाया प्रायद्वीप, सुमात्रा, जावा और निकटवर्ती द्वीपों तक फैला था, पर सफल सैनिक अभियान था। इस अभियान का उद्देश्य पूर्वी जगत (चीन) के साथ चोलों के व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाना था।

201. चोल साम्राज्य (राजवंश) की स्थापना किसने की थी?

(a) सिंहविष्णु (b) दंतीदुर्ग
(c) उपेंद्रराय (d) विजयालय

SSC CHSL (Tier-1) – 03/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : चोल साम्राज्य (राजवंश) की स्थापना विजयालय ने की थी। उसने 8वीं शताब्दी में तंजौर साम्राज्य पर अधिकार कर लिया और पल्लवों को हराकर शक्तिशाली चोलों के उदय का नेतृत्व किया। चोलों के विषय में प्रथम जानकारी पाणिनी कृत अष्टाध्यायी से मिलता है।

202. निम्न में से कौन-सा राजवंश, संगम साहित्य में वर्णित 'तीन ताज वाले राजाओं' (मुवेंटार) में से एक नहीं था?

(a) चेर (b) पल्लव
(c) पाण्ड्य (d) चोल

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I

Ans. (b) : संगम साहित्य में वर्णित तीन ताज वाले राजाओं में - चेर, चोल तथा पाण्ड्य थे।
संगम युग से तात्पर्य दक्षिण भारत (कृष्णा एवं तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) के आरंभिक इतिहास का वह युग है, जब तमिल कवियों द्वारा बड़ी संख्या में तमिल कविताओं की रचना की गयी। संगम शब्द कवियों के समागम का साथ आने का स्थल है। तीन संगम मदुरै के पाण्ड्य शासकों के संरक्षण में विभिन्न स्थलों पर आयोजित किये गये। इस साहित्य का सृजन काल 300 ई.पू. से 300 ई. के मध्य माना जाता है।

203. निम्न में से किस कवि ने उत्तरवर्ती चालुक्य शासक विक्रमादित्य VI की जीवनी लिखी?

(a) संध्याकर नंदी (b) बल्लाल
(c) वाक्पति (d) बिल्हण

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-II

Ans. (d) : बिल्हण कल्याणी के चालुक्यवंशीय शासक विक्रमादित्य षष्ठ (1076-1126) की राजसभा में एक कश्मीरी राजकवि और विद्वान थे। इन्होंने विक्रमादित्य VI की जीवनी 'विक्रमांकदेव चरित' की रचना की। बिल्हण ने 'विक्रमांकदेव चरित' में अपने आश्रय दाता सम्राट का जीवन चरित अत्यंत सरस ढंग से प्रस्तुत किया है।

204. विक्रमादित्य VI, जिनके दरबारी कवि बिल्हण ने उनकी जीवनी लिखी थी, ... राजवंश के शासक थे।

(a) राष्ट्रकूट (b) पल्लव
(c) चालुक्य (d) गंगा

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

205. चालुक्य राजवंश ने वातापी में शासन किया जो आधुनिक समय में ..... भारतीय राज्य में है।

(a) केरल (b) गुजरात
(c) कर्नाटक (d) तमिलनाडु

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : चालुक्य के वातापी वंश की स्थापना पुलकेशिन प्रथम ने की थी। महाकूट अभिलेख के अनुसार इससे पूर्व दो और शासकों के नाम जयसिंह एवं रणराग भी आते हैं लेकिन ये स्वतंत्र शासक नहीं थे बल्कि कदम्ब शासकों के अधीन सामंत थे। चालुक्यों की मूल शाखा का उदय स्थल वातापी बादामी (बीजापुर, कर्नाटक) में हुआ था। चालुक्य वंश के उत्तर में हर्षवर्धन तथा दक्षिण में पल्लव वंश का राज था।

206. बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में एक नवीन आंदोलन का उद्भव हुआ जिसका नेतृत्व बासवन्ना (1106–68) नामक एक ब्राह्मण ने किया जो प्रारंभ में जैन मत को मानने वाले थे और.....राजा के दरबार में मंत्री थे–

(a) चोल (b) चालुक्य
(c) मौर्य (d) गुप्त

(SSC J.E. 02.03.17, 10:00 am)

Ans: (b) गुरू बासव अथवा बासवन्ना एक दार्शनिक एवं समाज सुधारक थे। गुरू बासवन्ना दक्षिणी भारत के कल्याणी के कलचुरी साम्राज्य में प्रधानमंत्री थे। इन्होंने अपने वचनों में (कन्नड़ भाषा में पवित्र भजन) शैवधर्म के आध्यात्मिक स्वरूप को प्रकाशित किया। इन्होंने जाति, धर्म, के आधार पर भेदभाव का विरोध किया। अपने आंदोलनों में इन्होंने ईश्वर की सार्वभौमिक अवधारणा एवं निराकार स्वरूप पर बल दिया।

वास्तव में वासवन्ना कल्याणी के कलचुरी वंश के राजा विज्जल देव के प्रधानमंत्री थे जो दिए गये विकल्पों में नहीं है। परन्तु आयोग ने इसका उत्तर (b) चालुक्य माना है।

207. रानी रुद्रमादेवी का संबंध निम्नलिखित में से किस राजवंश से था?

(a) वाकाटक (b) काकतीय
(c) पश्चिमी गंगा (d) चोल

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : रानी रुद्रमा देवी वारंगल के काकतीय वंश की रानी थी। इनका जन्म गणपति देव के यहां हुआ था। राजा गणपति के कोई पुत्र नहीं था इसलिए पिता की मृत्यु के पश्चात् रुद्रमा देवी ने शासन किया। जब इन्होंने शासन संभाला उस समय वह मात्र 14 वर्ष की थी।

208. रानी रुद्रमा देवी ..... राजवंश की प्रसिद्ध शासक थी।

(a) पांड्य (b) काकतीय
(c) चोल (d) चेर

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

209. बादामी किस वंश की सबसे पुरानी राजधानी थी?

(a) चालुक्य राजवंश (b) शुंग राजवंश
(c) पल्लव राजवंश (d) मौर्य राजवंश

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : चालुक्य राजवंश का उदय 6वीं से 12वीं शताब्दी के मध्य दक्षिणी और मध्य भारत के बड़े हिस्से में हुआ। चालुक्य राजवंश की मुख्यतः तीन शाखाएँ थीं– जिनकी राजधानी क्रमशः–

शाखाएँ		राजधानी
बादामी/वातापी के चालुक्य (मूल शाखा)	–	बादामी
वेंगी के चालुक्य (पूर्वी शाखा)	–	वेंगी (पहले) राजमुंद्री (बाद में)
कल्याणी के चालुक्य (पश्चिमी शाखा)	–	मान्यखेत

210. गौतमीपुत्र सातकर्णि दूसरी शताब्दी ईस्वी में _____ साम्राज्य के महानायक शासक थे।

(a) चेर (b) राष्ट्रकूट
(c) चोल (d) सातवाहन

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : सातवाहन वंश, प्राचीन भारत का एक महारथी-मरहट्टी (मराठा) राजवंश है। सातवाहन वंश की स्थापना 60 ई.पू. में राजा सिमुक ने की थी। प्रतिष्ठान (गोदावरी नदी के तट पर) सातवाहन वंश की राजधानी थी, जो यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में थी। इनकी राजकीय भाषा प्राकृत व लिपि ब्राह्मी थी।

211. श्रीलंका पर विजय प्राप्त करने वाला चोल वंश का सबसे पहला राजा कौन था?

(a) कुलोत्तुंग I (b) राजेन्द्र I
(c) राजेन्द्र II (d) विक्रम चोल

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : राजेन्द्र प्रथम (1015-1044 ई.) चोल वंश का शासक था। इसने संपूर्ण श्रीलंका को जीतकर वहां के शासक महेन्द्र पंचम को बन्दी बनाकर को चोल राज्य लाया। इसने पाल शासक महीपाल को पराजित किया तथा 'गगैंकोण्डचोल' की उपाधि धारण की। इसने कावेरी नदी के किनारे 'गंगैकोण्डचोलपुरम' नामक नयी राजधानी की स्थापना की। राजेन्द्र प्रथम की उपलब्धियों का वर्णन 'तिरुवालगांडु' और 'करंदाई' अभिलेख में मिलता है। श्रीलंका पर विजय प्राप्त करने वाला प्रथम चोल शासक राजराज प्रथम था। उसने उत्तरी श्रीलंका पर अधिकार करके उसका नाम मुम्माडि चोलमंडलम रखा था।

13. सीमावर्ती राजवंश (पाल/सेन/ कश्मीर/ कामरूप)
(Borderline Dynasties (Pala/Sena/ Kashmir/ Kamroop)

212. पूर्व मध्य काल में _____पर नियंत्रण पाने के लिए एक प्रसिद्ध त्रिपक्षीय युद्ध लड़ा गया था।

(a) पाटलिपुत्र (b) मान्यखेत
(c) कन्नौज (d) मुद्रागिरी

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : पूर्व मध्यकाल में कन्नौज पर नियंत्रण पाने के लिए एक प्रसिद्ध त्रिपक्षीय युद्ध लड़ा गया था जिसमें पाल, प्रतिहार तथा राष्ट्रकूट शामिल थे। यह युद्ध लगभग 200 वर्षों तक चला। अन्ततः इसका परिणाम गुर्जर-प्रतिहार शासक नागभट्ट द्वितीय के पक्ष में रहने के साथ यह युद्ध समाप्त हो गया।

213. प्रसिद्ध कवि और नाटककार राजशेखर निम्नलिखित में से किस प्रतिहार राजा के दरबार में दरबारी कवि थे?

(a) राजपाल (b) महेंद्रपाल
(c) रामभद्र (d) देवपाल

SSC CGL (Tier-1) – 25/07/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : प्रसिद्ध कवि एवं नाटककार राजशेखर प्रतिहार राजा महेन्द्र पाल (890-910 ई.) के दरबारी कवि थे। राजशेखर ने अपनी रचनाओं में महेन्द्र पाल का वर्णन 'निर्भयराज' और 'निर्भय नरेन्द्र' के रूप में किया है। इनकी प्रसिद्ध कृति है- कर्पूरमंजरी, काव्य मीमांसा, बाल रामायण आदि।

214. निम्नलिखित में से किस विश्वविद्यालय की स्थापना पाल ने की थी?

(a) नालंदा (b) विक्रमशिला
(c) तक्षशिला (d) वल्लभी

SSC CHSL (Tier-1) – 14/08/2023 (Shift-II)
SSC GD 03/12/2021 (Shift-III)
SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)
SSC CHSL (Tier-I) –08/07/2019 (Shift-I)

Ans. (b): बिहार प्रांत के भागलपुर जिले में स्थित विक्रमशिला विश्वविद्यालय एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का शिक्षा केन्द्र रहा है। इसकी स्थापना पाल शासक धर्मपाल (775-800 ई.) ने करवायी थी। धर्मपाल के उत्तराधिकारी 13वीं शताब्दी तक इसे राजकीय संरक्षण प्रदान करते रहे परिणामस्वरूप विक्रमशिला लगभग चार शताब्दियों से भी अधिक समय तक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का विश्वविद्यालय बना रहा। विश्वविद्यालय में अध्ययन के विशेष विषय व्याकरण, तर्कशास्त्र, मीमांसा, तंत्र आदि थे, मुस्लिम आक्रमकणकारी बख्तियार खिलजी ने 1193 के आस-पास इसे नष्ट कर दिया था। वर्तमान में विश्वविद्यालय के भग्नावशेष बचे हुए हैं।

215. भारत के किस क्षेत्र में 'कामरूप' एक प्राचीन नाम है?

(a) बिहार (b) राजस्थान
(c) कर्नाटक (d) असम

SSC CGL 08-09-2016, 10 am
SSC CHSL 04/08/2021 (Shift-I)

Ans : (d) आधुनिक असम का प्राचीन नाम कामरूप था। कामरूप को प्रागज्योतिषपुर के नाम से भी पुकारा गया है जो कि वर्मन वंश की राजधानी थी।

216. वर्मन राजवंश के भास्करवर्मन ने..... क्षेत्र पर शासन किया।

(a) कामरूप (b) उज्जैन
(c) वैशाली (d) मगध

SSC CHSL 04/08/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : भास्करवर्मन (600-650) वर्मन वंश से संबद्ध थे और 'कामरूप साम्राज्य' के शासक थे। 'कामरूप' भास्करवर्मन के अधीन भारत के सबसे उन्नत राज्यों में से एक था। कामरूप असम का पहला ऐतिहासिक राज्य था।

217. नौवीं शताब्दी में प्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की थी?

(a) सामंत सेन (b) बल्लाल सेन
(c) धर्मपाल (d) गोपाल

SSC CHSL 10/08/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना पाल वंशी राजा धर्मपाल ने की, यह वर्तमान बिहार के भागलपुर में है। इसके लेखों में इसे 'परमसौगत' कहा गया है। इसकी राजसभा में प्रसिद्ध बौद्ध लेखक 'हरिभद्र' निवास करता था। पालवंश का संस्थापक 'गोपाल' था।

218. ओदन्तपुरी शिक्षा केन्द्र निम्नलिखित में से किस राज्य में अवस्थित था.....।

(a) बंगाल (b) गुजरात
(c) बिहार (d) तमिलनाडु

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-I)

Ans. (c) : ओदन्तपुरी शिक्षा केंन्द्र बिहार में अवस्थित था। गोपाल ने ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बौद्ध मठ का निर्माण करवाया था। ध्यातव्य है कि धर्मपाल एक बौद्ध अनुयायी था। इसे लेखों में 'परमसौगात' कहा गया है। आठवीं सदी के मध्य में बंगाल और बिहार में पाल वंश के संस्थापक गोपाल (750–770 ई.) ने यहाँ एक महाविहार की स्थापना की थी अनुवर्ती पाल राजाओं ने इस विहार तथा महाविद्यालय को दान दिये थे। यह एक महत्वपूर्ण विद्या केन्द्र बन गया था। ओदंतपुरी की समृद्ध काल में यहाँ एक हजार विद्यार्थी शिक्षा पाते थे। दूर–दूर से विद्यार्थीगण शिक्षा पाने के लिए यहाँ रहते थे। यहाँ का सर्वप्रथम विद्यार्थी दीपंकर था, जो बाद में विक्रमशिला महाविद्यालय का प्रधान आचार्य बना और जिसने तिब्बत जाकर वहाँ लामा संस्था की स्थापना की। (धर्मपाल को भी परमसौगात कहा गया है)

219. पाल राजवंश का संस्थापक कौन था?

(a) धर्मपाल (b) महिपाल
(c) गोपाल (d) रामपाल

SSC CHSL 17/03/2020 (Shift-II)
(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 1.15 pm)

Ans. (c): पाल राजवंश के संस्थापक गोपाल थे। इस राजवंश ने बिहार और बंगाल पर लगभग 750 ई. से 1161 ई. तक शासन किया। वह बंगाल का पहला बौद्ध राजा था और वह बिहार के ओदंतपुरी में एक मठ का निर्माण किया था। उसका उत्तराधिकारी धर्मपाल ने अपने शासन काल में सम्राज्य का विस्तार किया और कुछ समय तक कनौज, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर भारत पर भी उसका नियंत्रण रहा।

14. राजपूत काल (Rajput Period)

220. खजुराहों के मंदिर किस राजवंश के दौरान बनाए गए थे?

(a) नंद वंश (b) चंदेल वंश
(c) विजयनगर वंश (d) मौर्य वंश

SSC MTS– 02/05/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : खजुराहों के मन्दिरों का निर्माण (950–1050) चंदेल वंश के शासकों द्वारा करवाया गया था। जो मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है। खजुराहों मंदिरों में कंदरिया महादेव, मतंगेश्वर लम्मी, जगदम्बा, चित्रगुप्त पार्वती तथा गणेश के मन्दिर शामिल हैं।
- इसे यूनेस्को के विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है।
- इन मंदिरों में विशिष्ट प्रकार की देवी, देवताओं, अप्सरा एवं संभोगरत प्रतिमाएँ हैं।

221. सबसे प्रसिद्ध ..... शासक पृथ्वीराज तृतीय थे, जिन्हें 1192 में एक अफगान शासक सुल्तान मुहम्मद गोरी ने हराया था।

(a) प्रतिहार (b) चाहमान/चौहान
(c) पाल (d) राष्ट्रकूट

SSC JE CIVIL 11/10/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : चाहमान या चौहान वंश ने 12वीं शताब्दी में दिल्ली और अजमेर के आस-पास के क्षेत्र पर शासन किया। सबसे प्रसिद्ध चाहमान शासक पृथ्वीराज तृतीय (1168-1192) थे, जिन्होंने वर्ष 1191 में मुहम्मद गोरी नामक अफगान शासक को तराइन के प्रथम युद्ध में पराजित किया था। किन्तु तराइन के द्वितीय युद्ध जो वर्ष 1192 में हुआ था जिसमें मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज को पराजित कर दिया था।

222. मध्य प्रदेश राज्य में ग्यारहवीं शताब्दी की भोजशाला की संरचना का निर्माण किस राजवंश के संरक्षण में किया गया है?

(a) चंदेल (b) परमार
(c) नंद (d) गुर्जर-प्रतिहार

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-IV)

Ans. (b) : राजा भोज (1000-1055 ई.) परमार राजवंश के सबसे बड़े शासक तथा शिक्षा एवं साहित्य के अनन्य उपासक थे। इन्होंने धार जिले (मध्य प्रदेश) में एक महाविद्यालय की स्थापना की, जिसे बाद में भोजशाला के रूप में जाना जाने लगा। यहाँ दूर-दूर से छात्र अपनी बौद्धिक प्यास बुझाने के लिए आते थे।

223. जयमल और फत्ता वे योद्धा थे जिन्हें ..... के किले की रक्षा करने का प्रभार सौंपा गया था।

(a) उदयपुर (b) अजमेर
(c) रायसेन (d) चित्तौड़

SSC CHSL (Tier-1) – 03/08/2023 (Shift-IV)

Ans. (d) : जयमल और फत्ता वे योद्धा थे जिन्हें चित्तौड़ के किले की रक्षा करने का प्रभार सौंपा गया था। चित्तौड़गढ़ किले के अंदर स्थित जयमल और फत्ता का महल राजपूतों की शौर्य और वीरता का प्रतीक है।

224. चंदेल राजवंश के किस राजा ने कंदरिया महादेव का निर्माण करवाया था?

(a) यशोवर्मन (b) विजयपाल
(c) विद्याधर (d) धंगदेव

SSC GD 22/11/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : शिव की स्तुति में बनाए गए कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण चंदेल राजवंश के राजा धंगदेव द्वारा 999 ई. में किया गया था।

225. किस राजवंश ने कन्नौज (कान्यकुब्ज) को अपनी राजधानी बनाया?

(a) सेन राजवंश (b) पाल राजवंश
(c) प्रतिहार राजवंश (d) चोल राजवंश

SSC CHSL 15/04/2021 (Shift-II)

Ans. (c) अग्निकुल के राजपूतों में सर्वाधिक प्रसिद्ध प्रतिहार वंश था जो गुर्जरों की शाखा से सम्बन्धित होने के कारण इतिहास में गुर्जर-प्रतिहार कहा जाता है। इस वंश के शासकों के क्रम में वत्सराज के पश्चात उनके पुत्र नागभट्ट द्वितीय (800-833 ई.) राजा हुआ। ग्वालियर लेख में इनकी उपलब्धियों का वर्णन मिलता है। उन्होंने कन्नौज पर आक्रमण कर वहाँ के शासक चक्रायुध को पराजित कर कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया। गुर्जर प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम (730-756 ई.) था।

226. जब हार निश्चित हो जाती थी, तो —— पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके।

(a) मराठा (b) सिख
(c) मुगल (d) राजपूत

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : शाका और जौहर प्रथाएँ राजपूतों में प्रचलित थीं। शाका अनुष्ठान पुरुषों और जौहर अनुष्ठान राजपूत महिलाओं द्वारा किया जाता था। जब हार निश्चित हो जाती थी, तो राजपूत पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके। यह जौहर होने के एक दिन बाद किया जाता था जिसमें योद्धा केसरिया रंग की पगड़ी पहनकर मैदान में उतरते थे जो भारतीय संस्कृति में बलिदान का प्रतीक है।

227. निम्नलिखित में से कौन प्रतिहर वंश के महानतम शासक थे?

(a) नागभट्ट (b) रामभद्र
(c) मिहिर भोज (d) सामंतसेन

SSC MTS 09/08/2019 (Shift-II)
SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : मिहिर भोज या भोज प्रथम (836-885) का शासनकाल प्रतिहार साम्राज्य के लिये स्वर्णकाल माना गया है। मिहिरभोज वैष्णव धर्मानुयायी था। उसने आदिवाराह तथा प्रभास जैसी उपाधियां धारण की जो उसके द्वारा चलाये गये चाँदी के 'द्रम्म' सिक्कों पर भी अंकित है। परमार शासक भोज की मृत्यु पर कहा जाता है 'अद्यधारा निराधारा निरालम्बा सरस्वती पंडिता खण्डिता सर्वे, भोज राजे दिवंगते'।

228. पृथ्वीराज चौहान ने.....से विवाह किया था, वह उसके शत्रु जयचन्द गहडवाल की बेटी थी।

(a) कृष्णावती (b) पूर्ववती
(c) संयुक्ता (d) सौम्यवती

(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 08.01.17, 10 am)

Ans : (c) पृथ्वीराज चौहान ने अपने शत्रु जयचंद गहड़वाल की पुत्री संयोगिता (संयुक्ता) का उसके स्वयंवर से अपहरण करके उससे विवाह किया। इसके पश्चात पृथ्वीराज ने मुहम्मद गोरी को युद्ध में परास्त किया। इस घटना का वर्णन पृथ्वीराज के दरबारी कवि चंदबरदाई की रचना 'पृथ्वीराज रासो' में मिलता है।

229. पृथ्वीराज चौहान के पिता कौन थे?

(a) जीत चौहान (b) हयात चौहान
(c) सोमेश्वर चौहान (d) त्रिलोक चौहान

(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 1.15 pm)

Ans : (c) पृथ्वीराज चौहान के पिता का नाम सोमेश्वर चौहान था। ये चौहान वंश के हिन्दू शासक थे, जिन्होंने 12वीं सदी के उत्तरार्द्ध में अजमेर एवं दिल्ली पर शासन किया था। पृथ्वीराज चौहान का जन्म अजमेर राज्य में हुआ था।

230. कौन से दो प्रमुख शहर चाहमानों के नियंत्रण में थे।

(a) दिल्ली तथा अजमेर (b) लाहौर तथा अमृतसर
(c) अलवर तथा उज्जैन (d) पानीपत तथा कुरुक्षेत्र

SSC MTS 11-10-2017 (Shift-III)

Ans. (a) : दिल्ली तथा अजमेर दोनों शहर चाहमानों/चौहान वंश के नियंत्रण में था। 9वीं सदी के मध्य विग्रहराज (वीसलदेव) ने तोमर वंशी शासक से दिल्ली जीत ली। जिससे ये दोनों शहर चाहमानों के नियंत्रण में आ गया। पृथ्वीराज–III इस वंश का अंतिम शक्तिशाली शासक था।

231. मोहम्मद गौरी को 1191 में एक— शासक ने हराया था।

(a) गाहड़वाल (b) चालुक्य
(c) चौहान (d) मौर्य

SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-II)
SSC MTS 11-10-2017 (Shift-I)
(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 10 am)

Ans. (c) : पृथ्वीराज III, पृथ्वीराज चौहान के रूप में विख्यात थे वह (सन् 1178-1192) चौहान वंश के हिन्दू क्षत्रिय राजा थे,जो उत्तर भारत में 12वीं सदी के उत्तरार्ध में अजमेर और दिल्ली पर राज्य करते थे। पृथ्वीराज तृतीय ने वर्ष 1191 ई. में तराईन की प्रथम लड़ाई में मोहम्मद गोरी को पराजित किया तथा इसके एक वर्ष पश्चात 1192 ई. में तराईन की द्वितीय लड़ाई में मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को पराजित किया।

15. अरबों का आक्रमण (Arab's Invasion)

232. चंदावर का युद्ध निम्नलिखित में से किसके बीच हुआ था?

(a) जयचंद और मुहम्मद गोरी
(b) जयचंद और महमूद गजनवी
(c) पृथ्वीराज तृतीय और महमूद गजनवी
(d) पृथ्वीराज तृतीय और मुहम्मद गोरी

SSC CHSL (Tier-1) – 08/08/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : चंदावर का युद्ध मुहम्मद गौरी और गहड़वाल वंश के कन्नौज के राजा जयचन्द के बीच हुआ था। 1194 ई में मुहम्मद गोरी कन्नौज के शासक जयचंद पर आक्रमण करने के लिए भारत आया, उत्तर-भारत में कन्नौज का राज्य बहुत शक्तिशाली माना जाता था। राजा जयचन्द की पृथ्वीराज से शत्रुता थी। इस कारण उसने गोरी के विरुद्ध पृथ्वीराज को सहायता नहीं दी थी। इस अवसर पर उसे भी गोरी से अकेले युद्ध करना पड़ा। अतः इस युद्ध में जयचंद की पराजय हुई।

233. निम्नलिखित में से किसने 11वीं शताब्दी में गुजरात पर हमला किया और सोमनाथ मंदिर को लूटा?

(a) महमूद गजनवी (b) मुहम्मद बिन कासिम
(c) कुतुबुद्दीन ऐबक (d) अहमद शाह अब्दाली

SSC JE CIVIL 09/10/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : 11वीं शताब्दी में महमूद गजनवी ने धन अर्जित करने और क्षेत्र में इस्लाम फैलाने के उद्देश्य से भारत पर 17 बार आक्रमण किया था। सन् 1025 में गुजरात के पश्चिमी तट पर सौराष्ट्र में वेरावल के पास प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर पर हमला करके उसे लूट लिया था। सोमनाथ मंदिर हिंदुओं के लिये सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है और शिव के 12 ज्योतिर्लिंगो में से पहला मन्दिर है।

234. निम्नलिखित में से कौन-सा महमूद गजनवी का पंजाब के बाहर अंतिम आक्रमण था?

(a) सोमनाथ (b) कालिंजर
(c) मथुरा (d) कन्नौज

SSC CHSL (Tier-1) – 14/08/2023 (Shift-IV)

Ans. (a) : महमूद गजनवी का पंजाब के बाहर अंतिम आक्रमण 1025 ई. में सोमनाथ मंदिर गुजरात पर था। इस मंदिर की लूट में उसे करीब 20 लाख दीनार की सम्पत्ति हाथ लगी। सोमनाथ की रक्षा में सहायता करने के कारण अन्हिलवाड़ा के शासक पर महमूद गजनवी ने आक्रमण किया।

235. 711-12 ई. में भारत पर हुए अरब आक्रमण का नेतृत्व ——— ने किया था।

(a) मुहम्मद बख्तियार खिलजी
(b) मुहम्मद बिन कासिम
(c) मुहम्मद शायबानी खान
(d) नसीर-उद-दीन मुहम्मद शाह

SSC GD 06/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b): 711-12 ई. में सिंधु नदी सहित भारत के क्षेत्रों पर आक्रमण करने वाला पहला मुस्लिम शासक मोहम्मद-बिन-कासिम था। जब मोहम्मद-बिन-कासिम ने सिंध पर आक्रमण किया था, तब वह भारत का एक क्षेत्र था, जो अब पाकिस्तान में है। मोहम्मद-बिन-कासिम अल हज्जाज का एक सेनापति था। अरब राजवंश ने सिंध और पंजाब क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की थी।

236. प्राचीन समय में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा कई बार लूटा गया ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर, निम्न में से किस राज्य में स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) हरियाणा
(c) गुजरात (d) पंजाब

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (c) : गुजरात के पश्चिमी तट पर सौराष्ट्र के वेरावल में स्थित सोमनाथ मन्दिर (देव पाटन के नाम से भी जाना जाता है) शिव के बारह ज्योतिर्लिंग मन्दिरों में से पहला माना जाता है। ऋग्वेद के अनुसार इस मन्दिर का निर्माण राजा चन्द्रदेव ने करवाया था। प्राचीन समय में इस मन्दिर पर कई बार आक्रमण (लूटा) किये गये, जिसमें 1025 में महमूद गजनी द्वारा किया गया आक्रमण विख्यात है। ऐसा माना जाता है कि इस मन्दिर को 17 बार लूटा गया और नष्ट किया गया।

237. 711 इस्वी में, अरब सेनापति _____ ने सिंध पर विजय प्राप्त की थी, जो खलीफा के क्षेत्र का एक हिस्सा बना गया।

(a) कुतुब-उद्-दीन ऐबक (b) मुहम्मद-बिन-तुगलक
(c) मुहम्मद बिन कासिम (d) मुहम्मद गोरी

SSC CHSL 09/08/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : अरबों के भारत पर हमले के प्रथम प्रमाण 636-37 ई. के आसपास मिलते है, लेकिन इन हमलो का उद्देश्य सिर्फ लूटमार करने तक ही सीमित था, न कि राज्य विस्तार करना। 711-12 ई. में अरबो ने मुहम्मद बिन- कासिम के नेतृत्व में सिंध पर आक्रमण किया। मुहम्मद बिन कासिम ने 'रावर' के युद्ध में राजा दाहिर को पराजित करने के बाद तत्कालीन सिंध की राजधानी आलोर पर कब्जा कर लिया।

238. चंदावर की लड़ाई मोहम्मद गोरी और ——— वंश के कन्नौज के जयचंद के बीच हुई थी।

(a) चौहान (b) गुप्त
(c) बैक्ट्रियन (d) गहड़वाल

SSC GD 06/12/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : चंदावर का युद्ध मुहम्मद गौरी और गहड़वाल वंश के कन्नौज के राजा जयचन्द के बीच हुआ था। 1194 ई में मुहम्मद गोरी कन्नौज के शासक जयचंद पर आक्रमण करने के लिए भारत आया, उत्तर-भारत में कन्नौज का राज्य बहुत शक्तिशाली माना जाता था। राजा जयचन्द की पृथ्वीराज से शत्रुता थी। इस कारण उसने गोरी के विरुद्ध पृथ्वीराज को सहायता नहीं दी थी। इस अवसर पर उसे भी गोरी से अकेले युद्ध करना पड़ा। अतः इस युद्ध में जयचंद की पराजय हुई।

239. उज़बेकिस्तान से अल-बिरूनी किस शताब्दी में भारत आया था?

(a) ग्यारहवीं शताब्दी (b) चौदहवीं शताब्दी
(c) सातवीं शताब्दी (d) सत्रहवीं शताब्दी

SSC MTS 11-10-2017 (Shift-III)

Ans : (a) अल-बिरूनी ग्यारहवीं शताब्दी में महमूद गजनवी के आक्रमण (भारत पर) के अवसर पर उसके साथ भारत आया। उसके द्वारा भारत विवरण 'तहकीक-ए-हिन्द' में प्राप्त होता है। यह पुस्तक 80 अध्यायों में विभाजित है, जिसमें भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विवरणों के साथ इसकी प्राकृतिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों का वृहद विवरण दिया गया है। इसके अतिरिक्त उसने भगवतगीता, वेदों, उपनिषदों, पतंजलि के योग शास्त्र आदि के विषय में भी लिखा।

240. निम्नलिखित में से किस शासक ने 1178 में मुहम्मद गोरी को हराया था?

(a) भोज (b) भीम द्वितीय

(c) भामा प्रथम (d) पृथ्वीराज तृतीय

SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-II)

Ans. (b) : भीम-II ने 1178 में मुहम्मद गोरी को हराया था। 1178 ई. में मुहम्मद गोरी ने गुजरात पर आक्रमण किया किन्तु भीम-II ने अपनी योग्यता एवं साहसी विधवा माँ नाइका देवी के नेतृत्व में आबू पर्वत के निकट गोरी का मुकाबला किया और उसे परास्त किया और यह गोरी की भारत में पहली पराजय थी।

241. महमूद गजनवी ने पहली बार भारत पर कब आक्रमण किया था?

(a) 1001 ईस्वी (b) 1003 ईस्वी

(c) 1192 ईस्वी (d) 1112 ईस्वी

SSC JE Mechanical 27.10.2020 (Shift-II)

Ans. (a) : महमूद गजनवी (998-1030) मध्य अफगानिस्तान में केन्द्रित गजनवी वंश का महत्वपूर्ण शासक था, जो पूर्वी ईरान में साम्राज्य विस्तार के लिए जाना जाता है। 998 ई. में जब महमूद गजनवी सिंहासन पर बैठा, तो उसने प्रत्येक वर्ष भारत पर आक्रमण करने की प्रतिज्ञा की। इतिहासकार हेनरी इलियट ने महमूद गजनवी के 17 आक्रमणों का वर्णन किया है। महमूद गजनवी का भारत पर प्रथम आक्रमण 1001 ई. में हिन्दूशाही शासक जयपाल पर हुआ। जिसमें महमूद गजनवी को विजय प्राप्त हुई। महमूद का अंतिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों पर हुआ था।

242. चन्दावर के युद्ध में मुहम्मद गोरी द्वारा निम्नलिखित में से किस राजा को पराजित किया गया था?

(a) पृथ्वीराज चौहान (b) जय चन्द

(c) भीम II (d) कुमारपाल

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-II)

Ans. (b) : 1194 ई. में मुहम्मद गोरी ने चंदावर के युद्ध में जयचंद को पराजित किया। ध्यातव्य है कि पृथ्वीराज चौहान एवं मुहम्मद गोरी के मध्य 1191 ई. में तराइन का प्रथम युद्ध हुआ जिसमे गोरी पराजित हुआ जबकि 1192 ई. में हुये द्वितीय तराइन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान, मु. गोरी द्वारा पराजित हुआ।

243. किताब–उल–हिन्द के लेखक अल–बेरूनी को किस शासक द्वारा बंदी बनाया गया था ?

(a) तैमूर–ए–लंग (b) महमूद गजनी

(c) चंगेज खान (d) नादिर शाह

(SSC J.E. 01.03.17, 10:00 am)
SSC MTS 10-10-2017 (Shift-III)
(SSC J.E. 04.03.17, 10:00 am)

Ans : (b) अलबरूनी का जन्म 973 ई. में ख्वारिज्म (वर्तमान उज्बेकिस्तान) में हुआ था। उसने उच्च शिक्षा प्राप्त की और एक ख्याति प्राप्त विद्वान हो गया। 1017 ई. में महमूद गजनवी ने ख्वारिज्म (वर्तमान उज्बेकिस्तान) को विजय किया और वहाँ अलबरूनी को एक युद्ध बन्दी के रूप में प्राप्त किया। वह उसकी योग्यता से प्रभावित हुआ और अपने दरबार के विद्वानों में स्थान दिया। अलबरूनी महमूद गजनवी के द्वारा भारत पर किए गये आक्रमणों के अवसरों पर उसके साथ आया था। इसने 'तहकीक–ए हिन्द' नामक ग्रंथ की रचना की। यह ग्रंथ अरबी भाषा में लिखा गया जिसमें भारत के भौगोलिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक स्थिति का वृहद वर्णन है।

244. 1026 ईस्वी में प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर पर हमला और लूटपाट किसने की?

(a) मुहम्मद गौरी (b) चंगेज खान

(c) महमूद गज़नी (d) नादिर शाह

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-I)

Ans : (c) महमूद गजनी यामनी वंश के तुर्क सरदार गजनी के शासन सुबुक्तगीन का पुत्र था। जिसने भारत पर 17 बार आक्रमण किया। सबसे चर्चित आक्रमण सोमनाथ मंदिर (सौराष्ट्र) पर 1025-26 ईस्वीं में हुआ। इस मंदिर की लूट में उसे करीब 20 लाख दीनार की सम्पत्ति हाथ लगी।

245. मोहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच कौन-सी लड़ाई हुई थी?

(a) तराइन की लड़ाई (b) खानवा का युद्ध

(c) प्लासी की लड़ाई (d) बक्सर का युद्ध

SSC MTS 02/08/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : मोहम्मद गोरी और पृथ्वीराज चौहान तृतीय के बीच तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में हुआ तथा जिसमें पृथ्वीराज चौहान तृतीय की विजय हुई एवं गोरी की हार हुई।
तराइन का द्वितीय युद्ध 1192 ई. में हुआ जिसमें मोहम्मद गोरी की विजय हुई तथा पृथ्वीराज चौहान तृतीय की हार हुई।
अन्य प्रमुख युद्ध-(1) खानवा का युद्ध – 17 मार्च, 1527 ई. में
(2) प्लासी का युद्ध – 23 जून, 1757 ई. में
(3) बक्सर का युद्ध – 22 अक्टूबर, 1764 ई. में

246. 1001 ई. में अपने पहले आक्रमण में महमूद गजनी ने निम्नलिखित में से किस भारतीय शासक को हराया था?

(a) चन्द्रपाल (b) आनंदपाल

(c) सुखपाल (d) जयपाल

SSC CHSL (Tier-I) –09/07/2019 (Shift-II)

Ans. (d) : महमूद गजनी, गजनी के शासक सुबुक्तगीन का पुत्र था। अपने पिता के शासन काल में महमूद गजनी खुरासान का शासक था। महमूद गजनी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किया। महमूद गजनी ने भारत पर पहला आक्रमण 1001 ई. में पंजाब के शाही राजा जयपाल के विरुद्ध किया जिसमें जयपाल की पराजय हुयी थी। महमूद गजनी को मूर्ति भंजक तथा लुटेरा कहा जाता है।

247. 1001 ई. में अपने पहले हमले में महमूद गजनी किस भारतीय शासक को हराया था?

(a) चंद्रपाल (b) आनंदपाल

(c) जयपाल (d) सुखपाल

SSC MTS 08/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. प्राचीन भारतीय कला एवं साहित्य (Ancient Indian Art and Literature)

(i) स्थापत्य कला (Architenture)

248. निम्नलिखित में से किस गुप्त राजा ने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी?

(a) स्कन्दगुप्त (b) चंद्रगुप्त द्वितीय
(c) चंद्रगुप्त प्रथम (d) कुमारगुप्त प्रथम

SSC MTS– 11/05/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्तवंश के प्रसिद्ध शासकों में से कुमार गुप्त प्रथम ने की। यह विश्वविद्यालय प्राचीन काल में भारत के मगध प्रान्त (वर्तमान बिहार) में बौद्ध अध्ययन के लिए समर्पित था, यहाँ छात्रों को ललित कला, चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान, राजनीति और युद्ध की कला में भी प्रशिक्षित किया जाता था।

249. मंदिर वास्तुकला की निम्नलिखित में से कौन सी शैली उत्तर भारत में लोकप्रिय है?

(a) मंडप (b) द्रविड़
(c) विमान (d) नागर

SSC JE CIVIL 10/10/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : 'नागर' शब्द नगर से बना है। सर्वप्रथम नगर में निर्माण होने के कारण इसे नागर शैली कहा जाता है। यह संरचनात्मक मंदिर स्थापत्य की एक शैली है जो हिमालय से लेकर विन्ध्य पर्वत तक के क्षेत्रों में प्रचलित थी। इसे 18वीं शताब्दी के बीच उत्तर भारत में मौजूद शासक वंशो ने पर्याप्त संरक्षण दिया। इसकी विशेषताओं में समतल छत से उठती हुई शिखर की प्रधानता पाई जाती है।

250. तमिलनाडु में स्थित बृहदीश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली कौन-सी है?

(a) नागर (b) गडग
(c) द्रविड़ (d) चंपा

SSC JE CIVIL 09/10/2023 (Shift-I)

Ans. (c) :

- तमिलनाडु के तंजावुर में स्थित बृहद्दीश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली द्रविड़ वास्तुकला है। यह मंदिर कावेरी नदी के तट पर स्थित है। यह भारत के दक्षिणी भाग में सबसे बड़ा मंदिर है।
- यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया है।
- इस मंदिर का निर्माण 1003 से 1010 ई. के बीच राजा चोल प्रथम ने करवाया था।
- इस मंदिर की वास्तुकला विज्ञान और ज्यामिती के नियमों का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।
- मंदिर में भगवान शिव की एक मूर्ति है, जिसे नटराज के नाम से जाना जाता है।

251. पंचायतन शैली की स्थापत्य कला में कितने मंदिर होते हैं?

(a) 7 (b) 3
(c) 9 (d) 5

SSC JE CIVIL 11/10/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : पंचायतन शैली, मंदिर निर्माण की एक शैली है जिसमें एक केन्द्रीय मंदिर होता है जो चार अन्य मंदिरों से घिरा होता है। इसमें एक मुख्य मंदिर होता है जो चार सहायक मंदिरों से घिरा रहता है। इस शैली के मंदिर के उदाहरण-खजुराहों में लक्ष्मण मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर, दशावतार मंदिर आदि है।

252. निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध विश्वविद्यालय भारत के बिहार में स्थित है?

(a) नालंदा विश्वविद्यालय (b) वल्लभी विश्वविद्यालय
(c) नवद्वीप विश्वविद्यालय (d) सोमपुरी विश्वविद्यालय

SSC MTS– 10/05/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : बौद्ध विश्वविद्यालय से प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय बिहार राज्य में स्थित है। जिसकी स्थापना 5वीं सदी में गुप्त साम्राज्य के राजा कुमार गुप्त ने की थी। जबकि–

- वल्लभी विश्वविद्यालय गुजरात राज्य के भावनगर जिले में स्थित है यह भी बौद्ध धर्म के हीनयान सम्प्रदाय से सम्बन्धित रहा। यहाँ चीनी यात्री ह्वेनसांग ने लगभग 7वीं सदी में यात्रा किया था।

253. भीतरगांव का ईंटों वाला मंदिर किस राज्य में स्थित है?

(a) मध्यप्रदेश (b) उत्तरप्रदेश
(c) झारखंड (d) ओडिशा

SSC MTS/Havaldar–01/09/2023 (Shift-I)

Ans. (b): भीतरगांव का ईंटों वाला मंदिर उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में स्थित है। ईंटों का बना यह गुप्तकालीन मंदिर अपनी सुरक्षित तथा उत्तम साँचे में ढली ईंटों के कारण विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

254. सांची स्तूप किस राज्य में स्थित है?

(a) गुजरात (b) उत्तरप्रदेश
(c) मध्यप्रदेश (d) बिहार

SSC MTS/Havaldar–05/09/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और बारहवीं शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधि से सम्बन्धित वह स्थान 'साँची' है, जो बौद्ध कला और वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने के लिए प्रसिद्ध है। साँची मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में बेतवा नदी के तट पर स्थित एक छोटा सा गाँव है।

255. कौन-सा भारतीय राज्य बौद्ध गुफा मंदिरों का घर है, जिन्हें बराबर गुफाओं (Barabar Caves) के नाम से जाना जाता है?

(a) पश्चिम बंगाल (b) बिहार
(c) उत्तर प्रदेश (d) सिक्किम

SSC MTS – 15/05/2023 (Shift-I)
(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 10 am)

Ans. (b) : बिहार राज्य बौद्ध गुफा मंदिरों का घर है, जिसे बराबर गुफाओं के नाम से जाना जाता है। ये गुफाएँ चार मुख्य गुफाओं का एक समूह है, जो बराबर पहाड़ियों पर स्थित है। ये गुफाएँ हैं- लोमस ऋषि गुफा, सुदामा गुफा, करण चौपर तथा विश्व झोपड़ी।

256. ..... में स्थित रावण फाड़ी (Ravan Phadi) गुफा पूर्वकालीन चालुक्य शैली स्थापत्यकला का एक उदाहरण है जो अपनी विशिष्ट मूर्तिकला शैली के लिए जानी जाती है।

(a) केरल (b) तमिलनाडु
(c) आंध्र प्रदेश (d) कर्नाटक

SSC MTS— 04/05/2023 (Shift-II)

Ans. (d): रावण फाड़ी (Ravan Phadi) गुफा कर्नाटक के ऐहोल में स्थित (रॉककट गुहा मन्दिर) है। जिसे चट्टानों को काटकर बनाया गया है। यह मन्दिर पूर्व कालीन चालुक्य शैली स्थाप्तय कला का एक उदाहरण है जो अपनी विशिष्ट मूर्तिकला शैली के लिए प्रसिद्ध है। शिव और पार्वती को समर्पित इस गुहा मन्दिर का निर्माण 6वीं शताब्दी में करवाया गया था।

257. उत्तर भारतीय मंदिर वास्तुकला में कौन-सा तत्व गर्भगृह और स्तंभित मंडपों के ऊपर अधिरचना या मीनार को दर्शाता है?

(a) शिखर (b) कलश
(c) आमलक (d) अंतराल

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : उत्तर भारतीय मंदिर वास्तुकला में शिखर गर्भगृह और स्तंभित मंडपों के ऊपर अधिरचना या मीनार को दर्शाता है। एक साधारण शिखर को जिसका आधार वर्गाकार होता है और दीवारें भीतर की ओर मुड़कर चोटी पर एक बिन्दु पर मिलती हैं, उसे आमतौर पर 'रेखा-प्रासाद' कहा जाता है।

258. होयसलेश्वर मंदिर का निर्माण निम्नलिखित में से किस पत्थर से एक होयसल राजा ने 1150 में करवाया था?

(a) बलुआ पत्थर (b) ग्रे बेसाल्ट
(c) सफ़ेद संगमरमर (d) काला शिस्ट पत्थर

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : होयसलेश्वर मंदिर कर्नाटक के हलेबिड में स्थित है। इसे 1150 ई. में होयसल राजा द्वारा काले शिस्ट पत्थर (Dar Schist Stone) से बनवाया गया था। यूनेस्को ने इस मंदिर को 2023 में विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है।

259. मौर्यों द्वारा नागार्जुनी गुफाएं निम्नलिखित में से किस संप्रदाय को दान की गई थीं?

(a) जैन (b) आजीवक
(c) लोकायत (d) बौद्ध

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : नागार्जुनी गुफाओं का निर्माण अशोक द्वारा तीसरी शताब्दी ईस्वी पूर्व में बिहार के गया जिले में स्थित नागार्जुनी चट्टानों को काटकर करवाया गया। इन गुफाओं को अशोक ने आजीवक सम्प्रदाय के भिक्षुओं के निवास के लिए बनवाया था।

260. मौर्य स्तंभ शीर्ष ..... में पाया गया था, जिसे सिंह शीर्ष (लायन कैपिटल) के नाम से जाना जाता है।

(a) बैराट (b) सांची
(c) भाबरू (d) सारनाथ

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : मौर्य स्तम्भ शीर्ष सारनाथ में पाया गया था, जिसे सिंह शीर्ष (लायन कैपिटल) के नाम से जाना जाता है। मूल स्तंभ में शीर्ष पर चार सिंह हैं, जो एक दूसरे की ओर पीठ किये हुए हैं। इसके नीचे एक चित्र वल्ली में एक हाथी, चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा, एक सांड़ तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्तियाँ हैं। इसके बीच में चक्र बने हुए हैं। एक ही पत्थर को काटकर बनाये गये इस सिंह स्तंभ के ऊपर 'धर्मचक्र' रखा हुआ है।

261. राजस्थान के माउंट आबू में दिलवाड़ा मंदिर (Dilwara Temple) ____ मंदिर शैली (Temple architecture) एक जीता-जागता उदाहरण है।

(a) बौद्ध (b) द्रविड़
(c) जैन (d) मुगल

SSC MTS– 12/05/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : राजस्थान के माउंट आबू मे दिलवाड़ा मंदिर (Dilwara Temple) जैन मंदिर शैली (Temple architecture) एक जीता-जागता उदाहरण है। इस मंदिर का निर्माण लगभग 1088 ई. में विमलशाह के शासन काल के दौरान किया गया था।

262. ..... में बाघ नदी के तट पर स्थित बाघ गुफाएँ (Bagh Caves), जिसमें 9 बौद्ध गुफाएँ हैं, 6वीं शताब्दी में विकसित की गई थी।

(a) महाराष्ट्र (b) मध्य प्रदेश
(c) उत्तर प्रदेश (d) गुजरात

SSC MTS– 11/05/2023 (Shift-II)

Ans. (b): मध्य प्रदेश में बाघ नदी के तट पर स्थित बाघ गुफाएँ (Bagh Caves) हैं जिसमें 9 बौद्ध गुफाएँ हैं; 6वीं शताब्दी में विकसित की गयी थी। ये गुफाएँ मध्य प्रदेश में धार जिले से 97 किलोमीटर दूर विन्ध्य पर्वत के दक्षिणी ढलान पर है। इन गुफाओं में बनी प्राचीन चित्रकारी मनुष्य को आश्चर्य में डाल देती है। इन गुफाओं की खोज 1818 में डेन्जर फील्ड ने की थी। ऐसा माना जाता है कि दसवीं शताब्दी में बौद्ध धर्म के पतन के बाद इन गुफाओं में बाघ निवास करने लगे थे इसीलिए इन्हें बाघ गुफाओं के नाम से जाना जाता है।

263. श्री ब्रह्मपुरीश्वर मंदिर भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) तमिलनाडु (b) राजस्थान
(c) मणिपुर (d) आंध्र प्रदेश

SSC MTS/Havaldar– 06/07/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : ब्रह्मपुरीश्वर मंदिर भारत के तमिलनाडु राज्य के थिरूपत्तूर में स्थित एक हिन्दू मन्दिर है। पौराणिक कथाओं से इस मन्दिर का इतिहास प्राप्त होता है। सृष्टि निर्माता भगवान ब्रह्मा को घमण्ड हो गया कि वह भगवान शिव से बड़े है, जिससे अपमानित होकर शिव ने ब्रह्मा जी के पाचवें सिर को काट दिया था और श्राप दिया कि वह अपनी सृजन की शक्ति खो देंगे। इस श्राप से मुक्ति प्राप्त हेतु भगवान ब्रह्मा ने इस मन्दिर का दौरा किया और मन्दिर के चारो ओर 12 शिव लिंग की स्थापना की।

264. रामभर स्तूप, वह स्थान जहां भगवान बुद्ध का अंतिम संस्कार किया गया था, भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) मध्य प्रदेश (b) हिमाचल प्रदेश
(c) बिहार (d) उत्तर प्रदेश

SSC MTS/Havaldar– 07/07/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : रामभर स्तूप उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में स्थित है। यह एक प्रसिद्ध बौद्ध स्थल है जो गंडक नदी के तट पर स्थित है। भगवान बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में दिया था। ऐसा माना जाता है कि गौतम बुद्ध ने यहाँ महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था। कुशीनगर में रामभर स्तूप का निर्माण बुद्ध की राख के एक हिस्से के साथ जहाँ उनका दाह संस्कार हुआ था उसी स्थान पर किया गया था।

265. दक्षिण भारत में मंदिरों के प्रांगण में बने ऊँचे द्वारों को ..... कहा जाता था।

(a) विमान (b) गोपुरम
(c) अर्धमंडल (d) मंडल

SSC CHSL (Tier-1) – 02/08/2023 (Shift-I)

Ans. (b): दक्षिण भारत में मंदिरों के प्रांगण में बने ऊँचे द्वारों को गोपुरम कहा जाता था। 7वीं शताब्दी में द्रविड़ शैली की शुरुआत हुई, परंतु इसका विकसित स्वरूप 8वीं शताब्दी से देखने को मिलता है। द्रविड़ शैली की विशेषताएँ- प्राकार (चहारदीवारी), गोपुरम (प्रवेश द्वार), वर्गाकार या अष्टकोणीय गर्भ-गृह (रथ), पिरामिडनुमा शिखर, मंडप (नंदी मंडप), अष्टकोणीय मंदिर संरचना।

266. भगवान शिव के तीन मुखों का प्रतिनिधित्व करने वाली 7 मीटर ऊँची मूर्ति 'सदाशिव' ..... गुफा में पाई जाती है।

(a) खंडगिरी (b) उदयगिरी
(c) भीमबेटका (d) एलीफेंटा

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : एलीफेंटा गुफाएँ पश्चिमी भारत में एलीफेंटा द्वीप पर स्थित है। इन गुफाओं का निर्माण लगभग 5वीं से 6वीं शताब्दी के मध्य में किया गया था। इसी के गुफा एक में 7 मीटर ऊँची कृति सदाशिव स्थित है जो भगवान शिव के तीन पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है जो क्रमशः निर्माता, संरक्षक और विनाश के रूप में पहचाना जाता है।

267. निम्न में से किस राज्य में अजंता की गुफाएँ स्थित हैं?

(a) केरल (b) महाराष्ट्र
(c) मध्य प्रदेश (d) उत्तर प्रदेश

SSC CHSL 10/08/2021 (Shift-II)

Ans. (b): अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र में औरंगाबाद के पास, बाघोरा नदी के पास सहयाद्रि पर्वतमाला (पश्चिमी घाट) में रॉक–कट गुफाओं की एक श्रृंखला के रूप में स्थित है। इसमें कुल 29 गुफाएँ (सभी बौद्ध) हैं। जिनमें से 25 को विहार या आवासीय गुफाओं के रूप में जबकि 5 को चैत्य या प्रार्थना हॉल के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

268. निम्न में से कौन-सा स्तूप स्थल उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित नहीं है?

(a) भरहूत (b) चौखंडी
(c) धामेक (d) रामभर

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)

Ans. : (a) चौखण्डी, धमेख, रामभर स्तूप स्थल उत्तर प्रदेश में स्थित है। जबकि भरहुत स्तूप स्थल मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्थित है। इसकी खोज भारतीय पुरातत्व के जनक एलेक्जेंडर कनिघंम ने 1874 में की थी। भरहुत स्तूप मगध साम्राज्य के मध्य प्रान्त के एक छोर पर स्थित था। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों का मानना है कि जिस स्थान पर ये स्तूप है वह उस युग के प्रमुख राजमार्ग का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था।

269. निम्न में से कौन-सा बौद्ध स्तूप की वास्तुकला से संबंधित है?

(a) गोपुरम (b) हरमिका
(c) मंडपम (d) गर्भगृह

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)

Ans. : (b) हरमिका बौद्ध स्तूप की वस्तुकला से संबंधित है। अंड के ऊपर बने छज्जे जैसा ढाँचा ईश्वर निवास का प्रतीक था। इसे हरमिका कहा गया। इसमें बौद्ध अथवा अन्य बोधिसत्वों के अवशेष रखे जाते थे। गोपुरम या गोपुर (जिसे विमान भी कहते है) एक स्मारकीय अट्टालिका होती है, प्रायः शिल्प से सज्जित एवं अधिकतर दक्षिण भारत के मन्दिरों के द्वार पर स्थित होता है।

270. बाघ की गुफाएँ, जो भारतीय शैल निर्मित स्थापत्य वास्तुकला (रॉक-कट आर्किटेक्चर) का अद्भुत नमूना है, ...में स्थित हैं।

(a) बिहार (b) छत्तीसगढ़
(c) पंजाब (d) मध्य प्रदेश

SSC MTS 22/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : बाघ की गुफाएँ मध्य प्रदेश में धार जिले में स्थित विंध्य पर्वत श्रेणी पर अवस्थित हैं। बाघ की गुफाएँ अजंता की गुफाओं की तुलना में अधिक सांसारिक और मानवीय हैं। इनकी संख्या नौ है तथ सभी विहार गुफाएँ है।

271. होयसलेश्वर मंदिर निम्न में से किस राज्य में स्थित है?

(a) कर्नाटक (b) पश्चिम बंगाल
(c) ओडिशा (d) /तमिलनाडु

SSC CHSL 13/04/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : होयसलेश्वर मंदिर, भगवान शिव को समर्पित कर्नाटक के हलेबिड नामक स्थान पर स्थित है। इसका निर्माण 12वीं शताब्दी में राजा नरसिंह प्रथम के काल में हुआ था।

272. भीमा देवी को समर्पित प्राचीन मंदिर कहाँ स्थित है ?

(a) धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश (b) कौसानी, उत्तराखंड
(c) तंजावुर, तमिलनाडु (d) पिंजौर, हरियाणा

SSC GD 02/12/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : उत्तर भारत के खजुराहो उपनाम से जाना जाने वाला भीमा देवी मन्दिर पिंजौर, हरियाणा में अवस्थित है। यह मन्दिर 8 वीं से 11 वीं शताब्दी के बीच गुर्जर प्रतिहार शासकों द्वारा बनवाया गया था।

273. भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी चूना पत्थर की गुफा है?

(a) बोर्रा गुफाएं (b) उंदावल्ली गुफाएं
(c) वराह गुफा (d) भीमबेटका गुफाएं

SSC CHSL 24/05/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : बोर्रा आंध्रप्रदेश के अराकू घाटी में अनंतगिरि पहाड़ियों के बीच स्थित देश की सबसे प्राचीन गुफाओं में एक मानी जाती है। यह गुफा लगभग 705 मी. की ऊँचाई पर स्थित चूना पत्थर से बनी है।

274. निम्नलिखित में से किस राज्य में प्रसिद्ध चित्रदुर्ग किला स्थित है?

(a) राजस्थान (b) तमिलनाडु
(c) केरल (d) कर्नाटक

SSC CHSL 19/04/2021 (Shift-III)

Ans. (d): चित्रदुर्ग किला कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में स्थित एक उल्लेखनीय स्मारक है। इस किले का निर्माण राजवंशीय शासकों ने किया था, जिसमें राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल और चित्रदुर्ग के नायक शामिल थे।

275. निम्नलिखित में से कौन सा किला काकतीय राजवंश द्वारा बनवाया गया था?

(a) पन्हाला (b) रायगढ़
(c) नीमराना (d) गोलकोंडा

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से 11 किमी. पश्चिम में स्थित 'गोलकोंडा का किला' काकतीय राजवंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था।

276. कौन-सी गुफाएँ बौद्ध धर्म, हिन्दू धर्म और जैन धर्म के धार्मिक कला की सांस्कृतिक मिश्रण है?

(a) अजंता (b) एलोरा
(c) एलीफेंटा (d) बादामी

(SSC 10+2 CHSL 21.01.17, 10 am)

Ans : (b) एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है। यहाँ कुल 34 गुफा मन्दिरों का निर्माण किया गया, जिसमें 1 से 12 तक बौद्धों तथा 13 से 29 तक हिन्दुओं तथा 30 से 34 तक जैनों की गुफाएँ हैं। यह राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा निर्मित है। एलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मन्दिर (गुहा मन्दिर) का निर्माण राष्ट्रकूट शासक कृष्ण प्रथम द्वारा करवाया गया था। वर्ष 1983 में इन्हें यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत धरोहर की सूची में शामिल किया गया।

277. कर्दांग मठ निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?

(a) पश्चिम बंगाल (b) सिक्किम
(c) कर्नाटक (d) हिमाचल प्रदेश

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-I)

Ans : (d) कर्दांग मठ बौद्ध धर्म का एक प्रसिद्ध स्थल है यह हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में स्थित है। यह मठ चन्द्रभागा नदी के तट पर समुद्र तल से 3500 मीटर ऊँचा है। यह मठ अपनी आकर्षक वास्तुकला, भित्ति चित्रों, थनगास चित्रों तथा उपकरणों के संग्रह के लिये जाना जाता है।

278. तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और बारहवीं शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधि से संबंधित वह स्थान..... है जो बौद्ध कला और वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने के लिए प्रसिद्ध है।

(a) सतना (b) विदिशा
(c) साँची (d) देवास

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans : (c) तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और बारहवीं शताब्दी ईस्वी के बीच की अवधि से सम्बन्धित वह स्थान 'साँची' है, जो बौद्ध कला और वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने के लिए प्रसिद्ध है। साँची मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में बेतवा नदी के तट पर स्थित एक छोटा सा गाँव है।

279. फोडोंग मठ ..... में स्थित है।

(a) सिक्किम (b) बिहार
(c) लद्दाख (d) मध्य प्रदेश

SSC CHSL 12/04/2021 (Shift-III)

Ans. (a) फोडोंग मठ सिक्किम, के छः प्रमुख मठों मे से एक बौद्ध मठ है। जो गंगटोक से 38 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सिक्किम के चौथे राजा चोग्याल ग्युरमेड नामग्याल द्वारा इस मठ की स्थापना 18वीं सदी में की गई थी।

280. प्रसिद्ध तवांग मठ निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?

(a) असम (b) सिक्किम
(c) आंध्र प्रदेश (d) अरुणाचल प्रदेश

SSC GD 09/12/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : तवांग मठ अरुणाचल प्रदेश में स्थित है। यह भारत में स्थित सबसे बड़ा बौद्ध मठ है तथा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मठ है। कुछ अन्य प्रमुख मठ निम्न राज्यों में स्थित है–

हेमिस मठ	-	जम्मू कश्मीर
ताबो मठ	-	हिमाचल प्रदेश
बैलकुप्पे मठ	-	कर्नाटक
धूम मठ	-	पश्चिम बंगाल

281. एलोरा की गुफाओं में कितने मठ और मंदिर हैं?

(a) 33 (b) 32
(c) 34 (d) 31

SSC CHSL 12/04/2021 (Shift-III)

Ans. (c) एलोरा की गुफाएं महाराष्ट्र की सह्याद्रि पर्वतमाला में अजन्ता की गुफाओं से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित है। यहाँ 34 गुफाओं का एक समूह है। जिनमें 17 ब्राह्मण, 12 बौद्ध और 5 जैन धर्म से संबंधित हैं। इसका निमार्ण राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा की गई थी। इन गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्को ने विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।

282. राजस्थान के माउंट आबू में स्थित दिलवाड़ा मंदिर किस धर्म से संबंधित है?

(a) जैन (b) सिख
(c) हिंदू (d) बौद्ध

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I
SSC CGL (TIER-1) 01-09-2016, 10 am

Ans. (a) : राजस्थान के माउण्ट आबू में स्थित दिलवाड़ा का प्रसिद्ध मन्दिर जैन समुदाय का तीर्थस्थल है। इस मन्दिर का निर्माण सोलंकी शासक भीमदेव प्रथम का मंत्री विमलशाह ने वास्तुपाल एवं तेजपाल से संगमरमर का बनवाया था। इस मन्दिर के गर्भगृह में ऋषभदेव (आदिनाथ) की मूर्ति है जिनकी आँखे हीरे की है।

283. कामाख्या मंदिर ..... में स्थित है।

(a) गुवाहाटी (b) कोहिमा
(c) इम्फाल (d) अगरतला

SSC MTS 05/10/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : असम के गुवाहाटी में नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या मन्दिर 51 शक्तिपीठो में से एक है। देवी कामाख्या को सिद्ध कुबजिका के रूप में भी जाना जाता है। इनकी पहचान काली और महा त्रिपुर सुन्दरी के रूप में भी है। मन्दिर में कोई मूर्ति नही है और देवी की पूजा योनि जैसे पत्थर के रूप में की जाती है।

284. एलिफेंटा की गुफाएँ, मुख्य रूप से निम्नलिखित में किस देवता को समर्पित हैं?

(a) भगवान शिव (b) भगवान कृष्ण
(c) भगवान राम (d) भगवान गणेश

SSC MTS 26/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : एलीफेंटा की गुफाएँ मुंबई के एलीफेंटा द्वीप पर स्थित है, जिसे धारापुरी द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। एलिफेंटा गुफाओं का निर्माण 5वीं से 6वीं शताब्दी ईस्वी के मध्य में हुआ था, जो मुख्य रूप से 'भगवान शिव' को समर्पित हैं।

285. नागर (Nagara)' मंदिरों में आमतौर पर वास्तुकला की _____ शैली होती है।

(a) दक्षिण भारत (b) पूर्व भारतीय
(c) उत्तर भारतीय (d) मिश्रित

SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : मन्दिर स्थापत्य की नागर शैली का विकास हिमालय से लेकर विंध्य क्षेत्र तक हुआ। नागर स्थापत्य के मन्दिर मुख्यतः नीचे से ऊपर तक आयताकार रूप में निर्मित होते हैं। सामान्यतः उत्तर भारतीय मन्दिर शैली में मन्दिर एक वर्गाकार गर्भ गृह, स्तम्भों वाला मण्डप तथा गर्भ गृह के ऊपर एक रेखीय शिखर से संयोजित होता है। शिखर का सबसे महत्वपूर्ण भाग सबसे ऊपर लगा आमलक होता है, जो उत्तर भारत के मन्दिरों की मुख्य पहचान है।

286. भारत के किस भाग में जैन धर्म के दिलवाड़ा मंदिर स्थित हैं?

(a) माउंट आबू (b) जयपुर
(c) भुवनेश्वर (d) इंदौर

SSC CHSL 18/03/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

287. गोवर्धन मठ निम्न में से किस स्थान पर स्थित है?

(a) पुरी (b) बद्रीनाथ
(c) द्वारका (d) श्रृंगेरी

SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-I)

Ans. : (a) गोवर्धन मठ भारत के पूर्वी भाग में ओडिशा राज्य के पुरी नगर में स्थित हैं। इस मठ का संबंध जगन्नाथ (भगवान विष्णु) मंदिर से है। यहाँ प्रत्येक वर्ष आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा निकाली जाती है। यह रथयात्रा पुरी का प्रधान पर्व भी है।

288. मशहूर लिंगराज मंदिर किस शहर में स्थित है?

(a) भोपाल (b) भुवनेश्वर
(c) कोलकाता (d) उज्जैन

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : लिंगराज मंदिर ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर जिले में स्थित है। यह भगवान शिव की समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण देउल शैली में किया गया है।

289. मशहूर भारतीय मठो के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?

(a) तवांग-अरुणांचल प्रदेश (b) की-हिमाचल प्रदेश
(c) रूमटेक-सिक्किम (d) घूम-जम्मू और कश्मीर

SSC MTS 19/08/2019 (Shift-I)

Ans. (d) : भारत के प्रसिद्ध मठ एवं उनसे संबंधित राज्यों के नाम निम्नलिखित हैं-

मठ	**राज्य**
घूम मठ	पश्चिम बंगाल
की गोम्पा मठ	हिमाचल प्रदेश
तवांग मठ	अरूणाचल प्रदेश
रूमटेक मठ	सिक्किम

अतः स्पष्ट है कि 'घूम मठ' जम्मू एवं कश्मीर में नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल में स्थित है।

290. निम्नलिखित में से कौन-सा ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र में स्थित है?

(a) महाकालेश्वर (b) बैद्यनाथ
(c) घृष्णेश्वर (d) मलिकार्जुन

SSC MTS 08/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : महाराष्ट्र के दौलताबाद से लगभग 11 किलोमीटर दूर स्थित घुमेश्वर ज्योतिर्लिंग है। इस मंदिर को घृष्णेश्वर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का जीर्णोद्वार 18वीं शताब्दी में इंदौर की महारानी पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। जबकि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग उज्जैन मध्य प्रदेश एवं वैद्यनाथ मन्दिर देवघर (झारखण्ड) में स्थित है।

291. लोकप्रिय शैल-कर्तित मूर्ति, 'गंगावतरण, भारत के निम्नलिखित में से किस स्थान पर पाई जाती है?

(a) तंजौर (b) महाबलीपुरम्
(c) मदुराई (d) माउंट आबू

SSC JE Mechanical - 25/09/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : तमिलनाडु राज्य का महाबलीपुरम् स्थान अपने पुरातन मंदिरों तथा स्थापत्य कला के वैभव के लिए प्रसिद्ध है। यहां पत्थरों को तराश कर कलात्मक मंदिरों तथा गुफाओं के निर्माण का काम पल्लव राजवंश के राजाओं के समय हुआ था। महाबलीपुरम् का प्रचलित तमिल नाम मामल्लपुरम् का दूसरा रूप है, जिसका अर्थ है 'पहलवानों की नगरी'। यहां पर कई देवी देवताओं की मूर्तियों के साथ, गंगा के प्रवाह को प्रदर्शित किया गया है। ऐसी धारणा है कि अपने पूर्वजों के मोक्ष के लिए भगीरथ द्वारा की गई घोर तपस्या के बाद शिव की जटाओं के मध्य से गंगावतरण की घटना को प्रदर्शित किया गया है।

292. राजरप्पा एक शक्तिपीठ स्थल है तथा वहीं दामोदर और वेरा नदियों का संगम भी है। यह किस राज्य में स्थित है?

(a) बिहार (b) ओडिशा
(c) झारखण्ड (d) पश्चिम बंगाल

SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : राजरप्पा भारत के झारखण्ड राज्य में स्थित एक शक्तिपीठ स्थल एवं तीर्थस्थल है तथा वही दामोदर और वेरा नदियों का संगम भी है। दामोदर नदी के संगम पर स्थित माँ छिन्नमस्ति के मंदिर, असम के कामाख्या मंदिर के बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े शक्तिपीठ के रूप में विख्यात है।

293. प्राचीन भारत में गांधार शैली की कला को किस वंश ने विकसित किया था?

(a) कुषाण वंश (b) गुप्त वंश
(c) मौर्य वंश (d) चोल वंश

SSC MTS 07/08/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : कुषाण साम्राज्य के शासन के दौरान गांधार कला भारत में समृद्ध हुई। कनिष्क महानतम कुषाण कला और स्थापत्य कला के प्रसिद्ध समर्थक थे। उनके शासन काल में गांधार कला का विकास हुआ।

294. तीन विभिन्न कालों, अर्थात् मौर्य काल, गुप्त काल और मुगल काल के शिलालेखों से युक्त एक स्तंभ कहाँ स्थित है?

(a) टोपरा में (b) इलाहाबाद (प्रयागराज में)
(c) रुम्मिनदेई में (d) लौरिया नंदनगढ़ में

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-I)

Ans : (b) तीन विभिन्न कालों मौर्य काल, गुप्त काल और मुगल काल के शिलालेखों से युक्त एक स्तम्भ इलाहाबाद (प्रयागराज) में स्थित है। अशोक स्तम्भ पर तीन शासकों के लेख खुदे हुए है। इस पर मौर्य सम्राट अशोक, गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त की प्रशस्ति तथा मुगल सम्राट जहाँगीर तथा बीरबल के लेख भी मिलते हैं।

295. कोणार्क सूर्य मंदिर कहाँ स्थित है?

(a) मदुराई (b) ओड़िशा
(c) केदारनाथ (d) तिरुपति

SSC GD 18/02/2019 (Shift-III)
(SSC J.E. 04.03.17, 2:45 pm)

Ans: (b) कोणार्क का सूर्य मन्दिर (इसे अंग्रेजी में ब्लैक पैगोडा भी कहा गया है) भारत में उड़ीसा राज्य के पुरी नामक शहर में स्थित है। इस मंदिर परिसर का आकार भव्य रथ के समान है जिसमें पत्थर के नक्काशीदार पहिये स्तम्भ और दीवारें हैं। इसे गंग वंश के राजा नरसिंह देव द्वारा बनवाया गया था। इस रथ में बारह जोड़ी पहिए मौजूद हैं, साथ ही सात घोड़े भी हैं, जो रथों को खींचते हैं। यह 7 घोड़े 7 दिन के प्रतीक हैं, वहीं बारह जोड़ी पहिए दिन के 24 घण्टे के प्रतीक हैं। इसमें 8 ताड़ियां भी मौजूद हैं जो दिन के 8 पहर का प्रतीक है। इसे वर्ष 1984 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

मीनाक्षी मन्दिर–यह तमिलनाडु के मदुरै शहर में स्थित है। यह भगवान शिव और देवी पार्वती को समर्पित है।

बृहदेश्वर मन्दिर–यह मन्दिर चोल वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसका निर्माण महाराजा 'राजराज प्रथम' द्वारा करवाया गया था।

महाबोधि बिहार–यह बोधगया (बिहार) में स्थित है। यह स्थल महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़ी घटनाओं और उनकी पूजा से सम्बन्धित तथ्यों के असाधारण अभिलेख प्रदान करते हैं।

296. ओडिशा का विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर.....के द्वारा बनवाया गया था।

(a) कृषदेव राय (b) अशोक
(c) चंद्रगुप्त (d) नरसिंहदेव

(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 10 am)

Ans : (d) उपरोक्त की व्याख्या देखें।

297.महाबलीपुरम स्थित एकाश्मीय शैल मन्दिरों का प्रसिद्ध नाम क्या है?

(a) रथ (b) प्रसाद
(c) मठिका (d) गंधकुटी

SSC CGL (TIER-1) 28-08-2016, 4.15 pm
SSC CGL (TIER-1) 28-08-2016, 4.15 pm

Ans : (a) महाबलीपुरम में बने एकाश्म शैल मंदिरों को रथ नाम दिया गया। इनमें पंच पाण्डव रथ (युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव तथा द्रौपदी रथ) विशेष उल्लेखनीय है। इनका निर्माण पल्लव वंशीय शासक नरसिंह वर्मन प्रथम मामल्ल के द्वारा किया गया था, मामल्ल उपाधि के कारण इस शैली का नाम मामल्ल शैली पड़ गया। इनमें धर्मराज रथ सबसे बड़ा एवं आकर्षक है। जबकि द्रोपदी रथ सबसे छोटा है। धर्मराज रथ को द्रविड़ शैली का अग्रदूत कहा जाता है।

298. शिव गुफा कहाँ स्थित है?

(a) अजंता गुफाएँ (b) एलोरा गुफाएँ
(c) एलिफेंटा गुफाएँ (d) बादामी गुफाएँ

(SSC 10+2 CHSL 02.02.17, 10 am)

Ans : (c) शिव गुफा, एलिफेंटा की गुफाओं में स्थित है। एलिफेंटा की गुफाएं महाराष्ट्र में स्थित है। यह पौराणिक देवताओं की अत्यन्त भव्य मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। इन मूतियों में त्रिमूर्ति शिव की मूर्ति सर्वाधिक लोकप्रिय है। एलिफेंटा की गुफाएं 5 गुफाओं का सम्मिश्रण है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण शिव मूर्ति गुफा है। इसका निर्माण राष्ट्रकूटों के समय हुआ था।

299. पट्टडकल में स्थित स्मारकों का समूह.....में है।

(a) महाराष्ट्र (b) हिमाचल प्रदेश
(c) कर्नाटक (d) मध्यप्रदेश

(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 10 am)

Ans: (c) पट्टडकल कर्नाटक राज्य में स्थित है। यह भारतीय स्थापत्य कला की बेसर शैली के स्मारक समूह के लिये प्रसिद्ध है। ये मंदिर आठवीं शताब्दी में बनाए गये थे। यहाँ द्रविड़ (दक्षिण भारतीय) तथा नागर (उत्तर भारतीय या आर्य) दोनों ही शैलियों के मंदिर हैं। पट्टडकल दक्षिण भारत के चालुक्य वंश की राजधानी बादामी से 22 कि. मी. की दूरी पर स्थित हैं। चालुक्य वंश के राजाओं ने सातवीं और आठवीं शताब्दी में यहाँ कई मंदिर बनवाए।

300. भीमबेटका के रॉक शेल्टर्स किस की तलहटी में स्थित है?

(a) पश्चिमी घाट (b) अरावली रेंज
(c) विंध्य रेंज (d) पूर्वी घाट

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 02.02.17, 1.15 pm)

Ans : (c) भीमबेटका गुफाएँ भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त के रायसेन जिले में स्थित हैं। गुफाएँ चारों तरफ से विंध्य पर्वत से घिरी हुई है, जिनका संबंध पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल तथा नवपाषाणकाल से हैं। भीमबेटका गुफाएँ मध्य भारत के पठार के दक्षिणी किनारे पर स्थित विन्ध्याचल की पहाड़ियों के निचले छोर पर है। इसके दक्षिण में सतपुड़ा की पहाड़ियाँ आरम्भ हो जाती हैं।

301. चंद्रगिरि का किला 11वीं शताब्दी में बनाया गया एक ऐतिहासिक किला है, जो ..... में स्थित है।

(a) कर्नाटक (b) महाराष्ट्र
(c) मध्य प्रदेश (d) आन्ध्र प्रदेश

(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 1.15 pm)

Ans : (d) चन्द्रगिरी का किला 11वी शताब्दी में कृष्णदेव राय ने बनवाया था, जो आन्ध्र प्रदेश में अवस्थित है। चन्द्रगिरी पहाड़ी कर्नाटक में है।

302. द्रविड़ पद्धति के मंदिर के वास्तुशास्त्र का प्रतिनिधित्व किसके द्वारा होता है?

(a) विमान (b) शिखर
(c) मंडप (d) गोपुरम

(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 4.15 pm)

Ans : (a) द्रविड़ पद्धति के मंदिर का वास्तुशास्त्र का प्रतिनिधित्व मंदिर के विमान के द्वारा होता है। इस शैली के मंदिरों की प्रमुख विशेषता यह है कि ये काफी ऊँचे तथा विशाल प्रांगण से घिरे होते हैं। मंदिर में अन्दर एक गर्भगृह होता है जिसमें मुख्य देवता की मूर्ति स्थापित होती है। गर्भगृह के ऊपर टॉवर-नुमा रचना होती है जिसे शिखर या विमान कहते हैं। यह शैली दक्षिण भारत में विकसित होने के कारण द्रविण शैली कहलाती है।

303. एलीफेंटा की गुफाएं किस शहर में स्थित है?

(a) नासिक (b) कोल्हापुर
(c) पुणे (d) मुम्बई

(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 07.01.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 21.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 4.15 pm)

Ans : (d) एलीफेंटा की गुफाएं महाराष्ट्र राज्य के मुम्बई शहर मे सिथत है। यह पौराणिक देवताओं के अत्यन्त भव्य मूर्तियों के लिए विख्यात हे। इन मूर्तियों में त्रिमूर्ति शिव की मूर्ति सर्वाधिक लोकप्रिय है। यहाँ कुल सात गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में पहाड़ियों को काटकर बनाई गई मूर्तियों दक्षिण भारतीय मूर्तिकला से प्रेरित है। इसका ऐतिहातसिक नाम धारापुरी है। ऐलीफेंटा नाम पुर्तगालियों द्वारा यहाँ पर बने पत्थर के हाथी के कारण दिया गया। 1987 में यूनेस्कों द्वारा एलीफेंटा गुफाओं के विश्व धरोहर घोषित किया गया है।

304. कम्बोडिया में स्थित अंग्कोर वाट का सुप्रसिद्ध विष्णु-मन्दिर किसने बनवाया था?

(a) श्रुतवर्मन (b) सूर्यवर्मन II
(c) इन्द्रवर्मन (d) अनिरूद्ध

SSC CGL (TIER-1) 11-09-2016, 4.15 pm

Ans : (b) अंकोरवाट मंदिर का निर्माण (कंबोडिया) के शासक सूर्यवर्मन II द्वारा 12वीं शताब्दी के प्रारंभ में अपनी राजधानी यशोधरापुर में कराया गया था। यह मंदिर विश्व का सबसे बड़ा हिंदू (विष्णु का) मंदिर है।

305. दक्षिण भारत का ज्ञान सरस्वती मंदिर कहाँ स्थित है?

(a) पुडुचेरी (b) तिरुनेलवेली
(c) त्रिशूर (d) बासर

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-II)

Ans. (d) : दक्षिण भारत का ज्ञान सरस्वती मंदिर वर्तमान में तेलंगाना राज्य के निर्मल जिले के बासर गांव में स्थित भारत का एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। यह मंदिर सफेद पत्थरों से निर्मित है जिसमें माँ सरस्वती की चार फुट ऊँची भव्य प्रतिमा स्थापित है। निर्मल जिले के बासर गांव में स्थित यह मंदिर दक्षिण भारत की गंगा कहलाने वाली गोदावरी नदी के तट पर स्थित है।

306. ओडिशा में 'जौगढ़' में कौन सा ऐतिहासिक स्थल स्थित है?

(a) मौर्य साम्राज्य का प्राचीन कलाकृति स्थल
(b) गुप्त वंश का शाही अर्द्धवृत्ताकार प्रेक्षागृह
(c) बंगाल के नवाबों का महल
(d) अशोक का शिला अभिलेख स्थल

SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)

Ans : (d) भारत में शिलालेख का प्रचलन सर्वप्रथम अशोक ने किया। अशोक के अभिलेख राज्यादेश के रूप में जारी किये गए। वह पहला शासक था, जिसने अभिलेखों के द्वारा जनता को संबोधित किया। जौगढ़ शिलालेख गंजाम, उड़ीसा में है। इसकी खोज वाल्टर इलियट ने 1850 ई. में की थी।

307. उदयगिरि और खंडगिरि की प्रसिद्ध गुफाएं..... में स्थित हैं।

(a) उत्तराखंड (b) त्रिपुरा
(c) ओडिशा (d) छत्तीसगढ़

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)

Ans. : (c) उदयगिरि और खडगिरि ओडिशा में भुवनेश्वर के पास स्थित दो पहाड़ियाँ हैं। इन पहाड़ियों में आंशिक रूप से कृत्रिम गुफाएँ हैं जो पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व की हैं। 'हाथीगुफा शिलालेख' में इनका वर्णन 'कुमारी पवर्त' के रूप में मिलता है। उदयगिरि में 18 गुफाएं हैं और खंडगिरि में 15 गुफाएँ हैं।

308. किस मंदिर के पास चारुपल्लम, 'विलेज ऑफ इंक्लाइन' स्थित है?

(a) जगन्नाथ पुरी (b) तिरुपति मंदिर
(c) राजराजेश्वर मंदिर (d) कोणार्क मंदिर

SSC MTS 09/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : चारूपल्लम 'झुकाव का गाँव' राजराजेश्वर मन्दिर के पास स्थित है। राजराजेश्वर मन्दिर एक शिव मंदिर है।

309. निम्नलिखित में से कौन-सा मंदिर राष्ट्रकूट राजवंश द्वारा बनाया गया है?

(a) कैलाश मंदिर (b) आदि कुंबेश्वरर
(c) बृहदेश्वर मंदिर (d) चेन्नेकेश्वा मंदिर

SSC MTS 02/08/2019 (Shift-I)

Ans. (a): एलोरा के कैलाश मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूट वंश के शासक कृष्ण प्रथम ने करवाया था। यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में है।

310. तमिलनाडु में स्थित कपीलेश्वर मंदिर किस भारतीय देवता को समर्पित है?

(a) विष्णु (b) दुर्गा
(c) ब्रह्मा (d) शिव

SSC MTS 19/08/2019 (Shift-I)

Ans. (d): तमिलनाडु के कपिलेश्वर मंदिर में भगवान 'शिव' की पूजा होती है। यह दक्षिण भारत के सबसे पुराने और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह मंदिर चेन्नई शहर के मयलापुर में स्थित है। कपालेश्वर मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में पल्लवों द्वारा किया गया था।

311. निशुम्भसूदिनी देवी का मन्दिर ——— द्वारा बनवाया गया था।

(a) पल्लव (b) चोल
(c) गुप्त राजवंश (d) मुट्टियार

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : 9 वीं शताब्दी में चोल वंश पल्लवो के ध्वंसावशेषों पर स्थापित हुआ। इस वंश के संस्थापक विजयालय (850-871 ई.) थे। जिसकी राजधानी तंजावुर थी। विजयालय ने 'नरकेसरी' की उपाधि धारण की और 'निशुम्भसूदिनी देवी' का मन्दिर बनवाया।

312. भारत के किस राज्य में अजंता और एलोरा की गुफाएँ स्थित हैं?

(a) गोवा (b) मध्य प्रदेश
(c) बिहार (d) महाराष्ट्र

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-II)

Ans. (d) : अजंता तथा एलोरा की गुफायें महाराष्ट्र में पश्चिमी घाट में अवस्थित है। अजंता की गुफा बाधोरा नदी घाटी में अवस्थित रॉक-कट गुफाओं की एक श्रृंखला के रूप में स्थित है। इसमें कुल 29 गुफायें (सभी बौद्ध) है। इन गुफाओं का विकास 200 ई. पू. में 700 ई. के मध्य हुआ था। अजन्ता की गुफाओं में लाल रंग की प्रचुरता है। इन चित्रों में सामान्यतः बुद्ध और जातक कहानियों को प्रदर्शित किया गया है। ऐलोरा की गुफाओं में कुल 34 गुफाओं का एक समूह है, जिसके 17 ब्राह्मण, 12 बौद्ध तथा 5 जैन धर्म से संबंधित है। इन दोनों गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्को ने विश्व विरासत सूच में शामिल किया है।

313. छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के चैतुरगढ़ किले में स्थित प्रसिद्ध और अद्भुत मंदिर का नाम क्या है?

(a) आदिशंकराचार्य मंदिर (b) वराहमूर्ति मंदिर
(c) युधिष्टिर मंदिर (d) महिषासुरमर्दिनी मंदिर

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : महिषासुर मर्दिनी गुफा मामल्लपुरम पहाड के दक्षिणी छोर पर स्थित है। मन्दिर में भगवान शिव और देवी पार्वती जी के बीच विराजमान भगवान मुरुगन की मूर्ति है। मन्दिर में प्राचीन हिन्दू महाकाव्यों, पुराणो के दृश्यों को दर्शाया गया है। गुफा मन्दिर 7वीं शताब्दी का है, जिसका निर्माण पल्लव वंश के काल में किया गया।

314. विश्व प्रसिद्ध बोरोबुदुर मंदिर कहाँ स्थित है?

(a) वियतनाम (b) इंडोनेशिया
(c) कंबोडिया (d) जापान

SSC MTS 08/08/2019 (Shift-III)

Ans. (b) : बोरोबुदुर मंदिर परिसर दुनिया के सबसे महान बौद्ध स्मारकों में से एक है, और इसे 8वी और 9वीं शताब्दी इस्वी में शैलेन्द्र राजवंश के शासन काल के दौरान बनाया गया था। यह स्मारक इंडोनेशिया के जावा द्वीप के मध्य जावा के दक्षिणी भाग मे केडू घाटी में स्थित है।

315. मीनाक्षी मंदिर किस राज्य में स्थित है?

(a) आंध्र प्रदेश (b) केरल
(c) तमिलनाडु (d) कर्नाटक

SSC MTS 19/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : मीनाक्षी मंदिर तमिलनाडु राज्य के मदुरै शहर में स्थित एक प्रसिद्ध मंदिर है। इस मंदिर को मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर या मीनाक्षी अम्मान मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मन्दिर भगवान शिव तथा देवी पार्वती को समर्पित है।

316. बिरजा मंदिर, राजरानी मंदिर और समलेश्वरी मंदिर, सभी ——— में स्थित हैं।

(a) असम (b) तमिलनाडु
(c) केरल (d) ओडिशा

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : बिरजा मंदिर, राजरानी मंदिर और समलेश्वरी मंदिर, सभी ओडिशा में स्थित है। ओडिशा के अन्य मंदिरो में पुरी का जगन्नाथ मंदिर और कोणार्क का सूर्य मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। आधुनिक ओडिशा राज्य की स्थापना 1 अप्रैल, 1936 को भारत के एक राज्य के रूप में हुई।

317. महाबलीपुरम में पंच रथों में से चार रथ-'धर्मराज (युधिष्ठिर) रथ', 'भीम रथ', 'अर्जुन रथ' और 'नकुल सहदेव रथ' हैं। पाँचवें रथ का क्या नाम है?

(a) भीष्म रथ (b) कृष्ण रथ
(c) कर्ण रथ (d) द्रौपदी रथ

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 05/03/2020 (Shift-II)

Ans. (d) : महाभारत के पात्रों के नामों पर पल्लव वंशी राजाओं ने 7वीं शताब्दी में राजा महेन्द्रवर्मन तथा उनके पुत्र नरसिंहवर्मन प्रथम (630–668 ई.) ने सप्त रथों का निर्माण करवाया था। जो निम्न हैं- 1. धर्मराज रथ (युधिष्ठिर रथ) 2. भीम रथ 3. अर्जुन रथ 4. नकुल सहदेव रथ तथा 5. दौपद्री रथ 6. गणेश रथ 7. पिडारि (ग्राम्य देवी) रथ 8. वलैयंकुट्टै रथ।

318. धर्मराज रथ स्मारक कहाँ स्थित है?

(a) सुचिंद्रम में (b) कांचीपुरम में
(c) महाबलीपुरम में (d) खजुराहो में

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-I)

Ans : (c) धर्मराज रथ तमिलनाडु राज्य के महाबलीपुरम के दक्षिणी सिरे पर स्थित है। महाबलीपुरम में आठ रथ है, जिनमें से पाँच को महाभारत के पात्र पाँच पाण्डवों और एक द्रोपदी के नाम पर रखा गया है। इन पाँच रथों को धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, नकुल रथ और सहदेव रथ कहते है। इनका निर्माण बौद्ध और विहास शैली तथा चैत्यों के अनुसार किया गया है। इन रथों का निर्माण 7वीं शताब्दी में पल्लव राजा द्वारा करवाया गया था।

319.रणकपुर में स्थित प्रसिद्ध मंदिर एक..... मंदिर है।

(a) शिव (b) जैन
(c) कृष्ण (d) राम

(SSC 10+2 CHSL 08.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) राजस्थान के पाली जिले के रणकपुर में विश्व प्रसिद्ध जैन मन्दिर अवस्थित है। यहाँ के मन्दिरों का निर्माण पन्द्रहवीं शताब्दी में महाराणा कुम्भा की प्रेरणा से उनके मंत्रियों, हिन्दू एवं जैन धर्मावलम्बियों ने किया था। रणकपुर के मुख्य मन्दिर का निर्माण पोखाल जाति के धर्मानुरागी ''धन्नाशाह'' और रत्नाशाह द्वारा करवाया गया था। यहाँ का प्रमुख मन्दिर चौमुखा मन्दिर कहलाता है। इस मन्दिर में प्रतिष्ठित तीर्थङ्कर आदिनाथ की प्रतिमा चार मुख मण्डलों से युक्त बनायी गयी है। यहाँ आठवीं शताब्दी में निर्मित किया गया एक विशाल सूर्य मन्दिर भी अवस्थित है।

320. कंदारिया महादेव मंदिर निम्न में से कहाँ स्थित है?

(a) देवगढ़ (b) औरंगाबाद
(c) मोढेरा (d) खजुराहो

SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : कंदारिया महादेव मंदिर जिसका अर्थ है ''गुफा का महान देवता'', मध्य प्रदेश के खजुराहो में पाये जाने वाले मध्ययुगीन मंदिर समूह में सबसे अलंकृत हिंदू मंदिर है। कंदरिया महादेव मंदिर धंगदेव के शासन काल के दौरान बनाया गया था।

321. प्राचीन नीमाराना बावड़ी राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में स्थित है?

(a) बीकानेर (b) जयपुर
(c) अलवर (d) अजमेर

SSC MTS/Havaldar– 11/07/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : प्राचीन नीमाराना बावड़ी राजस्थान के अलवर जिले में स्थित है। राजपूत स्थापत्य कला और जल संरक्षण का महत्व बताने वाली नीमाराना बावड़ी अब राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों में शामिल होगी। 9 मंजिला बावड़ी राजस्थान की महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में से एक है। नीमाराना बावड़ी का निर्माण 18वीं शताब्दी में ठाकुर जनक सिंह ने किया था।

ii. प्राचीन कालीन साहित्य (Ancient Period Literature)

322. निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक रोमन लेखक वरिष्ठ प्लिनी (Pliny the Elder) द्वारा लिखी गई थी?

(a) पेरिप्लस ऑफ दि एरिथ्रियन सी
(b) जियोग्राफिका
(c) नेचुरल हिस्ट्री
(d) इंडिका

SSC CGL (Tier-II) – 03/03/2023

Ans. (c) :

पुस्तक		लेखक
नेचुरल हिस्ट्री	-	प्लिनी
इंडिका	-	मेगस्थनीज
जियोग्राफिका	-	स्ट्रेबो
पेरिप्लस आफ द एरिथ्रियन सी	-	अज्ञात व्यक्ति

323. प्राचीन भारत के सबसे प्रसिद्ध विधिक ग्रंथों में से एक, मनुस्मृति ..... में लिखा गया है।

(a) प्राकृत (b) हिंदी
(c) संस्कृत (d) पाली

SSC JE CIVIL 09/10/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : प्राचीन ग्रंथ मनुस्मृति भारत के सबसे प्रसिद्ध विधिक ग्रंथों में एक है, जिसको मनु ने मानव जाति के आचार संहिता और सामाजिक व्यवस्था के बारे में विस्तृत वर्णन किया है। यह संस्कृत भाषा में लिखा गया है, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद 'सर विलियम जोंस' ने किया था। इस ग्रंथ में कुल 12 अध्याय हैं।

324. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक राजा हर्षवर्धन द्वारा नहीं लिखी गई थी?

(a) नागानंद (b) प्रियदर्शिका
(c) रत्नावली (d) अमुक्तमाल्यद

SSC MTS– 08/05/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : नागानंद, प्रियदर्शिका, रत्नावली ये सभी पुस्तकें राजा हर्षवर्धन द्वारा लिखी गयी थी, जबकि अमुक्तमाल्यद पुस्तक के लेखक राजा कृष्णदेवराय थे।

325. 12वीं शताब्दी ईस्वी में लिखी गई पुस्तक 'राजतरंगिणी' किस राज्य के इतिहास के बारे में है?

(a) बंगाल (b) असम
(c) सिंध (d) कश्मीर

SSC CHSL (Tier-1) – 10/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : 12वीं शताब्दी ईस्वी में कल्हण द्वारा लिखी गई पुस्तक 'राजतरंगिणी' में कश्मीर राज्य के इतिहास का वर्णन है। उन्होंने राजतरंगिणी (संस्कृत भाषा में) को 1148 ई. में लिखना आरम्भ करके तीन वर्षों में पूरा किया। इसमें 8 तरंग हैं, जिनमें 8वाँ तरंग ग्रंथ का प्रायः अर्धभाग है।

326. निम्नलिखित में से किसने 'इंडिका' लिखी थी, जिसमें मौर्य राजवंश के शासन के समय के भारत का वर्णन था।

(a) डियोडोरस सिकुलस (b) मेगस्थनीज
(c) स्ट्रैबो (d) प्लिनी

SSC CGL (Tier-1)– 19/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : मेगस्थनीज द्वारा लिखित पुस्तक इंडिका में मौर्य वंश के शासन के समय के भारत का वर्णन है। टॉलमी ने भूगोल, प्लिनी का नेचुरल हिस्टोरिका प्रमुख पहली सदी के प्रमुख लेखक हैं। लगभग इसी समय स्ट्रैबो ने ज्योग्राफिका की रचना की थी।

327. दंत कथाओं के संग्रह, पंचतंत्र की रचना किसने की थी?

(a) जय देव (b) विष्णु शर्मा
(c) रूमी (d) अमर सिंह

SSC MTS– 16/05/2023 (Shift-II)
(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 4.15 pm)

Ans. (b) : दंत कथाओं के संग्रह, पंचतंत्र की रचना विष्णु शर्मा ने की थी। अन्य रचनाकारों की प्रसिद्ध रचनाएँ निम्नलिखित हैं–

रचनाकार	रचना
जयदेव	गीतगोविन्द
रूमी	मसनवी-ए-मनावी
अमर सिंह	अमरकोश

328. पंपा द्वारा रचित ग्रंथ 'विक्रमार्जुन विजय' निम्नलिखित में से किस भाषा में लिखा गया है?

(a) कन्नड़ (b) तमिल
(c) तेलुगु (d) संस्कृत

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : विक्रमार्जुन विजय (शक्तिशाली अर्जुन की विजय), जिसे पम्पा भरत के नाम से भी जाना जाता है, 10वीं शताब्दी के जैन कवि पम्पा की उत्कृष्ट कृति है। यह व्यास के महाकाव्य महाभारत का कन्नड़ संस्करण है।

329. प्राचीन भारत के किस कवि ने मेघदूत की रचना की थी?

(a) कालिदास (b) व्यास
(c) रविकीर्ति (d) हरिषेण

SSC CHSL (Tier-1) – 15/03/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : प्रमुख भारतीय लेखक एवं उनकी रचना

कालिदास	मेघदूत, रघुवंशम, कुमारसंभवम्
महर्षि व्यास	महाभारत
हरिषेण	प्रयाग प्रशस्ति
रविकीर्ति	ऐहोल प्रशस्ति

330. मेगस्थनीज की पुस्तक इंडिका में भारतीय समाज के कितने वर्गों का उल्लेख है?

(a) 7 (b) 12
(c) 5 (d) 10

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : 'इंडिका' ग्रीक राजदूत मेगस्थनीज द्वारा लिखित एक पुस्तक है। इस पुस्तक में मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को 7 वर्गों में बाँटा हैं।

→ ग्रीक शासक सेल्यूकस द्वारा मेगस्थनीज को चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया था।

→ मेगस्थनीज मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र में रहा और अपने प्रवास के दौरान 'इंडिका' लिखा। यह भारतीय इतिहास जानने का महत्वपूर्ण स्रोत है।

331. निम्नलिखित में से किस शास्त्र में भरतनाट्यम की सैद्धांतिक नींव पाई गई है?

(a) वैमानिक शास्त्र (b) नाट्य शास्त्र
(c) धर्म शास्त्र (d) अर्थ शास्त्र

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-III)

Ans. (b) : नाट्यशास्त्र में भरतनाट्यम् की सैद्धांतिक नीव पायी जाती है। नाट्यशास्त्र की रचना भरतमुनि ने 200 ई.पू. से 200 ई. के बीच किया था। इसे पाँचवाँ वेद भी कहा जाता है।

332. निम्नलिखित में से कौन हर्षवर्धन के दरबारी कवि और 'हर्षचरित' के लेखक थे?

(a) बाणभट्ट (b) कालिदास
(c) राजशेखर (d) आर्यभट्ट

SSC GD – 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : 'हर्षचरित' सातवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में बाणभट्ट द्वारा रचित एक ग्रन्थ है। इसमें भारतीय सम्राट हर्षवर्धन का जीवन चरित वर्णित है, ऐतिहासिक कथानक से सम्बन्धित यह संस्कृत का सबसे प्राचीन ग्रन्थ है।

333. पूर्व मीमांसा स्कूल ऑफ फिलॉसफी की स्थापना प्राचीन भारत में _____ द्वारा की गई थी।

(a) कपिल (b) पतंजलि

(c) व्यास (d) जैमिनी

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-III)

Ans. (d): पूर्व मीमांसा स्कूल ऑफ फिलासफी की स्थापना प्राचीन भारत में जैमिनी द्वारा की गई थी। यह दर्शन न्याय-वैशेषिक प्रणालियों को शामिल करता है और वैध ज्ञान की अवधारणा पर जोर देता है। इसके अनुसार वेद शाश्वत है और सभी ज्ञान से युक्त है।

334. निम्न में से किस कवि ने प्रयाग प्रशस्ति की रचना संस्कृत में की थी?

(a) हरिषेण (b) तानसेन

(c) माघ (d) कालिदास

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I

Ans. (a) : प्रयाग प्रशस्ति की रचना कवि हरिषेण द्वारा की गई थी, जो समुद्रगुप्त के दरबारी कवि और मंत्री थे। इस प्रशस्ति की भाषा संस्कृत तथा लिपि ब्राह्मी है, जबकि इसकी शैली चम्पू काव्य की तरह है। साथ ही इस अभिलेख पर सम्राट अशोक, समुद्रगुप्त, बीरबल तथा जहाँगीर के लेख हैं।

335. दो महाकाव्य, 'रघुवंश' और 'कुमारसंभवम'____ द्वारा रचित कृतियां हैं।

(a) वाल्मीकि (b) रामदास

(c) शिवानंद (d) कालिदास

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-III)
SSC JE Electrical 10/10/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : प्रमुख रचना एवं उनके रचनाकारः-

रचना	रचना कार
* रघुवंशम्, कुमारसंभवम् ऋतुसंहारम, मेघदूतम्	कालिदास
* मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
* चारूदत्तम	भास
* किरातार्जुनीयम	भारवि
* पंचसिद्धांतिका	वराहमिहिर
* पंचतंत्र	विष्णु शर्मा

336. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रंथ, कश्मीर के इतिहास का सबसे विस्तृत विवरण देता है?

(a) ऋतुसंहार (b) राजतरंगिणी

(c) अभिज्ञान शाकुंतलम् (d) मेघदूतम्

SSC MTS 07/10/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी एक संस्कृत ग्रंथ है। इसमें कश्मीर के इतिहास का विस्तृत वर्णन है। इसकी रचना 1148 ई. से 1150 ई. से के बीच की गई। इसमें कुल आठ तरंग एवं लगभग 8000 श्लोक है।

337. प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन चिकित्सा के क्षेत्र में प्रसिद्ध था?

(a) बाणभट्ट (b) विशाखदत्त

(c) हरिसेन (d) चरक

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d): चरक एक महर्षि एवं आयुर्वेद विशारद के रूप में विख्यात हैं। वे कनिष्क के राजवैद्य थे। इनके द्वारा रचित 'चरक संहिता' एक प्रसिद्ध आयुर्वेद ग्रंथ है। इसमें रोगनाशक एवं रोगनिरोधक दवाओं का उल्लेख है तथा सोना, चाँदी, लोहा एवं पारा आदि धातुओं के भस्म एवं उनके उपयोग का वर्णन मिलता है।

338. अपनी साहित्यिक कृतियों के लिए प्रसिद्ध 'बाणभट्ट' किसके शासनकाल के दौरान प्रसिद्ध हुए?

(a) अशोक (b) बिंदुसार

(c) चन्द्रगुप्त II (d) हर्षवर्धन

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : बाणभट्ट सातवीं शताब्दी के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे। वह राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। उनके दो प्रमुख ग्रन्थ है- हर्षचरित तथा कादम्बरी।

339. कालिदास रचित नाटक 'अभिज्ञान शाकुंतलम' शकुंतला और राजा ____ की प्रेम कथा है।

(a) धृतराष्ट्र (b) दुशासन

(c) दुष्यंत (d) दशरथ

SSC GD 15/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : अभिज्ञान शाकुन्तलम् न केवल संस्कृत साहित्य का, अपितु विश्व साहित्य का सर्वोत्कृष्ट नाटक है। यह कालिदास की अंतिम रचना है। इसके सात अंकों में राजा दुष्यन्त और शुकन्तला की प्रणय-कथा का वर्णन है। इसका कथानक महाभारत के आदि पर्व के शकुन्तलोपाख्यान से लिया गया है।

340. प्राचीन भारतीय पाठ्य 'राजतरंगिणी' किसकी कृति है?

(a) बिल्हण (b) बाणभट्ट

(c) कल्हण (d) संध्याकर नंदी

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)
SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : राजतरंगिणी कल्हण द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रंथ है, जिसकी रचना 1148 से 1150 ई. के बीच हुई। कश्मीर के इतिहास पर आधारित इस ग्रंथ की रचना में कल्हण ने ग्यारह अन्य ग्रंथों का सहयोग लिया है, जिसमें अब केवल नीलमत पुराण ही उपलब्ध है। बाणभट्ट, हर्षवर्धन का दरबारी कवि था, इसने हर्ष चरित एवं कादम्बरी नामक पुस्तकों की रचना की थी।

341. कल्हण एक लेखक थे जिन्होंने_____के राजाओं के बारे में एक संस्कृत कविता लिखी थी।

(a) मेवाड़ (b) कश्मीर

(c) दिल्ली (d) विजयनगर

SSC GD 07/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

342. अश्वघोष निम्न में से किस राजा के दरबारी कवि थे?

(a) हर्षवर्धन (b) अशोक

(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) कनिष्क

SSC GD 14/12/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : अश्वघोष एक दार्शनिक और कवि थे जिन्हे कालिदास (5वीं शताब्दी) से पहले भारत का सबसे महान कवि और संस्कृत नाटक का जनक माना जाता है। अश्वघोष ने कनिष्क के दरबार को सुशोभित किया।

343. संस्कृत विद्वान पाणिनी द्वारा लिखित 'अष्टाध्यायी' _____ से संबंधित एक पुस्तक है।

(a) अर्थव्यवस्था (b) विधि

(c) व्याकरण (d) औषधि

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-III)

Ans. (c): संस्कृत विद्वान पाणिनी द्वारा लिखित 'अष्टाध्यायी' व्याकरण से संबंधित एक पुस्तक है।

344. प्राचीन भारत के निम्नलिखित में से किस ऋषि ने 'मीमांसा-सूत्र' लिखा था?

(a) पाणिनी (b) बदरायण

(c) चरक (d) जैमिनी

SSC CGL (Tier-I) 19/04/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : प्राचीन भारत के जैमिनी ऋषि ने 'मीमांसा-सूत्र' लिखा था। मीमांसा सूत्र, मीमांसा दर्शन का आधारभूत ग्रंथ है।

345. सी-यू-की (Si-yu-ki) या 'द रिकॉर्ड्स ऑफ द वेस्टर्न वर्ल्ड' का लेखक कौन था?

(a) फ़ाहियान

(b) अब्दुर रज्जाक

(c) मार्को पोलो

(d) ह्वेन सांग

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-II)

Ans. (d): सी-यू-की (Si-yu-ki) या द रिकॉर्ड्स ऑफ द वेस्टर्न वर्ल्ड का लेखक ह्वेनसांग था।

346. प्राचीन भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में निम्नलिखित में से किसका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है?

(a) हर्ष (b) पाणिनी

(c) चरक (d) भास

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : प्राचीन भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में चरक का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इन्होने 'चरक संहिता' नमक ग्रंथ की रचना की।

347. तमिल परंपरा के अनुसार, कवियों की सभाओं-जिन्हें 'संगम' के नाम से जाना जाता है- को कहाँ आयोजित किया गया था?

(a) मदुरै (b) महाबलीपुरम

(c) पुहार (d) अरिकामेडु

SSC JE Electrical 29.10.2020 (Shift-II)

Ans (a) : दक्षिण भारत (कृष्णा एवं तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) में लगभग तीन सौ ईसा पूर्व से तीन सौ ई. के बीच की अवधि को संगम काल के नाम से जाना जाता है, तमिल कवियों ने संगम सभाओं का आयोजन किया जिसे संगम कहा गया, आठवीं सदी में तीन संगमों का वर्णन मिलता है, प्रथम मदुरै, द्वितीय कपाटपुरम, तीसरा फिर मदुरै में आयोजित किया गया।

348. 'अमुक्त माल्यद' का लेखन किसने किया था?

(a) कृष्णदेव राय (b) ब्रह्मदेव राय

(c) बुक्का राय (d) हरिहर राय

SSC MTS 02/08/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : अमुक्त माल्यद की रचना कृष्णदेव राय ने तेलुगू भाषा में किया था। कृष्णदेव राय के दरबार में तेलुगू साहित्य के आठ सर्वश्रेष्ठ कवि रहते थे, जिन्हें 'अष्ट दिग्गज' कहा जाता था, इनके शासन काल को तेलुगू साहित्य का 'क्लासिक युग' कहा गया है।

349. अल-बिरूनी की प्रसिद्ध कृति 'किताब-उल-हिंद' ..... भाषा में एक रचना है।

(a) तुकी (b) संस्कृत

(c) उर्दू (d) अरबी

SSC JE Electrical 29.10.2020 (Shift-II)

Ans (d): अल-बेरूनी का पूरा नाम अबु रेहान मुहम्मद इब्न अहमद था। उसका जन्म 937 ई. के मध्य एशिया के उज्बेकिस्तान के ख्वारिज्य (खीवा) में हुआ था। अलबेरूनी ईरानी मूल का एक फारसी लेखक था। इसने अनेक रचनायें मातृभाषा फारसी में की। वह महमूद गजनवी के साथ भारत आया था।
इनकी अन्य कृतियाँ हैं–
किताब-उल-हिन्द (अरबी भाषा में)
अल नजूम
कानून अल मसूदी अल हैयत

350. अर्थशास्त्र _____ ने लिखा था

(a) चाणक्य (b) कालिदास

(c) हर्षवर्धन (d) वात्सायन

(SSC 10+2 CHSL 07.01.17, 10 am)

SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 1.15 pm

Ans: (a) 'अर्थशास्त्र' चाणक्य द्वारा लिखित राजनीतिशास्त्र से सम्बन्धित पुस्तक है। अर्थशास्त्र पर भट्टस्वामी ने 'प्रतिपदापंचिका' नामक टीका लिखी। चाणक्य का एक नाम कौटिल्य भी है। चाणक्य चन्द्रगुप्त मौर्य के गुरू एवं प्रधानमंत्री थे।

351. कटु सत्यता को दर्शाने वाला सामाजिक नाटक 'मृच्छकटिकम' (मिट्टी की छोटी गाड़ी) किसने लिखा था?

(a) माघ (b) रैदास

(c) शूद्रक (d) कालिदास

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : मृच्छकटिकम् (मिट्टी का खिलौना या मिट्टी की छोटी गाड़ी) नामक सामाजिक नाटक के रचनाकार 'शूद्रक' हैं।
महाकवि माघ – शिशुपालवध,
कालिदास – अभिज्ञान शाकुन्तलम, विक्रमोर्वशीयम, मालविकाग्नि-मित्रम, मेघदूतम, ऋतुसंहार आदि।

352. तमिल महाकाव्य 'शिलप्पादिकारम्' का लेखन किसने किया है?

(a) अव्वैयर (b) तिरुवल्लुवर
(c) इलंगो आदिगल (d) सतनार

SSC CHSL (Tier-I) –11/07/2019 (Shift-II)

Ans. (c) : 'शिलप्पादिकारम्' को तमिल साहित्य के प्रथम महाकाव्य के रूप में जाना जाता है। इसका शाब्दिक अर्थ है ''नूपुर की कहानी''। इस महाकाव्य की रचना चेर वंश के शासक शेनगुट्टुवन के भाई इलंगो आदिगल' ने लगभग दूसरी-तीसरी शताब्दी में की थी। इस महाकाव्य के नायक और नायिका 'कोवलन' और 'कन्नगी' है।

353. निम्नलिखित में से कौन-स एक बाणभट्ट द्वारा लिखी गई प्राचीन पुस्तक है?

(a) कादम्बरी (b) मृच्छकटिका
(c) मेघदूतम (d) गीत गोविंद

SSC MTS 05/08/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : 'कादम्बरी' के रचनाकार बाणभट्ट है। यह संस्कृत साहित्य का उपन्यास है। 'कादम्बरी' दो प्रेम कहानियों का मिश्रण है। कादम्बरी का नाम नायिका कादम्बरी के नाम पर दिया गया है। कादम्बरी को चन्द्रपीड़ और महाश्वेता को पुण्डरीक से प्रेम हो गया था और पूरी कहानी इसी के इर्द-गिर्द घूमती है। मृच्छकटिकम के रचनाकार शूद्रक, मेघदूतम् के रचनाकार कालिदास तथा गीत गोविंद के रचनाकार जयदेव है।

354. निम्नलिखित में से कौन कालिदास की रचना नहीं है?

(a) कुमारसंभव (b) कामसूत्र
(c) विक्रमोवर्शियम् (d) मेघदूत

SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : कालिदास की विभिन्न प्रमुख रचनाएँः- कुमारसम्भव, अभिज्ञानशाकुन्तलम, विक्रमोर्वशीयम्, मेघदूतम्, मालविकाग्निमित्रम्, ऋतुसंहार इत्यादि रचनाएँ हैं। उपर्युक्त विकल्प में से कामसूत्र महर्षि वात्स्यायन द्वारा रचित भारत का एक प्राचीन कामशास्त्र ग्रन्थ है। जिसमें यौन प्रेम के मनोशारीरिक सिद्धान्तों तथा प्रयोग की विस्तृत व्याख्या एवं विवेचना की गई है।

(iii) चित्रकला (Painting)

355. प्रारंभिक भारतीय इतिहास के संदर्भ में, शब्द 'एन.बी.पी.डब्ल्यू.' क्या है?

(a) समझौता प्रतिरूप
(b) मिट्टी के बर्तनों का प्रकार
(c) डेटिंग तकनीक
(d) नवपाषाण उपकरण बनाने की तकनीक

SSC JE Electrical 28.10.2020 (Shift-I)

Ans (b) : प्रारम्भिक भारतीय इतिहास के संदर्भ में NBPW का अर्थ Northern Black Polished Wore से था। मौर्यकाल में मृदभांडों (Pottery) को आमतौर पर NBPW से संदर्भित किया जाता था। यह मृदभांड अत्यधिक चमकीले एवं काले रंग में रंगे होते थे तथा इनका उपयोग विशिष्ट मदों में किया जाता था। मौर्यकाल में कौशाम्बी और पाटलिपुत्र NBPW के प्रमुख केन्द्र थे।

356. नौवीं और ग्यारहवीं शताब्दी के बीच की अवधि के दौरान बंगाल से प्रचलित मूर्तिकला की शैली को क्या कहा जाता है?

(a) नागर शैली (b) पाल शैली
(c) पंचायतन शैली (d) वेसर शैली

SSC JE CIVIL 10/10/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : 9 वीं और 11वीं शताब्दी के मध्य की अवधि के दौरान बंगाल में पालवंश के शासकों धर्मपाल और देवपाल के शासनकाल में विशेष रूप से विकसित होने वाली चित्रकला पाल शैली थी। पाल शैली की विषय वस्तु बौद्ध धर्म से प्रभावित रही है।

357. भारतीय और चीनी चित्रकारों द्वारा बौद्ध चित्रों के लिए पांचवीं और दशवीं शताब्दी के बीच पश्चिमी.....में तैलीय रंगों का इस्तेमाल किया गया था।

(a) इराक (b) अफगानिस्तान
(c) पाकिस्तान (d) भारत

(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 10 am)

Ans : (b) भारत और चीनी चित्रकारों द्वारा बौद्ध चित्रों के लिये पाँचवीं और दसवीं शताब्दी के बीच पश्चिमी अफगानिस्तान में तैलीय रंगों का इस्तेमाल किया गया था।

358. इनमें से कौन सी कथाएँ अजंता गुफा की चित्रकारी और मूर्तिकलाओं से संबंधित है?

(a) पेंटामेरॉन कथाएँ (b) पंचतंत्र की कथाएँ
(c) हितोपदेश कथाएँ (d) जातक कथाएँ

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)

Ans. (d): अजंता गुफा (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) की चित्रकारी और मूर्तिकलाओं से जातक कथाएँ संबंधित है। जातक कथाएँ भगवान बुद्ध के पूर्व जन्मों की कथायें है। इन कथाओं में मनोरंजन के माध्यम से नीति और धर्म को समझाने का प्रयास किया गया है। जातक खुद्दक निकाय का दसवॉ प्रसिद्ध ग्रन्थ है। इसे 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किया गया।
अजंता की गुफाओं में कुल 29 गुफाएँ है जिसमें से 25 को विहार तथा 4 चैत्य हैं।

17. विविध (Miscellaneous)

359. अरब यात्री सुलेमान किस शताब्दी के मध्य में भारत आया था?

(a) 15वीं (b) 11वीं
(c) 9वीं (d) 6वीं

SSC CHSL (Tier-1) – 11/08/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : अरब यात्री सुलेमान 9वीं शताब्दी के मध्य में भारत आया था तथा इसने पाल और प्रतिहार राजाओं के विषय में लिखा है।

360. बिम्बिसार ने किस राजवंश के राजा के उपचार के लिए राजवैद्य जीवक को भेजा था?

(a) काशी (b) गांधार
(c) अवंती (d) कोशल

SSC JE CIVIL 10/10/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : बिम्बिसार (544 ई. पू. से 492 ई. पू.) को जैन साहित्य श्रेणिक कहा गया है। वह मगध के पहले वंश हर्यक वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक था। उसकी राजधानी गिरिव्रज (राजगृह) थी। उसने अपने राजवैद्य जीवक को अवन्ति नरेश चण्डप्रद्योत की पीलिया (पाण्डु) नामक बीमारी को ठीक करने के लिए भेजा था।

- बिम्बिसार बौद्ध और जैन दोनों मतों का पोषक था उसी के शासनकाल के 8वें वर्ष में महात्मा बुद्ध को महापरिनिर्वाण प्राप्त हुआ था।

361. निम्नलिखित में से किस मगध सम्राट ने अंग को अपने साम्राज्य का हिस्सा बनाया था?

(a) उदयिन (b) महापद्म नंद
(c) अजातशत्रु (d) बिम्बिसार

SSC JE CIVIL 11/10/2023 (Shift-I)

Ans. (d) **:** मगध सम्राट बिम्बिसार ने ब्रह्मदत्त को हराकर अंग राज्य को मगध में मिला लिया।

- बिम्बिसार ने राजगृह का निर्माण कर उसे अपनी राजधानी बनाया।
- बिम्बिसार ने मगध पर करीब 52 वर्षों तक राज किया।
- बिम्बिसार की हत्या उसके पुत्र अजातशत्रु ने कर दी और वह 493 ई0 पू0 में मगध की गद्दी पर बैठा।

362. निम्नलिखित में से कौन सा वर्ण धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार प्राचीन भारत में लोगों की रक्षा और न्याय के प्रशासन के लिए जिम्मेदार था?

(a) शूद्र (b) क्षत्रिय
(c) ब्राह्मण (d) वैश्य

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-II)

Ans. (b): क्षत्रिय वर्ण धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार प्राचीन भारत में लोगों की रक्षा और न्याय के प्रशासन के लिए जिम्मेदार था।

363. निम्न में से कौन-सी जगह हेमिस मठ के सबसे निकट है?

(a) गंगटोक (b) दार्जिलिंग
(c) लेह (d) धर्मशाला

SSC CPO-SI 25/11/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : हेमिस मठ या हेमिस गोम्पा जम्मू और कश्मीर राज्य में लेह के दक्षिण-पूर्व दिशाा में लगभग 45 किमी. की दूरी पर स्थित है यह एक बौद्य मठ है जो लद्दाख के सभी मठों से आकर्षक और खूबसूरत है। यह मठ लगभग 12000 फुट की ऊँचाई पर सिंधु नदी के पश्चिम किनारे पर स्थित है।

364. भारतीय इतिहास में किसे 'आटविक राज्य' के रुप में सदंर्भित किया जाता है?

(a) गणतंत्र राज्य (b) दक्षिण भारतीय साम्राज्य
(c) मुगल साम्राज्य (d) वन साम्राज्य

SSC CHSL 06/08/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : आटविक वर्तमान में मध्य प्रदेश का पूर्वोत्तर तथा उत्तर प्रदेश का दक्षिण-पूर्वी भाग है और यह गुप्त वंश में था। जो वनों के आधिक्य के कारण अटवी (वन साम्राज्य) कहलाता था। कोटाटवी तथा वटाटवी इसके भाग थे। आटविक राज्य उत्तर में गाजीपुर से लेकर जबलपुर तक फैले थे।

365. निम्नलिखित में से कौन सा मंगलुरु स्थित मंदिर भगवान शिव के एक अवतार को समर्पित है?

(a) अनंत वासुदेव मंदिर (b) गुंडिचा मंदिर
(c) मुक्तेश्वर मंदिर (d) कादरी मंजुनाथ मंदिर

SSC GD 17/11/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : कादरी मंजुनाथ मंदिर कर्नाटक के मंगलुरू में स्थित एक मंदिर है जो भगवान शिव के अवतार मंजुनाथ को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 10वीं 11वीं शताब्दी के मध्य हुआ था। इसे मंगलुरू का सबसे पुराना शिव मंदिर माना जाता है।

366. निम्नलिखित यात्रियों में से कौन सा 11वीं शताब्दी में उज्बेकिस्तान से भारत आया था?

(a) फ्रेंकोइस बर्नियर (b) अल-बरुनी
(c) इब्नबतूता (d) अब्दुर रज्जाक समरकंदी

SSC CHSL 10/08/2021 (Shift-III)

Ans. (b**) :** अलबरुनी का पूरा नाम अबू रेहान मुहम्मद बिन अहमद अल-बरुनी था। अलबरुनी का जन्म 973 ई. में ख्वारिज्म (उज्बेकिस्तान) में हुआ था। यह एक फारसी विद्वान लेखक, वैज्ञानिक धर्मज्ञ था। अलबरुनी, महमूद गजनवी के साथ भारत आया था।

367. निम्न में से कौन-सा विदेशी यात्री अपने संबंधित देश के साथ मेल नहीं खाता है?

(a) मार्को पोलो- इटली
(b) अल-बेरुनी - उज़्बेकिस्तान
(c) पीटर मुंडी - चीन
(d) इब्न बत्तुता - मोरक्को

SSC CHSL 12/08/2021 (Shift-III)

Ans. (b): मार्को पोलो- एक इतालवी व्यापारी, खोजकर्ता और राजदूत था उसे एशिया पहुँचने वाला प्रथम यूरोपीय व्यक्ति माना जाता है।

अलबेरूनी- अलबेरूनी का सम्बन्ध उज्बेकिस्तान से है उन्होंने 1017 में भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा की। किताब-उल-हिन्द अलबेरूनी द्वारा लिखित अरबी पुस्तक है।

पीटर मुंडी- एक यूरोपीय दार्शनिक तथा विदेशी यात्री था जो शाहजहाँ के शासनकाल में भारत आया था।

इब्न बतूता- यह एक अफ्रीकी यात्री था, जिसका जन्म 24 फरवरी, 1304 ई. को उत्तरी अफ्रीका के मोरक्को प्रदेश के प्रसिद्ध नगर तांजियर में हुआ था। यह मुहम्मद बिन तुगलक के समय दिल्ली आया था।

368. निम्न में से कौन एक नयनार संत नहीं है?

(a) संबंदर (b) सुन्दरार
(c) अण्डाल (d) अप्पर

SSC CHSL 13/04/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : नयनार संत शिव के अग्रणी भक्त थे। इनका उद्भव मध्यकाल में मुख्यतः दक्षिण भारत के तमिलनाडु में हुआ था। कुल 63 नायनारों ने शैव सिद्धान्तों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपर्युक्त विकल्पों में अण्डाल अलवार महिला संत थी।

369. राजा आम्भी कहाँ के शासक थे ?

(a) उज्जैन (b) तक्षशिला
(c) कन्नौज (d) अयोध्या

SSC GD 02/12/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : आम्भी ई.पू. 327-26 में सिकन्दर के आक्रमण के समय तक्षशिला के राजा थे। वह पोरस का प्रतिद्वन्द्वी था, जिसका राज्य झेलम के पूर्व में था। आम्भी का राज्य सिन्धु और झेलम के बीच स्थित था।

370. निम्नलिखित में से किस राज्य में भोरमदेव मंदिर स्थित है, जहाँ प्रत्येक वर्ष मार्च के अंतिम सप्ताह में ''भोरमदेव महोत्सव'' मनाया जाता है?

(a) कर्नाटक (b) छत्तीसगढ़
(c) पश्चिम बंगाल (d) तमिलनाडु

SSC GD 16/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : भोरमदेव छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में कवर्धा से 18 कि.मी दूर तथा रायपुर से 125 कि.मी दूर चौरागाँव में स्थित एक हजार वर्ष पुराना मंदिर है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। जहाँ प्रत्येक वर्ष मार्च के अंतिम सप्ताह में 'भोरमदेव महोत्सव' मनाया जाता है।

371. निम्नलिखित में से किसने मांडू को अपनी राजधानी बनाया ?

(a) होशंग शाह (b) दिलावर खान
(c) बहमन शाह (d) मीर जाफर

SSC GD 06/12/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : माण्डू या माण्डवगढ़, धार जिले के माण्डव क्षेत्र में स्थित एक प्राचीन शहर है। यह भारत के पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में स्थित है। दिलावर खान घुरी मालवा का सूबेदार था। 1401 ई. में उसने शासन की बागडोर संभाली तथा स्वतंत्र मालवा राज्य की स्थापना की तथा उसने धार को अपनी राजधानी बनाया। उसके पुत्र तथा उत्तराधिकारी होशंग शाह ने धार को हटाकर माण्डू को अपनी राजधानी बनाया।

372. भारतीय उपमहाद्वीप के लिए प्राचीन यात्रियों जैसे कि मेगस्थनीज, फाह्यान, ह्वेन त्सांग, अल बरुनी, इब्न बतूता आदि के द्वारा भारतीय व्यापारियों के सक्रिय योगदान के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा नाम प्रयुक्त किया गया था?

(a) स्वर्ण जगत (b) स्वर्ण बेट
(c) स्वर्ण भूमि (d) स्वर्ण देश

SSC CHSL 07/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : भारतीय उपमहाद्वीप के लिए प्राचीन यात्रियों जैसे कि मेगस्थनीज, फाह्यान, ह्वेनत्सांग, अलबरुनी, इब्नबतूता आदि के द्वारा भारतीय व्यापारियों के सक्रिय योगदान के लिए स्वर्ण भूमि नाम प्रयुक्त किया गया था।

373. निम्नलिखित में से किस राजा के शासनकाल में कोणार्क का सूर्य मंदिर बना था?

(a) अनंत पद्मानभन (b) समुद्रगुप्त
(c) नरसिंहदेव-I (d) अनंतवर्मन चोडगंगा

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : नरसिंह देव-I (1238 ई.– 1263 ई.) - यह गंग वंश का सर्वाधिक विख्यात शासक था। इन्होंने ओडिशा राज्य के पुरी जिले में स्थित कोणार्क के सूर्य मन्दिर का निर्माण करवाया तथा जगन्नाथ मंदिर के निर्माण कार्य को पूर्ण किया।
मन्दिर को एक विशाल रथ के आकार में बनाया गया है। यह 'भगवान सूर्य' को समर्पित है। इसे यूनेस्को द्वारा 1984 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

374. 14वें दलाई लामा ——— में रहते हैं।

(a) धर्मशाला (b) कलिम्पोंग
(c) शिलांग (d) गंगटोक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (a) : धर्मशाला हिमांचल प्रदेश की शीतकालीन राजधानी है तथा हिमांचल प्रदेश राज्य के कांगडा जिले का मुख्यालय है। धर्मशाला के मैक्लॉडगंज उपनगर में केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन का मुख्यालय है और इसी कारण यह दलाई लामा का निवास स्थल भी है। 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष और आध्यात्मिक धर्म गुरू है।

375. तेरहवीं शताब्दी में भारत आने वाला यात्री मार्को पोलो किस देश से था ?

(a) उज़बेकिस्तान (b) इटली
(c) पुर्तगाल (d) फ्रांस

(SSC J.E. 04.03.17, 2:45 pm)

Ans : (b) तेरहवीं शताब्दी में भारत आने वाला यात्री मार्को पोलो वेनिस (इटली) का व्यापारी, खोजकर्ता और राजदूत था। इसे एशिया पहुँचने वाला प्रथम यात्री माना जाता है। प्राचीन रेशम मार्ग की यात्रा करने वालों में से यह एक था। मार्को पोलो द्वारा दक्षिण के पाण्ड्य राज्य के विषय में जानकारी मिलती है।

376. वैशेषिक दर्शन के प्रतिपादक कौन है?

(a) कपिल (b) अक्षपाद गौतम
(c) कणाद (d) पतंजलि

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-I)

Ans. (c) : प्रतिपादक		दर्शन
(1) कणाद	-	वैशेषिक दर्शन
(2) अक्षपाद गौतम	-	न्याय दर्शन
(3) कपिल	-	सांख्य दर्शन
(4) पतंजलि	-	योग दर्शन
(5) जैमिनी	-	पूर्व मीमांसा दर्शन
(6) वादरायण	-	उत्तर मीमांसा

377. पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा के लिए लगने वाले समय की गणना करने वाले प्रथम भारतीय खगोलशास्त्री कौन थे?

(a) आर्यभट्ट (b) वेद भटनागर
(c) भास्कराचार्य (d) बिशु देवतामापी

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)

Ans : (c) भास्कराचार्य या भाष्कर द्वितीय (1114-1185) प्राचीन भारत के एक प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं ज्योतिषी थे इनके द्वारा रचित मुख्य ग्रंथ 'सिद्धान्त शिरोमणि' है। जिसमे लीलावती, बीजगणित, ग्रह गणित तथा गोलाध्याय नामक चार भाग हैं। ये चार भाग क्रमशः अंकगणित, बीजगणित, ग्रहों की गति से सम्बंधित गणित तथा गोले से सम्बंधित है। इन्होंने गुरुत्वाकर्षण शक्ति की भी खोज की। खगोलविद् के रूप में भास्कर अपनी तात्कालिक गति की अवधारणा के लिए प्रसिद्ध हैं। इससे खगोल वैज्ञानिको को ग्रहों की गति का सही-सही पता लगाने में मदद मिलती है।

378. प्राचीन भारत में निम्नलिखित में से कौन सा खेल बहुत लोकप्रिय था?

(a) शतरंज (b) क्रिकेट
(c) हॉकी (d) फुटबॉल

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) शतरंज दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाने वाला एक बौद्धिक एवं मनोरंजक खेल है। यह खेल मूलतः भारत का आविष्कार है। जो प्राचीन भारत में काफी लोकप्रिय खेल था। इसका प्राचीन नाम चतुरंग था, जो भारत से अरब होते हुए यूरोप गया और फिर 15वी/16वी सदी में पूरे संसार में लोकप्रिय हो गया।

379. दक्षिण भारत के कुछ अंश में भगवान विष्णु को भगवान _____ के नाम से भी जाना जाता है।

(a) भैरव (b) रुद्र
(c) पशुपति (d) वेंकटेश्वर

(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 1.15 pm)

Ans : (d) वेंकटेश्वर स्वामी जिसे, श्रीनिवास, बालाजी, वेंकटरामण, वीक्कापलकपट्टी आदि नामें से भी जाना जाता है। गोविन्द हिन्दू देव विष्णु का ही एक रूप हैं। वेंकटेश्वर का सबसे प्रमुख मंदिर तिरूमाला वेंकटेश्वर मंदिर है, जो दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश के तिरूपति में स्थित है, भैरव रुद्र, पशुपति, भगवान शिव के रूप है। पाशुपत संप्रदाय के संस्थापक लकुलीश थे जो भगवान शिव के 18 अवतारों में से एक थे, इस संप्रदाय के अनुयायियों को पंचार्थिक कहा गया है। भैरव शैवधर्म के कच्यपालिक सम्प्रदाय के इष्ट देवता है।

380. प्राचीन भारतीय दर्शन के अनुसार, पुरुषार्थ या जीवन के चार लक्ष्यों में निम्न में से क्या सम्मिलित नहीं है?

(a) अर्थ (b) काम
(c) यश (d) मोक्ष

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)

Ans : (c) भारतीय दर्शन के अनुसार पुरुषार्थ का शाब्दिक अर्थ है, 'पुरुष द्वारा प्राप्त करने योग्य' आजकल की शब्दावली में इसे 'मूल्य' कह सकते है। हिन्दू विचार शास्त्रियों के अनुसार चार प्रकार के पुरुषार्थ माने गये हैं धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष। जबकि यश पुरुषार्थ के अन्तर्गत नहीं आता है।

धर्म का अर्थ है जीवन के नियामक तत्व।

अर्थ का तात्पर्य है जीवन के भौतिक साधन।

काम का अर्थ जीवन की वैध कामनएँ।

मोक्ष का अभिप्राय है, जीवन के सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति।

381. पारसी नव वर्ष को क्या कहा जाता है?

(a) उगाडी (b) नवरोज
(c) पटेटी (d) पुथाण्डु

SSC MTS 05/08/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : नवरोज उत्सव प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को मनाया जाता है। यह पारसियों जरथुस्ट्र पंथ के अनुयायियों और मुस्लिम के विभिन्न संप्रदायों के लिये नए वर्ष की शुरूआत होने का उत्सव है। 1079 ई. में एक फारसी (ईरानी) राजा जलालुद्दीन मालेकशाह ने राजस्व इकट्ठा करने और लोगों से कर वसूलने के लिये नवरोज (नव वर्ष) त्योहार की शुरूआत की। इसे यूनेस्को के अंतर्गत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत भारत की मानवता सूची में शामिल किया गया है।

382. कोलथुनाडु, वल्लुवनाड और थेक्कुमकूर भारत के किस राज्य में प्राचीन काल के अल्पकालिक राज्य थे?

(a) कर्नाटक (b) गुजरात
(c) केरल (d) बिहार

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : कोलथुनाडु, वल्लुवनाड और थेक्कुमकूर भारत के केरल में प्राचीन काल के अल्पकालिक राज्य थे।

383. निम्नलिखित में से कौन सा प्राचीन भारत में राजाओं द्वारा अपना पद स्थापित करने के लिए किया जाने वाला एक प्रकार का बलिदान नहीं था?

(a) वाजपेय (b) मुवेंदवेलन
(c) अश्वमेध (d) राजसूय

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : 'मुवेंदवेलन', तीन राजाओं को अपनी सेवाएँ प्रदान करने वाला बेलन या किसान होता है। चोल राजाओं द्वारा धनी भूस्वामियों को सम्मान स्वरूप ये उपाधि दी जाती थी जबकि वाजपेय, अश्वमेध और राजसूय यज्ञ थे, जो राजाओं द्वारा सम्पन्न कराये जाते थे।

384. प्राचीन भारत के राजाओं की प्रशंसा में रचित शिलालेखों को ..... के रूप में जाना जाता है।

(a) त्रिपिटकों (b) जातकों
(c) सूत्रों (d) प्रशस्ति

SSC CHSL 20/10/2020 (Shift-III)

Ans. (d) : वह अभिलेख जिनमें राजाओं और विजेताओं के गुणों और कीर्तियों का बखान रहता है, पर उनकी पराजय और कमजोरियों का जिक्र नहीं रहता, प्रशस्ति अभिलेख के रूप में जाने जाते हैं। समुद्रगुप्त का प्रयाग-प्रशस्ति इस कोटि का उदाहरण है।

385. हस्तिनापुर का लौह कार्यान्वयन स्थल भारत के इनमें से किस वर्तमान राज्य में पाया गया था?

(a) बिहार (b) मध्य प्रदेश
(c) हरियाणा (d) उत्तर प्रदेश

SSC MTS/Havaldar– 11/07/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : हस्तिनापुर का लौह कार्यान्वयन स्थल भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के आस-पास का क्षेत्र है। इसका ऐतिहासिक विवरण महाभारत काल से शुरू होता है। यह पवित्र गंगा नदी के किनारे स्थित था। इसका उत्खनन कार्य प्रसिद्ध भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षक प्रोफेसर बी.बी. लाल द्वारा किया गया था।

B. मध्यकालीन इतिहास (Medieval History)

1. दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate)

(i) गुलाम वंश (Slave dynasty)

386. निम्नलिखित में से किन वर्षो के दौरान कुतुबुद्दीन ऐबक ने शासन किया था?

(a) 1206 – 1210 (b) 1320 – 1324
(c) 1290 – 1296 (d) 1266 – 1287

SSC CHSL (Tier-1) – 09/03/2023 (Shift-IV)

Ans. (a) : कुतुबुद्दीन ऐबक दिल्ली सल्तनत का संस्थापक और गुलाम वंश का पहला सुल्तान था। इसका कार्यकाल 1206-1210 ई. तक था। यह मोहम्मद गोरी का गुलाम और सेनापति था। 1206 ई. में मुहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद कुतुबुद्दीन ऐबक ने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया तथा कुतुबमीनार की नींव रखी। कुतुबुद्दीन की मृत्यु के बाद 1210 ई. में आरामशाह गुलाम वंश का शासक बना। परन्तु उसकी हत्या कर इल्तुतमिश (कुतुबुद्दीन का दामाद और गुलाम) शासक बना था। इल्तुतमिश ने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।

दिल्ली सल्तनत (1206-1526) के सिंहासन पर कुल पाँच राजवंशों ने शासन किया। जो क्रमशः निम्नलिखित हैं- गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश और लोदी वंश।

387. बलबन की उपाधि किसने धारण की थी?

(a) अयाज खान (b) फरीद खान
(c) उलूग खान (d) कबीर खान

SSC CGL (Tier-II) – 07/03/2023

Ans. (c) : सल्तनत काल के गुलामवंशी शासक उलूग खाँ ने 'बलबन' की उपाधि धारण की थी। उलूग खाँ को नासिरुद्दीन महमूद ने यह उपाधि प्रदान की थी। बलबन ने राजत्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था। बलबन ने दरबार में सिजदा एवं पाबोस प्रथाओं को लागू किया तथा 'नवरोज' त्योहार मनाना प्रारम्भ किया। बलबन ने एक सैन्य विभाग 'दीवान-ए-अर्ज' की स्थापना की थी।

388. 1192 ईस्वी में तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को किसने पराजित किया था?

(a) अलाउद्दीन खिलजी
(b) बाबर
(c) इल्तुतमिश
(d) मोहम्मद गोरी

SSC MTS– 16/05/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : 1192 ईस्वी में तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को मुहम्मद गोरी ने पराजित किया था। तराइन का युद्ध भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इसके परिणामस्वरूप राजपूतों की सैन्य शक्ति का विनाश हो गया तथा भारत में मुस्लिम राज्य की स्थापना के लिये मार्ग खुल गया।

- तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में मुहम्मद गोरी व पृथ्वीराज चौहान के मध्य हुआ था, जिसमें मुहम्मद गोरी पराजित हुआ था।

389. रज़िया को दिल्ली सल्तनत के सिंहासन से किस वर्ष हटाया गया था?

(a) 1244 (b) 1240
(c) 1238 (d) 1236

SSC CHSL (Tier-1) – 09/03/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : रजिया को दिल्ली सल्तनत के सिंहासन से 1240 में हटाया गया था।

रज़िया सुल्तान : शासनावधि (1236 -1240)

यह मुस्लिम एवं तुर्की इतिहास की पहली महिला शासक थी।

- जन्म - 1205, बदायूँ
- पिता - शम्स-उद-दिन इल्तुतमिश
- माता - कुतुब बेगम
- मृत्यु - 1240

390. वह दिल्ली का सुल्तान था जिसने दरबार में सिजदा और पैबोस की प्रथा शुरू की थी। वह कौन था ?

(a) गयासुद्दीन बलबन (b) इल्तुतमिश
(c) इब्राहिम लोधी (d) फिरोज शाह तुगलक

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-III)
SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-II)
SSC GD 14/02/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : सुल्तान गयासुद्दीन बलबन ने सिजदा और पैबोस (सम्राट के सामने झुककर उसके पैरों को चूमना) की व्यवस्था की। बलबन ने प्रशासन के लिये 'रक्त एवं लौह नीति' अपनायी। गयासुद्दीन बलबन जाति से इल्बरी तुर्क था। बलबन ने एक नये राजवंश 'बलबनी वंश' की स्थापना की थी।

391. बलबन ने निम्नलिखित में से दिल्ली के किस सुल्तान के नायब के रूप में कार्य किया?

(a) रज़िया (b) नासिरुद्दीन महमूद
(c) इल्तुतमिश (d) कुतुबुद्दीन ऐबक

SSC CHSL (Tier-1) – 07/08/2023 (Shift-IV)
SSC MTS 20/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : नसीरुद्दीन महमूद शाह (1246 ई. – 1265 ई.) - के शासनकाल के दौरान समस्त शक्तियां बलबन के हाथों में थी। प्रारंभ में बलबन चहलगामी का सदस्य था लेकिन धीरे-धीरे बलबन ने अपनी शक्ति का विस्तार किया तथा 1249 ई. में बलबन ने अपनी पुत्री का विवाह नसीरुद्दीन महमूद के साथ कर दिया। सुल्तान ने बलबन को 'उलूग खाँ' की उपाधि प्रदान की और सेना पर पूर्ण नियंत्रण के साथ **नायब-ए-ममलिकात** का पद दिया। 1265 ई. में सुल्तान की मृत्यु हो गयी। सुल्तान का कोई उत्तराधिकारी नहीं था इसलिये अगला शासक गयासुद्दीन बलबन बना जिसने 'बलबनी वंश' की स्थापना की।

392. किसने बदायूं (1197-98 ई.) पर कब्जा करके इल्तुतमिश को वहाँ के पहले मुस्लिम गवर्नर के रूप में नियुक्त किया?

(a) मुहम्मद गोरी (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) महाराणा प्रताप (d) पृथ्वीराज चौहान

SSC MTS– 12/05/2023 (Shift-III)

Ans. (b): कुतुबउद्दीन ऐबक का शासनकाल 1206-1210 ई. के मध्य में था। इसे दिल्ली सल्तनत का संस्थापक माना जाता हैं कुतुबउद्दीन ऐबक ने बदायूँ (1197-98 ई.) पर कब्जा करके इलतुतमिश को वहाँ के पहले मुस्लिम गवर्नर के रूप में नियुक्त किया।

393. तराइन का प्रथम युद्ध कब लड़ा गया था?

(a) 1215 (b) 1208
(c) 1182 (d) 1191

SSC MTS– 10/05/2023 (Shift-I)

Ans. (d) :

युद्ध	वर्ष	किनके-किनके बीच लड़ा गया
तराइन का प्रथम युद्ध	1191	पृथ्वी राज चौहान और मोहम्मद गोरी (पृथ्वीराज चौहान विजयी)
तराइन का द्वितीय युद्ध	1192	पृथ्वीराज चौहान और मोहम्मद गोरी
तराइन का तृतीय युद्ध	1215-16	इल्तुतमिश और यल्दौज कुलाचा (इल्तुतमिश विजेता)

394. दिल्ली सल्तनत के निम्नलिखित सुल्तानों में से किसने गयासुद्दीन बलबन को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया?

(a) रजिया (b) मुईजुद्दीन बहराम
(c) नसीरूद्दीन महमूद (d) समसुद्दीन इल्तुतमिश

SSC CHSL 13/04/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : नसीरूद्दीन महमूद, इल्तुतमिश का कनिष्ठ पुत्र तथा गुलाम वंश का सुल्तान था। वह 10 जून, 1246 को सिंहासन पर बैठा। उसके सिंहासन पर बैठने के बाद अमीर सरदारों एवं सुल्तान के बीच शक्ति के लिये चल रहा संघर्ष पूर्णतः समाप्त हो गया। 1246-1266 से गुलाम वंश के आठवें शासक नासिर-उद-दीन महमूद के शासन, के शुरू में गयासुद्दीन बलबन प्रधानमंत्री था।

395. मलिक इख्तियार-उद-दीन अल्तुनिया ने रजिया सुल्तान को निम्नलिखित में से किस किले में कैद किया था?

(a) जयपुर के जयगढ़ किले में
(b) गोलकुंडा के गोलकुंडा किले में
(c) जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में
(d) बठिंडा के किला मुबारक में

SSC CGL (Tier-I) 19/04/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : मलिक इख्तियार-उद-दीन अल्तुनिया ने रजिया सुल्तान को बठिंडा के किला मुबारक में कैद किया था।

396. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली पर 1206-1210 तक शासन किया
(b) दिल्ली सुल्तानों के समय अरबी प्रशासनिक कामकाज की भाषा थी।
(c) दिल्ली पहले तोमर राजपूतों के अधीन एक राज्य की राजधानी बनी।
(d) दिल्ली में ढाले गए सिक्कों को 'देहलीवाल' कहा जाता था।

SSC GD 13/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b): दिल्ली नगर की स्थापना 11वीं शताब्दी में तोमर वंश के राजपूत शासक अनंगपाल द्वितीय (अनंग पाल तोमर) द्वारा की गयी और बाद में पृथ्वीराज चौहान ने दिल्ली पर शासन किया। 1192 ई. में 'तराइन की दूसरी लड़ाई' में मुहम्मद गौरी से पृथ्वीराज चौहान के पराजित हो जाने पर दिल्ली मुस्लिम शासको के नियंत्रण में आ गयी और आगामी 600 वर्षो तक उनके अधीन रही।

कुतुबुद्दीन ऐबक 1206-1210 ई. तक दिल्ली पर शासन किया। दिल्ली के सुल्तानों के शासनकाल में प्रशासनिक कामकाज की भाषा 'फारसी' थी तथा यहा ढाले गये सिक्कों को 'देहलीवाल' कहा जाता था।

397. रज़िया, पहली महिला मुस्लिम शासक, भारत के किस तुर्की शासक की बेटी थी ?

(a) शमसुद्दीन इल्तुतमिश (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) मुइज़ुद्दीन बहराम (d) गयासुद्दीन बलवन

SSC GD 29/11/2021 (Shift-II)
SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-III)
SSC CGL (TIER-1) 27-10-2016, 1.15 pm

Ans. (a) : मध्यकालीन भारतीय इतिहास में दिल्ली सल्तनत के प्रथम राजवंश जिसकों गुलाम वंश या मामलुक वंश के नाम से जाना जाता है। इसके वास्तविक संस्थापक इल्तुतमिश के पश्चात् उनकी पुत्री रजिया भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शासिका बनी। वह 1236-1240 गुलाम वंश की शासिका रही।

398. भारत में मामलुक राजवंश का संस्थापक कौन था?

(a) इल्तुतमिश (b) बख्तियार खिलजी
(c) कुतुबुद्दीन ऐबक (d) रजिया सुल्तान

SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : गुलाम वंश (मामलुक वंश) दिल्ली में कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा 1206 ई. में स्थापित किया गया था। यह वंश 1290 ई. तक शासन करता रहा।

399. इल्तुतमिश के शासनकाल में सल्तनत की राजधानी निम्नलिखित में से कौन-सी थी?

(a) आगरा (b) लाहौर
(c) बदायूँ (d) दिल्ली

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-II)

Ans : (d) इल्तुतमिश (1210-1236 ई.) ने सल्तनत काल की राजधानी लाहौर के स्थान पर दिल्ली बनायी। इल्तुतमिश ने सुल्तान का पद वंशानुगत बनाया। इसने सिक्कों पर टकसाल का नाम लिखवाने की परंपरा शुरू की तथा ग्वालियर विजय के बाद अपनी पुत्री रजिया का नाम सिक्कों पर अंकित करवाया। सल्तनत युग के दो महत्वपूर्ण सिक्के 'चाँदी का टंका' और 'तांबे का जीतल' उसी ने आरंभ किया। इल्तुतमिश ने अपने सिक्कों पर अपने आपको खलीफा के दूत के रूप में प्रदर्शित किया। उसने सर्वप्रथम अब्बासी खलीफा अल मुस्तनसिर के नाम से युक्त सिक्के चलवाए। इल्तुतमिश शम्शी वंश का था तथा इस कारण उसके गद्दी पर बैठने से दिल्ली के सिंहासन पर एक नवीन राजवंश का अधिकार स्थापित हुआ। उसने अत्यन्त विषम परिस्थितियों में दिल्ली सल्तनत का राज्य प्राप्त किया परन्तु अपनी योग्यता और प्रतिभा से इन समस्याओं का अंत कर सल्तनत को दृढ़ता तथा शक्ति प्रदान की। अनेक इतिहासकारों ने उसे दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक माना है। दिल्ली को राजधानी बनाने वाला प्रथम सुल्तान इल्तुतमिश ही था। ऐबक के समय में राजधानी लाहौर थी।

400. ..... के बीच का समय भारतीय इतिहास में दिल्ली सल्तनत काल के रूप में जाना जाता है।

(a) 1206 ई. और 1526 ई.
(b) 1456 ई. और 1675 ई.
(c) 745 ई. और 1245 ई.
(d) 1105 ई. और 1445 ई.

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (a) : 1206 से 1526 ई. तक भारत पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासनकाल को दिल्ली सल्तनत कहा जाता है। दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश-
1. गुलाम वंश/ मामलुक वंश/ इल्बरी वंश (1206-1290)
2. खिलजी वंश (1290-1320)
3. तुगलक वंश (1320 - 1414)
4. सैयद वंश (1414 - 1451)
5. लोदी वंश (1451 - 1526)

इनमें से चार वंश मूलत: तुर्क थे जबकि अंतिम वंश लोदी अफगान था।

401. तराइन की पहली लड़ाई वर्ष_____में लड़ी गई थी।

(a) 1213 (b) 1157
(c) 1204 (d) 1191

SSC MTS 08/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : भारत की ऐतिहासिक लड़ाईयाँ

प्रमुख युद्ध	वर्ष	परिणाम
तराइन का प्रथम युद्ध	1191 ई0	पृथ्वीराज ने मुहम्मद गोरी को हराया
तराइन का द्वितीय युद्ध	1192 ई0	मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज को हराया
चन्दावर का युद्ध	1194 ई0	मुहम्मद गोरी ने जयचन्द्र को हराया
पानीपत की प्रथम लड़ाई	1526 ई0	बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराया

402. दिल्ली सल्तनत के अधीन प्रशासन की भाषा कौन सी थी?

(a) तुर्की (b) संस्कृत
(c) फ़ारसी (d) उर्दू

SSC GD 30/11/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : दिल्ली सुल्तानों के अधीन प्रशासन की भाषा फारसी थी। इतिहासकारों के मतानुसार 1206 ई. से 1526 ई. तक उत्तर - भारत के विशाल भू-भाग पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासनकाल को दिल्ली सल्तनत कहा जाता है। ये पाँच वंश क्रमशः गुलाम वंश (1206- 1290) खिलजी वंश (1290-1320) तुगलक वंश (1320-1398), सैयद वंश (1414-1451) तथा लोदी वंश (1451-1526) थे। ये शासक मूलतः तुर्क तथा अफगान मूल के थे।

403. निम्न में से किस वर्ष में दिल्ली सल्तनत की स्थापना की गई थी?

(a) 1342 (b) 1290
(c) 1453 (d) 1206

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I
SSC MTS/Havaldar– 11/07/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : कुतुबुद्दीन ऐबक (1206 - 1210 ई.), ने 1206 में गुलाम वंश के तहत दिल्ली सल्तनत की स्थापना की थी, कुतुबुद्दीन ऐबक से लेकर 1526 ई. तक के कुल 320 वर्षों तक दिल्ली पर मुस्लिम सुल्तानों का शासन रहा।
दिल्ली सल्तनत की स्थापना तराइन के द्वितीय युद्ध (1192 ई.) के परिणामस्वरूप हुआ, जिस पर 5 वंशों ने शासन किया ये वस्तुतः तुर्की व पश्तून (अफगान) मूल के थे।

404. गुलाम वंश के शासक गयासुद्दीन बलबन (1265-1286 ई.) ने .....की उपाधि धारण की।

(a) नूर-अल-दीन (विश्वास का प्रकाश)
(b) नूरमहल (महल की रोशनी)
(c) ज़िल-ए-इलाही (भगवान की छाया)
(d) जहाँपनाह (विश्व के रक्षक)

SSC MTS/Havaldar– 05/07/2022 (Shift-I)

Ans.(c): गुलाम वंश के शासक गयासुद्दीन बलवन (1265-1286 ई0) ने 'जिल-ए-इलाही' (भगवान की छाया) की उपाधि धारण की। उसका मूल नाम बहाउद्दीन था। यह एक इल्बरी तुर्क था। इसने तुर्कान-ए-चहलगानी का दमन किया तथा राजत्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। इसके अनुसार राजा नेमत-ए-खुदायी (ईश्वर का प्रतिनिधि) होता है।
• बलवन की हत्या सैनिक द्वारा 1286 में कर दी गयी थी। इसका मकबरा मेहरौली (दिल्ली) में है।

405. चंगेज खान के नेतृत्व में मंगोलों ने किस वर्ष उत्तर-पूर्वी ईरान में ट्रांसऑक्सियाना पर आक्रमण किया था?

(a) 1208 (b) 1213
(c) 1205 (d) 1219

SSC MTS/Havaldar– 07/07/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : ईरान के उत्तर-पूर्वी भाग, ट्रांसऑक्सियाना पर 1219 में चंगेज खान के अधीन मंगोलो द्वारा हमला किया गया था। इस संक्षिप्त युद्ध के, कम से कम दो वर्षो तक चलने के कारण, न केवल एक बड़ा साम्राज्य पूरी तरह से नष्ट हो गया; बल्कि चंगेज खान ने दुनिया को अपनी रणनीतियों से शुरुआत से ही परिचय करवाया अप्रत्यक्ष हमले और युद्ध में हथियारों के अंधाधुंध प्रयोग, जनसंख्या का नर संहार। इसके बाद मंगोलों ने दिल्ली सल्तनत पर हमला कर दिया।

(ii) खिलजी वंश (Khilji Dynasty)

406. माल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु अलाउद्दीन खिलजी के अधीन किस अधिकारी के लिए व्यापारियों का रजिस्टर बनाए रखना आवश्यक था?

(a) रईस परवाना (b) नज़ीर
(c) मुहतसिब (d) शहाना-ए-मंडी

SSC CGL (Tier-II) – 06/03/2023

Ans. (d) : सल्तनत काल मे 'शहना-ए-मंडी' नामक अधिकारी बाजार मूल्य नियंत्रण और बाटों की माप का कार्य करता था। माल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करनें के उद्देश्य से इसको व्यापारियों का रजिस्टर बना कर रखना अनिवार्य था। 'मुहतसिब' नामक अधिकारी लोगों के आचरण की निगरानी करता था।

407. जफर खाँ दिल्ली सल्तनत के निम्नलिखित में से किस शासक का प्रसिद्ध सेनापति था?

(a) बलबन (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलज़ी (d) इल्तुतमिश

SSC CGL (Tier-II) – 03/03/2023

Ans. (c): जफर खाँ दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी का प्रसिद्ध सेनापति था। इसनें 1297 ई. में एक मंगोल आक्रमणकारी कादिर खाँ को हराया था। अलाउद्दीन खिलजी के शासन काल में 1297 ई. से 1306 ई तक मंगोलों के 6 आक्रमण हुए। मंगोलों का प्रथम आक्रमण 1297 ई. में कादर खाँ के नेतृत्व में, दूसरा आक्रमण 1298 ई. में सल्दी के नेतृत्व में, तीसरा आक्रमण 1299 ई. में कुतुलुग ख्वाजा के नेतृत्व में, हुआ। इसी युद्ध में जफर खाँ मंगोलो पर आक्रमण करते हुए 18 कोस तक चला गया, लौटते समय तार्गी के नेतृत्व में उसे मंगोलो ने बंदी बना लिया तथा हत्या कर दी। इन चारों मंगोल आक्रमणों में जफर खाँ ने ही मंगोलो को हराया था।

408. दक्षिणी भारत मे सैन्य अभियान शुरू करने वाला दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान कौन था?

(a) मुहम्मद तुगलक (b) शम्सुद्दीन इल्तुतमिश
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) गयासुद्दीन बलबन

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : दक्षिण भारत में सैन्य अभियान शुरू करने वाला दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी था। उस समय दक्षिण भारत में तीन महत्वपूर्ण शक्तियाँ थीं- देवगिरि के यादव, दक्षिण-पूर्व तेलंगाना के काकतीय तथा द्वारसमुद्र के होयसल। अलाउद्दीन खिलजी के ये तीनों अभियान सफल रहे।

409. अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान, वस्त्र बाजार को _____ के रूप में जाना जाता था।

(a) मंडी (b) सराय-ए-अदल
(c) शाहना-ए-मंडी (d) मुंहियान

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-I)

Ans. (b): अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान वस्त्र बाजार को सराय-ए-अदल के रूप में जाना जाता था। यह एक ऐसा बाजार था जहाँ परवस्त्री, शक्कर, जड़ी-बूटी, दीपक जलाने का तेल आदि वस्तुएँ बिकने के लिए आती थीं। यह सरकारी धन से साहयता प्राप्त बाजार था।

410. निम्नलिखित में से किसने दिल्ली सल्तनत में सैनिकों के लिए दाग और हुलिया प्रथा तथा नकद भुगतान व्यवस्था की शुरूआत की थी?

(a) जलालुद्दीन खिलजी (b) फिरोज शाह तुगलक
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) अलाउद्दीन खिलजी

SSC CGL (Tier-1) – 21/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d) : दिल्ली सल्तनत में अलाउद्दीन खिलजी ने सैनिकों के लिए दाग और हुलिया प्रथा तथा नकद भुगतान व्यवस्था की शुरूआत की थी। दीवान-ए-आरिज प्रत्येक सैनिक की नामावली एवं हुलिया रखता था।

411. निम्नलिखित में से खिलजी वंश के संस्थापक कौन थे?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) नासिरुद्दीन खुसरो शाह
(c) कुतुबुद्दीन मुबारक शाह
(d) जलालुद्दीन फिरोज खिलजी

SSC MTS– 08/05/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : खिलजी वंश का संस्थापक जलालुद्दीन फिरोज खिलजी था। उन्होंने गुलाम वंश के अंतिम शासक को मार डाला और स्वयं को 70 साल की उम्र में दिल्ली का सुल्तान घोषित कर दिया। इन्होने अपना जीवन एक सैनिक के रूप में शुरू किया था। अपनी योग्यता के बल पर इन्होंने 'सर-ए-जहाँदारी' शाही अंगरक्षक का पद प्राप्त किया तथा बाद में समाना का सूबेदार बने।

412. खिलजी राजवंश ने __ तक दिल्ली पर शासन किया।

(a) 1290 to 1320 (b) 1206 to 1290
(c) 1320 to 1414 (d) 1414 to 1451

SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)
SSC JE 23/10/2016 (Shift-III)

Ans. (a): खिलजी राजवंश ने 1290 से 1320 ई. तक राज्य किया। इस वंश के संस्थापक जलाल-उद-दीन फिरोज खिलजी (1290-1296) थे। इस राजवंश का प्रमुख शासक अलाउद्दीन खिलजी था। वह पहला शासक था जिसने दक्षिण भारत पर हमला किया था। उसे मालवा, चित्तौड़, धार, मांडू, उज्जैन, मारवाड़ चन्देरी और जालौन पर कब्जा करने के लिए भी जाना जाता है। जनवरी 1316 ई. में उसकी मृत्यु हो गई।

413. खिलजी और तुगलक शासकों ने सैन्य कमांडरों को क्षेत्रों का गवर्नर नियुक्त किया था। इन क्षेत्रों को किस नाम से जाना जाता था ?

(a) मुकति (b) इक्ता
(c) इकतदार (d) सामंत

SSC GD 15/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : खिलजी और तुगलक शासकों ने सैन्य कमांडरों को क्षेत्रों का गवर्नर नियुक्त किया था। इन क्षेत्रों को इक्ता के नाम से जाना जाता था तथा इनके गवर्नरों/शासकों को इक्तेदार कहा जाता था। इक्ता प्रणाली की शुरूआत इल्तुतमिश ने की थी।

414. अलाउद्दीन खिलजी ने अपने सैनिकों के लिए एक नए सैनिक-नगर का निर्माण कराया, जिसका नाम—— था।

(a) बंगाल (b) सिंध
(c) मैसूर (d) सीरी

SSC GD 02/12/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316ई.) दिल्ली सल्तनत के खिलजी वंश का शासक था। उसका काल सैनिक सुधारों के दृष्टिकोण से विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उसने स्थायी सेना का गठन किया। सैनिकों की सीधी भर्ती की तथा उन्हें नकद वेतन देने की व्यवस्था शुरू की। उसने घोड़ों की अदला-बदली को रोकने हेतु घोड़ों को दागने की व्यवस्था की शुरूआत की। उसने 1303 ई. 'सीरी' में एक सैनिक-नगर का निर्माण कराया था।

415. अलाउद्दीन खिलजी द्वारा लगाया गया 'खराज' कर, किसान की उपज के लगभग ____ % हिस्से के बराबर होता था।

(a) 10 (b) 50
(c) 25 (d) 20

SSC GD 13/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : अलाउद्दीन खिलजी (1296 ई.- 1316 ई.) यह दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था, जिसने दक्षिण भारत में विजय प्राप्त की थी। इसके दक्षिण भारत अभियान का नेतृत्व सेनापति मलिक काफूर ने किया था। अलाउद्दीन के काल में भू-राजस्व की दर सर्वाधिक थी। एक अध्यादेश द्वारा उसने उपज का 50% भूमि कर (खराज) के रूप में निश्चित किया था।

416. मध्यकालीन भारतीय शासकों में से कौन अपनी बाजार नियंत्रण नीतियों के लिए जाना जाता है?

(a) बहलोल लोदी (b) फिरोज शाह तुगलक
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) बलबन

SSC JE Civil - 25/09/2019 (Shift-I)

Ans : (c) मध्यकालीन भारतीय शासकों में 'अलाउद्दीन खिलजी अपनी बाजार नियंत्रण नीतियों के लिए जाना जाता है। अलाउद्दीन खिलजी ने अपने सैनिकों के भरण–पोषण हेतु दिल्ली के आस–पास के क्षेत्रों में बाजार नियंत्रण की नीति को लागू किया ताकि कम वेतन देने पर भी सैनिकों की गृहस्थी सुचारू रूप से चल सके। अलाउद्दीन खिलजी ने गल्ला बाजार के लिए 7 अथवा 8 प्रकार का कानून बनाया था, जिसे जवाबित या जाब्ता कहा जाता था, गल्ला बाजार का प्रमुख शहना-ए-मण्डी (मण्डी निरीक्षक) कहलाता था। अलाउद्दीन खिलजी के बाजार व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी बरनी की तारीख–ए–फिरोजशाही में मिलती है।

417. अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में निम्नलिखित में से कौन राज्यपाल था?

(a) जलाल-उद्-दीन-खिलजी (b) शम्स-उद्-दीन इल्तुत्मिश
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) नसीरूद्दीन महमूद

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-II)

Ans : (c) गयासुद्दीन तुगलक अलाउद्दीन के शासनकाल में पंजाब (पश्चिमोत्तर प्रांत) प्रांत का राज्यपाल था। इसी ने खिलजी वंश के पश्चात 1320 ई. में 'तुगलक वंश' की स्थापना की। खिलजी वंश का संस्थापक जलालुद्दीन फिरोज खिलजी था तथा इसकी हत्या 1296 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने कड़ा मानिकपुर (इलाहाबाद) में कर दी। अलाउद्दीन ने सेना को नगद वेतन देने एवं स्थायी सेना की नींव रखी तथा घोड़े दागने और सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा के साथ-साथ इसका प्रमुख कार्य 'मूल्य नियंत्रण प्रणाली' को लागू करना था। इसके शासनकाल के प्रमुख अधिकारी एवं उनके कार्य निम्न थे-

दीवान-ए-रियासत- बाजार नियंत्रण की पूरी व्यवस्था
शहना-ए-मंडी- बाजार का अधीक्षक
बरीद- बाजार का निरीक्षक
मुनहियान- गुप्त सूचना प्राप्त करना

418. पहला मुस्लिम शासक कौन था जिसका साम्राज्य भारत के सुदूर दक्षिण सहित लगभग संपूर्ण भारत में फैला था?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) गियास-उद्-दीन बलबन
(c) फिरोज शाह तुगलक (d) जलाल-उद्-दीन खिलजी

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : अलाउद्दीन खिलजी पहला मुस्लिम शासक था जिसका साम्राज्य भारत के सुदूर दक्षिण सहित लगभग संपूर्ण भारत में फैला था। अलाउद्दीन ने 1301 ई. में राजस्थान के रणथंभौर पर तथा 1303 ई. में चितौड़ पर विजय प्राप्त किया। राजस्थान की विजय पूरी करने से पहले ही अलाउद्दीन मालवा जीत चुका था। गुजरात उसके अधीन था। मलिक काफूर के नेतृत्व में उसने दक्षिण के तेलगांना का वारंगल, द्वारसमुद्र (आधुनिक कर्नाटक) मालाबार तथा मदुरै पर विजय प्राप्त की। ऐसा करने वाला वह पहला मुस्लिम सुल्तान था।

419. गुजरात के वाघेला राजवंश का वह अंतिम शासक कौन था, जिसकी हार के बाद, अलाउद्दीन खिलजी को राज्य दिया गया था?

(a) राम (b) अर्जुन देव
(c) सारंग देव (d) करन देव

SSC CGL (Tier-I) – 12/06/2019 (Shift-I)

Ans: (d) गुजरात के वाघेला राजवंश का अंतिम शासक करन देव था। वर्ष 1298 में अलाउद्दीन खिलजी ने अपनी सेना सहित गुजरात पर आक्रमण किया जिसमें वाघेला राजवंश के अंतिम राजपूत राजा करन देव की हार हुई और अलाउद्दीन खिलजी ने गुजरात को अपने साम्राज्य में मिला लिया था।

420. दिल्ली का दूसरा शहर 'सीरी'—— द्वारा बनवाया गया था।

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) फिरोजशाह तुगलक
(c) शेरशाह सूरी (d) पृथ्वीराज चौहान

SSC CPO-SI 25/11/2020 (Shift-I)

Ans. (a): खिलजी वंश के 6 शासकों में से अलाउद्दीन खिलजी ने 1303 ई. में मंगोलों से अपनी सुरक्षा के लिए राजधानी सीरी में स्थापित की। उसने कुतुबमीनार से ऊँची एक मीनार (विजय मीनार) का निर्माण भी आरम्भ करवाया था, किन्तु वह उसे पूरा नहीं करवा पाया। उसने सीरी नगर की जल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये एक जलाशय का निर्माण करवाया जिसे 'हौज-ए-खास' के नाम से जाना जाता है।

(iii) तुगलक वंश (Tughlaq Dynasty)

421. मुहम्मद बिन तुगलक ने चांदी के सिक्के के स्थान पर _____ नामक तांबे को सिक्का चलाया।

(a) रुपया (b) टंका
(c) जीतल (d) रूपक

SSC CGL (Tier-1) – 18/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c): मुहम्मत बिन तुगलक ने चाँदी के सिक्के (टंका) के स्थान पर तांबे का सिक्का (जीतल) चलाया और आदेश दिया कि इसे टंका के समतुल्य स्वीकार किया जाएगा।

422. मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से कहां स्थानांतरित की?

(a) चुनार (b) जौनपुर
(c) मुर्शिदाबाद (d) दौलताबाद

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : वर्ष 1326-27 ई. में, मुहम्मद-बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से महाराष्ट्र में देवगिरी स्थानांतरित कर दी, जिसका नाम बदलकर दौलताबाद कर दिया। ध्यातव्य है कि गयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के बाद उसका पुत्र जूना खाँ, (मुहम्मद बिन तुगलक) (1325-1351 ई.) दिल्ली की गद्दी पर बैठा। इसका मूल नाम उलूग खाँ था।

423. मुहम्मद बिन तुगलक ने निम्नलिखित विदेशी यात्रियों में से किसे राज्य सेवा में नियुक्त किया था?

(a) मार्को पोलो (b) निकोलो कोंटी
(c) इब्न बतूता (d) अल मसूदी

SSC MTS 20/10/2021 (Shift-I)
SSC CHSL 04/08/2021 (Shift-II)

Ans. (c): मुहम्मद बिन तुगलक (1325 ई. – 1351 ई.) अपने पिता गयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के बाद मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से 1325 ई. में गद्दी पर बैठा। इसका मूल नाम 'उलूग खाँ' था। राजमुंदरी के एक अभिलेख में मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खाँ/जौना खाँ) को 'दुनिया का खान' कहा गया है।

■ 1333 ई. में मोरक्को (अफ्रीका) का प्रसिद्ध यात्री 'इब्न बतूता' भारत आया। मुहम्मद-बिन-तुगलक ने इसे 'दिल्ली का काजी' नियुक्त किया, जो 8 वर्षों तक इस पद पर कार्य किया।

424. मुहम्मद तुगलक ने अपने सैनिकों को भुगतान करने के लिए 'टोकन' मुद्रा का इस्तेमाल किया था, जो निम्न से बनी थी:

(a) अमूल्य सोना (b) चाँदी
(c) काँस्य (d) सस्ती धातु

SSC GD 18/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : मुहम्मद तुगलक ने अपने सैनिकों को वेतन देने के लिए कागजी मुद्रा की तरह 'टोकन' (सांकेतिक) मुद्रा चलाई थी। ये सिक्के धातु के बने होते थे, लेकिन सोना-चाँदी के न होकर सस्ती धातु के थे। इस सस्ती मुद्रा से जाली सिक्के बड़ी आसानी से बनाए जा सकते थे।

425. निम्नलिखित में से किस राजवंश के शासन काल में तैमूर या तामेरलेन ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया था?

(a) खिजली वंश (b) तुगलक वंश
(c) गुलाम वंश (d) सैय्यद वंश

SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : तुगलक वंश के अंतिम शासक नासिरूद्दीन महमूद के शासन काल में तैमूर या तामेरलेन ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया था।

426. दिल्ली सल्तनत के किस सुल्तान ने पहली बार मंगोल क्षेत्र को अधिकार में लेने की योजना बनायी थी?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) गयासुद्दीन तुगलक
(c) मोहम्मद तुगलक (d) बहलोल लोदी

SSC MTS 9-10-2017 (Shift-III)

Ans : (c) जियाउद्दीन बरनी ने मोहम्मद बिन तुगलक की 5 योजनाओं का उल्लेख किया है-
(1) दोआब में कर वृद्धि (2) देवगिरी को राजधानी बनाना (3) सांकेतिक मुद्रा जारी करना (4) खुरासान पर आक्रमण (5) कराचिल अभियान। इनमें खुरासान और कराचिल अभियान का उद्देश्य मंगोल क्षेत्र को अपने अधिकार में लेना था।

427. मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी को दिल्ली से बदल कर कहाँ बनाई थी?

(a) आगरा (b) लाहौर
(c) मुंगेर (d) दौलताबाद

(SSC J.E. 02.03.17, 2:45 pm)
(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 4.15 pm)
SSC JE Mechanical 28.10.2020 (Shift-II)
SSC CGL (TIER-1) 04-09-2016, 1.15 pm

Ans. (d) : मोहम्मद बिन तुगलक (1325 ई.–1351 ई.) ने 1327 ई. में अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद (देवगिरि) स्थानान्तरित किया ताकि उत्तर व दक्षिण भारत के सम्पूर्ण साम्राज्य को नियंत्रित किया जा सके।

- 1333 ई. में इसी के शासन काल में मोरक्को का प्रसिद्ध अफ्रीकी यात्री 'इब्न-बतूता' भारत आया। उसने दिल्ली में 8 वर्षों तक काजी का पद संभाला।
- मुहम्मद तुगलक ने कृषि विभाग के लिये 'दीवान-ए-अमीर कोही' नामक विभाग की स्थापना की ।

428. तैमूर लंग ने किस वर्ष में भारत पर आक्रमण किया?

(a) 1210 ई. (b) 1398 ई.
(c) 1492 ई. (d) 1526 ई.

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-II)
SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : अमीर तैमूर को भाग्यशाली भविष्य का स्वामी कहा जाता है। एक युद्ध में उसका एक पैर घायल हो गया था, जिसके कारण वह जीवन भर लंगड़ाता रहा, इसलिए उसे तैमूर लंग कहा जाता था। मार्च अप्रैल 1398 ई0 में तैमूर अपनी राजधानी समरकंद से भारत पर आक्रमण के लिए रवाना हुआ। 11 दिसम्बर 1398 को तैमूर दिल्ली पहुँचा। उस समय दिल्ली का शासक नासिरुद्दीन महमूद (तुगलक वंश का अंतिम शासक) था। 18 दिसम्बर 1398 ई0 को तैमूर व दिल्ली की शाही सेना के मध्य युद्ध हुआ। नासिरुद्दीन महमूद व मल्लू इकबाल पराजित हुए। तैमूर ने दिल्ली में कत्लेआम का आदेश दिया जो 15 दिन तक चलता रहा। अकूत सम्पत्ति लूटने के बाद 1399 ई0 में तैमूर फिरोजाबाद, मेरठ, हरिद्वार, कांगड़ा और जम्मू होते हुए वापस समरकन्द लौट गया। जाने से पहले उसने खिज्र खाँ को मुल्तान, लाहौर और दीपालपुर का सूबेदार नियुक्त किया।

429. निम्नलिखित में से कौन सा कालक्रमानुसार तुगलक वंश के शासकों का सही क्रम है, जिन्होंने वर्ष 1320 से 1414 तक दिल्ली पर शासन किया था?

(a) मुहम्मद तुगलक, फिरोज शाह तुगलक, गयासुद्दीन तुगलक
(b) गयासुद्दीन तुगलक, फिरोज शाह तुगलक, मुहम्मद तुगलक
(c) फिरोज शाह तुगलक, मुहम्मद तुगलक, गयासुद्दीन तुगलक
(d) गयासुद्दीन तुगलक, मुहम्मद तुगलक, फिरोज शाह तुगलक

SSC MTS/Havaldar– 06/07/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : सन् 1320 ई. में गयासुद्दीन तुगलक ने खिलजी वंश के अंतिम शासक नासिरूद्दीन खुसरो शाह की हत्या कर दिल्ली सल्तनत में एक नये वंश तुगलक वंश की स्थापना की । इस वंश ने 1414 ई. तक दिल्ली की सत्ता पर राज किया। ध्यातव्य है कि दिल्ली सल्तनत का इस काल में चरम विस्तार व विघटन दोनों हुआ । तुगल वशं में कुल 9 शासक थे जो निम्न हैं-
(1) गयासुद्दीन तुगलक (1320-25ई.)
(2) मुहम्मद-बिन तुगलक (1325-51 ई.)
(3) फिरोज शाह तुगलक (1351-88)
(4) गयासुद्दीन (1389)
(5) अबूबक्र (1389-90)
(6) मुहम्मद शाह - III (1390-1394)
(7) अलाउद्दीन सिकंदर शाह -I (1394)
(8) नुसरत शाह (1394-1397)
(9) नासिरुद्दीन महमूद (1398-1413)

(iv) सैय्यद वंश (Sayyid Dynasty)

430. सैय्यद राजवंश की स्थापना किसने की?

(a) निजाम शाह (b) मुहम्मद-बिन-फरीद
(c) खिज्र खान (d) बहलुल खान

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-II)
SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 10 am

Ans : (c) सैय्यद वंश की स्थापना 1414 ई. में खिज्र खां ने किया था। ख़िज्र खां तैमूर लंग का सेनापति था। इसने सुल्तान की उपाधि न धारण करके रैयत-ए-आला की उपाधि धारण की थी। इसकी मृत्यु 20 मई 1421 ई. मे हो गयी थी। सैय्यद वंश का अंतिम सुल्तान अलाउद्दीन आलम शाह था।

(v) लोदी वंश (Lodi Dynasty)

431. निम्नलिखित में से कौन दिल्ली के लोदी राजवंश का अंतिम शासक था?

(a) इब्राहिम लोदी (b) सिकंदर लोदी
(c) बारबक शाह (d) बहलोल लोदी

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : सैयद वंश का अंत कर बहलोल लोदी ने 1451 ई. में लोदी वंश की स्थापना की थी। यह वंश 1526 ई. तक सत्ता में रहा और सफलतापूर्वक शासन किया। 1517 ई. में सिकंदर लोदी के मृत्यु के पश्चात् इसका छोटा बेटा इब्राहिम लोदी गद्दी पर बैठा। वह लोदी राजवंश का अंतिम शासक और दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान था।

432. लोदी वंश की नींव निम्नलिखित में से किसके द्वारा रखी गई थी?

(a) बहलोल लोदी (b) जलालुद्दीन लोदी
(c) इब्राहिम लोदी (d) सिकंदर लोदी

SSC GD 24/11/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : लोदी वंश का संस्थापक बहलोल लोदी था। वह 19 अप्रैल, 1451 को 'बहलोल शाह गाजी' की उपाधि से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। दिल्ली पर प्रथम अफगान राज्य की स्थापना का श्रेय बहलोल लोदी को दिया जाता है। बहलोल लोदी ने बहलोल सिक्के का प्रचलन करवाया। बहलोल लोदी का पुत्र निजाम खाँ 17 जुलाई, 1489 ई में 'सुल्तान सिकन्दर शाह' की उपाधि से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।

433. ——— ने आगरा को अपने साम्राज्य की राजधानी बनाया था।

(a) जहांगीर (b) शाहजहाँ
(c) सिकंदर लोदी (d) हुमायूँ

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : सिकंदर लोदी, लोदी वंश (1489-1517 ई.) का सर्वश्रेष्ठ शासक था। 1504 ई. में उसने आगरा शहर की स्थापना राजस्थान के शासकों पर अपने अधिकार को सुरक्षित रखने तथा व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से की थी। सिकन्दर लोदी ने आगरा को अपनी नयी राजधानी बनाया। इसके आदेश पर संस्कृत के एक आयुर्वेदिक ग्रन्थ का फारसी में 'फरहंगे सिकन्दरी' के नाम से अनुवाद किया गया।

434. दिल्ली सल्तनत के किस सुल्तान ने अपनी राजधानी दिल्ली से आगरा में स्थानांतरित की थी?

(a) सिकंदर लोदी (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मोहम्मद बिन तुगलक

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें ।

435. इब्राहिम लोदी दिल्ली का सुल्तान कब बना था?

(a) 1517 (b) 1526
(c) 1516 (d) 1527

SSC CHSL 17/03/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : इब्राहिम लोदी, लोदी वंश एवं दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान था। वह 21 नवम्बर 1517 ई. को आगरा के सिंहासन पर 'इब्राहिम शाह' की उपाधि से बैठा। वह वर्ष 1526 में पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर से पराजित हुआ तथा वीरगति को प्राप्त किया।

(vi) सल्तनत कालीन प्रशासन (Administration of Sultanate Period)

436. निम्नलिखित में से कौन दिल्ली सल्तनत के अधीन दीवान-ए-इंशा विभाग का प्रमुख था?

(a) वकील-ए-दर (b) बरीद-ए-मुमालिक
(c) दबीर-ए-खास (d) अमीर-ए-दाद

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : दिल्ली सल्तनत के अधीन दीवान-ए-इंशा, दबीर-ए-खास की अध्यक्षता में शाही पत्राचार विभाग की देखभाल की जाती थी। दबीर केन्द्र और राज्य के अन्य क्षेत्रों के बीच संचार का औपचारिक चैनल था और सुल्तान का निजी सचिव था।

437. दिल्ली सल्तनत के दौरान निम्नलिखित में से किस प्रकार का कर एकत्र किया जाता था?

(a) खराज कर (b) रैयतवाड़ी कर
(c) महालवाड़ी कर (d) आयकर

SSC GD 22/11/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : दिल्ली सल्तनत में कर व्यवस्था शरीयत के आधार पर निर्धारित थी। शरीयत में चार प्रकार के करो का उल्लेख मिलता है–

(i) खराज - यह हिन्दू किसानों पर लागू भूमिकर था, जो उत्पादकता का 1/4 से 1/3 भाग था।
(ii) जजिया – यह एक गैर-धार्मिक कर था, जो गैर मुस्लिम जनता से सल्तनत द्वारा सुरक्षा के नाम पर वसूला जाता था।
(iii) खुम्स – यह युद्ध में लूटे गये माल पर लगने वाला कर था।
(iv) जकात – यह एक धार्मिक कर था, जो मुस्लिम अमीरों की आय व सम्पत्ति पर 2.5% के रूप में लगता था।

438. दिल्ली सल्तनत प्रशासन के संदर्भ में, राज्य पत्राचार विभाग को निम्न में से किस नाम से जाना जाता था?

(a) दीवान-ए-इंशा (b) दीवान-ए-अर्ज
(c) दीवान-ए-रसालत (d) दीवान-ए-खैरात

SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : दिल्ली सल्तनत प्रशासन के संदर्भ में, राज्य पत्राचार विभाग को दीवान-ए-इंशा नाम से जाना जाता था।

439. दिल्ली सल्तनत की राजकीय भाषा क्या थी?

(a) उर्दू (b) अरबी
(c) फारसी (d) हिन्दी

SSC CGL (TIER-1) 09-09-2016, 4.15 pm

Ans : (c) दिल्ली सल्तनत की राजकीय भाषा फारसी थी दिल्ली के सुल्तान फारसी को प्रोत्साहित करते थे। सबसे महत्वपूर्ण राजकीय पुस्तकालय दिल्ली में था, जिसमें फारसी भाषा का बोलबाला था। मुगल काल में भी फारसी राजकीय भाषा थी।

440. दीवान-ए-कोही के रूप में विख्यात कृषि विभाग किसके द्वारा बनाया गया था?

(a) मुहम्मद-बिन-तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) जलालुद्दीन खिलजी (d) अलाउद्दीन खिलजी

SSC CPO (TIER-1) 2016

Ans : (a) मुहम्मद-बिन-तुगलक ने कृषि की उन्नति के लिए एक नए विभाग 'दीवान-ए-अमीर-कोही' की स्थापना की थी। इस विभाग का मुख्य कार्य कृषकों को प्रत्यक्ष सहायता प्रदान कर अधिकाधिक भूमि कृषि कार्य के अंतर्गत लाना था।

441. निम्नलिखित तुगलक राजवंश के किस सुल्तान ने चाँदी के सिक्के के स्थान पर तांबे के सिक्के चलाए थे?

(a) गियासुद्दीन तुगलक (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) फिरोज शाह तुगलक (d) महमूद तुगलक

SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am
SSC CGL (TIER-1) 31-08-2016, 4.15 pm

Ans : (b) मुहम्मद बिन तुगलक ने चाँदी के सिक्कों के स्थान पर सांकेतिक मुद्रा के रूप में ताँबे के सिक्के चलवाये। वह सोने और चाँदी जैसी कीमती धातुओ को नष्ट होने से बचाना चाहता था परन्तु बाजार में तांबे के नकली सिक्के आ जाने से उसकी योजना सफल न हो सकी। उसने तांबे के सारे सिक्के वापस लेकर खजाने से चाँदी के सिक्के दे दिये जिससे खजाना रिक्त हो गया। इस प्रकार उसकी यह योजना असफल साबित हुई।

442. दिल्ली सल्तनत में राज्य और प्रशासन के संदर्भ में, 'मुक्ति' ('मुक्ति') शब्द का क्या अर्थ है?

(a) ज़िला स्तर का न्यायिक अधिकारी
(b) ग्राम पंचायत का मुखिया
(c) भूमि अभिहस्तांकन जिसे 'इक्ता' कहा जाता है, का धारक
(d) ग्राम समुदाय का प्रमुख

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-I)

Ans: (c) दिल्ली सल्तनत में राज्य और प्रशासन के संदर्भ में 'मुक्ति' शब्द का अर्थ भूमि अभिहस्तांकन जिसे इक्ता कहा जाता है का धारक था। इल्तुतमिश ने इक्ता व्यवस्था के तहत सुदूर क्षेत्रों को अपने नियंत्रण में रखने का प्रयास किया। इक्ता एक निश्चित भू-खण्ड या क्षेत्र था जिसके नियंत्रण व निर्देशनकर्ता को मुक्ति कहते थे। यह मुक्ति इन इक्तों की प्रशासनिक व्यवस्था के साथ कर वसूली का भी काम देखता था। इक्तादारों को समय-समय पर स्थानांतरित कर इसे नौकरशाही का रूप देने का प्रयास किया गया। इन इक्तादारों को अतिरिक्त या अधिशेष आय केन्द्र को भेजना पड़ता था, जिसे फवाजिल कहते थे।

443. इल्तुतमिश के शासनकाल के दौरान, विशेष गुलामों को सैन्य सेवा के लिए खरीदा जाता था, जिन्हें ——— के नाम से जाना जाता था।

(a) सामंत (b) बन्दगान
(c) इक्तादार (d) मुक्तिस

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-I)

Ans.(b): इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक कहलाता है जिसका शासनकाल 1210ई. से 1236 ई. तक 26 वर्ष तक रहा। दिल्ली का सुल्तान बनने से पहले इल्तुतमिश बदायूँ का सूबेदार था। इल्तुतमिश ने भारत में इक्ता प्रणाली की शुरूआत की, जिसमें विशेष गुलामों को सैन्य सेवा के लिए खरीदा जाता था, जिन्हें बंदगान कहा जाता था। फिरोज तुगलक द्वारा दीवान-ए-बंदगान नामक दास विभाग की स्थापना की गयी थी।

vii. सल्तनत कालीन स्थापत्य (Architecture of Sultanate Period)

444. निम्नलिखित में से किस शहर में कुव्वत अल-इस्लाम मस्जिद स्थित है?

(a) दिल्ली (b) लाहौर
(c) पानीपत (d) अजमेर

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद दिल्ली में स्थित है इसकी स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने करवाया था। कुतुबुद्दीन ऐबक गुलाम वंश का संस्थापक था। इसने गुलाम वंश की स्थापना 1206 ई. में किया था। कुतुबुद्दीन ऐबक मुहम्मद गोरी का गुलाम था। इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनायी थी। कुतुबमीनार की नींव कुतुबुददीन ऐबक ने डाली थी तथा अजमेर का ढाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण भी ऐबक ने करवाया था।

445. दिल्ली में खिलजी वंश के किस स्मारक में लाल बलुआ पत्थर का उपयोग हुआ है?

(a) विक्टोरिया मेमोरियल (b) अलाई-दरवाजा
(c) मोती मस्जिद (d) चार मीनार

SSC MTS– 19/05/2023 (Shift-III)

Ans. (b) : दिल्ली में खिलजी वंश के स्मारक अलाई दरवाजे में एक गुंबददार प्रवेश द्वार है, जिसे लाल बलुआ पत्थर का उपयोग करके बनाया गया है और इसे सफेद संगमरमर से सजाया गया है। अलाई दरवाजा की दीवारों को नश्क लिपि से बारीकी से उकेरा गया है। तुर्की के कारीगरों द्वारा निर्मित अलाई दरवाजा भारत की पहली इमारतों में से एक है जिसे इस्लामी स्थापत्य शैली का उपयोग करके बनाया गया है।

446. कुतुब मीनार_____आर्किटेक्चर का एक उदाहरण है।

(a) इंडो-इस्लामिक (b) द्रविड़
(c) सूफ़ी (d) मौर्य

SSC CHSL (Tier-1) – 21/03/2023 (Shift-II)
(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 4.15 pm)
(SSC J.E. 02.03.17, 10:00 am)

Ans. (a) : कुतुबमीनार इंडो-इस्लामिक आर्किटेक्चर का उदाहरण है, जो एक लाल और सफेद बलुआ पत्थर से बना है, जिसकी ऊँचाई 73मी. (239.5 फीट) है। यह दक्षिण दिल्ली शहर के महरौली में स्थित है। यह ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊँची मीनार है। इसका निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में आरम्भ किया, उसके उत्तराधिकारी इल्तुतमिश ने तीन मंजिलों को बढ़ाया और 1368 में फिरोजशाह तुगलक ने 5वीं और अंतिम मंजिल बनवाई।

447. हरियाणा राज्य में रजिया सुल्तान का मकबरा किस निर्माण सामग्री से निर्मित है?

(a) लाल बलुआ पत्थर (b) संगमरमर
(c) पकी हुई ईंटें (d) ग्रेनाइट

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : हरियाणा राज्य के कैथल जिले में रजिया सुल्तान का मकबरा पकी हुई ईंटों और चूने के गारे से निर्मित है। इल्तुतमिश की पुत्री रजिया सुल्तान (1236-1240) गुलाम वंश की शासिका था। वह दिल्ली सल्तनत की गद्दी पर बैठने वाली पहली महिला थी।

448. निम्नलिखित में से कौन-सा स्मारक खिलजी राजवंश द्वारा बनवाया गया था?

(a) बड़ा गुंबद (b) सफदरजंग का मकबरा
(c) अलाई दरवाजा (d) शीश गुंबद

SSC GD 25/11/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : गुलामवंश के शासन को समाप्त कर 13 जून, 1290 ई0 को जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने खिलजी वंश की स्थापना की थी। अलाई दरवाजा दिल्ली के मेहरौली में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद का दक्षिणी प्रवेश द्वार है। इसका निर्माण 1311 ई0 में सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी द्वारा लाल बलुआ पत्थर से करवाया गया था। इसे इस्लामी वास्तुकला का रत्न कहा जाता है। इसके अतिरिक्त जमैयत खाना मस्जिद, सीरी का किला व हजार खम्भा महल का निर्माण भी अलाउद्दीन खिलजी ने करवाया था।

449. कुतुबमीनार के पांचवें तल का निर्माण निम्न में से किसके शासनकाल के दौरान किया गया था?

(a) इल्तुतमिश (b) रज़िया सुल्तान
(c) फ़िरोज़ शाह तुग़लक़ (d) मोहम्मद-बिन-तुग़लक़

SSC GD 17/11/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : कुतुबमीनार भारत में दिल्ली के पास मेहरौली में स्थित ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊँची मीनार है। दिल्ली के प्रथम मुस्लिम शासक कुतुबद्दीन ऐबक ने इसका निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाया किन्तु वह केवल इसका आधार ही पूरा कर पाया। इसके उत्तराधिकारी इल्तुतमिश ने इसकी तीन मंजिले बनवायी और निर्माण कार्य पूरा किया। फिरोज शाह तुगलक के समय में आकाशीय बिजली गिरने के कारण इसकी चौथी मंजिल नष्ट हो गयी जिसके फलस्वरूप फिरोजशाह तुगलक ने इसमें दो मंजिलें बनवायी और इसमें पाँच मंजिले हो गई।

450. निम्न में से किसने कुतुब मीनार का निर्माण शुरु करवाया था?

(a) अकबर (b) जहांगीर
(c) इल्तुतमिश (d) कुतुब अल-दीन ऐबक

SSC CHSL 09/08/2021 (Shift-II)
SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

451. दिल्ली में जमात खाना मस्जिद का निर्माण निम्नलिखित में से किसने करवाया था?

(a) जलालुद्दीन फिरोज खिलजी
(b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) खिज्र खाँ
(d) कुतब अल-दीन मुबारक शाह

SSC GD 18/11/2021 (Shift-II)

Ans. (c): जमात खाना मस्जिद या खिलजी मस्जिद दिल्ली की सबसे पुरानी मस्जिद हैं। इसका निर्माण 1315-1325 ई. में सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी (खिलजी राजवंश) के पुत्र खिज्र खाँ द्वारा करवाया गया था।

452. कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद कहाँ स्थित है ?

(a) पुणे (b) दिल्ली
(c) मैसूर (d) आगरा

SSC GD 01/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद दिल्ली में स्थित है इसकी स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने करवाया था। कुतुबुद्दीन ऐबक गुलाम वंश का संस्थापक था। इसने गुलाम वंश की स्थापना 1206 ई. में किया था। कुतुबुद्दीन ऐबक मुहम्मद गोरी का गुलाम था। इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनायी थी। कुतुबमीनार की नींव कुतुबुददीन ऐबक ने डाली थी तथा अजमेर का ढाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण भी ऐबक ने करवाया था।

453. दिल्ली में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिण प्रवेश द्वार अलाई-दरवाजे का निर्माण—— द्वारा करवाया गया था।

(a) मुइज-उद्-दीन मुहम्मद गोरी
(b) अहमद शाह दुर्रानी
(c) अला-उद्-दीन खिलजी
(d) मुहम्मद बिन तुगलक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 05/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिण प्रवेश द्वार अलाई दरवाजा का निर्माण अलाउद्दीन खिलजी ने 1311 ई. में करवाया था। इसका साम्राज्य अफगानिस्तान से लेकर उत्तर मध्य भारत तक फैला था। स्थापत्य कला के क्षेत्र में अलाउद्दीन खिलजी ने वृत्ताकार 'अलाई दरवाजा' का निर्माण करवाया । अलाई दरवाजा प्रारम्भिक तुर्की कला का एक श्रेष्ठ नमूना है। इसके द्वारा बनवाये गये अन्य प्रमुख स्थल सीरी का किला (दिल्ली, 1303) तथा हजार खम्भा महल (दिल्ली) प्रमुख है।

454. भारतीय वास्तुशिल्प में सुर्खी किसने शुरू की थी?

(a) गुप्त (b) सल्तनत सुल्तान
(c) मुगल (d) कुषाण

SSC CPO (TIER-1) 2016

Ans : (b) भारतीय वास्तुशिल्प में सुर्खी नामक स्थापत्य कला की शैली सल्तनत काल में शुरू हुई।

455. किस विश्व विरासत स्थल में इल्तुतमिश की कब्र है?

(a) हुमायूँ का मकबरा (b) महाबोधि मंदिर समूह
(c) कुतुब मीनार (d) लाल किला परिसर

(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 10 am)

Ans : (c) दिल्ली सल्तनत के प्रथम शासक कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबमीनार का निर्माण सन् 1193 ई. में शुरू करवाया बाद में इल्तुतमिश ने इसे पूर्ण कराया। यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक श्रेणी के अन्तर्गत विश्व धरोहर के रूप में स्वीकृत किया है। कुतुबमीनार में इल्तुतमिश की कब्र मौजूद है।

456. हौज़-ए-सुल्तानी एक ..... है।

(a) मीनार (b) बड़ा जलाशय
(c) महल (d) मस्जिद

SSC MTS 14/08/2019 (Shift-I)

Ans. : (b) हौज-ए-सुल्तानी एक बड़ा जलाशय है जिसे दिल्ली के सुल्तान इल्तुतमिश के शासन काल के दौरान बनवाया गया था।

457. कुतुब मीनार का नाम सूफी संत.....के नाम पर रखा गया था।

(a) सैयद वहीद अशरफ
(b) अलाउद्दीन साबिर कलियारी
(c) ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(d) कुतुब-उद-दीन ऐबक

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans: (c) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी 'शेख मुइनुद्दीन चिश्ती' के शिष्य थे। वे कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश के समकालीन थे तथा कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश दोनों कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के शिष्य थे।

कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में दिल्ली के मेहरौली नगर में कुतुबमीनार का निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाया था।

458. मोठ की मस्जिद_____के शासनकाल में बनी थी।

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) सिकंदर लोदी
(c) औरंगज़ेब (d) अलादउद्दीन खिलजी

SSC MTS 09/08/2019 (Shift-III)

Ans. (b) : मोठ की मस्जिद दिल्ली में स्थित है जिसे 1505 में लोदी वंश के सिकंदर लोदी के शासन काल (1489-1517) के दौरान उसके वजीर मियाँ भुयाँ द्वारा बनवाया गया।

viii. सल्तनत कालीन साहित्य (Literature of Sultanate Period)

459. दिल्ली सल्तनत काल में तबकात-ए-नासिरी की रचना किसने की थी?

(a) हसन निजामी (b) अमीर खुसरो
(c) मिन्हाज-उस-सिराज (d) जियाउद्दीन बरनी

SSC CGL (Tier-II) – 02/03/2023

Ans. (c) :

रचना	रचनाकार
तबकात-ए-नासिरी	मिन्हाज-उस-सिराज
खजाइन-उल-फुतूह-(तुगलकनामा)	अमीर खुसरो
ताजुल-मासिर	हसन निजामी
तरीख-ए-फिरोजशाही	जियाउद्दीन बरनी

460. तारीख-ए-फिरोज शाही के लेखक कौन हैं?

(a) अमीर खुसरो (b) अल-बिरूनी
(c) इब्न बतूता (d) जियाउद्दीन बरनी

SSC CGL (Tier-1) – 17/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्यख्या देखें।

461. जौहर की घटना का उल्लेख फारसी भाषा में सबसे पहले किसने किया था?

(a) हसन निज़ामी (b) जियाउद्दीन बरनी
(c) अमीर ख़ुसरो (d) इब्न बतूता

SSC CHSL (Tier-1) – 11/08/2023 (Shift-III)

Ans. (c) : जौहर की घटना का उल्लेख फारसी भाषा में सबसे पहले अमीर खुसरो ने किया था। अमीर खुसरो ने जौहर की घटना में रणथंभौर के जौहर का वर्णन किया है।

462. निम्नलिखित में से किसके लेखक जियाउद्दीन बरनी थे?

(a) तारीख-ए-फिरोजशाही (b) सियार-उल-मुतखरीन
(c) मुन्तखब-उल-तवारीख (d) आइन-ए-अकबरी

SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : बरनी का जन्म 1285 में एक शिक्षित और धनवान परिवार में हुआ था। उसके पिता सुल्तान बलबन के शासनकाल में एक उच्च पदाधिकारी थे। सुल्तान गयासुद्दीन के दरबार में उसे सम्मानित स्थान प्राप्त था। बरनी, मुहम्मद तुगलक के निकट सम्पर्क में रहा। बरनी द्वारा रचित तारीख-ए-फीरोजशाही को ऐतिहासिक रूप से सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। बरनी ने इसे फारसी में लिखा था। इतिहासकार इलियट और डाउसन ने उसका अंग्रेजी मे अनुवाद किया। इस ग्रन्थ में बलबन से लेकर फिरोज तुगलक के प्रारम्भिक 6 वर्षों तक की घटनाओं का वर्णन है।

463. निम्नलिखित में से कौन अलाउद्दीन खिलजी के दरबारी कवि थे जिन्होंने प्रसिद्ध कविता 'हश्त -बहिश्त' लिखी थी?

(a) आगा हसन अमानत (b) अमीर खुसरो
(c) हरिषेण (d) चंदबरदाई

SSC GD 15/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : अमीर खुसरो ने 'हश्त बहिश्त' कविता लिखी थी। अमीर खुसरो अलाउद्दीन खिलजी के दरबारी कवि भी थे। अमीर खुसरो का वास्तविक नाम अबुल हसन था। अमीर खुसरो हज़रत निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। इनका जन्म 1253 ई. में एटा, उत्तर प्रदेश में हुआ तथा मृत्यु 1325 ई. में हुई थी। अमीर खुसरो को खड़ी बोली का जनक माना जाता है। अमीर खुसरो की प्रमुख रचनाएँ - खालिकबारी, खुसरो की पहेलियाँ, मुकरिया, गजल, किरान-उस-सादेन, खजाइन-उल-फुतूह (तारीख-ए-इलाही), देवलरानी खिज्र खाँ (आशिका), लैला- मजनू आदि है।

464. भारत का तोता' के नाम से किसे जाना जाता है?

(a) तानसेन (b) इब्न बतूता
(c) अमीर खुसरो (d) जियाउद्दीन बरनी

SSC MTS 02/08/2019 (Shift-I)
SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 4.15 pm
SSC CGL (TIER-1) 11-09-2016, 10 am

Ans. (c) : अमीर खुसरो का प्रारम्भिक नाम अबुल हसन था। ये फारसी के श्रेष्ठतम कवि, भाषा शास्त्री, गायक-विद्वान, इतिहासकार और खड़ी बोली हिन्दी को प्रारम्भ करने वाले थे। इन्हे 'तूती-ए-हिन्द' की उपाधि दी गई थी। ये दिल्ली के शासकों बलबन, कैकुबाद, जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी तथा मुहम्मद-बिन-तुगलक आदि के दरबार में रहे। इनकी प्रमुख रचनाएं तुगलकनामा, नूह सिपिहर, आशिका, खजाइन-उल-फुतूह तथा किरान-उस-सादेन आदि हैं।

2. सूफी एवं भक्ति आंदोलन (Sufism and Bhakti Movement)

(i) सूफी आंदोलन (Sufism Movement)

465. अजमेर शरीफ निम्नलिखित में से किस सूफी संत की दरगाह है?

(a) मोहम्मद बिन तुगलक (b) मोहम्मद गोरी
(c) ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (d) भक्तियार खिलजी

SSC MTS/Havaldar–08/09/2023 (Shift-II)

Ans. (c): मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का जन्म वर्ष 1141-42 ई. में ईरान के सिजिस्तान (वर्तमान सिस्तान) में हुआ था। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने वर्ष 1192 ई. मे अजमेर में रहने के साथ ही उस समय उपदेश देना शुरु किया, जब मुहम्मद गोरी (मोईजुद्दीन मुहम्मद बिन साम) ने तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को हराकर दिल्ली पर अपना शासन स्थापित कर लिया था। अजमेर में स्थित उनकी दरगाह पर मुहम्मद बिन तुगलक, शेरशाह सूरी, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, दारा शिकोह और औरंगजेब जैसे शासकों ने जियारत की।

466. शेख मुईनुद्दीन सिज्जी (मोइनुद्दीन चिश्ती) दरगाह निम्नलिखित में से किस शहर में स्थित है?

(a) पानीपत (b) जालंधर
(c) अजमेर (d) पटना

SSC CHSL 15/04/2021 (Shift-I)

Ans. (c): मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का जन्म वर्ष 1141-42 ई. में ईरान के सिजिस्तान (वर्तमान सिस्तान) में हुआ था। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने वर्ष 1192 ई. मे अजमेर में रहने के साथ ही उस समय उपदेश देना शुरु किया, जब मुहम्मद गोरी (मोईजुद्दीन मुहम्मद बिन साम) ने तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को हराकर दिल्ली पर अपना शासन स्थापित कर लिया था। अजमेर में स्थित उनकी दरगाह पर मुहम्मद बिन तुगलक, शेरशाह सूरी, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, दारा शिकोह और औरंगजेब जैसे शासकों ने जियारत की।

467. सूफी उस्ताद अपनी सभाओं को अपनी खानकाहों में आयोजित करते थे, जिन्हें .....कहा जाता था।

(a) स्तूप (b) धर्मशालाएं
(c) दरगाह (d) धर्मस्थल

SSC GD 02/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : खानकाह सूफी सन्तों के रहने, ठहरने, धार्मिक प्रवचन का स्थान हुआ करता था। सूफी सन्त अपनी सभाओं को खानकाहों में आयोजित करते थे। इन खानकाहों को 'धर्मशालाएँ' कहा जाता था। ध्यातव्य है कि भारत में सूफी सिलसिले के विभिन्न सम्प्रदाय विकसित हुए जैसे- चिश्ती, सुहरावर्दी, कादिरी तथा नक्शबन्दी सिलसिले।

468. सूफी परंपराओं के संदर्भ में, 'समा' शब्द का अर्थ क्या है?

(a) आश्रम (b) जादुई करतब
(c) पवित्र गीतों का पाठ (d) शागिर्द

SSC MTS 05/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : सूफी परंपराओं के संदर्भ में, 'समा' शब्द का अर्थ 'पवित्र गीतों का पाठ' से है। समा (सूफीवाद) एक सूफी समारोह है जिसे जिक्र या दिक्र के रूप में किया जाता है। समा का मतलब है ''सुनना'', जबकि जिक्र या दिक्र का अर्थ है ''याद''। इन अनुष्ठानों में अक्सर गायन, यंत्र बजाना, नृत्य करना, कविता और प्रार्थनाओं का पाठ, प्रतीकात्मक पोशाक पहनना और अन्य अनुष्ठान शामिल होते है। यह सूफीवाद में इबादत (पूजा) का एक विशेष रूप है।

469. शेख ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह कहाँ पर स्थित है?

(a) अजमेर (b) अजोधन
(c) दिल्ली (d) आगरा

SSC MTS 02/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : ख्वाजा कुतबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह कुतुब साहिब की दरगाह के नाम से प्रसिद्ध है। यह दरगाह मेहरौली (दिल्ली) में स्थित है। कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी का संबंध चिश्ती सिलसिले से था।

470. मध्यकालीन सूफ़ी परंपरा के संदर्भ में, 'वली' शब्द का क्या अर्थ है?

(a) संत (b) आश्रम
(c) शिष्य (d) क्रम

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)

Ans: (a) मध्यकालीन सूफी परम्परा के संदर्भ में 'वली' शब्द का अर्थ संत होता है। सूफी मत का बुनियादी सिद्धान्त प्रेम है। सूफी सिलसिला इस्लाम की ही एक परम्परा है।

471. अजमेर में उर्स महोत्सव किस सूफी संत की पुण्य तिथि के रूप में मनाया जाता है?

(a) ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (b) सलीम चिश्ती
(c) हजरत निजामुद्दीन (d) मियां मीर

SSC GD 01/03/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : अजमेर शरीफ में सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में उर्स के रूप में 6 दिन तक वार्षिक उत्सव मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि जब ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती 114 वर्ष के थे तो उन्होंने अपने आप को 6 दिन तक कमरे में रखकर अल्लाह की प्रार्थना की थी।

472. सूफी संत के मकबरे को ——— कहा जाता है।

(a) कल-दे-सक (b) ईदगाह
(c) दरगाह (d) खानकाह

SSC MTS 09/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : सूफी संत के मकबरे को दरगाह कहा जाता है। दरगाह अक्सर किसी प्रतिष्ठित सूफी संत या दरवेश की कब्र पर बनाया जाता है। किसी दरगाह के साथ अक्सर सूफी बैठके और विश्राम गृह बने हाते है। जिन्हें खानकाह कहते है।
स्थानीय मुस्लिम, तीर्थयात्रा के उद्देश्य से किसी दरगाह की यात्रा करते हैं। इस यात्रा को जियारत कहते हैं।

473. निम्नलिखित में से कौन–सा सूफी संप्रदाय सर्वाधिक रूढ़िवादी था?

(a) चिश्ती (b) कादिरी
(c) सरवरी कादिरी (d) नक्शबन्दी

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-I)

Ans. (d): नक्शबन्दी सिलसिला की स्थापना ख्वाजा बाकी बिल्लाह ने की थी। सूफी संप्रदायों में यह सबसे कट्टरवादी/रुढ़िवादी था। इन्होंने अकबर की उदार नीतियों का विरोध किया। जबकि चिश्ती संप्रदाय भारत का सर्वप्रथम प्राचीन सूफी सिलसिला है। इसकी स्थापना 12वीं शताब्दी में ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती ने की थी। कादरी संप्रदाय की स्थापना शेख अब्दुर कादिर जिलानी ने एवं सुहरावर्दी संप्रदाय की स्थापना शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी ने की थी।

(ii) भक्ति आंदोलन (Bhakti Movement)

474. दक्षिण भारत के उस भक्ति संत का नाम बताइए, जो प्रारंभ में जैन थे और बारहवीं शताब्दी में एक चालुक्य राजा के दरबार में मंत्री थे।

(a) कराइक्कल अम्मइयर (b) बसवन्ना
(c) एकनाथ (d) तल्लपका अन्नमाचार्य

SSC CGL (Tier-1) – 27/07/2023 (Shift-III)

Ans. (b): दक्षिण भारत के संत बसवन्ना (1106-1168 ई.) लिंगायत आन्दोलन के जनक थे। ये प्रारम्भ में जैन मत को मानते थे तथा कल्याणी के चालुक्य वंश के राजा बिज्जला द्वितीय के दरबार में मंत्री थे।

475. अलवार किस दक्षिण भारतीय पंथ के अनुयायी थे?

(a) जैन धर्म (b) शक्तिवाद
(c) शैव धर्म (d) वैष्णव

SSC CHSL (Tier-1) – 09/08/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : दक्षिण भारत में अलवार वैष्णव पंथ के अनुयायी थे। इनकी संख्या 12 थी जिनमें प्रसिद्ध महिला संत आण्डाल थी थी, जिन्हें 'दक्षिण की मीरा' कहा जाता है। नयनार शैव मत के अनुयायी थे। इनकी संख्या 63 थी।

476. 19 वीं शताब्दी में, मध्य भारत में सतनामी आंदोलन की स्थापना किसने की थी?

(a) नारायण गुरु (b) केशव चंद्र सेन
(c) गुरु घासीदास (d) हरिदास ठाकुर

SSC CHSL (Tier-I) –10/07/2019 (Shift-II)

Ans. (c) : भगवान बुद्ध द्वारा शुरू किया गया सतनाम दर्शन पहले कबीर द्वारा उसके बाद गुरु घासीदास के पूर्वजों ने अपनाया। अपने पूर्वजों से इसी मानवीय पंथ को स्वयं गुरु घासीदास ने आगे बढ़ाया। इस प्रकार देखा जाये तो सतनाम पंथ पहले इतिहास से जुड़ा फिर राजनीति से और बाद में समाज सुधार। औरंगजेब के कार्यकाल में मुगल सेना व सतनामियों के बीच कई युद्ध हुए।

477. 'पुष्टिमार्ग' नामक भक्ति संप्रदाय के संस्थापक निम्नलिखित में से कौन थे?

(a) वल्लभाचार्य (b) कबीर
(c) शंकराचार्य (d) रामानुजन

SSC MTS 20/10/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : वल्लभाचार्य (1479–1531 ई.)–

- जन्म – उत्तर प्रदेश के वाराणसी में
- दार्शनिक मत – शुद्ध अद्वैतवाद
- संप्रदाय – रूद्र संप्रदाय
- धर्म – वैष्णव धर्म के कृष्ण मार्गी शाखा के दूसरे महान संत
- ईश्वर के अनुग्रह या कृपा से ही भक्ति उत्पन्न होती है और यह अनुग्रह पुष्टि कहलाता है। इसी से वल्लभाचार्य का भक्तिवाद 'पुष्टिमार्ग' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। पुष्टिमार्ग में 'श्रीकृष्ण' को 'परमब्रह्मा' माना गया है।

478. भगवान राम पर केन्द्रित भक्ति आंदोलन के अग्रदूत कौन थे?

(a) नामदेव (b) रामानंद
(c) जयदेव (d) विवेकानंद

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-I)

Ans : (b) भगवान राम पर केन्द्रित भक्ति आंदोलन के अग्रदूत रामानंद थे। इन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम व सीता की आराधना को समाज के समक्ष रखा। इनका जन्म 1299 ई. को प्रयाग में हुआ था तथा इनकी शिक्षा बनारस में हुई थी। इनके प्रमुख शिष्य कबीर (जुलाहा), रैदास (हरिजन), धन्ना (जाट), सेना (नाई), पीपा (राजपूत) व सघना (कसाई) और दो स्त्रियाँ पद्मावती व सुरसरी थी।

479. .....प्रारम्भिक 8वीं सदी के दौरान भारत के एक दार्शनिक और धर्मशास्त्री थे, जिन्होंने अद्वैत वेदांत के सिद्धांत को समेकित किया था।

(a) आदि शंकराचार्य (b) ज्ञानेश्वर
(c) एकनाथ (d) माधवाचार्य

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) आदि शंकराचार्य का जन्म 788 ई. केरल राज्य (तत्कालीन मालाबार प्रांत) में हुआ था। इनके पिता शिव गुरु तैत्तिरीय शाखा के यजुर्वेदी ब्राह्मण थे। आदि शंकराचार्य अद्वैत वेदांत के प्रणेता थे। इन्होंने दक्षिण में श्रृंगेरी पीठ, पूर्व के जगन्नाथपुरी में गोवर्धन पीठ, पश्चिम के द्वारका में शारदा मठ तथा उत्तर के बद्रीनाथ में ज्योतिष पीठ नामक मठों की स्थापना की।

480. निम्नलिखित में से कौन, महाराष्ट्र के एक संत थे?

(a) दादू दयाल (b) चोखामेला
(c) भाखन (d) सुंदर दास

SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : चोखामेला (1300-1400) महाराष्ट्र के एक प्रसिद्ध सन्त थे जिन्होंने कई अभंगों की रचना की है। उन्हें भारत का दलित-महार जाति का पहला महान् कवि कहा गया है। सामाजिक-परिवर्तन के आन्दोलन में चोखामेला पहले सन्त थे जिन्होंने भक्तिकाल के दौर में सामाजिक गैर बराबरी को लोगों के सामने रखा।

481. निम्नलिखित में से कौन सा भगवान विठोबा की स्तुति में गाया जाने वाला भक्ति काव्य का एक रूप है?

(a) सबद (b) अभंग
(c) तेवरम (d) भटियाली

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : 'अभंग' का अर्थ 'विठोबा को समर्पित भक्ति काव्य है। अभंग हिंदू भगवान विट्ठल अथवा विठोबा की स्तुति में गाया जाने वाला भक्ति कविता का एक रूप है। 'अभंगों के लिए कुछ प्रसिद्ध संगीतकार पं. भीमसेन जोशी, सुधीर फड़के, सुरेश वाडकर, रंजनी, गायत्री आदि हैं।

482. तुलसीदास की रचना, रामचरितमानस, ——— भाषा में लिखी गई है।

(a) असमिया (b) अवधी
(c) उर्दू (d) संस्कृत

SSC GD 08/12/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : तुलसीदास की रचना, रामचरितमानस अवधी भाषा में लिखी गई है। इस ग्रन्थ को अवधी साहित्य (हिंदी साहित्य) की एक महान कृति माना जाता है। रामचरितमानस भारतीय संस्कृति में एक विशेष स्थान रखता है।

483. चैतन्य, जिन्हें श्री गौरांग के नाम से भी जाना जाता है, _____ के एक लोकप्रिय वैष्णव संत और सुधारक थे ।

(a) श्रृंगेरी (b) पंढरपुर
(c) मदुरै (d) नादिया

SSC GD 29/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : चैतन्य, जिन्हें श्री गौरांग महाप्रभु के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म सन् 1486 में पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में हुआ था। वह एक लोकप्रिय वैष्णव संत और समाज सुधारक थे। चैतन्य वैष्णव धर्म के कृष्णमार्गी शाखा के महान प्रवर्तक थे। वह कृष्ण भक्ति के समर्थक थे। इन्होंने वृंदावन में राधा और कृष्ण को आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान किया था।

484. लाल डेड, जो कि 14वीं शताब्दी की महिला संत थी, की गिनती.....भाषा की आरंभिक और सबसे प्रसिद्ध कवयित्रियों में की जाती है।

(a) तमिल (b) पंजाबी
(c) कश्मीरी (d) बंगाली

SSC MTS 22/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c): लल्लेश्वरी (लाल डेड) चौदंहवीं सदी की एक भक्त कवयित्री थी जो कश्मीर की शैव भक्ति परम्परा और कश्मीरी भाषा की एक अनमोल कड़ी थी। इनका जन्म श्रीनगर से दक्षिण पूर्ण में स्थित एक छोटे से गाँव में हुआ था।

485. .....एक हिंदू संत थे, जो भक्ति आंदोलन और महाराष्ट्र के वारकरी संप्रदाय से जुड़े थे।

(a) कान्होपात्रा (b) गोरा कुंभार
(c) नामदेव (d) समर्थ रामदास

(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) संत गोरा कुंभार एक हिंदू संत थे। ये भक्ति आंदोलन और महाराष्ट्र के बरकरी संप्रदाय से जुड़े थे। बरकरी संप्रदाय के लोग प्रतिदिन कीर्तन करते थे। गोरा कुंभार (1267-1317 ई.) को नामदेव के समकालीन माना जाता है।

486. प्रारंभिक भक्ति आन्दोलनों में से एक अलवारों के नेतृत्व में हुआ वे किसके भक्त थे?

(a) शिवा (b) सूर्य
(c) विष्णु (d) ब्रह्मा

(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)

Ans: (c) भक्ति आंदोलन हिन्दुओं का सुधारवादी आंदोलन था। इसमें ईश्वर के प्रति असीम भक्ति, ईश्वर की एकता, सभी धर्मों की समानता पर बल दिया गया। भक्ति आंदोलन की शुरूआत दक्षिण भारत में सातवीं से बारहवीं शताब्दी के मध्य हुआ। भक्ति आंदोलन के विकास में अलवार एवं नयनार संतो की प्रमुख भूमिका रही। 12 तमिल वैष्णव संत जो संयुक्त रूप से अलवार कहलाए तथा शैव संत नयनार (63) कहलाते थे। अलवार संतो ने विष्णु की उपासना की एवं नयनार संत शिव के उपासक थे।

487. ज्ञानेश्वर तेरहवीं शताब्दी के एक मराठी संत थे जिन्होंने ज्ञानेश्वरी लिखी थी, जो..... पर एक कमेंट्री है।

(a) रामायण (b) भगवत गीता
(c) वेद (d) उपनिषद

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 1.15 pm)

Ans : (b) संत ज्ञानेश्वर महाराष्ट्र के एक महान संत थे। संत ज्ञानेश्वर का जन्म 1275 ई. में महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में हुआ था। इसके पिता का नाम विट्ठल पंत एवं माता का नाम रुक्मिणी बाई था। संत ज्ञानेश्वर ने भगवतगीता पर मराठी भाषा में ज्ञानेश्वरी नामक काव्य लिखा था।

3. विजयनगर साम्राज्य (Vijayanagar Empire)

488. जबकि इतिहासकार विजयनगर साम्राज्य शब्द का प्रयोग करते हैं, समकालीनों ने इसे _____ समराज्यमु के रूप में वर्णित किया है।

(a) केरल (b) आंध्र
(c) कर्नाटक (d) तमिल

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-IV)

Ans. (c) : इतिहासकार विजयनगर साम्राज्य शब्द काप्रयोग करते हैं, समकालीनों ने इसे कर्नाटक साम्राज्य के रूप में वर्णित किया है। इस साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का द्वारा तुंगभद्रा नदी के उत्तरी तट पर की गई थी। विजयनगर का वर्तमान नाम हम्पी (हस्तनावती) है।

489. ..... विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी।

(a) मगध (b) कांची
(c) हम्पी (d) कल्याणी

SSC CHSL (Tier-1) – 20/03/2023 (Shift-I)
SSC MTS 18/10/2021 (Shift-III)
(SSC 10+2 CHSL 22.01.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 10 am)

Ans. (c) : हम्पी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। यह उत्तरी कर्नाटक में स्थित एक शहर था, जो हिन्दू और जैन धर्म का एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल है,यह तुंगभ्रदा नदी के तट पर स्थित है। हम्पी-विजयनगर को 1500 ईस्वी के बीजिंग के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मध्ययुगीन शहर माना जाता था। 1986 में यूनेस्को को विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया गया। यहां पर लगभग 1600 स्मारक हैं।

490. विजयनगर के सम्राट कृष्णदेव राय ने अपनी/अपने _____के नाम पर विजयनगर के समीप नागलपुरम नामक एक उपनगर की स्थापना की थी।

(a) गुरू (b) बहन
(c) पिता (d) माता

SSC CGL (Tier-1) – 14/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (d) : विजयनगर के सम्राट कृष्णदेव राय अपनी माता के नाम पर विजयनगर के समीप नगलपुरम् नामक एक उपनगर की स्थापना की।

491. 'पत्तनुलकर' गुजरात क्षेत्र से विजयनगर राज्य में चले गए। वे कौन थे?

(a) रेशम बुनकर (b) कपास व्यापरी
(c) सुनार (d) हीरा निर्माता

SSC CGL (Tier-1) – 24/07/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : 'पत्तनुलकर' गुजरात क्षेत्र से विजयनगर राज्य में चले गये रेशम बुनकर थे।

492. फारसी दूत अब्दुर रज्जाक किसके शासन काल विजयनगर आया था।

(a) देव राय II (b) देव राय I
(c) बुक्का I (d) हरिहर II

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-III)
(SSC J.E. 01.03.17, 2:45 pm)
SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : फारसी यात्री अब्दुर्रज्जाक (1443-1444 ई.) ने देवराय द्वितीय के शासन काल में विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की थी। विजयनगर के बारे में वह लिखता है कि ''मैने पूरे विश्व में इसके समान दूसरा शहर न देखा न सुना है। यह इस प्रकार बना हुआ है कि एक के भीतर सात परकोटे हैं।'' अब्दुर्रज्जाक एक फारसी विद्वान और इतिहासकार था, जो तैमूर राजवंश के शासक शाहरूख के राजदूत के रूप में विजयनगर साम्राज्य का दौरा किया।

493. कृष्णदेव राय ने तेलुगू में.....पर एक कृति की रचना की, जिसे अमुक्तमाल्यदा के नाम से जाना जाता है।

(a) संगीत (b) शासन-कला
(c) नृत्य (d) औषधि

SSC CGL (Tier-1) – 20/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (b): कृष्णदेवराय (1509-1529) विजयनगर साम्राज्य के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा थे। वे स्वयं कवि एवं कवियों के संरक्षक थे तेलुगू भाषा में उनका काव्य 'आमुक्तमाल्यद' साहित्य का एक रत्न है। तेलुगू भाषा के आठ प्रसिद्ध कवि उनके दरबार में थे जो 'अष्टदिग्गज' के नाम से प्रसिद्ध थे। इतिहासकार तेजपाल सिंह धामा ने हिन्दी में इनके जीवन पर प्रामाणिक उपन्यास 'आंध्रभोज' लिखा है। बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' में जिन भारतीय राज्यों का उल्लेख किया है, उनमें विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय को तत्कालीन भारत का सबसे शक्तिशाली शासक कहा है। कृष्णदेवराय एक महान विद्वान, विद्याप्रेमी व विद्वानों के संरक्षक भी थे। इसलिए इन्हे तेलुगू भोज, आन्ध्र भोज कहा जाता है। इनका काल तेलुगू साहित्य का क्लासिकल युग माना जाता है। कृष्णदेवराय ने संस्कृत भाषा में ''जाम्बवती कल्याणम' और 'ऊषा परिणयम' की रचना की।

494. विजयनगर साम्राज्य के संस्थापक निम्नलिखित में से किस राजवंश के सामंत थे?

(a) चोल (b) काकतीय
(c) पाण्ड्य (d) होयसल

SSC CHSL (Tier-1) – 17/08/2023 (Shift-IV)

Ans. (b) : विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का ने अपने पिता संगम के नाम पर 'संगम राजवंश' की स्थापना की। ये पहले काकतीय राजवंश के अन्तर्गत सामंत थे, बाद में वे काम्पिल्य राज्य में मंत्री नियुक्त हुए।

495. विजयनगर साम्राज्य के तुलुव वंश की स्थापना किसने की थी?

(a) कृष्णदेव राय (b) नरसिंह देव राय
(c) देव राय प्रथम (d) अच्युत देव राय

SSC CHSL (Tier-1) – 04/08/2023 (Shift-III)
SSC GD 15/12/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : कृष्णदेव राय (1509 - 29) तुलुव वंश और विजयनगर साम्राज्य के महानतम शासक थे। इन्ही के समय 1526 ई. में उत्तर भारत पर बाबर का आक्रमण और मुगल सत्ता का प्रारम्भ हुआ। बाबर ने अपनी आत्मकथा (तुजुक-ए-बाबरी) में कृष्णदेव राय को भारत का सबसे शक्तिशाली शासक बताया है। अपनी सांस्कृतिक उपलब्धियों के लिए इन्हें आध्रभोज कहा जाता है। कृष्णदेव राय ने तेलुगू में अमुक्तमाल्याद् और संस्कृत में जाम्बवती कल्याणम की रचना की।

496. दिल्ली सल्तनत की निम्नलिखित में से किस प्रणाली/व्यवस्था का बहमनी और विजयनगर साम्राज्यों पर प्रभाव था?

(a) बिटिकची (b) चहलगनी
(c) इक्तादारी (d) वाली

SSC CGL (Tier-1)– 17/07/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : दिल्ली सल्तनत की इक्तादारी प्रणाली/व्यवस्था का बहमनी और विजयनगर साम्राज्यों पर प्रभाव था इक्ता का अर्थ है वह भूखंड जिससे आने वाला एक भू-राजस्व किसी भी अधिकारी या सैनिक का वेतन होता था। यह एक क्षेत्रीय अनुदान था जिसे पाने वाले को मुक्ति, वली और इक्तेदार कहा जाता था जो नकद वेतन ना लेकर भूमि का कुछ भाग लेते थे। इल्तुतमिश के शासन काल में इक्ता व्यवस्था प्रशासन का आधार थी।

497. चंद्रगिरि विजयनगर शासकों की अंतिम राजधानी थी। चंद्रगिरि किला भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) आंध्र प्रदेश (b) राजस्थान
(c) बिहार (d) गुजरात

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I

Ans. (a) : चन्द्रगिरि किला भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में तिरुपति के निकट चंद्रगिरि नामक स्थान पर स्थित एक दुर्ग है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में श्रीकृष्ण देवराय द्वारा कराया गया था। यह किला तीन सौ वर्षों तक देवराय राजवंश के अधिकार में रहा। 1367 ई. में यह विजयनगर के शासकों के हाथों में चला गया। उस समय चन्द्रगिरि राज्य चार बड़े नगरों में से एक था।

498. निम्न में से महाकाव्य कहानी 'मनुचरित्र के लेखक कौन है?

(a) पोन्ना (b) अल्लासानी पेद्दना
(c) बाणभट्ट (d) चंदबरदाई

SSC CHSL 12/08/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय (1509-1529) साहित्य के महान विद्वान थे। इनके दरबार में तेलुगू साहित्य के 8 सर्वश्रेष्ठ कवि रहते थे। जिन्हें अष्ठ दिग्गज कहा जाता था। अष्ठ दिग्गज में सर्वाधिक महत्वपूर्ण अल्लासानी पेद्दना को तेलुगू कविता का पितामह की उपाधि दी गयी है। इनकी मुख्य कृति स्वरोचित सम्भव या मनुचरित्र है।

499. निम्नलिखित शासको में से कौन तुलुव वंश से संबंधित था।

(a) पुष्पमित्र शुंग (b) कृष्णदेव राय
(c) विष्णुवर्धन (d) सिम्हा विष्णु

SSC CHSL 10/08/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : तुलुव वंश (1505-1570 ई.) की स्थापना नरसा नायक के पुत्र 'वीर नरसिंह' ने की थी। इतिहास में उसे 'द्वितीय बलापहार' की संज्ञा दी गई है। 1505 में नरसिंह ने सालुव वंश के नरेश इम्माडि नरसिंह की हत्या करके स्वयं विजयनगर साम्राज्य के सिंहासन पर अधिकार कर लिया और तुलुव वंश की स्थापना की। नरसिंह का पूरा शासन काल आन्तरिक विद्रोह एवं आक्रमणो से प्रभावित था। 1509 ई. में वीर नरसिंह की मृत्यु हो गई। उसकी मृत्यु के पश्चात् उसका अनुज 'कृष्ण देव राय' सिंहासनारुढ़ हुआ।

500. निम्नलिखित में कौन एक पुर्तगाली लेखक था जो दक्षिण भारत के आर्थिक और सामाजिक जीवन के बारे में वर्णन किया था।

(a) निकोलो मैनुची (b) फ्रेंकोइस बर्नियर
(c) जीन वैप्टिस्ट टेवर्नियर (d) डुआर्ट बारबोसा

SSC CHSL 10/08/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : कृष्णदेव राय के समय में पुर्तगाली यात्री डुआर्ट बारबोसा और डोमिंगों पॉयस भारत आए थे। जिसने समकालीन भारत के आर्थिक एवं सामाजिक जीवन का वर्णन किया था। बारबोसा से पूर्व पुर्तगाल के ही यात्री डोमिगो पायस कृष्णदेव राय के शासनकाल में ही विजयनगर आया था। पायस ने कृष्णदेव के सम्बन्ध में लिखा है कि ''इसके बाजारों में सम्पूर्ण विश्व की कोई ऐसी वस्तु नही है जो न बिकती हो।

501. 1336 में निम्न में से किस साम्राज्य को हरिहर और बुक्का ने स्थापित किया था?

(a) मराठा साम्राज्य (b) कुषाण साम्राज्य
(c) विजयनगर साम्राज्य (d) चेर साम्राज्य

SSC CHSL 16/04/2021 (Shift-II)

Ans. (c) विजयनगर या 'विजय का शहर' एक शहर और साम्राज्य दोनों का नाम था। इस साम्राज्य की स्थापना 14वीं शताब्दी (1336 ईस्वी) में संगम वंश के हरिहर और बुक्का ने की है। यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के दूरतम दक्षिण तक फैला हुआ है। विजयनगर साम्राज्य पर चार महत्वपूर्ण राजवंशों का शासन था, जो इस प्रकार है- संगम, सुलुव, अरावीडु, तुलुव वंश। कृष्णदेव रॉय (1909-29) विजयनगर का सबसे प्रसिद्ध शासक था।

502. विजय नगर साम्राज्य की स्थापना निम्नलिखित में से किस वर्ष में हुई थी?

(a) 1229 (b) 1412
(c) 1336 (d) 1456

SSC CHSL 04/08/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

503. विजयनगर की प्राचीन राजधानी, हम्पी कहाँ पर स्थित है?

(a) केरल (b) कर्नाटक
(c) तेलंगाना (d) तमिलनाडु

SSC CHSL (Tier-I) –11/07/2019 (Shift-III)
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का ने की थी। इसकी राजधानी हम्पी थी जो वर्तमान में कर्नाटक में है। विजयनगर साम्राज्य के (हंपी के) खंडहर तुंगभद्रा नदी पर स्थित है। इसकी राजभाषा तेलुगू थी।

504. कृष्णदेवराय की कृतियों में से एक 'अमुक्तमाल्यद' इस भाषा में लिखी गई थी।

(a) तेलुगू (b) तमिल
(c) कन्नड़ (d) संस्कृत

SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : कृष्णदेवराय (1509-1529) विजयनगर साम्राज्य के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा थे। वे स्वयं कवि एवं कवियों के संरक्षक थे तेलुगू भाषा में उनका काव्य 'आमुक्तमाल्यद' साहित्य का एक रत्न है। तेलुगू भाषा के आठ प्रसिद्ध कवि उनके दरबार में थे जो 'अष्टदिग्गज' के नाम से प्रसिद्ध थे। इतिहासकार तेजपाल सिंह धामा ने हिन्दी में इनके जीवन पर प्रामाणिक उपन्यास 'आंध्रभोज' लिखा है। बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' में जिन भारतीय राज्यों का उल्लेख किया है, उनमें विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय को तत्कालीन भारत का सबसे शक्तिशाली शासक कहा है। कृष्णदेवराय एक महान विद्वान, विद्याप्रेमी व विद्वानों के संरक्षक भी थे। इसलिए इन्हे तेलुगू भोज, आन्ध्र भोज कहा जाता है। इनका काल तेलुगू साहित्य का क्लासिकल युग माना जाता है। कृष्णदेवराय ने संस्कृत भाषा में ''जाम्बवती कल्याणम' और 'ऊषा परिणयम' की रचना की।

505. प्रसिद्ध यात्री दुआर्ते बार्बोसा कहाँ का निवासी था?

(a) स्पेन (b) पुर्तगाल
(c) फ्रांस (d) मिस्र

SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-II)

Ans : (b) प्रसिद्ध यात्री दुआर्ते बार्बोसा पुर्तगाल का निवासी था। यह पुर्तगाली अधिकारी के रूप में सन् 1500 से 1516 तक भारत में रहा था। यह कृष्णदेव राय के समय में विजयनगर की यात्रा पर आया था।

506. निम्नलिखित में से कौन सा विजयनगर कला का सबसे अच्छा उदाहरण है?

(a) अजंता (b) हम्पी
(c) पुरी (d) सांची

SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : विजयनगर कला का सबसे अच्छा उदाहरण हम्पी है। हम्पी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। यह नगर अब खडंहर के रूप में शेष है। भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित यह नगर विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल है। ध्यातव्य है कि हरिहर और बुक्का नामक दो भाइयों ने 1336 ई. में विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की थी। हम्पी में स्थित स्थापत्य कलाओं में प्रमुख है- विरुपाक्ष मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विट्ठलस्वामी मन्दिर, हजारा राम मन्दिर आदि। विजयनगर के शासकों ने स्थापत्य कला के विकास में प्रशंसनीय योगदान दिया। दक्षिण भारत में मंदिर निर्माण शैली का चरमोत्कर्ष विजयनगर के शासकों के काल में ही प्राप्त हुआ। द्रविड़ शैली के आधार पर विजयनगर साम्राज्य का स्थापत्य विकसित हुआ। हजाराराम तथा विट्ठलस्वामी मंदिर के अतिरिक्त कृष्णदेव राय ने चिदम्बरम् मंदिर का निर्माण भी कराया।

507. तालीकोटा के युद्ध के समय विजयनगर साम्राज्य में कौन से राजवंश का राज था?

(a) संगम (b) अनिरिदु
(c) तुलुव (d) सालुव

SSC CGL (TIER-1) 01-09-2016, 10 am
SSC CGL 08-09-2016, 10 am

Ans : (c) तुलुव राजवंश विजयनगर का तीसरा राजवंश था यह राजवंश 1505 से 1570 ई. तक चला था। इसी राजवंश के समय तालीकोटा का युद्ध 23 जनवरी, 1565 ई. को हुआ था। कृष्ण देव राय इस राजवंश के सबसे प्रमुख राजा थे। विजयनगर में संगम राजवंश (1336-1485) प्रथम राजवंश तथा सालुव (1485 - 1491) द्वितीय राजवंश था।

4. बहमनी राज्य (Bahmani Kingdom)

508. कृष्णा और तुंगभद्रा के बीच की भूमि, रायचूर दोआब, विजयनगर और _____ के राजाओं के बीच संघर्ष का कारण थी।

(a) मालवा (b) बंगाल
(c) बहमनी (d) गोलकुंडा

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-IV)

Ans. (c) : कृष्णा एवं तुंगभद्रा के बीच की भूमि 'रायचूर दोआब' विजयनगर और बहमनी राजाओं के बीच संघर्ष का कारण थी। यह क्षेत्र उपजाऊ और खनिज संसाधनों से समृद्ध था। इन दोनों के बीच लड़ाई निर्णायक नहीं रही और यथास्थिति बरकरार रही।

509. बहमनी साम्राज्य की स्थापना अलाउद्दीन बहमन शाह ने ___ में की थी।

(a) 1347 (b) 1346
(c) 1336 (d) 1345

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-III)

Ans. (a) : दक्कन (द. भारत) में मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल के अन्तिम दिनों में 1347ई. में हसन गंगू नामक सरदार ने अलाउद्दीन हसन बहमन शाह की उपाधि धारण करके सिंहासनारूढ़ हुआ और बहमनी साम्राज्य की स्थापना की। उसने गुलबर्गा को अपने नवसंस्थापित राज्य की राजधानी बनाया और उसका नाम अहसानाबाद रखा। ध्यातव्य है कि 1425 ई. में इसकी राजधानी बीदर हो गयी।

510. निम्नलिखित में से कौन बहमनी सल्तनत का संस्थापक था, जिसने सिंहासन पर बैठने के बाद बहमन शाह की उपाधि धारण की थी?

(a) दाऊद शाह (b) मोहम्मद शाह
(c) अलाउद्दीन हसन
(d) गयास-उद-दीन तहमतान शाह

SSC CGL (Tier-1) – 26/07/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

511. इमादशाही वंश किस राज्य की स्थापना के लिए जाना जाता था?

(a) गोलकुण्डा (b) बरार
(c) बीदर (d) अहमदनगर

Ans. (b) : 1490 ई. में इमाद शाही वंश के संस्थापक इमाद-उल-मुल्क ने स्थापना की। इसकी स्थापना बहमनी सल्तनत के विघटन के बाद बरार में हुयी। यह एक मुस्लिम राज्य था, जिसकी राजधानी एलीचपुर थी। 1572 ई. में अहमदनगर इसे विजित कर अपना हिस्सा बना लिया।

512. निम्नलिखित में से कौन सा शहर अपनी आधारशिला रखे जाने के तुरंत बाद बहमनी सल्तनत की राजधानी बन गया था?

(a) देवगिरी (b) दौलताबाद
(c) अहसानाबाद (d) बरार

SSC MTS 08/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : 1347 से 1425 के बीच बहमनी साम्राज्य की पहली राजधानी अहसानाबाद (वर्तमान गुलबर्गा) थी, जो अपनी आधारशिला रखे जाने के तुरंत बाद बहमनी सल्तनत की राजधानी बन गयी थी।

* बहमनी साम्राज्य की स्थापना 1347 में अलाउद्दीन बहमन शाह (हसनगंगू) ने की थी।

513. निम्नलिखित में से कौन सी सल्तनत निज़ामशाही राजवंश द्वारा शासित थी?

(a) गोलकुंडा (b) अहमदनगर
(c) बीजापुर (d) बेरार

SSC JE Mechanical – 22/03/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : अहमदनगर सल्तनत निजाम शाही राजवंश की राजधानी था। अहमद नगर की स्थापना इस वंश के पहले सुल्तान अहमद निजामशाह ने किया था। मुगल सम्राट अकबर के समय में यहाँ का शासक बुरहान- उल-मुल्क था। चाँद बीबी बुरहान-उल-मुल्क की बहन थी। जिसका विवाह बीजापुर राजघराने में हुआ था। किन्तु वह अपने भतीजे की मदद् के लिए अहमदनगर आ गयी थी। 1663 में शाहजहाँ द्वारा अहमदनगर राज्य का मुगल साम्राज्य में विलय कर लिया गया।

514. बहमनी साम्राज्य का संस्थापक कौन था?

(a) हसन गंगू (b) फिरोज शाह
(c) महमूद गवां (d) आसफ खान

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-I)

Ans. (a) : दक्कन (द. भारत) में मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल के अन्तिम दिनों में 1347ई. में हसन गंगू नामक सरदार ने अलाउद्दीन हसन बहमन शाह की उपाधि धारण करके सिंहासनारूढ़ हुआ और बहमनी साम्राज्य की स्थापना की। उसने गुलबर्गा को अपने नवसंस्थापित राज्य की राजधानी बनाया और उसका नाम अहसानाबाद रखा। ध्यातव्य है कि 1425 ई. में इसकी राजधानी बीदर हो गयी।

5. मुगल साम्राज्य (Mughal Empire)

(i) बाबर (Babar)

515. अनेक वर्षों तक भटकने के बाद बाबर ने सन् _____ में काबुल पर कब्जा कर लिया।

(a) 1501 (b) 1503
(c) 1504 (d) 1502

SSC MTS– 19/05/2023 (Shift-III)

Ans. (c): अनेक वर्षों तक भटकने के बाद बाबर ने सन् 1504 में काबुल पर कब्जा कर लिया। उसने 1526 में दिल्ली के सुलतान इब्राहिम लोदी को पानीपत में हराया और दिल्ली और आगरा को अपने कब्ज़े में कर लिया। बाबर (1526-1530) ने 1526 में पानीपत के मैदान में इब्राहिम लोदी व उसके अफ़गान समर्थकों को हराया ।

516. भारत पर किसके आक्रमण के परिणामस्वरूप पानीपत का तृतीय युद्ध हुआ ?

(a) बाबर (b) अहमद शाह अब्दाली
(c) नादिर शाह (d) दोस्त मोहम्मद

SSC JE CIVIL 09/10/2023 (Shift-I)

Ans. (b) : पानीपत का तृतीय युद्ध 14 जनवरी, 1761 को हुआ था। यह युद्ध मराठा साम्राज्य और अफगानिस्तान के अहमद शाह अब्दाली के बीच हुआ था।

- अब्दाली को अहमद शाह दुर्रानी भी कहा जाता है।
- इस युद्ध में मराठा सेनापति सदाशिवराव भाऊ को अब्दाली ने हराया था।
- इस युद्ध के परिणाम स्वरूप सतलज नदी के उत्तर में पंजाब पर मराठों का आधिपत्य समाप्त हो गया।

517. पानीपत का प्रथम युद्ध बाबर और _____ के बीच हुआ था।

(a) मेदिनी राय (b) सिकंदर लोदी
(c) राणा सांगा (d) इब्राहिम लोदी

SSC CHSL (Tier-1) – 09/08/2023 (Shift-III)

Ans.(d): पानीपत का प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526 ई.)– इसमें बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में मुगल वंश की स्थापना की थी। बाबर ने इस युद्ध में तुलुगमा युद्ध पद्धति व तोपखाने का प्रथम बार प्रयोग किया।

- इब्राहिम लोदी दिल्ली का प्रथम सुल्तान था, जिसकी मृत्यु युद्ध भूमि में हुई।

518. मुगल किसके वंशज थे?

(a) गयासुद्दीन बलबन (b) चंगेज खाँ
(c) मीर जुमला (d) मोहम्मद तुगलक

SSC MTS 27/10/2021 (Shift-II)

Ans. (b): शासकों के दो महान वंश मुगल के पूर्वज थे। मातृ पक्ष से वे चंगेज खान (1227 में मृत्यु हो गई) के वंशज थे जिन्होंने मंगोल जनजातियों, चीन और मध्य एशिया पर शासन किया था। अपने पैतृक पक्ष से वे तैमूर के वंशज थे जिन्होंने ईराक, ईरान और आधुनिक तुर्की पर शासन किया था। वर्ष 1405 में तैमूर की मृत्यु हो गई। भारत में बाबर (1526-1530) प्रथम मुगल सम्राट था।

519. 'बाबर के संस्मरण' या 'बाबरनामा' जिसे 'तुज़्क-ए-बाबरी' के नाम से भी जाना जाता है, को किसने लिखा था?

(a) अब्दुल रहीम खान-ए-खाना (b) बाबर
(c) फैजी (d) तालिब अमह

SSC CHSL 06/08/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : 'बाबरनामा' या 'तुज्क-ए-बाबरी' मुगल साम्राज्य के पहले शासक ''बाबर'' की आत्मलिखित जीवनी है। यह उसने अपनी मातृभाषा ' तुर्की में लिखी थी। इसमे उन्होंने अपना उज्बेकिस्तान की फरगना वादी मे गुजारा हुआ बचपन, बाद में अफगानिस्तान और भारतीय उपमहाद्वीप पर आक्रमण और कब्जा तथा अन्य घटनाओं का विवरण दिया गया है।

520. पहला मुगल बादशाह कौन था?

(a) शेरशाह सूरी (b) हुमायूं
(c) जहांगीर (d) बाबर

SSC MTS 18/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : भारत में मुगल शासन की स्थापना मुहम्मद बाबर ने सन् 1526 में तत्कालीन सुल्तान इब्राहिम लोदी को पानीपत के प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526) में पराजित कर की।

- फरगना राज्य के शासक (1494 में वहां का शासक बना) बाबर ने भारत पर पाँच बार आक्रमण किया।
- भारत के विरूद्ध उसका प्रथम आक्रमण 1519 में हुआ।

521. बाबर ने '——' नामक युद्ध पद्धति की शुरुआत की, जिसमें सेना को विभिन्न डिवीजनों में विभाजित कर दिया जाता था, ताकि दुश्मन को हर तरफ से घेरा जा सके।

(a) चारा (b) खुम्स
(c) अरब (d) तुलुगमा

SSC GD 02/12/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : पानीपत के प्रथम युद्ध में विजय के पश्चात् बाबर ने मुगल वंश की नींव रखी। 1526 में लड़े गये इस युद्ध में इब्राहिम लोदी से कम सेना होने के बावजूद बाबर अपनी युद्ध रणनीति के कारण उसको पराजित करने में सफल रहा। इसी युद्ध में उसने 'तुलुगमा' युद्ध रणनीति अपनाई थी। तुलुगमा युद्ध नीति में पूरी सेना को विभिन्न इकाइयों में - बाएँ, दाहिने और मध्य में विभाजित कर दिया जाता था। ताकि दुश्मन को हर तरफ से घेरा जा सके।

522. 1526 में, ...ने पानीपत में इब्राहिम लोदी को हराया तथा दिल्ली और आगरा पर कब्जा कर लिया

(a) चंगेज खान (b) मिरान शाह
(c) बाबर (d) तैमूर

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-II)
(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 10 am)

Ans. (c) : पानीपत का प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526 ई.)– इसमें बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में मुगल वंश की स्थापना की थी। बाबर ने इस युद्ध में तुलुगमा युद्ध पद्धति व तोपखाने का प्रथम बार प्रयोग किया।

- इब्राहिम लोदी दिल्ली का प्रथम सुल्तान था, जिसकी मृत्यु युद्ध भूमि में हुई।

523. 1529 में घाघरा के युद्ध में मुगल बादशाह बाबर ने किसे हराया था?

(a) कासिम बरीद I (b) दिलावर खान हुसैन
(c) महमूद लोदी (d) यूसुफ आदिल शाह

SSC GD 03/03/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : घाघरा का युद्ध भारतीय इतिहास में लड़े गये प्रसिद्ध युद्धो में से एक था। यह युद्ध भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर एवं अफगानों (महमूद लोदी) के मध्य 1529 ई. में लड़ा गया था। इस युद्ध में बाबर ने महमूद लोदी के नेतृत्व में लड़ रहे अफगानो को पराजित किया था। यह एकमात्र ऐसा युद्ध था जो जल एवं भूमि दोनों पर लड़ा गया। यह युद्ध बिहार में घाघरा नदी के तट पर लड़ा गया था।

524. राणा सांगा के नेतृत्व में राजपूत सेनाओं और बाबर के बीच खानुआ (खानवा) की लड़ाई किस वर्ष हुई थी?

(a) 1527 (b) 1526
(c) 1522 (d) 1529

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : खानवा का युद्ध 17 मार्च, 1527 ई. को आगरा के पास खानवा नामक स्थान पर बाबर और राणा सांगा के मध्य लड़ा गया जिसमें बाबर विजयी हुआ। भारत में मुगलों की सत्ता स्थापित करने के लिए बाबर ने पानीपत का युद्ध (1526), खानवा का युद्ध (1527), चन्देरी का युद्ध (1528) तथा घाघरा का युद्ध (1529) के युद्धों से मजबूत मुगल साम्राज्य को स्थापित किया।

525. पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी को किसने हराया था?

(a) शेरशाह (b) मोहम्मद गोरी
(c) बाबर (d) अकबर

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-II)
SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-I)
SSC CHSL 21/10/2020 (Shift-III)

Ans. (c) : पानीपत का प्रथम युद्ध (पानीपत-हरियाणा) 21 अप्रैल, 1526 को मुगल शासक बाबर एव लोदी वंश के अंतिम शासक इब्राहिम लोदी के मध्य हुआ। इस युद्ध में बाबर विजयी हुआ और भारत में मुगल वंश की नींव रखी।

526. वर्ष 1526 में पानीपत का युद्ध बाबर और.....के बीच लड़ा गया था।

(a) राणा सांगा (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) हेमू (d) इब्राहिम लोदी

(SSC 10+2 CHSL 07.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 4.15 pm)

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें ।

527. निम्नलिखित में से कौन भारत के प्रथम मुगल सम्राट थे?

(a) औरंगजेब (b) बाबर
(c) हुमायूँ (d) अकबर

SSC JE Mechanical 27.10.2020 (Shift-II)
SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में 'मुगल वंश' की स्थापना की। बाबर का पूरा नाम 'जहीरूद्दीन मुहम्मद बाबर' था। उसका जन्म 14 फरवरी 1483 ई. को फरगना (उज्बेकिस्तान) में हुआ था। बाबर ने भारत पर प्रथम आक्रमण बाजौर पर 1519 ई. में यूसुफजाई जाति के विरूद्ध किया था। बाबर ने अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' तुर्की भाषा में लिखा।

528. भारत में मुगल साम्राज्य का संस्थापक कौन था?

(a) बाबर (b) हुमायूं
(c) अकबर (d) जहांगीर

SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-I)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें ।

529. बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराया और वर्ष _____ में दिल्ली और आगरा पर कब्जा कर लिया ।

(a) 1694 (b) 1372
(c) 1526 (d) 1467

SSC GD 17/11/2021 (Shift-III)
SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)
SSC GD 16/11/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : बाबर ने पानीपत के युद्ध (21 अप्रैल, 1526) में लोदी वंश के शासक इब्राहिम लोदी को पराजित किया था तथा मुगल वंश की नींव रखी। इस युद्ध में इब्राहिम लोदी की पराजय हुई तथा दिल्ली सल्तनत का अंत हो गया।

530. मुगलों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) वे पितृ पक्ष से तैमूर के वंशज थे।
(b) मुगल दरबार के इतिहासकार उन्हें महान ईरानी राजा अफरासियाब के वंशज के रूप में वर्णित करते हैं।
(c) बाबर का संबंध अपनी माँ की तरफ से चंगेज खान से था।
(d) उजबेक के लोगों के द्वारा बाबर को उसकी मातृभूमि फरगाना से निकाल दिया गया था।

SSC CHSL (Tier-I) –10/07/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : बाबर का जन्म 14 फरवरी सन् 1483ई. में फरगना में हुआ था उसके पिता का नाम उमर शेख मिर्जा तथा माता का नाम कुतुलुग निगार खानम था। उमर शेख मिर्जा तैमूर वंश से सम्बन्धित थे तथा कुतुलुग निगार खानम चंगेज वंश से संबंधित थी मुगलों के सम्बन्ध में पहला, तीसरा, चौथा कथन सही है जबकि मुगलो के सम्बन्ध में यह कथन गलत है कि वह स्वयं को अफरासियाब के वंशज मानते थे, क्योंकि दिल्ली सल्तनत से सम्बन्धित शासक बलबन स्वयं को अफरासियाब का वंशज घोषित किया था।

(ii) हुमायूँ (Humayun)

531. हुमायूँ का जन्म वर्ष.....में हुआ था।

(a) 1508 (b) 1608
(c) 1708 (d) 1808

(SSC 10+2 CHSL 02.02.17, 1.15 pm)

Ans: (a) हुमायूँ मुगल शासक बाबर का पुत्र था। इसका जन्म 6 मार्च, 1508 ई. को काबुल में हुआ था। नसीरुद्दीन हुमायूँ, 29 दिसम्बर 1530 ई. को भारत का शासक बना। अपने पिता के निर्देश के अनुसार हुमायूँ ने अपने भाइयों कामरान को काबुल और कंधार, मिर्जा अस्करी को संभल, मिर्जा हिंदाल को अलवर एवं मेवाड़ की जागीरे दी। हुमायूँ ने 26 जून, 1539 को चौसा का युद्ध और 17 मई 1540 के बिलग्राम (कन्नौज) के युद्ध में शेरशाह सूरी से पराजित हुआ। इस प्रकार शेरशाह ने दिल्ली को अपने आधिपत्य में ले लिया। लेकिन 1555 ई. में हुमायूँ ने पंजाब के सूर शासक सिंकदर को पराजित कर पुनः दिल्ली की गद्दी पर बैठा। इसने 1533 ई. में दीनपनाह नगर की स्थापना की थी। यह ज्योतिष में विश्वास करता था। 1 जनवरी 1556 ई को दीनपनाह भवन में स्थित पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरने के कारण हुमायूँ की मृत्यु हो गयी।

532. हुमायूँ (1530-1540 ईस्वी) किस वंश का शासक था?

(a) नंद (b) मुगल
(c) मौर्य (d) हर्यक

(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

533.हुमायूं की जीवनी को .....द्वारा लिखा गया था।

(a) नूरजहाँ (b) जोधा
(c) अनारकली (d) गुलबदन बेगम

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 10 am)

Ans : (d) हुमायूंनामा, गुलबदन बेगम की एक महत्वपूर्ण कृति है। गुलबदन बेगम, हुमायूँ की बहन थी। इस ग्रन्थ में मुगलकाल के दो बादशाहों बाबर और हुमायूँ के देशकाल व परिस्थितियों का प्रामाणिक विवरण प्रस्तुत किया गया है।

534. हुमायूँ ने अपनी सत्ता को पुनः प्राप्त करने के लिए किस सूरी राजा को हराया था?

(a) महमूद सूरी (b) शेर शाह सूरी
(c) सिकंदर सूरी (d) बहलोल सूरी

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans : (c) बिलग्राम के युद्ध में शेरशाह सूरी के हाथों हार के बाद हुमायूँ भारत छोड़ने को विवश हो गया था। सरहिन्द के युद्ध (1555 ई.) में अफगान सेना का नेतृत्व सिकन्दर सूरी एवं मुगल सेना का नेतृत्व बैरम खां ने किया इस युद्ध में अफगान (सिकन्दर सूरी) हार गया और पुनः हुमायूँ ने दिल्ली पर अपनी सत्ता प्राप्त कर ली।

535. चौसा का युद्ध हुमायूँ और —— के बीच लड़ा गया था।

(a) शेरशाह सूरी (b) नादिर शाह
(c) हेमू (d) कृष्णदेव राय

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : चौसा का युद्ध 26 जून, 1539 ई. को शेरशाह सूरी और हुमायूँ के मध्य हुआ था। इस युद्ध में हुमायूँ की पराजय हुई थी।

(iii) शेरशाह सूरी (Shershah Suri)

536. निम्नलिखित में से किस मध्यकालीन शासक ने अपना ध्यान यात्रियों की सुविधा के लिए सरायें (आश्रय) के निर्माण पर केंद्रित किया ?

(a) शेरशाह सूरी (b) बाबर
(c) अकबर (d) हुमायूं

SSC CHSL (Tier-1) – 10/08/2023 (Shift-IV)

Ans. (a) : मध्यकालीन शासक शेरशाह ने अपना ध्यान यात्रियों की सुविधा के लिए सरायें (आश्रय) के निर्माण पर केन्द्रित किया। उसने लगभग 1700 सरायें एवं चार बड़ी सड़कों का निर्माण करवाया जिसे 'ग्राण्ड ट्रंक रोड' कहा जाता है।

537. निम्नलिखित में से कौन-सा राजवंश दिल्ली सल्तनत का हिस्सा नहीं था?

(a) लोदी (b) खिलज़ी
(c) दास (d) सूर

SSC GD 17/11/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : सूर वंश का संबंध दिल्ली सल्तनत से नही था। सूर साम्राज्य का संस्थापक अफगान वंशीय शेरशाह सूरी था। शेरशाह का जन्म 1472 ई. में बजवाड़ा (होशियारपुर) में हुआ था। इसके बचपन का नाम 'फरीद खाँ' था। शेरशाह ने बिलग्राम के युद्ध (1540 ई.) में हुमायूँ को पराजित कर आगरा और दिल्ली पर कब्जा कर लिया। शेरशाह की मृत्यु कालिंजर के किले को जीतने के दौरान 22 मई 1545 ई. में हो गयी।

538. निम्नलिखित में से कौन मुगल साम्राज्य से संबंधित नहीं है?

(a) कामरान मिर्जा (b) शेर शाह सूरी
(c) शाह आलम-II (d) दारा सिकोह

SSC MTS 02/08/2019 (Shift-III)
(SSC 10+2 CHSL 31.01.17, 4.15 pm)

Ans. (b) : शेरशाह सूरी या शेर खाँ, भारत में 'सूर' राजवंश का संस्थापक था। इसका जन्म 1472 ई. में नारनौल परगने में हसन खाँ सूर की अफगान पत्नी के गर्भ से हुआ था। शेरशाह सूरी के बचपन का नाम फरीद खाँ था और उसके पिता को सासाराम और खवासपुर की जागीरें प्राप्त थी। 1539 ई. चौसा के युद्ध में मुगल सम्राट हुमायूँ का शेरशाह से आमना-सामना हुआ, जिसमें शेरशाह सूरी विजयी हुआ और उसने शाही उपाधि 'शेरशाह सुल्तान-ए-आदिल' धारण की। जबकि प्रश्नगत अन्य विकल्प का संबंध मुगल साम्राज्य से है।

539. शेरशाह सूरी द्वारा जारी किया गया चाँदी का सिक्का क्या कहलाता था?

(a) टंका (b) दिनार
(c) मोहर (d) रूपया

SSC GD 18/02/2019 (Shift-I)

Ans. (d) : शेरशाह सूरी का शासनकाल 1540-1545 ई. तक रहा। इसने एक अत्यंत विकसित मुद्रा व्यवस्था प्रचलित की। शेरशाह ने शुद्ध चांदी का 'रूपया' (180 ग्रेन) और तांबे का दाम (380 ग्रेन) चलाया। इसने अपने सिक्कों पर अपना नाम, पद एवं टकसाल का नाम अरबी और देवनागरी लिपि में खुदवाया। इसके शासनकाल में चांदी के रूपये और तांबे के दाम का अनुपात 1 : 64 था।

540. कन्नौज की लड़ाई कब लड़ी गई थी?

(a) 1524 (b) 1540
(c) 1536 (d) 1556

SSC CGL (Tier-I) – 13/06/2019 (Shift-I)
(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 10 am)

Ans: (b) कन्नौज का युद्ध 1540 ई. में शेरशाह सूरी और हुमायूँ के बीच हुआ था, जिसमें हुमायूँ की हार हुई। इसी युद्ध की सफलता के पश्चात् शेरशाह सूरी ने सरलता से आगरा एवं दिल्ली पर अधिकार कर लिया। 'कन्नौज के युद्ध को बिलग्राम के युद्ध के नाम' से भी जाना जाता है।

(iv) अकबर (Akbar)

541. भारत में मुगल साम्राज्य से संबंधित निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

कथन A : पानीपत का द्वितीय युद्ध, के साथ अकबर के शासन और उसके क्षेत्रीय विस्तार की भी शुरूआत हुई।

कथन B : हल्दीघाटी का युद्ध, अकबर के शासन के दौरान जून 1576 में लड़ा गया एक ऐतिहासिक युद्ध था।

(a) केवल A (b) केवल B
(c) A और B दोनों (d) न तो A न B ही

SSC CHSL (Tier-II) – 26/06/2023

Ans. (c) : पानीपत का द्वितीय युद्ध 5 नवम्बर 1556 को हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) और अकबर के बीच लड़ा गया। इस युद्ध के साथ अकबर के शासन और उनके क्षेत्रीय विस्तार की भी शुरूआत की। हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 को मेवाड़ के महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर की सेना के बीच लड़ा गया ऐतिहासिक युद्ध था।
अतः उपर्युक्त दोनों कथन सत्य है।

542. अकबर द्वारा लड़ी गई निम्नलिखित लड़ाइयों में से, कौन सी लड़ाई अन्यों की तुलना में नवीनतम है?

(a) तुकाराई की लड़ाई
(b) हल्दीघाटी की लड़ाई
(c) थानेसर की लड़ाई
(d) पानीपत की दूसरी लड़ाई

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : थानेसर की लड़ाई 1567, पानीपत की दूसरी लड़ाई 1556, तुकरोई की लड़ाई 1575, इन तीनो लड़ाइयों की तुलना में अकबर द्वारा लड़ी गई हल्दीघाटी की लड़ाई (1576) नवीनतम है। हल्दीघाटी का युद्ध अकबर और महाराणा प्रताप के बीच 18 जून, 1576 ई. को लड़ा गया था।

543. 1591 में, अकबर के प्रसिद्ध सेनाध्यक्ष, राजा मान सिंह ने निम्नलिखित में से किस जनजाति को हराया था?

(a) लोहरा (b) मुंडी
(c) चेरो (d) संताल

SSC GD 09/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : राजा मान सिंह आमेर के कच्छवाहा के राजपूत थे। ये मुगल बादशाह अकबर के प्रधान सेना पति थे। मान सिंह ने 1591 ई. में चेरो जनजाति को पराजित किया था और पलामू (झारखंड) को मुगल प्रशासन के अधीन कर लिया था।

544. निम्नलिखित में से कौन मुगल सम्राट अक़बर के शासनकाल के दौरान भारत में रहता था?

(a) जियाउद्दीन बरनी (b) गयासुद्दीन बलबन
(c) अमीर खुसरो (d) अब्दुल रहीम खान-ए-खाना

SSC GD 09/12/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : अब्दुल रहीम खान-ए-खाना मध्यकालीन कवि, सेनापति, बहुभाषाविद् एवं विद्वान थे। ये मुगल बादशाह अकबर के संरक्षक बैरम खाँ के पुत्र थे। अब्दुल रहीम -खान-खाना अकबर के दरबार को सुशोभित करने वाले नौ रत्नों में से एक थे। अकबर के नौ रत्न में इनके अलावा अबुल फजल, फैजी, तानसेन, बीरबल, टोडरमल, मानसिंह, फकीर अजुद्दीन और मुल्ला दो प्याजा शामिल थे।

545. मुगल बादशाह अकबर की मृत्यु निम्नलिखित में से किस वर्ष में हुई थी?

(a) 1666 (b) 1789
(c) 1605 (d) 1540

SSC GD 08/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) अकबर का जन्म 1542 ई. में अमरकोट में हुआ था। अकबर का राज्याभिषेक 1556 ई. हुआ। सिंहासन पर बैठते ही अकबर ने बैरम खाँ की सहायता से 1556 ई. में पानीपत के द्वितीय युद्ध में हिंदू राजा हेमू विक्रमादित्य को पराजित किया। अक्टूबर 1605 ई. को अकबर की मृत्यु हो गयी। उसे आगरा के निकट सिकंदरा में दफनाया गया।

546. किस मुगल बादशाह ने 'मखसूदाबाद' (Makhsudabad) नामक शहर का निर्माण किया, जो बाद में मुर्शिदाबाद के नाम से प्रसिद्ध हुआ?

(a) अकबर (b) हुमायूँ
(c) शाहजहाँ (d) बहादुर शाह जफर

SSC CHSL 12/04/2021 (Shift-II)

Ans. (a) मुर्शिदाबाद नगर, पश्चिम बंगाल राज्य, में भागीरथी नदी के ठीक पूर्व में स्थित है। मुर्शिदाबाद का मूल नाम मकसूदाबाद था, जिसे मुगल बादशाह अकबर द्वारा 16वीं शताब्दी में स्थापित किया गया था। 1704 में नवाब मुर्शीद कुली खाँ (औरंगजेब के आदेश का पालन करते हुये) अपनी राजधानी ढ़ाका से इस नगर में ले आये और इस नगर का नामकरण मुर्शिदाबाद किया। ब्रिटिश शासन के अधीन यह नगर 1790 तक राजधानी बना रहा।

547. तीर्थयात्रा से संबंधित कर, जो धार्मिक भेदभाव पर आधारित था, अकबर ने किस वर्ष समाप्त कर दिया था?

(a) 1568 (b) 1572
(c) 1567 (d) 1563

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (d) : अपने शासन के आंरभिक वर्षों में अकबर ने सामाजिक-धार्मिक सहिष्णुता का परिचय देते हुए 1562 ई. में दास प्रथा का, 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर को और 1564 में हिंदुओं पर लगाये जाने वाले जजिया कर को समाप्त कर दिया। ज्ञातव्य है कि औरंगजेब ने 1679 ई. में जजिया कर को पुनः प्रारंभ किया और गैर मुस्लिमों पर तीर्थयात्रा को भी आरोपित किया एवं उन पर आयात कर बढ़ाया गया।

548. अकबर के शासनकाल के दौरान, उनके दरबारी दसवंत ..... में अपने कौशल के लिए काफी प्रसिद्ध थे?

(a) चित्रकला (b) राजस्व प्रशासन
(c) संगीत (d) तीरंदाजी

Ans. (a) : भारत में मुगल चित्रकला 16वीं और 18वीं शताब्दी के बीच की अवधि का काल है जिसमें मुगलों ने भारत के एक बड़े हिस्से पर शासन किया। मुगल चित्रकला का विकास अकबर, जहाँगीर और शाहजहाँ के शासनकाल में हुआ। अकबर के समय के प्रमुख चित्रकार मीर सैय्यद अली, दसवंत, बसावन, ख्वाजा, मुकुंद आदि थे। आइने अकबरी में कुल 17 चित्रकारों का वर्णन है। इसमें दसवन्त द्वारा बनाये गये चित्र रज्मनामा नामक पांडुलिपि में मिलते हैं।

549. 'अकबर नामा' अबुल फ़ज़ल द्वारा ..... खंडों में रचित अकबर के शासनकाल का इतिहास है।

(a) पाँच (b) तीन
(c) चार (d) दो

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : अकबरनामा, अबुल फजल द्वारा 1589-1596 में लिखा गया। अबुल फजल ने इस पुस्तक में अकबर के शासनकाल का तीन खण्डों का इतिहास अकबरनामा शीर्षक से लिखा। पहला खण्ड अकबर के पूर्वजों से संबन्धित है और दूसरे खण्ड में अकबर के शासनकाल की घटनाओं का वर्णन है और तृतीय खण्ड को आइन-ए- अकबरी कहा जाता है।

550. किस संत के सम्मान में अकबर ने फतेहपुर सीकरी का निर्माण किया था?

(a) शेख शहाबुद्दीन सुहरावर्दी (b) शेख निजामत उल्लाह
(c) ख्वाजा पीर मोहम्मद (d) शेख सलीम चिश्ती

SSC MTS 22/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : फतेहपुर सीकरी का निर्माण महान सूफी संत शेख सलीम चिश्ती के सम्मान में मुगल सम्राट जलाल-उद्-दीन मोहम्मद अकबर द्वारा करवाया गया था। इसकी भव्यता और विशिष्टता अकबर की स्थापत्य कला का एक उदाहरण है।

551. हमीदा बानो मरियम मकानी किस मुगल बादशाह की पत्नी थी?

(a) शाहजहाँ (b) जहाँगीर
(c) हुमायूँ (d) बाबर

SSC CHSL 06/08/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : हमीदा बानो बेगम तीसरे मुगल शासक अकबर की माँ तथा हुमायूँ की पत्नी थी। हमीदा बानो बेगम ने ही नई दिल्ली के 'दीनपनाह' अर्थात पुराने किले के निकट 'हुमायूँ के मकबरे' का निर्माण करवाया था। 'हुमायूँ के मकबरे' का निर्माण हमीदा बानो बेगम के आदेशानुसार 1562 ई0 मे हुमायूँ की मृत्यु के 8 वर्ष उपरान्त आरंभ हुआ था। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने वर्ष 1993 में इसे विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी।

552. अकबर ने किस वर्ष में पिछले 10 वर्षो के राजस्व आंकड़ो का विश्लेषण किया, जिसमें मूल्य में उतार-चढ़ाव और भूमि उत्पादकता की जानकारी शामिल थी?

(a) 1569 (b) 1548
(c) 1580 (d) 1536

SSC CHSL 09/08/2021 (Shift-II)

Ans. (c): अकबर के शासन काल में 1571 ई0 से 1580 ई0 (10 वर्षो) के आँकड़ों के आधार पर भू-राजस्व का औसत निकालकर 'आइन-ए-दहसाला' लागू किया गया। इस प्रणाली के अन्तर्गत राजा टोडरमल ने अलग-अलग फसलों पर नकद के रुप मे वसूल किया जाने वाला लगान 1571 ई0 के मध्य करीब 10 वर्षों का औसत निकालकर, उस औसत का एक तिहाई भू- राजस्व के रुप मे निश्चित किया। कालान्तर में इसी प्रणाली में सुधार के अन्तर्गत न केवल 'स्थानीय कीमतो' को आधार बनाया गया, बल्कि कृषि उत्पादन वाले परगनो को विभिन्न कर हलको में बाँटा गया।

553. राजा टोडर मल, निम्नलिखित में से किस मुगल सम्राट के शासनकाल के दौरान राजस्व मंत्री थे ?

(a) हुँमायू (b) शाहजहाँ
(c) जहांगीर (d) अकबर

SSC GD 16/12/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : टोडर मल अकबर के दरबार में नौ रत्नों में से एक थे जो राजस्व मंत्री के पद पर आसीन थे। उन्हें भू-राजस्व प्रशासन में शेरशाह और अकबर के मध्य नैरन्तर्य की कड़ी माना जाता है। अकबर के दरबार में 'भू-राजस्व' की जब्ती प्रणाली को शुरू करने का श्रेय टोडरमल को ही दिया जाता है। यही प्रणाली आगे चलकर दहसाला प्रणाली का आधार बनी।

554. निम्नलिखित में से किस शासक ने 'दीन-ए-इलाही' नाम से एक नई जीवन शैली/धर्म की शुरुआत की?

(a) बहादुर शाह द्वितीय (b) जहांगीर
(c) अकबर (d) शाहजहाँ

SSC GD 09/12/2021 (Shift-I)

Ans. (c) 'दीन-ए-इलाही' नामक धर्म की शुरुआत मुगल बादशाह अकबर द्वारा 1582 ई.की गई थी। इसे तोहीद-ए-इलाही के नाम से भी जाना जाता था। इसके अन्तर्गत अकबर ने सभी धर्मों के मूल सिद्धान्तों को सम्मिलित कर इसे सर्वमान्य बनाने का प्रयास किया। दीन-ए-इलाही वास्तव में सूफी सर्वेश्वरवाद पर आधारित एक विचार पद्धति थी इस नवीन संप्रदाय का प्रधान पुरोहित अबुल फजल था। हिन्दुओं में केवल बीरबल ने इसे स्वीकार किया था।

555. अकबर के साम्राज्य में सेनापति कहलाते थे.....

(a) फौजदार (b) बख्शी
(c) कोतवाल (d) दीवान

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : अकबर (1556-1605 ई.) के शासन के दौरान सैन्य कमांडर को फौजदार के रूप में जाना जाता था।

मुगल काल के प्रमुख अधिकारी एवं कार्य -

सूबेदार - प्रांतों में शांति स्थापित करना
दीवान - प्रांतीय राजस्व का प्रधान
बख्शी - प्रान्तीय सैन्य प्रधान
कोतवाल - कानून व्यवस्था बनाए रखना

556. लगभग 50 वर्ष शासन करने के पश्चात.....की मृत्यु 1605 में हुई थी। उसे आगरा से बाहर सिकंदरा में दफनाया गया था।

(a) अकबर (b) औरंगजेब
(c) शाहजहां (d) जहांगीर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)
(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 1.15 pm)

Ans: (a) मुगल सम्राट अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 ई. को हमीदा बानो बेगम के गर्भ से अमरकोट के राजा वीरसाल के महल में हुआ था तथा भारत में लगभग 50 वर्ष शासन करने के पश्चात 1605 ई. में अकबर की मृत्यु हो गई तथा उसको आगरा के बाहर सिकंदरा में दफनाया गया था। अकबर ने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया था। बीरबल इसके दरबार के नौ रत्नों में से एक थे। इसके काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल कहा जाता है। अकबर के द्वारा निर्माण कराई गई प्रमुख इमारतें निम्न हैं- बुलन्द दरवाजा, इलाहाबाद का किला आदि।

557. 1576 में मेवाड़ के किस राजपूत शासक ने हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा और फिर अपने घोड़े चेतक पर मैदान छोड़कर भाग गए?

(a) राणा अमर सिंह (b) राजा मान सिंह
(c) महाराजा उदय सिंह (d) महाराणा प्रताप

SSC CHSL 12/10/2020 (Shift-III)
(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 10 am)

Ans.: (d) हल्दीघाटी का युद्ध मुगल बादशाह अकबर और महाराणा प्रताप के बीच 18 जून 1576 ई. को लड़ा गया था। अकबर ने मेवाड़ को पूर्णरूप से जीतने के लिए आमेर के राजा मानसिंह एवं आसफ खाँ के नेतृत्व में मुगल सेना को आक्रमण के लिए भेजा। दोनों सेनाओं के मध्य हल्दीघाटी के मैदान में युद्ध हुआ। इस युद्ध में राणा प्रताप पराजित हुए। लड़ाई के दौरान महाराणा प्रताप अपने घोड़े चेतक पर बैठकर मैदान छोड़कर भाग गए।

558. हुमायूँ के उत्तराधिकारी, ... का जन्म हुमायूँ के निर्वासन काल में हुआ था और वह उत्तराधिकारी जब 13 वर्ष का था तब उसके पिता की मृत्यु हो गई थी।

(a) अकबर (b) शाहजहाँ
(c) जहाँगीर (d) बाबर

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans : (a) जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर या अकबर महान नासिरूद्दीन हुमायूँ का पुत्र था। अकबर का जन्म 15 अक्टूबर 1542 को राणा वीरसाल के महल में हमीदा बानो बेगम के गर्भ से हुआ। अकबर मात्र तेरह वर्ष की उम्र में अपने पिता नासिरूद्दीन मुहम्मद हुमायूँ के मृत्यु उपरांत 1556 में दिल्ली की राजगद्दी पर बैठा। सम्राट के रूप में अकबर ने शक्तिशाली हिन्दू राजपूत राजाओं से राजनयिक संबंध बनाये और उनके यहाँ विवाह भी किया।

559. वर्ष 1556 में मुगल साम्राज्य का सिंहासन किसे प्राप्त हुआ?

(a) अकबर (b) शेर शाह सूरी
(c) जहाँगीर (d) शाहजहाँ

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-III)

Ans. (a) : मुगल शासक हुमायूँ की मृत्यु (1556 ई.) के बाद मुगल साम्राज्य का सिंहासन अकबर को प्राप्त हुआ। अकबर का राज्याभिषेक 14 फरवरी 1556 ई. को पंजाब के कलानौर नामक स्थान पर हुआ। यह जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर बादशाही गाजी की उपाधि से राजसिंहासन पर बैठा।

560. अपने शासनकाल के शुरूआती वर्षो के दौरान, अकबर का शासन वास्तव में उनके ..... नामक शासक द्वारा चलाया जाता था।

(a) अब्दुल रहीम (b) मिर्जा हाकिम
(c) बैरम खॉ (d) उलुग बेग

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-II)
SSC CGL (TIER-1) 27-08-2016, 10am

Ans. (c) : अकबर का शासन (शुरूआती वर्षो) वास्तव में बैरम खाँ नामक संरक्षक द्वारा चलाया जा रहा था। हुमायूँ के द्वारा बैरम खाँ को खान-ए-खाना (राजाओं का राजा) की उपाधि दी गयी थी। बैरम खाँ ने पानीपत के द्वितीय युद्ध में मुगल सेना का नेतृत्व किया था। हुमायूँ की मृत्यु के समय अकबर पंजाब में सिकन्दर सूर को समाप्त करने के प्रयत्न में संलिप्त था। उस समय बैरमखाँ उसके संरक्षक के रूप में कार्य कर रहा था।

561. 1564 में मुगल सेनाओं से लड़ते हुए गढ़ कटंगा का बचाव करने के दौरान किस रानी की मृत्यु हो गई?
(a) रानी दुर्गावती (b) रानी अवंतीबाई
(c) रानी रूद्रांबरा (d) रानी अहिल्याबाई

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-I)

Ans : (a) वर्ष 1564 में मुगल सेनाओं से लड़ते हुए गढ़ कटंगा का बचाव करने के दौरान रानी दुर्गावती की मृत्यु हो गई। मुगल सेना का नेतृत्व आसफ खाँ ने किया था। रानी दुर्गावती गोंडवाना की शासिका थी। 1549 से 1564 ई. तक रानी दुर्गावती ने अपने पुत्र वीरनारायण की संरक्षिका के रूप में यहाँ शासन किया।

562. चांदबीबी.....की शासिका थी।
(a) अहमदनगर (b) बीजापुर
(c) सतारा (d) गोलकोंडा

(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 4.15 pm)

Ans : (a) चांदबीबी एक भारतीय मुस्लिम महिला योद्धा थी। उन्होंने बीजापुर (1596-1599) और अहमदनगर (1580-1590) की संरक्षक के रूप काम किया था। चांदबीबी को सबसे ज्यादा सम्राट अकबर की मुगल सेना से अहमदनगर की रक्षा के लिए जाना जाता है।

563. भारत में मध्ययुगीन काल के विद्वान, अबुल फजल इनमें से किसके दरबारी थे?
(a) शाहजहाँ (b) औरंगजेब
(c) अकबर (d) बाबर

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : मुगल सम्राट अकबर के दरबार में नवरत्न रहा करते थे। जिनकी संख्या नौ थी, जो निम्न हैं– बीरबल, तानसेन, अबुल फजल, अब्दुर्रहीम खानखाना, राजा टोडरमल, मुल्ला-दो-प्याजा, हकीम हुकाम, फैजी, व मानसिंह।
अबुल फजल इतिहासकार, साहित्यकार व दार्शनिक थे। इनके द्वारा अकबरनामा व आइन–ए-अकबरी प्रसिद्ध पुस्तकों की रचना की गयी।

564. पानीपत की दूसरी लड़ाई कब लड़ी गई थी?
(a) 1556 (b) 1549
(c) 1578 (d) 1590

SSC JE Electrical 10.12.2020 (Shift-II)
(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 4.15 pm)

Ans (a) : नवंबर 1556 में पानीपत का द्वितीय युद्ध दिल्ली से उत्तर भारत पर शासन कर रहे सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) और मुगल शासक अकबर के सेनापतियों (नेतृत्व बैरम खान द्वारा) के मध्य लड़ा गया। युद्ध के दौरान एक तीर हेमू की आँख में लग गया और हेमू की सेना में खलबली मच गयी और भय के कारण हेमू की सेना पराजित हो गई।

565. इबादत खाना, जो एक बैठक थी, को किस मुगल सम्राट द्वारा निर्मित किया गया था?
(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) अकबर (d) औरंगजेब

(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 4.15 pm)

Ans : (c) इबादतखाना धार्मिक मामलों पर विचार विमर्श करने के लिए फतेहपुर सिकरी में निर्मित एक प्रार्थना गृह था। जिसकी स्थापना वर्ष 1575 में की गयी थी। इबादत खाना में बादशाह की अध्यक्षता में सैय्यद, शेख एवं उलेमा धार्मिक चर्चा किया करते थे।

566. सम्राट अकबर के दरबार में टोडरमल ——— थे।
(a) शिक्षा मंत्री (b) संस्कृति मंत्री
(c) स्टाफ प्रमुख (d) वित्त मंत्री

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)
(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 10 am)

Ans. (d) : भू-राजस्व के क्षेत्र में सुधार के लिए टोडरमल का नाम प्रसिद्ध है। वह अकबर के वित्तमंत्री के रूप में कार्यरत थे। इन्होंने 1580 ई. में 'दहसाला बन्दोबस्त' व्यवस्था लागू की थी।

567. बीरबल किसकी अदालत में एक सलाहकार था ?
(a) बाबर (b) अकबर
(c) औरंगजेब (d) जहांगीर

(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 1.15 pm)

Ans : (b) बीरबल (असली नाम महेश दास) मुगल बादशाह अकबर के प्रशासन में मुगल दरबार का प्रमुख वजीर (वजीर-ए-आजम) था और अकबर के नवरत्नों में से एक थे। अकबर के दरबार में बीरबल के कार्य ज्यादातर सैन्य और प्रशासनिक थे। बीरबल, अकबर की अदालत में सलाहकार था।

568. जोधा बाई का किसके साथ विवाह हुआ था?
(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) अकबर (d) औरंगजेब

(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 1.15 pm)

Ans : (c) जोधाबाई मुगल बादशाह अकबर की रानी और कछवाहा राजा भारमल की पुत्री थी। जनवरी 1562 ई में भारमल ने अजमेर के मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की तीर्थ यात्रा पर आ रहे बादशाह अकबर की अधीनता सांगनेर जाकर स्वीकार कर ली तथा जोधाबाई (हरखाबाई) का अकबर से विवाह कर दिया। इस वैवाहिक सम्बन्ध से मुगल साम्राज्य को अत्यधिक प्रभावित करने वाली अकबर की हिन्दू नीति प्रारम्भ हुयी।

569. मुगल सम्राट अकबर का विश्वसनीय सेनापति कौन था?
(a) राजा टोडर मल (b) मान सिंह प्रथम
(c) बीरबल (d) तानसेन

(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 10 am)

Ans : (b) मानसिंह आमेर के कछवाहा राजपूत राजा थे। उन्हें मानसिंह प्रथम के नाम से भी जाना जाता है। राजा भगवानदास इसके पिता थे तथा वह अकबर की सेना के प्रधान सेनापति थे। उन्होंने अजमेर के मुख्य महल का निर्माण करवाया। महान इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने लिखा है कि भगवानदास के उत्तराधिकारी मानसिंह को अकबर के दरबार में श्रेष्ठ स्थान मिला था।
टोडरमल-राजा टोडरमल मुगलकाल में सम्राट अकबर के नवरत्नों में से एक थे। टोडरमल खत्री जाति के थे। राजा टोडरमल का जन्म अवध प्रान्त के सीतापुर जिले के अंतर्गत तारापुर नामक ग्राम में हुआ।

बीरबल- बीरबल का असली नाम महेशदास था जो मुगल बादशाह अकबर के प्रशासन में मुगल दरबार का प्रमुख वजीर था और अकबर के परिषद के नौ सलाहकारों में से एक सबसे विश्वस्त सदस्य था।

तानसेन-तानसेन या मियाँ तानसेन या रामतनु पाण्डेय हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के एक महान ज्ञाता थे, उन्हें सम्राट अकबर के नवरत्नों में भी गिना जाता है।

570. निम्नलिखित में से किसने 'दीन-ए-इलाही' आरंभ किया था?

(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) जहाँगीर (d) अकबर

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)

Ans.(d): 'दीन-ए-इलाही' 1582 ई. में अकबर द्वारा विभिन्न धर्मों के बीच मतभेद को खत्म करने के लिए चलाया गया एक नया धर्म था। यह धार्मिक सहिष्णुता और उदार लोकेश्वरवाद का प्रतीक था जिसमें विभिन्न धर्मों के अच्छे सिद्धांतों का समावेश था। दीन-ए-इलाही को अबुल फजल, बीरबल और फैजी द्वारा स्वीकार किया गया था।

571. तुकारोई की लड़ाई कब लड़ी गई थी?

(a) 1665 (b) 1546
(c) 1532 (d) 1575

SSC CGL (Tier-I) – 13/06/2019 (Shift-I)

Ans : (d) तुकारोई का युद्ध 3 मार्च 1575 ई. में अकबर के सेनापति मुनीम खॉ के नेतृत्व में लड़ा गया। जिसमें उसने बंगाल के अफगान शासक दाऊद को परास्त किया था।

(v) जहाँगीर (Jahangir)

572. निम्नलिखित में से कौन अकबर के बाद भारत में मुगल वंश के सिंहासन पर बैठा ?

(a) जहाँगीर (b) औरंगजेब
(c) शाहजहाँ (d) शेरशाह सूरी

SSC MTS— 04/05/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : अकबर का उत्तराधिकारी सलीम हुआ जो 24 अक्टूबर, 1605 ई. को नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाही गाजी की उपाधि धारण कर मुगल वंश के सिंहासन पर बैठा। जहाँगीर को न्याय की जंजीर के लिए याद किया जाता है। विकल्प में दिये गये शासकों का कार्यकाल निम्नलिखित है-
शेरशाह सूरी- (1540-1545 ई.)
अकबर- (1556-1605 ई.)
जहाँगीर- (1605-1627 ई.)
शाहजहाँ- (1627-1658 ई.)
औरंगजेब- (1658-1707 ई.)

573. मेवाड के सिसोदिया राजपूत शासक,अमर सिंह ने ____ के शासनकाल के दौरान मुगलों की सेवा का स्वीकार किया था।

(a) औरंगजेब (b) अकबर
(c) बाबर (d) जहांगीर

SSC CGL (Tier-1)– 18/07/2023 (Shift-III)

Ans. (d): मेवाड़ के सिसोदिया राजपूत शासक अमर सिंह ने 'जहांगीर' के शासनकाल के दौरान मुगलों की सेवा को स्वीकार किया था। अमर सिंह का शासनकाल 1597से 1520 ई. था। 5 फरवरी 1615 को जहाँगीर और अमर सिंह के बीच मुगल-मेवाड़ संधि पर हस्ताक्षर हुआ था।

574. विलियम हॉकिन्स_____ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में सम्राट जहांगीर से मिले थे।

(a) डच (b) पुर्तगाली
(c) फ्रेंच (d) इंग्लिश

SSC CGL (Tier-I) 19/04/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : विलियम हॉकिन्स इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में सम्राट जहांगीर से मिले थे।

575. जहाँगीर की मृत्यु किस वर्ष हुई थी?

(a) 1557 (b) 1675
(c) 1627 (d) 1559

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (c) : जहाँगीर अकबर का ज्येष्ठ पुत्र था। इसका जन्म 31 अगस्त 1569 में फतेहपुर सीकरी में शेख सलीम चिश्ती की कुटिया में हुआ था, इसलिए अकबर ने इसका नाम 'सलीम' रखा था। अकबर की मृत्यु के बाद यह मुगल वंश का चौथा शासक बना। इसने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-जहाँगीरी' में गुलाब से इत्र निकालने की विधि का उल्लेख किया था, जिसका आविष्कार नूरजहाँ की मां (अस्मत बेगम) ने किया था।
जहाँगीर चित्रकारी और कला का बहुत शौकीन था, इसके शासन काल में चित्रकारी अपने चर्मोत्कर्ष पर थी। इसने हेरात के 'आगारज़ा' के नेतृत्व में 'आगरा' में एक चित्रशाला की स्थापना की थी। इसकी मृत्यु 28 अक्टूबर 1627 ई. में 58 वर्ष की आयु में हो गयी। ज्ञातव्य है कि इसका मकबरा शाहदरा लाहौर में स्थित है।

576. निम्न में से किस मुगल शासक के बारे में ऐसा माना जाता है कि उसने अपने ससुर एत्माद-उद'दौला के प्रभाव में शासन किया था?

(a) जहाँगीर (b) बहादुर शाह-द्वितीय
(c) हुमायूं (d) शाह आलम-प्रथम

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-II

Ans. (a) : जहाँगीर अकबर का ज्येष्ठ पुत्र था। जहाँगीर अकबर की मृत्यु के पश्चात् नूरुद्दीन मोहम्मद जहाँगीर के उपनाम से मुगल शासक बना। जहाँगीर के बारे में ऐसा माना जाता है कि उसने अपने ससुर एत्माद-उद-दौला के प्रभाव में शासन किया था। जहाँगीर के आदेश पर 30 मई, 1606 ई. को सिख गुरु अर्जुन देव को लाहौर में भीषण गर्मी के दौरान ''यासा व सियासत'' कानून के तहत लोहे के गर्म तवे पर बैठा कर मृत्यु दिया गया था।

577. बेगम नूरजहाँ का विवाह-पूर्व नाम क्या था?

(a) पद्मावती (b) मेहर-उन-निसा
(c) हरखा बाई (d) इंदिरा कंवर

SSC GD 25/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : जहाँगीर से विवाह के पश्चात मेहर-उन-निसा को 'नूरमहल' एवं 'नूरजहाँ' की उपाधि प्रदान की गयी थी। 1613 ई. में नूरजहाँ को पट्ट-महिषीया 'बादशाह बेगम' बनाया गया।

578. सर थॉमस रो इंग्लैंड के किंग जेम्स-I के आधिकारिक राजदूत के रूप में किस मुगल सम्राट के दरबार में आए थे?

(a) औरंगजेब (b) अकबर
(c) शाहजहाँ (d) जहाँगीर

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-I)
SSC CGL (Tier-I) – 12/06/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : सर थॉमस रो इंग्लैंड के किंग जेम्स के आधिकारिक राजदूत के रूप में मुगल सम्राट जहाँगीर के दरबार में 1615 ई. में आया। थॉमस रो 14 जनवरी, 1616 को अजमेर में जहाँगीर से पहली बार मिला। बाद में वह जहाँगीर के साथ मांडू और अहमदाबाद भी गया। 1619 में थॉमस रो जहॉगीर का यह फरमान लेकर इंग्लैण्ड लौटा कि मुगल दरबार में अंग्रेजों का इसी प्रकार स्वागत होगा। उसका विवरण 'हुकलुगत सोसायटी' द्वारा प्रकाशित किया गया।

579. .....ने मेहर-उन्-निसा से निकाह किया था जिसे उन्होंने 'नूरजहां' (विश्व ज्योति) की उपाधि प्रदान की थी।

(a) शाहजहां (b) औरंगजेब
(c) अकबर (d) जहांगीर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-I)
SSC MTS 11-10-2017 (Shift-II)
(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 4.15 pm)

Ans : (d) जहांगीर ने मेहर-उन्-निसा से निकाह मई 1611 ई. में किया था, जिसे उन्होंने नूरमहल एवं नूरजहाँ की उपाधि प्रदान की थी। नूरजहाँ ईरान निवासी मिर्जा ग्यास बेग की पुत्री थी। नूरजहाँ ने विवाह के बाद नूरजहाँ गुट बनाया जिसमें उसके पिता एतमादउद्दौला (मिर्जा ग्यास बेग) माता अस्मत बेगम व भाई आसफ खाँ व शाहजादा खुर्रम शामिल थे। जहाँगीर के मकबरे का निर्माण नूरजहाँ ने करवाया था तथा इत्र की खोज नूरजहाँ की माँ ने किया था।

580. अकबर के बाद सत्ता संभालने वाले उनके पुत्र सलीम को.....का खिताब मिला, जिसका अर्थ है 'विश्व विजेता'।

(a) शाहजहाँ (b) जहाँगीर
(c) बादशाह (d) जहापनाह

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)
(SSC 10+2 CHSL 22.01.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 16.01.17, 10 am)

Ans : (b) जहाँगीर का जन्म फतेहपुर सीकरी में राजा भारमल की पुत्री जोधाबाई के गर्भ से 30 अगस्त, 1569 ई. को हुआ था। सलीम (जहाँगीर) अकबर के तीन पुत्रों में से एक था, जो मुगल वंश का चौथा बादशाह बना। सलीम, अकबर की मृत्यु के बाद 'नूरूद्दीन मोहम्मद जहाँगीर के उपनाम से (24 अक्टूबर 1605 ई. को) तख्त पर बैठा।

581. निम्न में से किस वर्ष राजकुमार सलीम ने मुगल तख्त पर चढ़ाई की थी?

(a) 1558 (b) 1605
(c) 1625 (d) 1572

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)

Ans. : (b) 1605 ई. में अकबर के देहावसान के बाद जहाँगीर (सलीम) मुगल तख्त पर आसीन हुआ।

(vi) शाहजहाँ (Shahjahan)

582. निम्नलिखित में से कौन मुगल बादशाह शाहजहाँ का पुत्र था?

(a) सिकंदर लोदी (b) जहाँगीर
(c) हुमायूँ (d) औरंगजेब

SSC MTS – 15/05/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : शाहजहाँ (1627-1658 ई.) के मुमताज महल से उत्पन्न 14 संतानों में से केवल 4 पुत्र एवं 3 पुत्रियाँ ही जीवित बचे थे। जिनके नाम थे- जहाँआरा, दाराशिकोह, रोशन आरा, औरंगजेब, मुराद बख्श, शाहशुजा तथा गौहर आरा।

583. दाराशिकोह के पिता का नाम क्या था?

(a) जहांगीर (b) फ़र्रुख़सियर
(c) शाहजहां (d) औरंगज़ेब

SSC GD 10/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : दाराशिकोह शाहजहाँ का सबसे बड़ा पुत्र था, उसे पंजाब की सूबेदारी मिली थी तथा शाहजहाँ ने उसे अपना उत्तराधिकारी घोषित कर 'शाहबुलंद इकबाल' की उपाधि दी थी। दारा शिकोह अपनी सांप्रदायिक उदारता के लिये प्रसिद्ध था तथा लेनपूल ने दारा को 'लघु अकबर' कहा है। दारा ने स्वयं अपनी देखरेख में संस्कृत ग्रंथ 'भगवत गीता' तथा 'योग वशिष्ठ' का फारसी अनुवाद कराया और काशी के कुछ संस्कृत पंडितो की सहायता से 52 उपनिषदों का 'सिर्र-ए-अकबर' नाम से भी फारसी अनुवाद कराया।

584. .....को 'वास्तुकार राजा' कहा जाता है क्योंकि उसके शासनकाल के दौरान, दुनिया ने मुगल साम्राज्य की कला और संस्कृति का एक अनूठा विकास देखा ।

(a) शाहजहां (b) जहांगीर
(c) औरंगजेब (d) अकबर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans : (a) मुगल बादशाह शाहजहां (1627-1657 ई.) जहाँगीर का पुत्र था। शाहजहाँ के शासनकाल को मुगलकालीन स्थापत्य कला का स्वर्ण युग कहा जाता है तथा शाहजहाँ को वास्तुकार राजा भी कहा जाता है क्योंकि इसके शासनकाल के दौरान दुनिया ने मुगल साम्राज्य की कला और संस्कृति का एक अनूठा विकास देखा। शाहजहाँ द्वारा बनवायी गयी प्रमुख इमारतें निम्न है- दिल्ली का लाल किला, दीवाने आम, दीवाने खास, दिल्ली की जामा मस्जिद, आगरा की मोती मस्जिद, ताजमहल एवं लाहौर किला स्थित शीश महल आदि मुगलकालीन स्थापत्य कला का जीता जागता नमूना है।

585. शाहजहाँ के ज्येष्ठतम पुत्र का क्या नाम था?

(a) औरंगजेब (b) दारा शिकोह
(c) मुराद बख्श (d) शाह शुजा

SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-II)
SSC CPO-SI 25/11/2020 (Shift-I)

Ans : (b) दारा शिकोह का जन्म 1615 ई. में हुआ था। यह शाहजहाँ का ज्येष्ठ पुत्र था। इसे ही राजसिंहासन का वास्तविक उत्तराधिकारी माना जाता था। दारा शिकोह को साठ हजार का मनसब तथा 'शाह बुलन्द इकबाल' की उपाधि प्राप्त थी। जब वह युवराज था तभी इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज), पंजाब तथा मुल्तान का प्रशासक रह चुका था। लेनपूल ने दारा को 'लघु अकबर' कहा है।

यह शाहजहाँ के पुत्रों में सर्वाधिक विद्वान था। इसने भगवतगीता, योगवशिष्ठ, उपनिषद एवं रामायण का फारसी में अनुवाद करवाया था। इसने 52 उपनिषदों का अनुवाद 'सिर्र-ए-अकबर' (सबसे बड़ा रहस्य) के नाम से करवाया था।

उत्तराधिकार के निश्चित नियम न होने के कारण शाहजहाँ के पुत्रों में 'उत्तराधिकार युद्ध' शुरू हो गया। जिसमें धरमत, सामूगढ़ तथा देवराई के युद्धों के बाद अंततः औरंगजेब विजयी हुआ।

586. मुगल सिंहासन संभालने से पहले, शाहजहाँ को ..... कहा जाता था।

(a) खुर्रम (b) सलीम
(c) कामरान (d) दारा शिकोह

SSC JE Civil - 25/09/2019 (Shift-I)

Ans : (a) मुगल सिंहासन संभालने से पहले, शाहजहाँ को 'खुर्रम' कहा जाता था। शाहजहाँ का जन्म 5 जनवरी, 1592 ई. में 'लाहौर' में हुआ था, इसके पिता का नाम जहाँगीर तथा माता का नाम जगत गोसाई था। शाहजहाँ ने अकबर द्वारा प्रारम्भ किये गये इलाही संवत् के स्थान पर 'हिजरी संवत' प्रारम्भ किया।

587. मयूर सिंहासन एक प्रसिद्ध रत्न जड़ित सिंहासन था, जिस पर भारत के किन सम्राटों की हुकूमत थी?

(a) मौर्य (b) गुप्त
(c) मुगल (d) मराठा

(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 10 am)
SSC JE Civil - 25/09/2019 (Shift-I)

Ans : (c) मुगल सम्राट शाहजहाँ ने आगरा में तख्त-ए-ताऊस सिंहासन का निर्माण करवाया। इसे मयूर सिंहासन भी कहा जाता है। यह विश्व प्रसिद्ध सिंहासन है। यह सिंहासन सोने–चाँदी एवं अन्य धातुओं से निर्मित है। 1638 ई. में आगरा से स्थानान्तरित करके दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।

588. फ्रांस का रहने वाला फ्रांकोइस बर्नियर सम्राट..... के ज्येष्ठ पुत्र दाराशिकोह के चिकित्सक के रूप में मुगल दरबार से जुड़ा हुआ था?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) बहादुर शाह
(c) शाहजहाँ (d) हुमायूँ

(SSC J.E. 02.03.17, 10:00 am)

Ans : (c) फ्रांकोइस बर्नियर फ्रांस का रहने वाला था जो पेशे से चिकित्सक था। यह शाहजहाँ के शासन काल में भारत आया था। फ्रांकोइस बर्नियर ने दाराशिकोह और औरंगजेब के बीच होने वाले उत्तराधिकार की लड़ाई में साक्षी रहा। इसने मुगल साम्राज्य का वर्णन अपनी पुस्तक 'ट्रेवेल इन द मुगल एम्पायर' में किया है। भारत में वह 1656 ई. से 1668 ई. तक रहा, बर्नियर ने सारे देश का भ्रमण किया और शाहजहाँ तथा औरंगजेब के मध्यवर्ती शासनकालों में उसने भारत में जो कुछ देखा उसका रोचक विवरण प्रस्तुत किया है।

589. शाहजहाँ.....मुगल शासक था।

(a) चौथा (b) तीसरा
(c) छठवां (d) पांचवां

(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 21.01.17, 10 am)

Ans : (d) शाहजहाँ पांचवां मुगल शासक था। 1627 में अपने पिता की मृत्यु होने के बाद वह गद्दी पर बैठा। शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल के लिये विश्व की सबसे खूबसूरत इमारत ताजमहल बनवाया। उसके शासन काल को मुगल शासन का स्वर्णयुग है।

(vii) औरंगजेब (Aurangzeb)

590. दारा शिकोह अंततः उत्तराधिकार के युद्ध, सामूगढ़ की लड़ाई में ——— से हार गया।

(a) औरंगजेब (b) मुहम्मद आजम
(c) शेर शाह (d) बैरम खाँ

SSC GD 01/12/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : वर्ष 1658 में सामूगढ़ के युद्ध में औरंगजेब और मुराद की सेनाओं का मुकाबला शाही सेना से हुआ, जिसका नेतृत्व दारा शिकोह कर रहा था। इस युद्ध में दारा शिकोह पराजित हुआ। दारा की पराजय का मुख्य कारण मुसलमान सरदारों का विश्वासघात तथा औरंगजेब का योग्य सेनापतित्व था। इसके बाद मुगल साम्राज्य का नेतृत्व औरंगजेब (1658-1707 ई.) द्वारा किया गया।

591. देवराई की लड़ाई में औरंगजेब ने निम्नलिखित में से किसे पराजित किया था?

(a) शाहजहाँ (b) शाहशुजा
(c) दारा शिकोह (d) मुराद बख्श

SSC MTS 20/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : देवराई की लड़ाई औरंगजेब और दारा शिकोह के बीच 1659 में लड़ा गया था। इस लड़ाई में औरंगजेब द्वारा दारा शिकोह को हरा कर बन्दी बना लिया गया था। दारा शिकोह मुगल सम्राट शाहजहाँ का सबसे बड़ा पुत्र (जीवनकाल 1615 ई. से 1659 ई. तक) था।

592. ..... के शासनकाल में मुगल साम्राज्य क्षेत्र के मामले में अपने चरम पर पहुंच गया था।

(a) जहांगीर (b) औरंगजेब
(c) शाहजहां (d) अकबर

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans : (b) औरंगजेब मुगल बादशाह 'शाहजहाँ' (1627-1657 ई.) का पुत्र था। इसका जन्म 3 नवम्बर, 1618ई. में दोहाद (उज्जैन) में हुआ था। औरंगजेब के शासन काल में मुगल साम्राज्य क्षेत्र के मामले में अपने चरम पर पहुँच गया था । इसे जिंदापीर भी कहा जाता था। सिक्खों के 9वें गुरु तेगबहादुर की हत्या औरंगजेब ने ही दिल्ली में करवा दी थी।

593. औरंगजेब ने _____ में एक लंबी लड़ाई लड़ते हुए अपने साम्राज्य के सैन्य और वित्तीय संसाधनों को अधिकांशतः खर्च कर दिया था।

(a) दक्कन (b) हैदराबाद
(c) अवध (d) बंगाल

SSC GD 15/12/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : औरंगजेब ने दक्कन में एक लंबी लड़ाई लड़ते हुए अपने साम्राज्य के सैन्य और वित्तीय संसाधनों को अधिकांशतः खर्च कर दिया था। औरंगजेब साम्राज्यवादी नीति का महत्वाकांक्षी था। औरंगजेब ने दक्षिण भारत में स्थित बीजापुर से 1665-66 में युद्ध करने के लिए राजा जयसिंह को भेजा लेकिन असफल रहा। औरंगजेब ने 1685 में गोलकुण्डा के शासक अबुल हसन के विरुद्ध युद्ध करने के लिए शाहजादा शाहआलम को भेजा तथा इसने गोलकुण्डा पर अधिकार कर लिया। 1666ई. में औरंगजेब ने मराठों पर आक्रमण किया तथा शिवाजी को बंदी बना लिया, लेकिन शिवाजी आगरा किले से भाग निकले तथा पुनः विद्रोह करना शुरू कर दिया था।

594. पुरंदर की संधि किसके बीच हुई थी?

(a) अफगान और पुर्तगाली
(b) मुगल और मराठा
(c) पूर्वी गंगा और चोल
(d) बंगाल और राजपूतों का नवाब

SSC GD 18/02/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : औरंगजेब ने शिवाजी को नियंत्रित करने के लिए मिर्जा राजा सवाई जयसिंह को कमान दिया। राजा जय सिंह ने शिवाजी को 1665 ई. में पुरंदर में घेर लिया। इसके उपरांत पुरंदर की संधि हुई जिसके तहत शिवाजी को 23 किले मुगलों को देने थे तथा शिवाजी के पुत्र शंभाजी को मुगल दरबार में भेजा जाना था।

595. औरंगजेब, जो एक मुगल सम्राट था, का निधन किस सन् में हुआ?

(a) 1507 (b) 1607
(c) 1707 (d) 1807

(SSC 10+2 CHSL 02.02.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 21.01.17, 4.15 pm)

Ans : (c) औरंगजेब मुगल साम्राज्य का एकमात्र शासक है जिसका राज्याभिषेक 2 बार, पहली बार 1658 में तथा दूसरी बार 1659 में हुआ। औरंगजेब की मृत्यु 20 फरवरी, 1707 ई. को हुई। औरंगजेब ने 1679 ई. में जजिया कर को पुनः लागू किया। औरंगजेब के समय में हिन्दू मनसबदारों की संख्या अन्य मुगल सम्राटों की तुलना में अधिक थी। इसने दरबार में संगीत पर पाबंदी लगा दी थी। औरंगजेब दारुल हर्ब (काफिरों का देश) को दारुल इस्लाम (इस्लाम का देश) में परिवर्तित करने को अपना महत्वपूर्ण लक्ष्य मानता था।

596. औरंगजेब ने अपने पिता.....को आगरा के किले में कैद करके रखा था।

(a) हुमायूँ (b) शाहजहाँ
(c) अकबर (d) बहादुर शाह

(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 10 am)

Ans : (b) शाहजहां के जीवन के अंतिम आठ वर्ष अत्यन्त कष्टप्रद रहे। उसे आगरा के किले के मुसम्मन बुर्ज में कैद रखा गया जहाँ 1666 ई. में उसकी मौत हो गयी। उसकी पुत्री जहांआरा ने मृत्युपर्यंत शाहजहां की सेवा की।

597. औरंगजेब.....का पुत्र था।

(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) अकबर (d) शाहजहाँ

(SSC 10+2 CHSL 24.01.17, 4.15 pm)

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

(viii) मुगलकालीन प्रशासन (Mughal Administration)

598. मध्यकाल में 'भोग' शब्द का अर्थ क्या था?

(a) राजस्व कार्य (b) धार्मिक समारोह
(c) एक त्योहार (d) मंदिरों को दान

SSC CHSL (Tier-1) – 08/08/2023 (Shift-IV)

Ans. (a) : मध्यकाल में 'भोग' शब्द का अर्थ 'राजस्व' था। राजा केवल भोग अर्थात् राजस्व का अधिकारी था।

599. निम्नलिखित में से किसे मुगल प्रशासन के दौरान शाही घराने की देखभाल का प्रभार दिया गया था?

(a) मीर सामान (b) मीर बाहरी
(c) 'मीर-ए-आतिश' (d) मीर बख्शी

SSC CHSL (Tier-1) – 17/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : मुगल काल में मीर बख्शी सैन्य विभाग का सर्वोच्च अधिकारी होता था। इसके द्वारा 'सरखत' नाम के पत्र पर हस्ताक्षर के बाद ही सेना को हर महीने का वेतन मिल पाता था। इसके अतिरिक्त वह शाही महल की सुरक्षा का उत्तरदायित्व भी वहन करता था।

600. मुगल प्रशासनिक व्यवस्था में मनसबदारी व्यवस्था की शुरुआत किसने की थी?

(a) अकबर (b) शाहजहां
(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

SSC CHSL (Tier-1) – 02/08/2023 (Shift-III)
SSC CGL 08-09-2016, 10 am

Ans. (a) : मुगल प्रशासनिक व्यवस्था में मनसबदारी व्यवस्था की शुरुआत अकबर ने की थी। मनसब मूलतः अरबी शब्द है जिसका अर्थ पद या रैंक है। इस व्यवस्था को अकबर ने 1567 ई. में प्रारंभ की थी, जो कि मंगोलों की दशमलव पद्धति पर आधारित थी। इस व्यवस्था के द्वारा अधिकारियों तथा सेनापतियों का पद निर्धारित होता था। मनसबदार उस व्यक्ति को कहते थे जिसकी मनसब निर्धारित की गयी होती थी।

601. मुगल प्रशासन के संदर्भ में, 'अबवाब' की सबसे उपयुक्त परिभाषा क्या है?

(a) जमीन पर मूल लगान से अधिक और अतिरिक्त लगाया जाने वाला कर
(b) सुशासन के लिए पुरस्कार
(c) दरबार का विदूषक
(d) सरकारी खजाने का मुंशी

SSC CHSL 16/04/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : मुगलकालीन शासन व्यवस्था में राजस्व के स्रोत मुख्यतः दो भागों में बँटे थे- 'केन्द्रीय' एवम् 'स्थानीय'। केन्द्रीय आय के कई महत्वपूर्ण स्रोत थे, जिनमें भू-राजस्व, चुंगी, टकसाल, उत्तराधिकारी के अभाव में प्राप्त आय, उपहार, नमक पर कर एवम् प्रत्येक व्यक्ति पर लगने वाला पॉल - टैक्स या व्यक्ति कर शामिल था। इन सबमें 'भू- राजस्व' सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत था। वास्तविक कृषि उत्पाद या फसल में राज्य के अंश को 'माल' या 'खराज' (लगान, भूमिकर, चौथ) के रूप में अभिहित किया जाता था। ध्यातव्य है कि अबवाब जमीन पर मूल लगान से अधिक और अतिरिक्त लगाया जाने वाला कर था।

602. मुगल प्रांतीय प्रशासन में, आमतौर पर, दीवानी का अर्थ क्या होता था?

(a) कानून व्यवस्था और आपराधिक न्याय का प्रशासन
(b) आपराधिक न्यायशास्त्र और जेल का प्रशासन
(c) राजस्व प्रशासन
(d) आपराधिक न्याय प्रणाली

SSC MTS 08/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c): मुगलों का प्रांतीय प्रशासन केन्द्रीय शासन का ही प्रतिरूप था। प्रशासन की दृष्टि से मुगल साम्राज्य को क्रमशः सूबो (प्रान्तो), जिलों महालों और गाँवों में बांटा गया था। सर्वप्रथम अकबर ने ही प्रान्तीय प्रशासन के लिए एक विस्तृत आधार प्रस्तुत किया जिसमें निम्न पदाधिकारी थे जिसे अलग-अलग नामों से जाना जाता था। प्रान्तीय दीवान राजस्व या वित्त विभाग का अधिकारी होता था। इनमें अन्य अधिकारी-सूबेदार, बख्सी, फौजदार आदि था।

603. मुगल शासन के संदर्भ में, 'जब्त' शब्द ..... प्रणाली को संदर्भित करता है।

(a) पुलिस (b) सैन्य
(c) न्यायिक (d) राजस्व

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-I)
SSC JE Electrical 29.10.2020 (Shift-II)

Ans. (d) : भारत में मुगल साम्राज्य 1526 ई. से 1857 ई. तक रहा। मुगलकाल में शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बहुत सारी सार्वजनिक व प्रशासनिक व्यवस्थाएँ की गयी थी। इस समय मंत्रिपरिषद् को विजारत कहा जाता था। दीवान, मीर बख्सी, सद्र–उस-सुदूर एवं मीरसमन प्रमुख पद थे।

जब्ती या आइने दहसाला– अकबर ने अपने शासनकाल के 24वें वर्ष (1580–1581ई.) में आईन–ए–दहशाला अथवा दस वर्षीय बन्दोबस्त लागू किया। इस प्रणाली का वास्तविक प्रणेता टोडरमल (ख्वाजा मंसूर से सहायता प्राप्त कर) था, इसी कारण इसे टोडरमल बन्दोबस्त भी कहा जाता है। इसे रैय्यतवाड़ी प्रथा के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह प्रत्यक्षतः रैय्यत या कृषकों से सम्बन्धित थी। अकबर के समय में यह प्रणाली उसके आठ प्रान्तों, बिहार, इलाहाबाद, मालवा, अवध, आगरा, दिल्ली, लाहौर और मुल्तान में लागू थी।

बटाई प्रणाली– भू–राजस्व निर्धारण की दूसरी प्रमुख प्रणाली बटाई अथवा गल्ला-बख्शी थी। इसे माओली भी कहा जाता था। यह मुगलकाल में कर निर्धारण की अन्य प्रणालियों में सबसे पुरानी व सामान्य प्रणाली थी। यह प्रणाली सिन्ध काबुल के कुछ भाग, कन्धार तथा कश्मीर में लागू था। इस प्रणाली के अन्तर्गत फसल का किसान और राज्य के बीच एक निश्चित अनुपात में बंटवारा किया जाता था।

खेत बटाई– इस प्रणाली में फसल तैयार होते ही खेत में खड़ी फसल का विभाजन कर लिया जाता था।

लंक बटाई– इस प्रणाली में फसल काटने के पश्चात् उसे खलिहान में लाया जाता था तथा अनाज निकाले बिना ही राज्य एवं किसान के मध्य उसका बंटवारा किया जाता था।

रास बटाई– इस प्रणाली में खलिहान में फसल आने पर राज्य तथा किसान के मध्य उपज का बंटवारा किया जाता था। इसके अन्तर्गत किसान नकद या अनाज के रूप में कर देने के लिए स्वतंत्र था किन्तु तिजारती फसलों (कपास, नील, तिलहन व गन्ना) पर नकद लिया जाता था।

नस्क प्रणाली – कश्मीर में यह कनकूत का एक विकल्प था । कश्मीर में इस प्रथा को नस्क–ए–गल्लाबख्श कहते थे तथा गुजरात में नस्क–ए–जुज। इस प्रणाली के अन्तर्गत न तो भूमि की पैमाइश होती थी और न ही फसलों से सम्बन्धित विवरण ही तैयार किया जाता था।

604. मुगल साम्राज्य के दौरान जजिया कर किस पर लगाया गया था?

(a) कुलीन नागरिकों पर (b) गैर-मुस्लिम नागरिकों पर
(c) मुस्लिम नागरिकों पर (d) सभी नागरिकों पर

SSC GD 11/03/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : मुगल साम्राज्य के दौरान जजिया कर एक प्रकार का धार्मिक कर माना जाता था जिसे मुगल राज्य में रहने वाले गैर-मुस्लिम नागरिको से वसूला जाता था। भारत में सबसे पहले जजिया कर मुहम्मद बिन कासिम ने लगाया था। इसके बाद फिरोज शाह तुगलक पहला शासक था जो ब्राह्मणों से भी जजिया कर वसूला था। सन् 1564 में जजिया कर को अकबर ने समाप्त किया लेकिन 1679 ई. में पुनः औरंगजेब ने लागू किया। 1720 ई. में मुहम्मद शाह रंगीला ने जयसिंह के अनुरोध पर जजिया कर सदा के लिए समाप्त कर दिया।

605. 'जात और सवार' निम्नलिखित में से किस प्रशासनिक प्रणाली से संबंधित है?

(a) जमींदारी प्रणाली (b) इक्तदारी प्रणाली
(c) मनसबदारी प्रणाली (d) जोतदारी प्रणाली

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-I)

Ans : (c) मुगल सम्राट अकबर के द्वारा शासन व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए मनसबदारी प्रथा का प्रारम्भ किया गया था। मुगलकालीन शासन व्यवस्था पूर्णतः मनसबदारी प्रथा पर आधारित थी जिसमें दो शब्द जात और सवार का उल्लेख है। जिसमें जात से तात्पर्य व्यक्ति के व्यक्तिगत पद एवं वेतन व प्रतिष्ठा से था तथा सवार पद से तात्पर्य मनसबदार को प्रदान किए गए घुड़सवार दस्तों की संख्या से था।

606. निम्नलिखित का मिलान कीजिए।

शब्द	**परिभाषा**
A. सदर	**1. सैनिक वेतनाधिकारी**
B. फौजदार	**2. नगर का पुलिस अधिकारी**
C.कोतवाल	**3. धार्मिक तथा धर्मार्थ किए जाने वाले कार्यों का मंत्री**

(a) A–1, B–2, C–3 (b) A–1, B–3, C–2
(c) A–3, B–1, C–2 (d) A–2, B–1, C–3

SSC MTS 10-10-2017 (Shift-II)

Ans. (c) :
मुगल प्रशासन सैन्य शक्ति पर आधारित एक केन्द्रीयकृत व्यवस्था थी। मुगल काल में अधिकारी और उनके दायित्व निम्न थे-

पद	**कार्य**
सूबेदार	प्रांत में शांति स्थापित करना
दीवान	प्रांतीय राजस्व का प्रधान
फौजदार	सैनिक वेतनाधिकारी
कोतवाल	नगर प्रधान (नगर का पुलिस अधिकारी)
सदर	धार्मिक तथा धर्मार्थ किए जाने वाले कार्य का मंत्री

607. अकबर के शासनकाल में .....सेनापति थे।

(a) सुल्तान अहमद फवाद (b) सूरी मोजा
(c) मीर खास (d) मीर बख्शी

(SSC 10+2 CHSL 22.01.17, 4.15 pm)

Ans : (d) अकबर के शासनकाल में मीर बख्शी सैन्य विभाग का सर्वोच्च अधिकारी होता था। इसका प्रमुख कार्य सैनिकों की भर्ती, रसद प्रबन्ध, सेना का अनुशासन, हथियार, तथा हाथी, घोड़े आदि का प्रबन्ध करना था। मीर बख्शी के द्वारा 'सरखत' नामक पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद ही सेना का मासिक वेतन निर्धारित होता था। केन्द्रीय प्रशासन में मीरबख्शी सैन्य विभाग का प्रधान होता था, वहीं प्रांतीय प्रशासन में भी बख्शी होता था जिसकी नियुक्ति मीरबख्शी की सिफारिश पर सम्राट द्वारा की जाती थी।

608. मुगल प्रशासन में 'सरकार' शब्द का अर्थ है–

(a) प्रांत (b) गाँव
(c) सरकार (d) जिला

SSC JE Civil 11.12.2020 (Shift-II)

Ans. (d) : प्रशासन की दृष्टि से मुगल साम्राज्य को सूबों (प्रान्तों) में, सूबों को सरकारों (जिलों) में, सरकारों को परगनों (महालों) में तथा परगनों को गाँवों में बाँटा गया था। अतः सरकार शब्द का अर्थ 'जिलों' से है। मुगल काल में जिले (सरकार) का मुख्य प्रशासक 'फौजदार' होता है। इनका कार्य जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना तथा प्रजा को सुरक्षा प्रदान करना था।

(ix) मध्यकालीन स्थापत्य (Medieval Architecture)

609. फतेहपुर सीकरी में स्थित बुलंद दरवाज़ा निम्नलिखित में से किस मस्जिद का प्रवेश द्वार है?

(a) जमाली कमाली (b) जामा मस्जिद
(c) ढ़ाई दिन का झोपड़ा (d) मोती मस्जिद

SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-II) (SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 1.15 pm)

Ans. (b) : फतेहपुर सीकरी में स्थित बुलन्द दरवाजा जामा मस्जिद का मुख्य प्रवेश द्वार है। बुलंद दरवाजा का निर्माट अकबर ने गुजरात विजय के उपलक्ष्य में जामा मस्जिद के दक्षिणी द्वार पर करवाया। यह दरवाजा 134 फुट ऊँचा है।

610. निम्नलिखित में से कौन सा स्मारक मुहम्मद कुली कुतुब शाह द्वारा बनवाया गया था?

(a) गोल गुंबज़ (b) वारंगल किला
(c) चौमहल्ला पैलेस (d) चारमीनार

SSC JE CIVIL 10/10/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : चारमीनार हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है। इसका निर्माण 1591 में मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने किया था। यह एक स्मारक और मस्जिद है। मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने 1591 में अपनी राजधानी को गोलकुंडा से हैदराबाद में स्थानांतरित करने के बाद इसे बनवाया था।

611. निम्नलिखित में से किस शासक को दिल्ली में पुराना किला के निर्माण का श्रेय दिया जाता है?

(a) कुतुबुद्दीन और इल्तुतमिश
(b) बाबर और अकबर
(c) हुमायूँ और शेरशाह
(d) शाहजहाँ और जहाँगीर

SSC Selection Posts XI– 28/06/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : दिल्ली में पुराना किला के निर्माण का श्रेय हुमायूँ और शेरशाह दोनों को दिया जाता है। हुमायूँ के शासन के दौरान यह किला दीनपनाह शहर का आंतरिक गढ़ था, जिसने 1533 ई. में इसका जीर्णोद्धार करवाया। शेरशाह ने अपने शासनकाल में इस किले के परिसर में कई और ढांचे जोड़े।

612. अलंकरण की कला, जिसे पिएट्रा ड्यूरा कहा जाता है, किसके शासलकाल में लोकप्रिय हुई ?

(a) अकबर (b) शाहजहां
(c) जहांगीर (d) शेरशाह सूरी

SSC CGL (Tier-1) – 19/07/2023 (Shift-IV)

Ans. (b) : अलंकरण की कला जिसे पिएट्रा ड्यूरा कहा जाता है, शाहजहाँ के शासनकाल में लोकप्रिय हुई। इसे पर्चिनकारी भी कहा जाता है। इसमें अत्यधिक पॉलिश किए गए रंगीन पत्थरों का उपयोग करके छवियों को बनाने के लिए काटने और जड़ने की तकनीक के रूप में किया जाता है।

613. भारतीय उपमहाद्वीप का प्रथम उद्यान - मकबरा कौन-सा है?

(a) औरंगजेब का मकबरा (b) ताजमहल
(c) हुमायूँ का मकबरा (d) कुतुब शाही मकबरा

SSC MTS– 11/05/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : भारतीय उपमहाद्वीप का प्रथम उद्यान-मकबरा हुमायूँ का मकबरा है। इस मकबरे का निर्माण हमीदा बानो बेगम ने करवाया था। इसकी संरचना लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है, लेकिन इसके किनारों पर सफेद और काले संगमरमर का उपयोग किया गया है। हुमायूँ का मकबरा दिल्ली में स्थित है।

614. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर मुगलों का पहला नियोजित शहर था?

(a) मिर्ज़ापुर (b) लखनऊ
(c) लाहौर (d) फतेहपुर सीकरी

SSC MTS– 08/05/2023 (Shift-III)

Ans. (d) : फतेहपुर सीकरी मुगलों का पहला नियाजित शहर था, जिसे शानदार प्रशासनिक, आवासीय और धार्मिक भवनों द्वारा चिन्हित किया गया था। इसमें महलों, सार्वजनिक भवनों, मस्जिदों और दरबारियों, सेना, राजा के सेवकों तथा एक पूरे शहर के रहने के क्षेत्र शामिल थे। यह उत्तर-प्रदेश के आगरा जिले में स्थित है।

615. निम्नलिखित में से किसने हैदराबाद की चारमीनार का निर्माण करवाया था ?

(a) हुमायूं
(b) मुहम्मद आदिल शाह
(c) अकबर
(d) मोहम्मद कुली कुतुब शाह

SSC GD 06/12/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : हैदराबाद में चारमीनार का निर्माण मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने करवाया था। इसका निर्माण 1591 में किया था। यह मूसी नदी के तट पर स्थित है। मुहम्मद कुली कुतुब शाही वंश का पांचवा शासक था। अकबर ने फतेहपुर सीकरी में बुलंद दरवाजा बनवाया। शाहजहाँ ने ताज महल, लाल किला आदि बनवाया।

616. निम्न में से किस शासक ने जयपुर में हवा महल का निर्माण करवाया था?

(a) सवाई माधो सिंह (b) सवाई प्रताप सिंह
(c) सवाई मान सिंह (d) सवाई जय सिंह

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II
SSC MTS 08/08/2019 (Shift-I)
(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 10 am)
SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : हवा महल राजस्थान के जयपुर में स्थित है जिसका निर्माण महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने 1799 में करवाया था। इसको लाल चन्द उस्ताद ने डिजाइन किया था तथा यह महल राजपूताना वास्तुकला का प्रतीक है। इस महल में लगभग 953 छोटी खिड़कियाँ हैं जिन्हें झरोखा कहा जाता है। यह 5 मंजिला पिरामिड के आकार का तथा लाल और गुलाबी बलुआ पत्थरों से बनाया गया है।

617. 1679 में बनी प्रसिद्ध ताजमहल की प्रतिकृति निम्नलिखित में से कौन सी है?

(a) बीबी का मकबरा (b) परी महल
(c) जीनत-उल-मस्जिद (d) इलाहाबाद महल

SSC CHSL 11/08/2021 (Shift-III)

Ans. (a) **:** बीबी का मकबरा, मुगल काल के दौरान बनाया गया है जो औरंगाबाद महाराष्ट्र में स्थित है। औरंगजेब ने इसे अपनी पत्नी दिलरास बानो बेगम की याद में बनवाया था। ताजमहल के सदृश होने के कारण, 'बीबी के मकबरे' को ताजमहल की प्रतिकृति के रूप में जाना जाता है।

618. सिकंदरा में सम्राट _____का मकबरा है।

(a) अकबर (b) हुमायूं
(c) जहांगीर (d) शाहजहॉ

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)
SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am

Ans. (a) : सिकंदरा में सम्राट अकबर का मकबरा है।

619. निम्नलिखित में से किस स्मारक को 'दक्कन का ताज' के नाम से भी जाना जाता है?

(a) कुतुब मीनार (b) बीबी का मकबरा
(c) चाँद मिनार (d) महाबत मकबरा

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : औरंगजेब (1658ई.)- औरंगजेब ने अपनी बेगम के आग्रह पर ताजमहल की प्रति (नकल) का निर्माण कराया-जिसे 'बीबी का मकबरा' (द्वितीय ताजमहल) के नाम से जाना जाता है। यह औरंगाबाद में स्थित है। इसे 'काला ताजमहल' व 'दक्कन का ताज' के उपनाम से भी जाना जाता है।

620. चारमीनार, जोकि एक लोकप्रिय स्मारक और मकबरा है, कहाँ स्थित है?

(a) चेन्नई (b) मुंबई
(c) हैदराबाद (d) दिल्ली

SSC GD 26/11/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : 1591 ई. में निर्मित चारमीनार हैदराबाद में स्थित एक स्मारक और मकबरा है। यह मूसी नदी के तट पर स्थित है। इस मीनार का निर्माण एक घातक प्लेग के अंत के जश्न मनाने के लिए मुहम्मद कुली कुतुबशाह द्वारा बनाया गया था। चार मीनार के वास्तुकार मीर मोमिन अस्त्रवादी था।

621. निम्नलिखित में से किस राज्य में नाहरगढ़ किला स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) राजस्थान
(c) पंजाब (d) गुजरात

SSC GD 08/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b) भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित किले निम्नलिखित है–

किला	स्थित
• नाहरगढ़ का किला	राजस्थान
• धार का किला	मध्य प्रदेश
• गोलकुंडा का किला	तेलंगाना (हैदराबाद)
• सेन्ट जार्ज किला	तमिलनाडु

622. दिल्ली में लाल किले का निर्माण निम्नलिखित में से किसने कराया था ?

(a) शाहजहां (b) जहांगीर
(c) औरंगजेब (d) अकबर

SSC GD 08/12/2021 (Shift-III)
SSC CHSL 30/05/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : शाहजहां के समय मुगल स्थापत्य कला अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंची। इस दौर में संगमरमर पत्थरों का अत्यधिक इस्तेमाल तथा पित्रादूरा तकनीक का प्रयोग हुआ। शाहजहां ने आगरा के किले का पुनरूद्धार, शाहजहांनाबाद शहर की स्थापना, दिल्ली में लाल किला व जामा मस्जिद का निर्माण तथा ताजमहल का निर्माण करवाया। स्थापत्य कला के चरमोत्कर्ष के कारण ही शाहजहां के शासनकाल को मुगल काल का 'स्वर्ण युग' कहा जाता है।

623. ताजमहल आगरा शहर में___नदी के तट पर स्थित है।

(a) चंबल (b) गंगा
(c) यमुना (d) घाघरा

SSC GD 15/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : ताजमहल आगरा शहर में यमुना नदी के तट पर स्थित है। ताजमहल का निर्माण मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी प्रिय बेगम मुमताज महल की स्मृति में करवाया था। ताजमहल के वास्तुकार उस्ताद अहमद लाहौरी एवं उस्ताद ईसा थे। इसके निर्माण की शुरुआत 1632 ई. में हुई थी। ताजमहल को 1983 को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया।

624. एत्माद-उद-दौला (या इतिमाद-उद-दौला) का मकबरा कहाँ स्थित है?

(a) औरंगाबाद (b) फतेहपुर सीकरी
(c) आगरा (d) शाहजहानाबाद

SSC GD 18/11/2021 (Shift-III)
SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : एत्माद-उद-दौला का मकबरा आगरा, उ.प्र. में स्थित है। इस मकबरे का निर्माण जहाँगीर की बेगम नूरजहाँ ने अपने पिता मिर्जा गियास बेग की स्मृति में 1628 ई. में करवाया था। चारबाग शैली में बना यह मकबरा सफेद संगमरमर से बना है। इसे बेबी ताज के उपनाम से भी जाना जाता है। यह पहला मकबरा है जिसमें पहली बार संगमरमर की पच्चीकारी का काम किया गया है।

625. निम्नलिखित में से कौन सा महल तिरुवनंतपुरम में स्थित है?

(a) चौमहल्ला पैलेस (b) अंबर पैलेस
(c) उज्जयंता पैलेस (d) कनककुन्नु पैलेस

SSC MTS 07/10/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : कनककुन्नु पैलेस तिरूवनंतपुरम, केरल में स्थित है। अन्य इस प्रकार हैं-

महल	अवस्थित
कनककुन्नु महल	तिरुवनंतपुरम, केरल
चौमहल्ला महल	हैदराबाद, तेलंगाना
उज्जयंता महल	अगरतला, त्रिपुरा
अंबर महल	जयपुर-राजस्थान

626. निम्नलिखित में कौन सा स्मारक कर्नाटक राज्य में स्थित है

(a) गोल गुम्बज (b) बड़ा इमामबाड़ा
(c) चारमीनार (d) कुतुब मीनार

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : भारत के प्रमुख पर्यटन स्थल –

पर्यटन स्थल	-	स्थान	-	निर्माणकर्त्ता
बड़ा इमामबाड़ा	-	लखनऊ	-	नवाब आसफुद्दौला
कुतुबमीनार	-	दिल्ली	-	कुतुबुद्दीन ऐबक
चारमीनार	-	हैदराबाद	-	कुली कुतुबशाह
गोल गुम्बज	-	कर्नाटक	-	आदिल शाह

627. दिल्ली का लाल किला और जामा मस्जिद ..... के शासन की वास्तुकला की विशाल उपलब्धियां हैं।

(a) शाहजहाँ (b) अकबर
(c) जहाँगीर (d) औरंगजेब

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans : (a) शाहजहाँ के शासनकाल को मुगलकालीन स्थापत्य कला का स्वर्णिम युग कहा जाता है। शाहजहाँ को विशेष रूप से ताजमहल निर्माण के लिए याद किया जाता है। शाहजहाँ ने दिल्ली का लालकिला, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, दिल्ली की जामा मस्जिद तथा आगरा का मोती मस्जिद बनवाया ।

628. भारत में वास्तुकला की 'चारबाग' शैली किसने प्रारंभ की?

(a) मुगलों ने (b) राजपूतों ने
(c) मौर्यो ने (d) मराठों ने

SSC MTS 07/08/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : भारत में वास्तुकला की चारबाग शैली का परिचय मुगलों ने दिया। चारबाग एक फारसी शैली का उद्यान है। चारबाग शैली को मुगलों द्वारा भारत लाया गया था। भारत में हुमायूँ का मकबरा और ताजमहल इस शैली के सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है। आगरा का आरामबाग जिसे मूल रूप से मुगल सम्राट बाबर ने 1528 में चारबाग शैली में बनवाया था।

629. किस किले को गोल्डन फोर्ट के नाम से भी जाना जाता है?

(a) चित्तौड़गढ़ (b) कुम्भलगढ़
(c) रणथम्भौर (d) जैसलमेर

(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 4.15 pm)

Ans: (d) जैसलमेर के किले को गोल्डेन फोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण 1156 AD में राजपूत राजा रावल जैसल ने करवाया था। सन् 2013 में 37वीं वर्ल्ड हेरिटेज समिति ने राजस्थान के 5 दूसरे किलों के साथ इसे भी वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया।

630. अकबर द्वारा बनाया गया ''बुलन्द दरवाजा'', किस शहर में स्थित है?

(a) उदयपुर (b) जोधपुर
(c) फतेहपुर सीकरी (d) आगरा

(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)

Ans : (c) अकबर द्वारा गुजरात विजय की स्मृति में फतेहपुर सीकरी स्थित जामा मस्जिद, के दक्षिण द्वार पर 134 फीट ऊंचा 'बुलन्द दरवाजा' बनावाया गया। बुलन्द दरवाजे के निर्माण में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया है। यह ईरान से ली गयी 'अर्द्ध गुम्बदीय शैली' में बनाया गया है। फतेहपुर सीकरी को अकबर ने 1570–71 ई. में अपनी राजधानी बनाया और अनेक भवनों का निर्माण करवाया। फतेहपुर सीकरी का निर्माण बहाउद्दीन द्वारा निर्मित डिजाइन के आधार पर किया गया। फतेहपुर सीकरी में शेख सलीम चिश्ती की दरगाह है।

631. राजवाड़ा महल (सांस्कृतिक धरोहर परियोजना) ..... में स्थित है।

(a) जबलपुर (b) उज्जैन
(c) इंदौर (d) मांडू

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-II)

Ans. (c) राजवाड़ा महल (सांस्कृतिक धरोहर परियोजना) मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में स्थित है। राजवाड़ा महल को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले का दिल भी कहा जाता है। यह महल एक सात मंजिला इमारत है।

632. महाराजा सवाई जय सिंह-द्वितीय द्वारा नाहरगढ़ किले का निर्माण किस वर्ष में करवाया गया था?

(a) 1780 (b) 1800
(c) 1805 (d) 1734

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 05/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : नाहरगढ़ किले राजस्थान (जयपुर) का निर्माण 1734 ई. में सवाई जय सिंह द्वारा करवाया गया था। नाहरसिंह भोमिया के नाम पर इस दुर्ग का नाम नाहरगढ़ रखा गया। इस दुर्ग के पास जैविक उद्यान स्थित है।

633. ——— का गोल गुम्बद (गुम्बज) मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा है।

(a) आगरा (b) बीजापुर
(c) दिल्ली (d) इलाहाबाद (अब प्रयागराज)

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)
SSC CGL (TIER-1) 08-09-2016, 4.15 pm
SSC MTS 02/08/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : बीजापुर का गोल गुम्बद आदिलशाही वंश के 7वें सम्राट मुहम्मद आदिलशाह का मकबरा है, यह दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक के शहर बीजापुर में स्थित है। यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गुम्बद है। आदिलशाह 1627 से 1656 ई. के बीच शाही राजवंश का शासक था। साधारण निर्माण होने पर भी यह गुम्बज अपनी स्थापत्य विशेषताओं के कारण भारतीय दक्षिण वास्तुकला का विजय स्तंभ माना जाता है। इसका निर्माण फारसी वास्तुकार याकूत ने करवाया। इस गुम्बद का निर्माण करीब 30 वर्षो में हुआ।

634. प्रसिद्ध 'हवा महल' राजस्थान के किस शहर में है ?

(a) अजमेर (b) जोधपुर
(c) जयपुर (d) कोटा

(SSC 10+2 CHSL 16.01.17, 1.15 pm)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

635. दिल्ली की मोती मस्जिद किस मुगल शासक ने बनायी थी?

(a) अकबर (b) हुमायूँ
(c) औरंगज़ेब (d) शाहजहाँ

SSC MTS 14/08/2019 (Shift-I)

Ans. : (c) दिल्ली की मोती मस्जिद का निर्माण मुगल शासक औरंगजेब ने करवाया था। यह दिल्ली के लाल किले में स्थित है। इसी नाम से एक मस्जिद आगरा में मुगल बादशाह शाहजहाँ द्वारा बनवाई गई थी यह आगरा के किले में स्थित है।

636. मोती मस्जिद इन विश्व धरोहर स्थलों में से किसमें स्थित है?

(a) हुमायूँ का मकबरा (b) महाबोधि मंदिर परिसर
(c) कुतुब मीनार (d) लाल किला परिसर

(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 10 am)

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

637. खास महल और शीश महल का निर्माण किस विश्व धरोहर स्मारक में किया गया है?

(a) हुमायूँ का मकबरा (b) महाबोधि मंदिर परिसर
(c) कुतुब मीनार (d) आगरे का किला

(SSC 10+2 CHSL 24.01.17, 1.15 pm)

Ans : (d) आगरा का किला आगरा, उत्तर प्रदेश में स्थित है। इसका निर्माण अकबर ने वर्ष 1573 में करवाया था। इसे विश्व धरोहर स्थल के रूप में शामिल किया गया है। इसके भीतर खास महल, शीश महल, जहाँगीर महल, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, मझली भवन, मीना मस्जिद, रंग महल आदि स्मारक स्थित है।

638. असम में 'पोवा मक्का' ———— का मकबरा है।

(a) पीर गियासुद्दीन औलिया
(b) ख्वाजा बंदे नवाज
(c) शेख सलीम चिश्ती
(d) शुजाउद्दीन मोहम्मद शाह

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : मुगल सम्राट शाहजहाँ के शासन काल के दौरान 1657 ई. में सुजाउद्दीन मोहम्मद शाह द्वारा बनवाई गई मस्जिद 'पोवा मक्का' के परिसर में पीर गियासुद्दीन औलिया का मकबरा है यह असम राज्य में स्थित है। इस मस्जिद की आधारशिला रखने के लिए कुछ मिट्टी (लगभग 250 ग्राम) पवित्र शहर मक्का से लायी गई थी।

639. आमेर के शासक सवाई जयसिंह को, 'जंतर मंतर' नामक पाँच खगोलीय वेधशालाओं का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। निम्न में से किस शहर में इनमें से कोई भी वेधशाला नहीं है?

(a) उदयपुर (b) उज्जैन
(c) वाराणसी (d) मथुरा

SSC Stenographer – 15/11/2021 : Shift-II
(SSC 0+2 CHSL 07.02.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 24.01.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 1.15 pm)

Ans. (a): जयपुर के महाराजा सवाई जयसिंह 18वीं सदी में भारत में राजस्थान के आमेर राज्य के प्रतापी शासक थे। इन्होंने काशी, दिल्ली, उज्जैन, मथुरा और जयपुर में, अतुलनीय और अपने समय की सर्वाधिक सटीक गणनाओं के लिए वेधशालाओं का निर्माण करवाया। सवाई जयसिंह एक नीति-कुशल महाराजा और वीर सेनापति, जाने-माने खगोल वैज्ञानिक और विद्याव्यसनी विद्वान थे।

640. जोधपुर के किले का निर्माण किसने किया था?

(a) गुरु रामदास (b) शाहजहाँ
(c) राव जोधाजी (d) महात्मा गाँधी

(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 10 am)

Ans : (c) जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग भारत के प्राचीनतम दुर्गों में से एक है, इसका निर्माण जोधपुर के राजा रणमल की 24 संतानों में से एक राव जोधा ने 1459 ई. में करवाया तथा महाराजा जसंवत सिंह (1638-1978) ने इसे पूरा किया था।

641. भारत में सबसे लंबी संतत दीवार, जो विश्व में दूसरी सबसे लंबी दीवार है, ——— के किले में है।

(a) कुम्भलगढ़ (b) कांगड़ा
(c) मेहरानगढ़ (d) चित्तौड़गढ़

SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : भारत में सबसे लम्बी दीवार जो विश्व में दूसरी सबसे लम्बी दीवार है, वह कुम्भलगढ़ के किले में स्थित है। यह किला भारत के राजस्थान राज्य के राजसमन्द जिले में स्थित है। इस किले का निर्माण राणा कुंभा ने करवाया था जिसमें (1443-1458) 15 साल का समय लगा था। विश्व में सबसे लम्बी दीवार चीन की दीवार है जिसे ग्रेट वॉल ऑफ चाइना कहा जाता है।

642. मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी पत्नी ..... की याद में ताज महल बनाया था?

(a) रोशन आरा (b) नूरजहाँ
(c) जहाँआरा (d) मुमताज महल

SSC CHSL 12/10/2020 (Shift-III)
SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-II)

Ans. : (d) मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में ताजमहल बनवाया था। मुमताज महल का वास्तविक नाम 'अर्जुमंद बानो बेगम' था। मुमताज, नूरजहाँ के भाई आसफ खाँ की पुत्री थी जिसका निकाह मुगल सम्राट जहाँगीर के पुत्र खुर्रम खाँ (शाहजहाँ) से 10 मई, 1612 को हुआ था।

643. नवाब शुजा-उद-दौला ने एक बगीचे के बीच में स्थापित सफदरजंग के मकबरे का निर्माण.....में करवाया था।

(a) उत्तर प्रदेश (b) उत्तराखंड
(c) दिल्ली (d) बिहार

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans : (c) नवाब शुजा-उद-दौला ने एक बगीचे के बीच में स्थित सफदरजंग के मकबरे का निर्माण दिल्ली में करवाया था। यह मकबरा मुगल बादशाह मुहम्मद शाह (1719-1748) के प्रधानमंत्री सफदरजंग का था। यह सफेद संगमरमर का बना हुआ है तथा इस मकबरे का ढ़ाँचा हुमायूँ के मकबरे के स्थापत्य कला पर आधारित था।

644. बादशाह अकबर ने बुलंद दरवाजा किस वर्ष बनवाया था?

(a) 1534 (b) 1502
(c) 1526 (d) 1601

SSC GD 01/03/2019 (Shift-II)
(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)

Ans. (d) : अकबर ने गुजरात विजय के बाद स्मारक स्वरूप बुलन्द दरवाजे का निर्माण 1601 ई. में कराया था। बुलन्द दरवाजा को 'गेट ऑफ मैग्निफिसेन्स' के नाम से जाना जाता है। अकबर द्वारा गुजरात विजय की स्मृति में फतेहपुर सीकरी स्थित जामा मस्जिद, के दक्षिण द्वार पर 134 फीट ऊंचा 'बुलन्द दरवाजा' बनवाया गया। बुलन्द दरवाजे के निर्माण में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया है। यह ईरान से ली गयी 'अर्द्ध गुम्बदीय शैली' में बनाया गया है।

645. शेरशाह सूरी का मकबरा कहां स्थित है?

(a) सासाराम (b) दिल्ली
(c) रोहतासगढ़ (d) चौसा

SSC CHSL 17/03/2020 (Shift-I)

Ans. (a) अपने शासनकाल में शेरशाह को समूचे भारतीय मध्ययुग के महत्वपूर्ण शासकों में गिना जाता था। इसने कोलकाता से पेशावर तक जाने वाली ग्रैंड ट्रंक रोड की मरम्मत करवायी तथा भारतीय रूपये के प्रथम संस्करण 'रुपया' का चलन आरम्भ किया। सासाराम (बिहार) स्थित शेरशाह का मकबरा, जो शेरशाह सूरी ने अपने जीवनकाल में निर्मित करवाया था, हिन्द तथा ईरानी वास्तुकला के समन्वय का प्रथम उदाहरण था। यह मकबरा सासाराम में एक झील के मध्य ऊँचे टीले पर निर्मित है।

646. भारत में निम्नलिखित में से कौन सी जगह आप मुगल सम्राट हुमायूँ के पुस्तकालय को देखने के लिए जाएँगे?

(a) नई दिल्ली (b) आगरा
(c) अलीगढ़ (d) औरंगाबाद

SSC CHSL 19/10/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : मुगल शासक हुमायूँ ने दिल्ली के दीनपनाह भवन (पुराना किला) में स्थित शेरमण्डल भवन को अपना पुस्तकालय बनाया। ध्यातव्य है कि जनवरी 1556 ई. में इसी पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर हुमायूँ की मृत्यु हुई थी। उल्लेखनीय है कि शेरमण्डल भवन का निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाया था।

647. निम्नलिखित में से किसने इलाहाबाद किले का निर्माण कराया था ?

(a) शाहजहाँ (b) हुमायूं
(c) अकबर (d) बाबर

SSC JE Civil 28.10.2020 (Shift-II)

Ans. (c) : अपने समय में सबसे उत्कृष्ट समझे जाने वाले इलाहाबाद किले का निर्माण सन् 1583 में मुगल बादशाह अकबर ने करवाया था। यह अकबर द्वारा निर्मित करवाये गये विभिन्न किलों में सबसे बड़ा है। यह किला गंगा और यमुना के संगम पर स्थित है। इस किले का इस्तेमाल वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा किया जा रहा है। शाहजहाँ द्वारा विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का निर्माण करवाया गया था।

648. भारतीय महाद्वीप में पहला उद्यान-मकबरा कौन सा था?

(a) जहांगीर का मकबरा
(b) हुमायूँ का मकबरा
(c) ताजमहल
(d) मुहम्मद इकबाल का मकबरा

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 10 am)

Ans: (b) हुमायूँ का मकबरा मुगल वास्तुकला का प्रसिद्ध स्मारक है। यह नई दिल्ली के दीनपनाह अर्थात् पुराने किले के निकट निजामुद्दीन में स्थित है। यह उद्यान के मध्य एक ऊँचे चबूतरे पर बना है। जहाँगीर का मकबरा लाहौर में शाहदरा नगर के निकट स्थित है।

649. हुमायूँ का मकबरा.....द्वारा बनवाया गया था।

(a) हुमायूँ (b) हमीदा बानो बेगम
(c) बाबर (d) अकबर

(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 1.15 pm)

Ans : (b) दिल्ली में स्थित हुमायूँ का मकबरा हुमायूँ की विधवा बेगम हमीदा बानो बेगम ने 1564 में बनवाना प्रारम्भ किया था। इस मकबरे में चारबाग शैली प्रयुक्त हुई है, जिसने भविष्य में ताजमहल को जन्म दिया। इस भवन के वास्तुकार मलिक मिर्जा ग्यास थे। 1993 में इस इमारत को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

650. किस विश्व विरासत स्थल को यमुना नदी के दाहिने किनारे पर बनाया गया है?

(a) ताज महल (b) हवा महल
(c) हुमायूँ का मकबरा (d) महाबोधि मंदिर परिसर

(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 1.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 07.01.17, 10 am)

Ans : (a) ताजमहल भारत के आगरा शहर में स्थित एक विश्व धरोहर मकबरा है। यह यमुना के दाहिने किनारे पर अवस्थित है। इसका निर्माण मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में सन् 1653 में करवाया था। ताजमहल मुगल वस्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। उस्ताद अहमद लाहौरी को इसका प्रधान स्थापत्यकार माना जाता है।

651. जामा मस्जिद का निर्माण किसने किया था?

(a) गुरु रामदास (b) शाहजहाँ
(c) राव जोधाजी (d) महात्मा गाँधी

(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 1.15 pm)

Ans : (b) जामा मस्जिद का निर्माण सन् 1654 में सम्राट शाहजहाँ ने किया था। यह पुरानी दिल्ली में स्थित है। यह भारत की सबसे बड़ी मस्जिद है।

652. बीबी का मकबरा.....में स्थित एक कब्र है। इसका औरंगजेब के बेटे, आज़म शाह ने वर्ष 1678 में निर्माण करवाया था।

(a) हैदराबाद (b) औरंगाबाद
(c) लखनऊ (d) इलाहाबाद

(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 08.01.17, 10 am)

Ans : (b) बीबी का मकबरा औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में स्थित एक कब्र है। इसका निर्माण औरंगजेब के बेटे आजमशाह ने 1678 ई. में करवाया था। यह उसकी माता एवं औरंगजेब की बेगम दिलरास बानो की याद में बनवाया गया था। यह ताजमहल की आकृति पर बनवाया गया था इसलिए इसे द्वितीय ताजमहल भी कहा गया है।

653. जामा मस्जिद इन विश्व धरोहर स्थलों में से किसमें स्थित है?

(a) फतेहपुर सीकरी (b) हुमायूँ का मकबरा
(c) कुतुब मीनार (d) आगरे का किला

(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 4.15 pm)

Ans: (a) फतेहपुर सीकरी की जामा मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहाँ ने 1648 ई. में करवाया था। शाहजहाँ ने इस मस्जिद को अपनी बेटी जहाँआरा को समर्पित किया। फतेहपुर सीकरी को 1986 ई. में विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है।

654. किस विश्व विरासत स्मारक को ''मुगल वंश के कब्रिस्तान'' के रूप में लोकप्रियता प्राप्त हुई है?

(a) हुमायूँ का मकबरा (b) महाबोधि मन्दिर परिसर
(c) कुतुब मीनार (d) लाल किला परिसर

(SSC 10+2 CHSL 21.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) हुमायूँ के मकबरे को 'मुगल वंश के कब्रिस्तान' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि इस मकबरे में मुगल घराने के कई लोग दफनाये गये हैं जैसे– बेगा बेगम, हमीदाबानू बेगम, दारा शिकोह, जहाँदारशाह, फर्रुखशियर, रफीउरद्दरजात, रफीउद्दौला और आलमगीर द्वितीय। इस मकबरे का निर्माण हुमायूँ की विधवा बेगम (हाजी बेगम) ने करवाया था। दोहरी गुम्बद वाला यह भारत का प्रथम मकबरा है।

655. सलीम चिश्ती की दरगाह किसमें स्थित है?

(a) हुमायूँ का मकबरा (b) फतेहपुर सीकरी
(c) ग्वालियर का किला (d) आगरे का किला

(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) शेख सलीम चिश्ती की समाधि, आगरा के फतेहपुर सीकरी में जामा मस्जिद के उत्तरी कोने पर स्थित है। शेख सलीम चिश्ती एक सूफी संत थे। अकबर ने इस समाधि का निर्माण संत के सम्मान में वर्ष 1580 से 1581 के बीच करवाया था। जहांगीर ने अपने कार्यकाल में इसे पूर्णतः संगमरमर में परिवर्तित कर दिया था।

656. कहा जाता है कि, फारस की राजधानी इस्फहान ने एक स्मारक के निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान की है, वह स्मारक निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) हुमायुँ का मकबरा (b) महाबोधि मंदिर समूह
(c) कुतुब मीनार (d) लाल किला परिसर

(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 1.15 pm)

Ans : (d) लाल किला का निर्माण मुगल बादशाह शाहजहाँ द्वारा 1638 – 1648 ई. के मध्य करवाया गया। लाल पत्थर से निर्मित होने के कारण यह लाल रंग का दिखायी देता है, जिससे इस किले को 'लाल किला' कहा जाता है। इस किले को 2007 में यूनेस्कों द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में चयनित किया गया।

657. निम्नलिखित में से कौन सा स्मारक कुतुब परिसर का भाग नहीं है?

(a) बुलंद दरवाजा
(b) कुतुब मीनार
(c) कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद
(d) अलाई दरवाजा

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : बुलन्द दरवाजा, आगरा से 43 किमी. दूर फतेहपुर सीकरी नामक स्थान पर स्थित है। यह लाल-बलुआ पत्थर से बना है जिसे सफेद संगमरमर से सजाया गया है। अलाई दरवाजा, कुतुब मीनार तथा कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद कुतुब परिसर का भाग है जो दिल्ली में स्थित है।

658. कालिंजर का किला, जो मध्यकाल के दौरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण किला था,..... में स्थित है।

(a) राजस्थान (b) उत्तर प्रदेश
(c) सिंध (d) पंजाब

SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-I)

Ans. : (b) भारत के सबसे विशाल एवं अपराजेय दुर्गों में गिना जाने वाला कालिंजर का किला उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले में स्थित हैं। प्राचीनकाल में यह दुर्ग जेजाक-भुक्ति (जयशक्ति चंदेल) साम्राज्य के अधीन था। चंदेल राजाओं के शासन काल के दौरान कालिंजर पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेरशाह सूरी एवं हुमायूँ जैसे योद्धाओं ने आक्रमण किये किन्तु विजय प्राप्त करने में असफल रहे। बाद में मुगल बादशाह अकबर ने इस पर अधिकार कर लिया तथा बीरबल को तोहफे में दिया था। कालिजंर विजय अभियान के दौरान ही तोप का गोला फटने से शेरशाह सूरी की मृत्यु हो गयी थी।

659. शाह-ए-हमदान मस्जिद ___ नदी के किनारे स्थित है।

(a) झेलम (b) सतलज
(c) व्यास (d) चिनाब

SSC JE Mechanical – 22/03/2021 (Shift-II)

Ans : (a) खानकाह मस्जिद (श्रीनगर, भारत), जिसे शाह -ए-हमदान मस्जिद के नाम से भी जाना जाता है, तीसरे और चौथे पुलों के बीच झेलम नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है। इसे 1395 में शाह सिकंदर ने मीर सैय्यद अली हमदानी की यात्रा के उपलक्ष्य में बनवाया था। कुशल कश्मीरी लकड़ी के नक्काशीकारों द्वारा की गई सुंदर और जटिल लकड़ी की नक्काशी के लिए यह मस्जिद सबसे उल्लेखनीय है।

660. सराय नूरमहल भारत का एक केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। यह भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) हिमाचल प्रदेश (b) उत्तर प्रदेश
(c) पंजाब (d) पश्चिम बंगाल

SSC MTS/Havaldar– 08/07/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : सराय नूरमहल भारत का एक केन्द्रीय संरक्षित स्मारक है, जो पंजाब राज्य के जलंधर जिले में स्थित है। इसका निर्माण मुगल सम्राट जहांगीर की पत्नी नूरजहाँ के आदेश पर 1618 ई. में दोआब के तत्कालीन गवर्नर जकारिया खान की देखरेख में किया गया था। नूरमहल का नाम नूरजहाँ के नाम पर पड़ा, जहाँ उनका पालन-पोषण हुआ।

(x) मुगलकालीन चित्रकला (Mughal Painting)

661. जरदोजी कढ़ाई.....के तहत लोकप्रिय हुई थी।

(a) अकबर (b) चन्द्रगुप्त मौर्य
(c) औरंगजेब (d) अशोक

(SSC 10+2 CHSL 31.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) जरदोजी कढ़ाई भारत में ऋग्वेद के समय से मौजूद है, यह मुगल सम्राट, अकबर के दौरान लोकप्रिय हुई थी। यह अब भी लखनऊ, फर्रुखाबाद, चेन्नई और भोपाल इत्यादि भारतीय शहरों में लोकप्रिय है।

(xi) मुगलकालीन संगीत (Music During Mughal Period)

662. लोकप्रिय राग मिया की मल्हार की रचना का श्रेय किसे दिया जाता है?

(a) अमीर खुसरो (b) तानसेन
(c) जाकिर हुसैन (d) मीरा बाई

SSC CHSL (Tier-1) – 17/08/2023 (Shift-II)

Ans. (b): लोकप्रिय राग मिया की मल्हार को रचना का श्रेय तानसेन को दिया जाता है। यह एक मानसून राग है, जिसका उपयोग धरती को भिगोने और मानसून का स्वागत करने के लिए किया जाता है।

663. 19वीं शताब्दी के निम्नलिखित खयाल गायकों मे से किसे भारत के अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर ने 'तानरस' की उपाधि से सम्मानित किया था?

(a) उस्ताद आमिर खान
(b) बड़े उस्ताद गुलाम अली खान
(c) सदरंग
(d) मीर कुतुब बख्श

SSC CHSL 27/05/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : 19वीं शताब्दी के ख्याल गायकों मे से मीर कुतुब बख्श को अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर ने 'तानरस' की उपाधि से सम्मानित किया था।

664. अकबर के दरबार के नव-रत्नों में शामिल महेश दास निम्न में से किस नाम से लोकप्रिय थे ?

(a) बीरबल (b) राजा टोडरमल
(c) राजा मान सिंह (d) तानसेन

SSC GD 02/12/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : महेश दास बीरबल का नाम था। बीरबल अकबर के दरबार के 9 रत्नों में से एक थे। अकबर के दरबार के 9 रत्न थे– बीरबल, तानसेन, अबुल फजल, फैजी, राजा मानसिंह, राजा टोडरमल, मुल्ला-दो-प्याजा, फकीर अजीजुद्दीन, अब्दुल रहीम खान-ए-खाना।

665. निम्नलिखित में से कौन तानसेन का जन्मस्थान है ?

(a) आगरा (b) ग्वालियर
(c) दिल्ली (d) चंदेरी

SSC CHSL 06/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : महान संगीतकार तानसेन का जन्म मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक हिन्दू परिवार में हुआ था। इनका बचपन का नाम रामतनु था।

666. भारत में मुगल काल के दौरान राग दरबारी कनाडा के निर्माता और अकबर के दरबार के दरबारी कवि निम्नलिखित में से कौन थे?

(a) बैजू बावरा (b) स्वामी हरिदास
(c) मियां तानसेन (d) बिलास खान

SSC CHSL 06/06/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : भारत में मुगल काल के दौरान राग दरबारी कनाडा के निर्माता और अकबर के दरबार के दरबारी कवि मियां तानसेन थे।

667. मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध संगीतकारों में से एक तानसेन निम्नलिखित में से किस मुगल सम्राट के दरबार में थे?

(a) अकबर (b) बाबर
(c) औरंगजेब (d) हुमायूं

SSC CHSL 31/05/2022 (Shift-I)
(SSC 10+2 CHSL 29.01.17, 10 am)

Ans. (a) : तानसेन हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के महान ज्ञाता थे, उन्हे सम्राट अकबर के नौ रत्नों में गिना जाता है। संगीत सम्राट तानसेन की नगरी ग्वालियर में कहावत प्रसिद्ध है कि यहाँ के बच्चे रोते है, तो सुर में तथा यहाँ के पत्थर लुढ़कते है, तो ताल में। तानसेन पहले रीवा के राजा रामचन्द्र के दरबारी गायक थे, परन्तु बाद में इन्हे अकबर ने बुलाकर अपने नौ रत्नों में जगह दी और मियाँ की उपाधि भी ।

668. मुगल सम्राटों के शासन काल में, कथक मूल रूप से निम्न के दरबारों में दो 'घरानों' में विकसित हुआ:

(a) जयपुर और लखनऊ (b) किराना और पटियाला
(c) ग्वालियर और आगरा (d) इंदौर और मेवाड़

SSC GD 10/12/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : मुगल सम्राटों के शासन काल में कथक मूल रूप में जयपुर और लखनऊ घरानों में विकसित हुआ था।

669. अकबर ने अपने दरबारी संगीतज्ञ के रूप में किसे नियुक्त किया था?

(a) अबुल फजल (b) मियाँ तानसेन
(c) राजा बीरबल (d) राजा टोडरमल

(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

(xii) मुगलकालीन साहित्य (Literature during Mughal Period)

670. 'बादशनामा' की रचना निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई है ?

(a) बाबर (b) अबुल फजल
(c) अब्दुल हमीद लाहौरी (d) इनायत खान

SSC CGL Mains -26/10/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : बादशनामा की रचना अब्दुल हमीद लाहौरी द्वारा की गयी थी। सम्राट शाहजहाँ-I के शासनकाल के आधिकारिक इतिहास के रूप में लिखी गई कृतियों का एक समूह है।

671. मुगल शासक अकबर के जीवन पर आधारित एक दस्तावेज, आइन-ए-अकबरी (Ain-i Akbari) में _____ के संबंध में जानकारी नहीं है।

(a) पूर्वज (b) राजस्व
(c) सेना (d) प्रशासन

SSC CHSL (Tier-1) – 21/03/2023 (Shift-IV)

Ans. (a) : 'आइन-ए-अकबरी' की रचना 16वीं शताब्दी में अबुल फ़जल ने किया था। इसमें मुगल शासक अकबर के जीवन पर आधारित प्रशासन, न्याय, राजस्व और भारतीय समाज के अन्य समुदायों का विस्तृत विवरण है। इस रचना को मुगल काल के भारत का प्रथम गजेटियर कहा जाता है।

672. मध्ययुगीन महाकाव्य 'पद्मावत' के लेखक कौन थे?

(a) मुल्ला दाउद (b) मलिक मुहम्मद जायसी

(c) अबुल-फ़ज़ल इब्र मुबारक (d) अमीर खुसरो

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-II

Ans. (b) : 'पद्मावत' हिन्दी साहित्य के अंतर्गत सूफी परम्परा का प्रसिद्ध महाकाव्य है। इसके रचनाकार मलिक मुहम्मद जायसी है। दोहा और चौपाई छन्द में लिखे गए इस महाकाव्य की भाषा अवधी है। ज्ञातव्य है कि मलिक मोहम्मद जायसी भक्तिकाल की निर्गुण प्रेमाश्रयी शाखा व मलिक वंश के कवि है। इनकी अन्य रचनायें– अखरावट, आखिरी कलाम, चित्रलेखा, कहरानामा आदि है।

673. मुगल दरबार के इतिहास ____में लिखे गए हैं।

(a) अरबी (b) तुर्की

(c) फ़ारसी (d) उर्दू

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : मुगल दरबार के इतिहास फारसी में लिखे गए हैं।

674. जैसा कि अबुल फ़ज़ल-ए-अल्लामी द्वारा लिखित 'आइन-ए-अकबरी' में वर्णित है, 'गज (लंबाई मापने की इकाई) को _____नामक समान भागों में विभाजित किया गया था।

(a) अंगुल (b) तस्सुज

(c) राजाकन (d) लिक्षा

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : जैसा कि अबुल फज़ल-ए-अल्लामी द्वारा लिखित 'आइन-ए-अकबरी' में वर्णित है, 'गज (लंबाई मापने की इकाई) को 'तस्सुज' नामक समान भागों में विभाजित किया गया था।

675. मध्यकालीन भारतीय साहित्य के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही है?

(a) विक्रमांकदेवचरित - कल्हण

(b) गीतगोविंद - जयदेव

(c) राजतरंगिणी - बिल्हण

(d) पृथ्वीराजरासो - नृपतुंग

SSC GD 26/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) :

रचनाएँ	रचनाकार
विक्रमांकदेव चरित	बिल्हण
गीत गोविन्द	जयदेव
राजतरंगिणी	कल्हण
पृथ्वीराजरासो	चन्दबरदाई

676. तुलसीदासकृत रामचरितमानस का पहला मुद्रित संस्करण 1810 में _____ से प्रकाशित किया गया था।

(a) दिल्ली (b) कलकत्ता/कोलकाता

(c) मद्रास/चेन्नई (d) बंबई/मुंबई

SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : रामचरितमानस तुलसीदास जी की सबसे प्रमुख कृति है। इसकी रचना संवत 1631 ई. में हुई थी। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस के प्रथम सम्पादक, हिन्दी के आदि गद्यकार, पं. सदल मिश्र थे। उनके द्वारा यह ग्रन्थ कलकत्ता से 1810 ई. में प्रकाशित हुआ था। यह एक हस्तलिखित प्रकाशन था, जिसमें लीथों प्रिंटिंग की तकनीक अपनायी गयी थी।

677. निम्नलिखित में से कौन फारसी, अरबी और तुर्की के साथ ही साथ संस्कृत, हिन्दी और राजस्थानी के प्रख्यात विद्वान थे?

(a) अकबर (b) बीरबल

(c) रसखान

(d) अब्दुल रहीम खान-ए-खाना

SSC GD 22/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : अब्दुल रहीम खान-ए-खाना फारसी, अरबी और तुर्की के साथ ही संस्कृत, हिन्दी और राजस्थानी के प्रख्यात विद्वान थे। बैरम खाँ का पुत्र अब्दुल रहीम खान-ए-खाना शस्त्र एवं कलम दोनों के धनी थे। यह अकबर के नवरत्नों में एक थे। संस्कृत में, उन्होनें ज्योतिष पर दो पुस्तकें लिखी- खेटकौतुकम और द्वैत्रिंशद्यायोगावली। अब्दुल रहीम खान-ए-खाना को अपने युग के भोज की उपाधि से विभूषित किया गया था। इनका मकबरा दिल्ली में है।

678. मुगल काल में किया गया ''महाभारत'' का फारसी अनुवाद किस नाम से जाना जाता है?

(a) रेख्ता (b) रिसाला-ए-हक नामा

(c) रज्मनामा (d) सफीनत-उल-औलिया

SSC JE Civil - 24/01/2018 (Shift-I)
(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 10 am)
SSC CHSL 20/10/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : मुगल काल में विभिन्न ग्रंथों का फारसी भाषा में अनुवाद किया गया। अकबर ने फैजी के अधीन एक अनुवाद विभाग की स्थापना की। इसके अन्तर्गत संस्कृत, तुर्की व अरबी आदि भाषाओं के अनेक ग्रन्थों का फारसी भाषा में अनुवाद किया गया। अकबर के शासनकाल में बाबर द्वारा तुर्की भाषा में लिखित ग्रन्थ तुजुक-ए-बाबरी का फारसी अनुवाद दो बार हुआ। पहला अनुवाद प्यान्दा खाँ तथा दूसरा अब्दुर रहीम खान–ए–खाना ने बाबरनामा नाम से किया। अकबर के शासन काल में बंदायूनी, नकीब खां और अब्दुल कादिर ने महाभारत का फारसी अनुवाद 'रज्मनामा' के नाम से किया था। इसके अतिरिक्त अकबर के ही काल में बंदायूनी ने 'रामायण' का, राजा टोडर मल ने 'भागवत पुराण' का, इब्राहिम सरहिन्दी ने 'अथर्ववेद' का एवं फैजी ने गणित की पुस्तक 'लीलावती' का फारसी में अनुवाद किया।

679. आइन-ए-अकबरी' पुस्तक के लेखक का नाम बताएँ?

(a) अब्दुल रहीम खान-ए-खाना

(b) दारा शिकोह

(c) टोडर मल

(d) अबुल फजल

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-I)
SSC MTS 02/08/2019 (Shift-II)
SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-II)
SSC MTS 19/08/2019 (Shift-I)

Ans. (d) 'आईन-ए-अकबरी' अबुल फजल द्वारा रचित 'अकबरनामा' का ही एक भाग है। अकबरनामा के तीन भाग हैं जिसमें से तीसरे भाग को 'आईन-ए-अकबरी' कहते हैं।

प्रथम भाग में अकबर के पूर्वजों तथा उसके आरंभिक जीवन का वर्णन है।

दूसरा भाग अकबर काल के घटनाक्रमों से संबंधित है।

तीसरे भाग अर्थात् आईन-ए-अकबरी में अकबर के शासनकाल से संबंधित ऑकड़े तथा शासन व्यवस्था संबंधी अन्य नियमों का वर्णन है।